

विदेह VIDEHA

विदेह-सदेह १-३७ विस्तृत अध्ययन

Videha Sadeha 1-37 Detailed Study

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड २१ / २२ · Volume 21 of 22

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह-सदेह ३५ — विस्तृत अध्ययन	५४० प्रश्न
२. विदेह-सदेह ३६ — विस्तृत अध्ययन	१६५९ प्रश्न
३. विदेह-सदेह ३७ — विस्तृत अध्ययन	२९५ प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह-सदेह ३५ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड 4774 : विदेह-सदेह 35 — सत्यानंद पाठक: स्वान विमर्श (लघुकथा)

१. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) स्वान विमर्श (लघुकथा)
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लघुकथा
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) प्राणी-मानव सम्बन्ध

५. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) प्राणी-मानव सम्बन्ध
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक सत्यानंद पाठक, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

९. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०. खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465मे सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “प्राणी-मानव सम्बन्ध” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4775 : विदेह-सदेह 35 — प्रो. वीणा ठाकुर: परिणीता (लघुकथा)

११. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) परिणीता (लघुकथा)
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१२. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१३. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लघुकथा
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१४. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।

१५. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१६. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक प्रो. वीणा ठाकुर, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१७. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१८. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१९. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२०. खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466मे प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4776 : विदेह-सदेह 35 — साकेतानन्द: आछे दिन पाछे गए

२१. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) आछे दिन पाछे गए
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२२. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२३. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) संस्मरण
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२४. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) पुरान दिनक याद

२५. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) पुरान दिनक याद
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२६. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक साकेतानन्द, विधा गद्य, उप-विधा संस्मरण
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२७. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

२८. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

२९. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३०. खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467मे साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” प्रविष्टि गद्य, संस्मरण आ “पुरान दिनक याद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4777 : विदेह-सदेह 35 — नवेन्दु कुमार झा: रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद

३१. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३२. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३३. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) राजनीति/विकास
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३४. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर>

३५. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर>
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३६. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक नवेन्दु कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा राजनीति/विकास
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३७. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

३८. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ राजनीति/विकासक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

३९. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४०. खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468मे नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” प्रविष्टि गद्य, राजनीति/विकास आ “समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा। </टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4778 : विदेह-सदेह 35 — देवशंकर नवीन: बिलाड़ि, मोटर साइकिल

४१. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) बिलाड़ि, मोटर साइकिल
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४२. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४३. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) व्यंग्य-कथा
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४४. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता

४५. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४६. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक देवशंकर नवीन, विधा गद्य, उप-विधा व्यंग्य-कथा
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४७. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

४८. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ व्यंग्य-कथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

४९. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५०. खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469मे देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” प्रविष्टि गद्य, व्यंग्य-कथा आ “आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4779 : विदेह-सदेह 35 — डॉ. शेफालिका वर्मा: एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर

५१. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५२. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५३. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एकांकी/नाटक
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५४. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) नारी-विमर्श

५५. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) नारी-विमर्श
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५६. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक डॉ. शेफालिका वर्मा, विधा गद्य, उप-विधा एकांकी/नाटक
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५७. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

५८. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ एकांकी/नाटकक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

५९. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६०. खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470मे डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” प्रविष्टि गद्य, एकांकी/ नाटक आ “नारी-विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4780 : विदेह-सदेह 35 — भारत भूषण झा: आत्मबल (लघु कथा)

६१. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) आत्मबल (लघु कथा)
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६२. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६३. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लघुकथा
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६४. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>

६५. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६६. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक भारत भूषण झा, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६७. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

६८. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)”केँ विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

६९. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७०. खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471मे भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4781 : विदेह-सदेह 35 — कपिलेश्वर राउत: अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)

७१. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७२. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य/पद्य मिश्रित
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७३. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लघुकथा-संग्रह
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७४. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) बहुविध सामाजिक मुद्दा

७५. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) बहुविध सामाजिक मुद्दा
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७६. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक कपिलेश्वर राउत, विधा गद्य/पद्य मिश्रित, उप-विधा लघुकथा-संग्रह
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७७. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

७८. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)”क विदेह-सदेह 35क गद्य/पद्य मिश्रित-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लघुकथा-संग्रहक रूपमे गद्य/पद्य मिश्रित-संसारसँ जुड़ल अछि।

७९. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८०. खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472मे कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” प्रविष्टि गद्य/पद्य मिश्रित, लघुकथा-संग्रह आ “बहुविध सामाजिक मुद्दा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4782 : विदेह-सदेह 35 — प्रकाश झा: विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च

८१. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८२. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८३. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) रंगमंच लेख
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८४. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली रंगमंचक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। </टीआर>

८५. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर>
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८६. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक प्रकाश झा, विधा गद्य, उप-विधा रंगमंच लेख
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८७. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

८८. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च”कें विदेह-सदेह 35क गद्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ रंगमंच लेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

८९. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९०. खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473मे प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” प्रविष्टि गद्य, रंगमंच लेख आ “मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4783 : विदेह-सदेह 35 — अनमोल झा: रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध

९१. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९२. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य/कविता मिश्रित
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९३. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लघुगद्य/सूक्ति
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९४. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) अस्तित्ववादी चिन्तन

९५. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) अस्तित्ववादी चिन्तन
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९६. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध”क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककेँ की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक अनमोल झा, विधा गद्य/कविता मिश्रित, उप-विधा लघुगद्य/सूक्ति
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९७. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” रचना/लेखकक कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

९८. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध”केँ विदेह-सदेह 35क गद्य/कविता मिश्रित-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लघुगद्य/सूक्तिक रूपमे गद्य/कविता मिश्रित-संसारसँ जुड़ल अछि।

१९. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१००. खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474मे अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” प्रविष्टि गद्य/कविता मिश्रित, लघुगद्य/सूक्ति आ “अस्तित्ववादी चिन्तन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4784 : विदेह-सदेह 35 — रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’: जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी

१०१. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क “जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी” प्रविष्टिमे उल्लिखित मुख्य पाठ/विषय कोन अछि?

- (A) जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०२. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क “जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी”क मुख्य विधा कोन अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) गद्य/नाट्य
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०३. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क “जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी”क उप-विधा कोन रूपमे देल गेल अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) लोकनाट्य/एकांकी
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०४. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क “जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी” पाठमे आरम्भिक समालोचनात्मक संकेत की भेटैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर

१०५. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी" प्रविष्टि विदेह-सदेह 35मे कोन अर्थ-दिशा खोलैत अछि?

- (A) मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०६. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी"क अध्ययनमे लेखक-सूचकांक पाठककें की मुख्य सूचना दैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) लेखक रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर', विधा गद्य/नाट्य, उप-विधा लोकनाट्य/एकांकी
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०७. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी" रचना/लेख ककरा कारण साधारण सूचीकरणसँ आगाँ बढ़ि आलोचनात्मक प्रविष्टि बनैत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

१०८. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी"कें विदेह-सदेह 35क गद्य/नाट्य-भागमे राखल गेलासँ की स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (C) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।
- (D) ई पाठ लोकनाट्य/एकांकीक रूपमे गद्य/नाट्य-संसारसँ जुड़ल अछि।

१०९. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी" प्रविष्टि विदेह-सदेह 35क अध्ययनमे किएक उपयोगी अछि?

- (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकें एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।
- (B) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

११०. खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475: एहि खण्डक सार की अछि?

- (A) ई विकल्प मुख्य पाठ-विचारसँ मेल नहि खाइत अछि।
- (B) खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475मे रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'क "जट--जटिन (लोकनाट्य- रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी" प्रविष्टि गद्य/नाट्य, लोकनाट्य/एकांकी आ "मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर" संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकें व्यवस्थित करैत अछि।
- (C) ई निष्कर्ष स्रोत-प्रसंगसँ दूर अछि।
- (D) एहि बातक अर्थ उलट लएल गेल अछि।

खण्ड 4783 : विदेह-सदेह 35 — राधा कान्त मंडल 'रमण' — कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)

१११. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११२. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११३. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११४. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' केँ शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११५. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११६. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' केँ गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११७. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११८. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा। केँ भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११९. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२०. 'कने हमहूँ पढ़व (मैथिली एकांकी)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4784 : विदेह-सदेह 35 — ऋषि वशिष्ठ — अन्हरजाली

१२१. 'अन्हरजाली'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२२. 'अन्हरजाली'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२३. 'अन्हरजाली'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२४. 'अन्हरजाली'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२५. 'अन्हरजाली'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२६. 'अन्हरजाली'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२७. 'अन्हरजाली'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) अन्धविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२८. 'अन्हरजाली' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) अन्हविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२९. 'अन्हरजाली'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप अन्हविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३०. 'अन्हरजाली' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ अन्हविश्वास आ जादू-टोनाक विसंगति। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4785 : विदेह-सदेह 35 — नन्द विलास राय — चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)

१३१. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३२. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३३. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३४. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३५. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३६. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३७. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३८. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३९. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४०. 'चौठचन्द्रक दही (लघुकथा)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लोक विश्वास; हास्य-व्यंग्य। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4786 : विदेह-सदेह 35 — धीरेन्द्र कुमार — अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल” (समीक्षा)

१४१. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल” (समीक्षा)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४२. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल” (समीक्षा)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४३. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास “मौलाइल गाछक फूल” (समीक्षा)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४४. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४५. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४६. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४७. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४८. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४९. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५०. 'अहींक लेल, जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4787 : विदेह-सदेह 35 — जीवकान्त — जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)

१५१. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५२. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?
- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
(B) कागजक आकार
(C) सिरिफ तिथि
(D) प्रचारात्मक वाक्य
१५३. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
१५४. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
१५५. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
१५६. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
१५७. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
१५८. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
१५९. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) गद्यक रूप विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६०. 'जगदीश प्रसाद मंडलक उपन्यास "मौलाइल गाछक फूल" (समीक्षा)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4788 : विदेह-सदेह 35 — बेचन ठाकुर — बेटीक अपमान, छीनरदेवी

१६१. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६२. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'मे कथक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६३. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'केँ गद्य/नाट्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६४. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'क शीर्षक आ कथक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६५. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६६. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६७. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६८. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६९. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी'मे गद्य\नाट्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्य\नाट्यक रूप बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१७०. 'बेटीक अपमान, छीनरदेवी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4789 : विदेह-सदेह 35 — अर्चना कुमर — आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा

१७१. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१७२. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१७३. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१७४. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१७५. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१७६. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१७७. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१७८. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१७९. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१८०. 'आस, विद्वान (दादीसँ सुनल कथाक पुनर्लेखन), बेटा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4790 : विदेह-सदेह 35 — शिव कुमार झा 'टिल्लू' — समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा

१८१. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१८२. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१८३. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१८४. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१८५. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१८६. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१८७. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१८८. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१८९. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१९०. 'समीक्षा- सूर्यमुखी, मैथिली कथाक विकासमे गामक जिनगीक योगदान, 'समकालीन मैथिली कविता'क समीक्षा, चित्रकथा समीक्षा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4791 : विदेह-सदेह 35 — गजेन्द्र ठाकुर — सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर

१९१. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१९२. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१९३. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१९४. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१९५. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१९६. 'सुहस्रं शीर्षु, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१९७. 'सुहस्रं शीर्षा, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१९८. 'सुहस्रं शीर्षा, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१९९. 'सुहस्रं शीर्षा, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२००. 'सुहस्रं शीर्षा, जगदीश प्रसाद मण्डल- एकटा बायोग्राफी, मैथिली गजल शास्त्र, मैथिली समीक्षाशास्त्र, बाल गुरु, एकटा पत्र, माए-बेटाक मनोविज्ञान, शारदानगर' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4792 : विदेह-सदेह 35 — प्रोफेसर प्रेमशंकर सिंह — मैथिली बाल काव्यधारा

२०१. 'मैथिली बाल काव्यधारा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२०२. 'मैथिली बाल काव्यधारा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२०३. 'मैथिली बाल काव्यधारा'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२०४. 'मैथिली बाल काव्यधारा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२०५. 'मैथिली बाल काव्यधारा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२०६. 'मैथिली बाल काव्यधारा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२०७. 'मैथिली बाल काव्यधारा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२०८. 'मैथिली बाल काव्यधारा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२०९. 'मैथिली बाल काव्यधारा'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२१०. 'मैथिली बाल काव्यधारा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4793 : विदेह-सदेह 35 — देवांशु वत्स — प्रगतिक रहस्य

२११. 'प्रगतिक रहस्य'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२१२. 'प्रगतिक रहस्य'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२१३. 'प्रगतिक रहस्य'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२१४. 'प्रगतिक रहस्य'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२१५. 'प्रगतिक रहस्य'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२१६. 'प्रगतिक रहस्य'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२१७. 'प्रगतिक रहस्य'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२१८. 'प्रगतिक रहस्य' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२१९. 'प्रगतिक रहस्य'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र। कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२२०. 'प्रगतिक रहस्य' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र। <\/tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4794 : विदेह-सदेह 35 — डॉ. नरेश कुमार 'विकल' — किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)

२२१. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२२२. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२२३. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२२४. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२२५. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२२६. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२२७. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। <\/tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२२८. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२२९. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२३०. 'किछु आजाद गजल (पृ १४५१-१४५५)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4795 : विदेह-सदेह 35 — सुबोध ठाकुर — नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा

२३१. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२३२. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२३३. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२३४. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२३५. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२३६. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२३७. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२३८. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२३९. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२४०. 'नव वर्षक रंग, प्रयास, प्रतीक्षा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4796 : विदेह-सदेह 35 — सतीश चन्द्र झा — सौंसे बिहार एखनो बेहाल

२४१. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२४२. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२४३. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२४४. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२४५. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२४६. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२४७. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२४८. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२४९. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२५०. 'सौंसे बिहार एखनो बेहाल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बिहारक दुर्दशा। सामाजिक चेतना।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4797 : विदेह-सदेह 35 — जीवकान्त — बबलू बनबय छक्का-सत्ता

२५१. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२५२. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२५३. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२५४. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२५५. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२५६. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२५७. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२५८. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२५९. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।</tr> कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२६०. 'बबलू बनबय छक्का-सत्ता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चोट।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4798 : विदेह-सदेह 35 — राजेश मोहन झा — घुरना मोन पड़ैए

२६१. 'घुरना मोन पड़ैए'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२६२. 'घुरना मोन पड़ैए'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२६३. 'घुरना मोन पड़ैए'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२६४. 'घुरना मोन पड़ैए'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम-स्मृति, करुण रस। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२६५. 'घुरना मोन पड़ैए'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२६६. 'घुरना मोन पड़ैए'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२६७. 'घुरना मोन पड़ैए'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२६८. 'घुरना मोन पड़ैए' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम-स्मृति, करुण रस। </tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२६९. 'घुरना मोन पड़ैए'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम-स्मृति, करुण रस। </tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२७०. 'घुरना मोन पड़ैए' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम-स्मृति, करुण रस। </tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4799 : विदेह-सदेह 35 — अरविन्द ठाकुर — आजाद गजल-१-२

२७१. 'आजाद गजल-१-२'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन। </tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२७२. 'आजाद गजल-१-२'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन। </tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२७३. 'आजाद गजल-१-२'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन। </tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२७४. 'आजाद गजल-१-२'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन। </tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२७५. 'आजाद गजल-१-२'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन। </tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२७६. 'आजाद गजल-१-२'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२७७. 'आजाद गजल-१-२'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२७८. 'आजाद गजल-१-२' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२७९. 'आजाद गजल-१-२'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२८०. 'आजाद गजल-१-२' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ उर्दू-मैथिली गजल सम्मिलन।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4800 : विदेह-सदेह 35 — रवि भूषण पाठक — कि भेलए एकरा?

२८१. 'कि भेलए एकरा?'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रश्नात्मक अतियथार्थवाद।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२८२. 'कि भेलए एकरा?'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रश्नात्मक अतियथार्थवाद।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२८३. 'कि भेलए एकरा?'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रश्नात्मक अतियथार्थवाद।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२८४. 'कि भेलए एकरा?'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद।
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२८५. 'कि भेलए एकरा?'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२८६. 'कि भेलए एकरा?'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२८७. 'कि भेलए एकरा?'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२८८. 'कि भेलए एकरा?' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२८९. 'कि भेलए एकरा?'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२९०. 'कि भेलए एकरा?' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रश्नात्मक अतिथार्थवाद। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4801 : विदेह-सदेह 35 — प्रवीण कश्यप — पौरुष पिशाच

२९१. 'पौरुष पिशाच'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२९२. 'पौरुष पिशाच'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२९३. 'पौरुष पिशाच'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२९४. 'पौरुष पिशाच'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२९५. 'पौरुष पिशाच'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२९६. 'पौरुष पिशाच'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२९७. 'पौरुष पिशाच'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२९८. 'पौरुष पिशाच' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२९९. 'पौरुष पिशाच'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।</tr> कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३००. 'पौरुष पिशाच' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ पितृसत्तात्मक पौरुष पर व्यंग्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4802 : विदेह-सदेह 35 — राम विलास साहु — चौवनिया नेता

३०१. 'चौवनिया नेता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३०२. 'चौवनिया नेता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३०३. 'चौवनिया नेता'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३०४. 'चौवनिया नेता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक चुनावी राजनीति पैतरेबाजी। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३०५. 'चौवनिया नेता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३०६. 'चौवनिया नेता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३०७. 'चौवनिया नेता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३०८. 'चौवनिया नेता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) चुनावी राजनीति पैतरेबाजी।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३०९. 'चौवनिया नेता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप चुनावी राजनीति पैतरेबाजी। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३१०. 'चौवनिया नेता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ चुनावी राजनीति पैतरेबाजी। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4803 : विदेह-सदेह 35 — महाकान्त ठाकुर — साहेब

३११. 'साहेब'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३१२. 'साहेब'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३१३. 'साहेब'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३१४. 'साहेब'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३१५. 'साहेब'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३१६. 'साहेब'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३१७. 'साहेब'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३१८. 'साहेब' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३१९. 'साहेब'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३२०. 'साहेब' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ अधिकारी वर्गक सामाजिक विसंगति। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4804 : विदेह-सदेह 35 — डॉ. शेफालिका वर्मा — स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश

३२१. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३२२. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३२३. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३२४. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३२५. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३२६. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३२७. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३२८. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३२९. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३३०. 'स्मृति-शेष, बच्चा आ व्यवस्था, देश' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राष्ट्रप्रेम, बाल अधिकार, नारी स्मृति।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4805 : विदेह-सदेह 35 — सरोज 'खिलाडी' — गीत

३३१. 'गीत'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३३२. 'गीत'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३३३. 'गीत'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३३४. 'गीत'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३३५. 'गीत'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३३६. 'गीत'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३३७. 'गीत'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३३८. 'गीत' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३३९. 'गीत'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।</tr> कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३४०. 'गीत' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेमगीत; लोक-सुर बोध।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4806 : विदेह-सदेह 35 — श्यामल सुमन — कहू कि फूसि बजय छी?

३४१. 'कहू कि फूसि बजय छी?'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३४२. 'कहू कि फूसि बजय छी?'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३४३. 'कहू कि फूसि बजय छी?'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३४४. 'कहू कि फूसि बजय छी?'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३४५. 'कहू कि फूसि बजय छी?'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३४६. 'कहू कि फूसि बजय छी?'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३४७. 'कहू कि फूसि बजय छी?'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३४८. 'कहू कि फूसि बजय छी?' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३४९. 'कहू कि फूसि बजय छी?' मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३५०. 'कहू कि फूसि बजय छी?' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4807 : विदेह-सदेह 35 — काली नाथ ठाकुर — दहेज़ विरोधी रचना

३५१. 'दहेज़ विरोधी रचना'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेपी।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३५२. 'दहेज़ विरोधी रचना'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेपी।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३५३. 'दहेज़ विरोधी रचना'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेपी।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३५४. 'दहेज़ विरोधी रचना'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेपी। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३५५. 'दहेज़ विरोधी रचना'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेपी।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३५६. 'दहेज़ विरोधी रचना'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३५७. 'दहेज़ विरोधी रचना'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३५८. 'दहेज़ विरोधी रचना' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३५९. 'दहेज़ विरोधी रचना'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३६०. 'दहेज़ विरोधी रचना' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4808 : विदेह-सदेह 35 — किशन कारीगर — दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता

३६१. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३६२. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३६३. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३६४. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३६५. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३६६. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३६७. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३६८. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३६९. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बँटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३७०. 'दौगल चलि जाएब गाम, आबि गेल नव वर्ष, बैटवारा, एकटा तऽ ओ छलीह, गलचोटका बर, लिखैत रही, नबकनियाँ, किडनी चोर, बीर जबान, हमरो जीबऽ दिअ, हाकिम भऽ गेलाह, पियक्कर, दहेज, देशऽक चिन्ता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4809 : विदेह-सदेह 35 — नवीन कुमार “आशा” — मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा

३७१. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३७२. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३७३. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३७४. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३७५. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३७६. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३७७. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३७८. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३७९. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३८०. 'मच्छर मच्छर, याद अबैए बाबाक लावा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मच्छर पर व्यंग्य; पितृ स्मृति। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4810 : विदेह-सदेह 35 — मनीष झा “बौआभाई” — फहराइयै पताका

३८१. 'फहराइयै पताका'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३८२. 'फहराइयै पताका'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३८३. 'फहराइयै पताका'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३८४. 'फहराइयै पताका'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३८५. 'फहराइयै पताका'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३८६. 'फहराइयै पताका'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३८७. 'फहराइयै पताका'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३८८. 'फहराइयै पताका' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३८९. 'फहराइयै पताका'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३९०. 'फहराइयै पताका' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राष्ट्रध्वज आ गौरव बोध।</tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4811 : विदेह-सदेह 35 — मुन्नी कामत — समाजक विडम्बना

३९१. 'समाजक विडम्बना'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी देह पर राजनीति।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३९२. 'समाजक विडम्बना'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी देह पर राजनीति।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३९३. 'समाजक विडम्बना'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी देह पर राजनीति।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३९४. 'समाजक विडम्बना'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी देह पर राजनीति।
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३९५. 'समाजक विडम्बना'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी देह पर राजनीति।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३९६. 'समाजक विडम्बना'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी देह पर राजनीति।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३९७. 'समाजक विडम्बना'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी देह पर राजनीति।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३९८. 'समाजक विडम्बना' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी देह पर राजनीति।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३९९. 'समाजक विडम्बना'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी देह पर राजनीति।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४००. 'समाजक विडम्बना' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी देह पर राजनीति।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4812 : विदेह-सदेह 35 — मृदुला प्रधान — ई त बूझू

४०१. 'ई त बूझू'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४०२. 'ई त बूझू'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४०३. 'ई त बूझू'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४०४. 'ई त बूझू'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४०५. 'ई त बूझू'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४०६. 'ई त बूझू'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४०७. 'ई त बूझू'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४०८. 'ई त बूझू' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४०९. 'ई त बूझू'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४१०. 'ई त बूझू' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बूझौल परम्पराक आधुनिक कविता।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4813 : विदेह-सदेह 35 — रमा कान्त झा — की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)

४११. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४१२. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४१३. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४१४. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४१५. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४१६. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४१७. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४१८. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४१९. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनेत अछि

४२०. 'की होइत अछि कश्मीरमे आब, रही रही मोन पड़ै अछि गामक, हम की हमर पहचान, माता के चरण कमलमे आरती, बिबाह ने भेल एकटा सोगातक संग भेटल, मिथिला नगरी, सौराठ गाम, नचारी, बसन्त आबि गेल (बहुविध)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला-प्रेम, कश्मीर मुद्दा, बसन्तक गीत; बहुआयामी संवेदना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4814 : विदेह-सदेह 35 — मनोज कुमार मंडल — बूढ़, किसान

४२१. 'बूढ़, किसान'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४२२. 'बूढ़, किसान'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४२३. 'बूढ़, किसान'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४२४. 'बूढ़, किसान'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४२५. 'बूढ़, किसान'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४२६. 'बूढ़, किसान'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४२७. 'बूढ़, किसान'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४२८. 'बूढ़, किसान' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४२९. 'बूढ़, किसान'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४३०. 'बूढ़, किसान' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ ग्रामीण बुढ़ापा आ किसान पीड़ा। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4815 : विदेह-सदेह 35 — बेचन ठाकुर — घरनी-बीसा

४३१. 'घरनी-बीसा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४३२. 'घरनी-बीसा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४३३. 'घरनी-बीसा'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४३४. 'घरनी-बीसा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४३५. 'घरनी-बीसा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४३६. 'घरनी-बीसा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४३७. 'घरनी-बीसा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४३८. 'घरनी-बीसा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४३९. 'घरनी-बीसा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४४०. 'घरनी-बीसा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4816 : विदेह-सदेह 35 — नन्द विलास राय — अकाल, प्रदूषण रोकू कविता

४४१. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४४२. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४४३. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४४४. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४४५. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४४६. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४४७. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४४८. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४४९. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४५०. 'अकाल, प्रदूषण रोकू कविता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4817 : विदेह-सदेह 35 — गजेन्द्र ठाकुर — घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकेँ पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)

४५१. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकेँ पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४५२. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकेँ पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४५३. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकेँ पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४५४. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
४५५. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन
४५६. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब
४५७. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम
४५८. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
४५९. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) पद्यक रूप विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr> केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
४६०. 'घृणाक तरहरिमे, घड़ी पूजा, नजरि लागि जाइ छै, ठाढ लत्तीकें पढ़ैत छी, हमर आकांक्षाक अग्नि, उजाहिमे उपलाइत, कटिहारी, भाग्यशाली, हाइकू\शेनर्यू, कुण्डलिया, रुबाइ, कता, गजल १-४१ (धांगि बाट बनेबाक दाम अगूबार पेने छँ)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।<\tr> धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4818 : विदेह-सदेह 35 — श्वेता झा चौधरी — मिथिला चित्रकला (चित्र)

४६१. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४६२. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४६३. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'कें चित्रकला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४६४. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४६५. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४६६. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४६७. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४६८. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४६९. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)' मे चित्रकलाक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) चित्रकलाक रूप मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४७०. 'मिथिला चित्रकला (चित्र)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4819 : विदेह-सदेह 35 — अनुपमा प्रियदर्शिनी — चित्रकला

४७१. 'चित्रकला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४७२. 'चित्रकला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४७३. 'चित्रकला'केँ चित्रकला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४७४. 'चित्रकला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४७५. 'चित्रकला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४७६. 'चित्रकला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४७७. 'चित्रकला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४७८. 'चित्रकला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४७९. 'चित्रकला'मे चित्रकलाक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) चित्रकलाक रूप समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४८०. 'चित्रकला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4820 : विदेह-सदेह 35 — श्वेता झा (सिंगापुर) — चित्रकला

४८१. 'चित्रकला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४८२. 'चित्रकला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४८३. 'चित्रकला'केँ चित्रकला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४८४. 'चित्रकला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४८५. 'चित्रकला'मे पाठक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४८६. 'चित्रकला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४८७. 'चित्रकला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४८८. 'चित्रकला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४८९. 'चित्रकला'मे चित्रकलाक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) चित्रकलाक रूप सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४९०. 'चित्रकला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4821 : विदेह-सदेह 35 — गुंजन कर्ण — चित्रकला

४९१. 'चित्रकला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४९२. 'चित्रकला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४९३. 'चित्रकला'कें चित्रकला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४९४. 'चित्रकला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४९५. 'चित्रकला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४९६. 'चित्रकला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४९७. 'चित्रकला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४९८. 'चित्रकला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४९९. 'चित्रकला'मे चित्रकलाक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) चित्रकलाक रूप नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली। कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५००. 'चित्रकला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें नारी दृष्टि सँ समसामयिक शैली। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4822 : विदेह-सदेह 35 — तुनिशा प्रियम — किछु चित्र

५०१. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५०२. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५०३. 'किछु चित्र'क चित्रकला रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५०४. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr> दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५०५. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५०६. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५०७. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५०८. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५०९. 'किछु चित्र'मे चित्रकलाक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) चित्रकलाक रूप बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५१०. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बाल चित्रकला आ कल्पनाशीलता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4823 : विदेह-सदेह 35 — बिपिन झा (लम्बा निबन्ध संग्रह सँ अलग प्रविष्टि) — प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)

५११. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५१२. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५१३. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५१४. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५१५. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५१६. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५१७. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५१८. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५१९. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५२०. 'प्रदेश करे विकास, बिहार-विकास, विरासत करे संरक्षण, गुरुशिष्य परम्परा, बालमजदूर, शहीद चिता धुँआ, पर्वक औचित्य आदि (बहुविध)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4824 : विदेह-सदेह 35 — मिथिलेश कुमार झा — कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख

५२१. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५२२. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५२३. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५२४. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५२५. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५२६. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५२७. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५२८. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५२९. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५३०. 'कानून, दर्शन, कन्यादान, महानगर संस्कृति (पृ २९९-३०३) पहिने सँ उल्लेख' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4825 : विदेह-सदेह 35 — बिपिन झा (पृ ३३८-३७४) already counted सँ अलग रचनासभ —

“कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक

महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा

५३१. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५३२. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५३३. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५३४. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण। दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५३५. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५३६. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५३७. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५३८. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’ पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५३९. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५४०. “कृतारिषड्वर्गजयेनमानवीम्” सफलताक मूलसूत्र, हे हृदयेश्वरी: कटाक्षालोचन, की नब साल की पुरान साल, गाँधीविचारक महत्ता, मिथिलांचल आ बिहार चुनाव, विरासत संरक्षण, विषवेलक सिञ्चन, गुरुशिष्य, भारत-नेपाल, मजदूर दिवस, शहीद धुँआ, पर्वक उपेक्षा’ सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) **स्वान विमर्श (लघुकथा)** — सूचकांक पंक्ति 3465मे सत्यानंद पाठकक प्रविष्टि “स्वान विमर्श (लघुकथा)” रूपमे देल अछि।
२. (B) **गद्य** — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
३. (C) **लघुकथा** — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लघुकथा” अछि।
४. (D) **प्राणी-मानव सम्बन्ध** — टिप्पणीक पहिल संकेत “प्राणी-मानव सम्बन्ध” अछि।
५. (A) **प्राणी-मानव सम्बन्ध** — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “प्राणी-मानव सम्बन्ध” रूपमे देखाइत अछि।
६. (B) **लेखक सत्यानंद पाठक, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा** — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
७. (C) **समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण।** — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
८. (D) **ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि।** — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
९. (A) **ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि।** — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
१०. (B) **खण्ड 4774, सूचकांक पंक्ति 3465मे सत्यानंद पाठकक “स्वान विमर्श (लघुकथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “प्राणी-मानव सम्बन्ध” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि।** — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११. (A) परिणीता (लघुकथा) — सूचकांक पंक्ति 3466मे प्रो. वीणा ठाकुरक प्रविष्टि “परिणीता (लघुकथा)” रूपमे देल अछि।
१२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
१३. (C) लघुकथा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लघुकथा” अछि।
१४. (D) नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण। — टिप्पणीक पहिल संकेत “नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।” अछि।
१५. (A) नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण। — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।” रूपमे देखाइत अछि।
१६. (B) लेखक प्रो. वीणा ठाकुर, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
१७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
१८. (D) ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
१९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
२०. (B) खण्ड 4775, सूचकांक पंक्ति 3466मे प्रो. वीणा ठाकुरक “परिणीता (लघुकथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “नारी विवाहित जीवनक सूक्ष्म मनोविश्लेषण।” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
२१. (A) आछे दिन पाछे गए — सूचकांक पंक्ति 3467मे साकेतानन्दक प्रविष्टि “आछे दिन पाछे गए” रूपमे देल अछि।
२२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
२३. (C) संस्मरण — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “संस्मरण” अछि।
२४. (D) पुरान दिनक याद — टिप्पणीक पहिल संकेत “पुरान दिनक याद” अछि।
२५. (A) पुरान दिनक याद — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “पुरान दिनक याद” रूपमे देखाइत अछि।
२६. (B) लेखक साकेतानन्द, विधा गद्य, उप-विधा संस्मरण — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
२७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
२८. (D) ई पाठ संस्मरणक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
२९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
३०. (B) खण्ड 4776, सूचकांक पंक्ति 3467मे साकेतानन्दक “आछे दिन पाछे गए” प्रविष्टि गद्य, संस्मरण आ “पुरान दिनक याद” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
३१. (A) रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद — सूचकांक पंक्ति 3468मे नवेन्दु कुमार झाक प्रविष्टि “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” रूपमे देल अछि।
३२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
३३. (C) राजनीति/विकास — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “राजनीति/विकास” अछि।
३४. (D) समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर> — टिप्पणीक पहिल संकेत “समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर>” अछि।
३५. (A) समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर> — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर>” रूपमे देखाइत अछि।
३६. (B) लेखक नवेन्दु कुमार झा, विधा गद्य, उप-विधा राजनीति/विकास — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
३७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
३८. (D) ई पाठ राजनीति/विकासक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

३९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
४०. (B) खण्ड 4777, सूचकांक पंक्ति 3468मे नवेन्दु कुमार झाक “रेल लाइनसँ जुड़त भारत आ नेपाल, जाति व्यवस्था, मिथिलांचलमे उद्योग, मतदान, राहुलक मिशन बिहार, मैथिली दैनिक मिथिला समाद” प्रविष्टि गद्य, राजनीति/विकास आ “समकालीन राजनीति, जाति, औद्योगिकीकरण आ मैथिली मीडियाक समीक्षा।</टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
४१. (A) बिलाड़ि, मोटर साइकिल — सूचकांक पंक्ति 3469मे देवशंकर नवीनक प्रविष्टि “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” रूपमे देल अछि।
४२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
४३. (C) व्यंग्य-कथा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “व्यंग्य-कथा” अछि।
४४. (D) आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता — टिप्पणीक पहिल संकेत “आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता” अछि।
४५. (A) आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता” रूपमे देखाइत अछि।
४६. (B) लेखक देवशंकर नवीन, विधा गद्य, उप-विधा व्यंग्य-कथा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
४७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
४८. (D) ई पाठ व्यंग्य-कथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
४९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
५०. (B) खण्ड 4778, सूचकांक पंक्ति 3469मे देवशंकर नवीनक “बिलाड़ि, मोटर साइकिल” प्रविष्टि गद्य, व्यंग्य-कथा आ “आधुनिक उपभोक्तावादी विचित्रता” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
५१. (A) एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर — सूचकांक पंक्ति 3470मे डॉ. शेफालिका वर्माक प्रविष्टि “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” रूपमे देल अछि।
५२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
५३. (C) एकांकी/नाटक — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “एकांकी/नाटक” अछि।
५४. (D) नारी-विमर्श — टिप्पणीक पहिल संकेत “नारी-विमर्श” अछि।
५५. (A) नारी-विमर्श — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “नारी-विमर्श” रूपमे देखाइत अछि।
५६. (B) लेखक डॉ. शेफालिका वर्मा, विधा गद्य, उप-विधा एकांकी/नाटक — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
५७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
५८. (D) ई पाठ एकांकी/नाटकक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
५९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
६०. (B) खण्ड 4779, सूचकांक पंक्ति 3470मे डॉ. शेफालिका वर्माक “एकटा आर महाभिनिष्क्रमण, शैतानक वारिस, प्रतिवादक स्वर” प्रविष्टि गद्य, एकांकी/नाटक आ “नारी-विमर्श” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
६१. (A) आत्मबल (लघु कथा) — सूचकांक पंक्ति 3471मे भारत भूषण झाक प्रविष्टि “आत्मबल (लघु कथा)” रूपमे देल अछि।
६२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
६३. (C) लघुकथा — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लघुकथा” अछि।
६४. (D) आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर> — टिप्पणीक पहिल संकेत “आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>” अछि।

६५. (A) आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर> — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>” रूपमे देखाइत अछि।
६६. (B) लेखक भारत भूषण झा, विधा गद्य, उप-विधा लघुकथा — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
६७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
६८. (D) ई पाठ लघुकथाक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
६९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
७०. (B) खण्ड 4780, सूचकांक पंक्ति 3471मे भारत भूषण झाक “आत्मबल (लघु कथा)” प्रविष्टि गद्य, लघुकथा आ “आत्मविश्वास आ मनुष्यक आन्तरिक शक्ति।</टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
७१. (A) अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय) — सूचकांक पंक्ति 3472मे कपिलेश्वर राउतक प्रविष्टि “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” रूपमे देल अछि।
७२. (B) गद्य/पद्य मिश्रित — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य/पद्य मिश्रित” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
७३. (C) लघुकथा-संग्रह — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लघुकथा-संग्रह” अछि।
७४. (D) बहुविध सामाजिक मुद्दा — टिप्पणीक पहिल संकेत “बहुविध सामाजिक मुद्दा” अछि।
७५. (A) बहुविध सामाजिक मुद्दा — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “बहुविध सामाजिक मुद्दा” रूपमे देखाइत अछि।
७६. (B) लेखक कपिलेश्वर राउत, विधा गद्य/पद्य मिश्रित, उप-विधा लघुकथा-संग्रह — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
७७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
७८. (D) ई पाठ लघुकथा-संग्रहक रूपमे गद्य/पद्य मिश्रित-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
७९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।
८०. (B) खण्ड 4781, सूचकांक पंक्ति 3472मे कपिलेश्वर राउतक “अप्पन गप- किछु विहनि आ लघु कथा (वंश, उलहन, थरथरी, भोग, कुमारि भोजन, कीर्तन, मूर्दा, सतमाए, तकरीर, पान, मई दिवस, भूख, बेथा, किसानक पूजी, छूआ-छूत, कलियुगक निर्णय)” प्रविष्टि गद्य/पद्य मिश्रित, लघुकथा-संग्रह आ “बहुविध सामाजिक मुद्दा” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।
८१. (A) विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च — सूचकांक पंक्ति 3473मे प्रकाश झाक प्रविष्टि “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” रूपमे देल अछि।
८२. (B) गद्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।
८३. (C) रंगमंच लेख — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “रंगमंच लेख” अछि।
८४. (D) मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर> — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर>” अछि।
८५. (A) मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर> — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर>” रूपमे देखाइत अछि।
८६. (B) लेखक प्रकाश झा, विधा गद्य, उप-विधा रंगमंच लेख — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।
८७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।
८८. (D) ई पाठ रंगमंच लेखक रूपमे गद्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।
८९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१०. (B) खण्ड 4782, सूचकांक पंक्ति 3473मे प्रकाश झाक “विश्व रंगमंच दिवस: 27 मार्च” प्रविष्टि गद्य, रंगमंच लेख आ “मैथिली रंगमञ्चक अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य।</टीआर>” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

११. (A) रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध — सूचकांक पंक्ति 3474मे अनमोल झाक प्रविष्टि “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” रूपमे देल अछि।

१२. (B) गद्य/कविता मिश्रित — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य/कविता मिश्रित” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१३. (C) लघुगद्य/सूक्ति — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लघुगद्य/सूक्ति” अछि।

१४. (D) अस्तित्ववादी चिन्तन — टिप्पणीक पहिल संकेत “अस्तित्ववादी चिन्तन” अछि।

१५. (A) अस्तित्ववादी चिन्तन — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “अस्तित्ववादी चिन्तन” रूपमे देखाइत अछि।

१६. (B) लेखक अनमोल झा, विधा गद्य/कविता मिश्रित, उप-विधा लघुगद्य/सूक्ति — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१८. (D) ई पाठ लघुगद्य/सूक्तिक रूपमे गद्य/कविता मिश्रित-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

१००. (B) खण्ड 4783, सूचकांक पंक्ति 3474मे अनमोल झाक “रिलेशन-२, तंग, डेरायल, पिछड़ल राज्य, एटेचमेन्ट, बढ़ैत चलू, दुःख, समाज, रिटर्न, फर्ज, तेल, प्रश्न, पाप, माता न कुमाता भवति, आँखिक पानि, चिन्ता, बुद्धि, कंट्रोल, चिन्तन, बोध” प्रविष्टि गद्य/कविता मिश्रित, लघुगद्य/सूक्ति आ “अस्तित्ववादी चिन्तन” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१०१. (A) जट-जटिन (लोकनाट्य-रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी — सूचकांक पंक्ति 3475मे रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क प्रविष्टि “जट-जटिन (लोकनाट्य-रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी” रूपमे देल अछि।

१०२. (B) गद्य/नाट्य — विधा-स्तम्भमे एहि प्रविष्टिकेँ “गद्य/नाट्य” रूपमे अंकित कएल गेल अछि।

१०३. (C) लोकनाट्य/एकांकी — उप-विधा-स्तम्भमे एहि पाठक स्वरूप “लोकनाट्य/एकांकी” अछि।

१०४. (D) मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर — टिप्पणीक पहिल संकेत “मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर” अछि।

१०५. (A) मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर — समालोचनात्मक टिप्पणीमे प्रमुख अर्थ-दिशा “मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर” रूपमे देखाइत अछि।

१०६. (B) लेखक रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’, विधा गद्य/नाट्य, उप-विधा लोकनाट्य/एकांकी — सूचकांक लेखक, पाठ, विधा आ उप-विधाकेँ एक साथ रखैत अछि।

१०७. (C) समालोचनात्मक टिप्पणीक कारण। — टिप्पणी पाठककेँ केवल नाम नहि, अर्थ-दिशा सेहो दैत अछि।

१०८. (D) ई पाठ लोकनाट्य/एकांकीक रूपमे गद्य/नाट्य-संसारसँ जुड़ल अछि। — विधा आ उप-विधा दुनू एहि पाठक साहित्यिक स्वरूपकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१०९. (A) ओ लेखक, पाठ आ आलोचनात्मक संकेतकेँ एक साथ उपलब्ध करबैत अछि। — प्रविष्टि अध्ययनक लेल आधार-सूचना आ अर्थ-सूत्र दुनू दैत अछि।

११०. (B) खण्ड 4784, सूचकांक पंक्ति 3475मे रामभरोस कापड़ि ‘भ्रमर’क “जट-जटिन (लोकनाट्य-रूपान्तर), एकांकी भैया, अएलै अपन सोराज, राजविराजमे मैथिली लोक संस्कृति संगोष्ठी” प्रविष्टि गद्य/नाट्य, लोकनाट्य/एकांकी आ “मैथिली लोकगाथाक रूपान्तर” संकेत द्वारा विदेह-सदेह 35क साहित्यिक-सांस्कृतिक परिदृश्यकेँ व्यवस्थित करैत अछि। — ई खण्ड एक स्रोत-प्रविष्टिकेँ प्रश्नोत्तरी रूपमे खोलैत अछि।

१११. (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।</tr> सँ जोड़ैत अछि।

११२. (A) शिक्षाक महत्ता; ग्रामीण बालकक जिज्ञासा।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४१. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
१४२. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४३. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
१४४. (A) शीर्षक मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४५. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> सँ बनैत अछि।
१४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४७. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४८. (A) मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४९. (A) गद्यक रूप मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१५०. (A) उत्तरकेँ मौलाइल गाछक फूल: उपन्यासक मूल्यांकन।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१५१. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
१५२. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१५३. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
१५४. (A) शीर्षक विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१५५. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> सँ बनैत अछि।
१५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१५७. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१५८. (A) विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१५९. (A) गद्यक रूप विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१६०. (A) उत्तरकेँ विस्तृत समीक्षा; मिथिलाक आधुनिक उपन्यास परम्परा।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१६१. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
१६२. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१६३. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।

१६४. (A) शीर्षक बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१६५. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> सँ बनैत अछि।
१६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१६७. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१६८. (A) बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१६९. (A) गद्य/नाट्यक रूप बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> कै स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१७०. (A) उत्तरकें बेटीक सम्मान; नारी सशक्तिकरण पर करारा व्यंग्य। </tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१७१. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कै लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> सँ जोड़ैत अछि।
१७२. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१७३. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> धरि सीमित रहैत अछि।
१७४. (A) शीर्षक लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१७५. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> सँ बनैत अछि।
१७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१७७. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१७८. (A) लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१७९. (A) गद्यक रूप लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> कै स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१८०. (A) उत्तरकें लोककथाक समकालीन पुनर्कथन; नारी परिप्रेक्ष्य। </tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१८१. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कै मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> सँ जोड़ैत अछि।
१८२. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१८३. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> धरि सीमित रहैत अछि।
१८४. (A) शीर्षक मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१८५. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना। </tr> सँ बनैत अछि।
१८६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१८७. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१८८. (A) मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१८९. (A) गद्यक रूप मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr>कें स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१९०. (A) उत्तरकें मैथिली समकालीन कविता, कथा आ चित्रकला पर गहन आलोचना।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१९१. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
१९२. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१९३. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
१९४. (A) शीर्षक मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१९५. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> सँ बनैत अछि।
१९६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१९७. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
१९८. (A) मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१९९. (A) गद्यक रूप मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr>कें स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२००. (A) उत्तरकें मैथिली गजलशास्त्र आ समीक्षाक महाकाय रचना; विदेहक प्रणेता।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२०१. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
२०२. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२०३. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
२०४. (A) शीर्षक मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२०५. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> सँ बनैत अछि।
२०६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२०७. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
२०८. (A) मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

२०९. (A) गद्यक रूप मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२१०. (A) उत्तरकैं मैथिली बालकविताक परम्परा; शिक्षाप्रद आलोचना।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२११. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
२१२. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२१३. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
२१४. (A) शीर्षक प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२१५. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> सँ बनैत अछि।
२१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२१७. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
२१८. (A) प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
२१९. (A) गद्यक रूप प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२२०. (A) उत्तरकैं प्रगतिक अर्थ; सामाजिक विकासक सूत्र।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२२१. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
२२२. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२२३. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
२२४. (A) शीर्षक मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२२५. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> सँ बनैत अछि।
२२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२२७. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
२२८. (A) मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
२२९. (A) पद्यक रूप मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२३०. (A) उत्तरकैं मुक्त गजल परम्परा, प्रेम-विरह आ आधुनिकता।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२३१. (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
२३२. (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२३३. (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
२३४. (A) शीर्षक नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२३५. (A) नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल नव वर्षक उमंग; आशावादी स्वर।</tr> सँ बनैत अछि।

- [illegible]

३४०. (A) उत्तरकें प्रेमगीत; लोक-सुर बोध। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३४१. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। $\langle \text{tr} \rangle$ — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। $\langle \text{tr} \rangle$ सँ जोड़ैत अछि।

३४२. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। </tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

३४३. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। धरि सीमित रहैत अछि।

३४४. (A) शीर्षक प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। $\langle \backslash / \text{tr} \rangle$ दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पृष्ठ होइत अछि।

३४५. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। सँ बनैत अछि।

३४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३४७. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। क आधार पर ग्रहणीय अछि।

३४८. (A) प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

३४९. (A) पद्यक रूप प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। </tr> कें स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

३५०. (A) उत्तरकें प्रश्नोत्तर शैली, दार्शनिकता। </tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३५१. (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेष्ी। </tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेष्ी। </tr> सँ जोड़ैत अछि।

३५२. (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। </tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

३५३. (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। धरि सीमित रहैत अछि।

३५४. (A) शीर्षक सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पृष्ठ होइत अछि।

३५५. (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी सँ बनैत अछि।

३५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३५७. (A) सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। <tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेषी। </tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।

३५८. (A) सामाजिक बराई पर प्रहार; नारी हितेष्ी। </tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

३५९. (A) पद्यक रूप सामाजिक बुराई पर प्रहार; नारी हितेष्ी।
कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

३६०. (A) उत्तरकें सामाजिक बराई पर प्रहार; नारी हितेषी। </tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३६१. (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। — सोत-सूत्र एहि खण्ड केँ बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
सँ जोड़ैत अछि।

३६२. (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

३६३. (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
धरि सीमित रहैत अछि।

૩૬૪. (A) શીર્ષક બહુમુખી ગ્રામીણ કવિતા; બોલી-ઠાઠ આ હાસ્ય-વ્યંગ્ય। <|tr> દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સં પુષ્ટ હોઇત અછિ।

३६५. (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। सँ बनैत अछि।

३६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३६७. (A) बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बहुमुखी ग्रामीण कविता; बोली-ठाठ आ हास्य-व्यंग्य।
क आधार पर ग्रहणीय अछि।

- [illegible]

४३१. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध सँ जोड़ैत अछि।

४३२. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

४३३. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। धरि सीमित रहैत अछि।

૪૩૪. (A) શીર્ષક ગૃહિણી-અધિકાર; સ્ત્રી-પુરુષ સમ્બન્ધ। </tr> દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સँ પુષ્ટ હોઇત અછિ।

४३५. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध सँ बनैत अछि।

४३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

४३७. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। क आधार पर ग्रहणीय अछि।

४३८. (A) गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

४३९. (A) पद्यक रूप गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

४४०. (A) उत्तरकें गृहिणी-अधिकार; स्त्री-पुरुष सम्बन्ध। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

४४१. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। सँ जोड़ैत अछि।

४४२. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

४४३. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। धरि सीमित रहैत अछि।

૪૪૪. (A) શીર્ષક પ્રદૂષણ આ કૃષિ સંકટ પર ચિન્તન। </tr> દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સँ પુષ્ટ હોઇત અછિ।

४४५. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। सँ बनैत अछि।

४४६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

४४७. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। क आधार पर ग्रहणीय अछि।

४४८. (A) प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

४४९. (A) पद्यक रूप प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। कै स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

४५०. (A) उत्तरकेँ प्रदूषण आ कृषि संकट पर चिन्तन। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

४५१. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
सँ जोड़ैत अछि।

४५२. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

४५३. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
</tr> धरि सीमित रहैत अछि।

४५४. (A) शीर्षक विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। <\/tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

४५५. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। सँ बनैत अछि।

४५६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोडब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

४५७. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।
क आधार पर ग्रहणीय अछि।

४५८. (A) विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

४५९. (A) पद्यक रूप विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
४६०. (A) उत्तरकैं विविध काव्यरूप; आधुनिक चेतना आ प्रयोगधर्मिता।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
४६१. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
४६२. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
४६३. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
४६४. (A) शीर्षक मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
४६५. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> सँ बनैत अछि।
४६६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
४६७. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
४६८. (A) मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
४६९. (A) चित्रकलाक रूप मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
४७०. (A) उत्तरकैं मिथिला चित्रकला; परम्परागत मधुबनी शैली।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
४७१. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
४७२. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
४७३. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> — सुरक्षित पठन स्रोत-सार समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> धरि सीमित रहैत अछि।
४७४. (A) शीर्षक समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
४७५. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> सँ बनैत अछि।
४७६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
४७७. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
४७८. (A) समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
४७९. (A) चित्रकलाक रूप समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
४८०. (A) उत्तरकैं समसामयिक मैथिली महिला चित्रकारक रचना।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
४८१. (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।</tr> — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कैं सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।</tr> सँ जोड़ैत अछि।
४८२. (A) सिंगापुर प्रवासमे मिथिला पेंटिंग; वैश्विक विस्तार।</tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

५११. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। सँ जोड़ैत अछि।

५१२. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

५१३. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। धरि सीमित रहैत अछि।

५१४. (A) शीर्षक गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। </tr> दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

४१५. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। सँ बनैत अछि।

५१६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

५१७. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। क आधार पर ग्रहणीय अछि।

५१८. (A) गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।

५१९. (A) गद्यक रूप गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। **कैं स्पष्ट करैत अछि** — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

५२०. (A) उत्तरकें गहन सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक आ नैतिक निबन्ध। धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

५१. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। सँ जोड़ैत अछि।

५२२. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr> — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

५२३. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। — सुरक्षित पठन स्रोत-सार आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। धरि सीमित रहैत अछि।

૫૨૪. (A) શીર્ષક આધુનિકતા-પરમ્પરા બીચ સમન્વય। </tr> દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સँ પુષ્ટ હોઇત અછિ।

५२५. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr> — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr> सँ बनैत अछि।

५२६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

५२७. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय।क आधार पर ग्रहणीय अछि।

५२८. (A) आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

५१९. (A) गद्यक रूप आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr> कैं स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

५३०. (A) उत्तरकेँ आधुनिकता-परम्परा बीच समन्वय। </tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

439. (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण। — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण सँ जोड़ैत अछि।

५३२. (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण। — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

433. (A) વિસ્તૃત સાંસ્કૃતિક આ રાજનીતિક વિશ્લેષણ — સુરક્ષિત પઠન સ્રોત-સાર વિસ્તૃત સાંસ્કૃતિક આ રાજનીતિક વિશ્લેષણ ધરિ સીમિત રહૈત અછિ।

५३४. (A) शीर्षक विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण। दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।

५३५. (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण। — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।
सँ बनैत अछि।

५३६. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

५३७. (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।</tr> — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।</tr>क आधार पर ग्रहणीय अछि।
५३८. (A) विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।</tr>क भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
५३९. (A) गद्यक रूप विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।</tr> केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
५४०. (A) उत्तरकेँ विस्तृत सांस्कृतिक आ राजनीतिक विश्लेषण।</tr> धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

अध्याय २ : विदेह-सदेह ३६ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड २८ : विदेह-सदेह ३६ — विद्यापतिक दू पहचानक सिद्धान्त

१. गजेन्द्र ठाकुरक आलेखक शीर्षक की?

- (A) विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण
- (B) भाग रौ
- (C) संकर्षण
- (D) कोनो नहि

२. गजेन्द्र ठाकुर अनुसार 'विद्यापति ठक्कुरः' (संस्कृत-अवहट्ट लेखक) क जीवन-काल की छल?

- (A) १३५०-१४३५
- (B) १२७५-१३५०
- (C) १४००-१५००
- (D) कोनो नहि

३. गजेन्द्र ठाकुरक थीसिस अनुसार 'समानान्तर परम्पराक विद्यापति' (मैथिली पदावलीक आदि कवि) के छथि?

- (A) कवीश्वर ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक, सम्भवतः बिस्फी गामक एक भिन्न विद्यापति
- (B) विद्यापति ठक्कुरःसँ पूर्णतः समान
- (C) कोनो नहि
- (D) आधुनिक कवि

४. एहि थीसिस अनुसार ज्योतिरीश्वर (लगभग १२७५-१३५०) क ग्रन्थमे केकर चर्चा अछि?

- (A) मैथिली आदि कवि (समानान्तर परम्पराक विद्यापति)क
- (B) विद्यापति ठक्कुरःक
- (C) कोनो नहि
- (D) गंगेश उपाध्यायक

५. समानान्तर परम्पराक विद्यापतिक चित्र के बनेलनि, ऐ खण्ड अनुसार?

- (A) श्री पनकलाल मण्डल (विदेह सम्मानसँ सम्मानित)
- (B) गजेन्द्र ठाकुर
- (C) प्रीति ठाकुर
- (D) कोनो नहि

६. 'विद्यापति-नाच' मे कोन कविक पदावलीक नृत्य-अभिनय होइत अछि, ऐ थीसिस अनुसार?

- (A) समानान्तर परम्पराक विद्यापति (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक)
- (B) केवल विद्यापति ठक्कुरः
- (C) आधुनिक कवि
- (D) कोनो नहि

७. 'पुरुष परीक्षा' ग्रन्थक रचयिता गजेन्द्र ठाकुरक थीसिस अनुसार के छथि?

- (A) विद्यापति ठक्कुरः
- (B) समानान्तर परम्पराक विद्यापति
- (C) ज्योतिरीश्वर
- (D) कोनो नहि

८. एहि आलेखक उद्देश्य 'कुप्रचारक निराकरण' किएक कहल गेल?

- (A) विद्यापति-सम्बन्धी भ्रामक धारणाक खण्डन करबाक प्रयास
- (B) केवल मनोरंजन
- (C) निरर्थक
- (D) कोनो नहि

९. एहि थीसिसकेँ कोना देखल जाएब उचित अछि?

- (A) गजेन्द्र ठाकुर द्वारा प्रस्तुत एक विद्वत्तापूर्ण मुदा विवादित/वैकल्पिक ऐतिहासिक तर्क
- (B) अंतिम-निर्णायक ऐतिहासिक सत्य
- (C) निरर्थक कल्पना
- (D) कोनो नहि

खण्ड ६८ : विदेह-सदेह ३६ — मैथिली गजलक दू युग

१०. मैथिली गजलक प्रारम्भिक दुर्भाग्य की कहल गेल अछि?

- (A) गजलकेँ मुस्लिम धर्मसँ जोड़ि कऽ अछोप मानल जाएब
- (B) कोनो दुर्भाग्य नहि
- (C) अति लोकप्रियता
- (D) कोनो नहि

११. मैथिली गजलक प्रथम युगक नाम की?

- (A) जीवन युग
- (B) अनचिन्हार युग
- (C) आधुनिक युग
- (D) कोनो नहि

१२. 'जीवन युग' क प्रारम्भ केकरासँ मानल गेल?

- (A) जीवन झा (आधुनिक मैथिली गजलक पिता)
- (B) गजेन्द्र ठाकुर
- (C) आशीष अनचिन्हार
- (D) कोनो नहि

१३. मैथिली गजलक दोसर युगक नाम की?

- (A) अनचिन्हार युग
- (B) जीवन युग
- (C) आधुनिक युग
- (D) कोनो नहि

१४. 'अनचिन्हार युग' क प्रारम्भ कोन ब्लॉगसँ भेल मानल गेल?

- (A) अनचिन्हार आखर
- (B) विदेह
- (C) सदेह
- (D) कोनो नहि

१५. 'अनचिन्हार आखर' कतेक खण्डमे 'मैथिली गजल शास्त्र' लिखेलक?

- (A) १३ खण्ड (एखन धरि)
- (B) पाँच खण्ड
- (C) दस खण्ड
- (D) कोनो नहि

१६. 'अनचिन्हार आखर' मैथिली साहित्यक इतिहासमे पहिल बेर कोन प्रकारक पुरस्कार योजनाक घोषणा केलक?

- (A) गजल लेल अलगसँ पुरस्कार (गजल कमला-कोसी)
- (B) केवल कथा पुरस्कार
- (C) केवल नाटक पुरस्कार
- (D) कोनो नहि

१७. 'अनचिन्हार युग' सँ पहिने गजलमे की प्रचलित छल, जे बादमे बदलल?

- (A) उर्दू-हिन्दी शब्दक भरमार
- (B) केवल संस्कृत शब्द
- (C) केवल अंग्रेजी शब्द
- (D) कोनो नहि

१८. 'अनचिन्हार आखर' क प्रभावसँ कोन-कोन नव गजलकार गजल-लेखनक परम्परामे आएलाह?

- (A) सुनील कुमार झा, दीप नारायण विद्यार्थी, रोशन झा, प्रवीन चौधरी प्रतीक आदि
- (B) केवल एक गजलकार
- (C) विदेशी गजलकार
- (D) कोनो नहि

१९. 'अनचिन्हार युग' क एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मायानंद मिश्रक कोन कथनक खंडन छल?

- (A) मैथिलीमे बहरयुक्त गजल नहि लिखल जा सकैत अछि
- (B) गजल अनावश्यक अछि
- (C) कोनो नहि
- (D) गजल विदेशी विधा अछि

खण्ड १२ : विदेह-सदेह ३६ — मैथिली वर्डनेट परियोजना आ अंकुशी महादेबक स्थान-गाथा

२०. मैथिली वर्डनेट बनेबाक उद्देश्य की अछि, आलेख अनुसार?

- (A) एहेन Lexical Database तैयार करब जे मैथिली शब्दक अर्थ, आण्टोलोजी आ पर्यायपद उपलब्ध करा सकय
- (B) केवल मैथिली व्याकरणक पाठ्यक्रम बनाएब
- (C) मैथिली फिल्म बनाएब
- (D) कोनो नहि

२१. मैथिली वर्डनेटक डाटा-संकलन हेतु कोन मानक ग्रन्थक उपलब्धता स्क्राइब पर भेटल, आलेख अनुसार?

- (A) कल्याणी कोश
- (B) बृहत् हिन्दी कोश
- (C) मैथिली थिसॉरस
- (D) कोनो नहि

२२. मैथिली वर्डनेट परियोजनाक लेल आलेख अनुसार मैथिली भाषीक मध्य कोन दू पूर्वाग्रह विद्यमान अछि?

- (A) मैथिली बजनाइ पिछड़ापनक प्रतीक मानब, आ भाषा-अन्तर्सम्बन्धक महत्त्व बिसरब
- (B) केवल आर्थिक पूर्वाग्रह
- (C) केवल जातिगत पूर्वाग्रह
- (D) कोनो नहि

२३. अंकुशी महादेबक स्थान कोन जिलाक कोन गाममे अछि, आलेख अनुसार?

- (A) मधुबनी जिलाक लखनौर गाम
- (B) दरभंगा जिलाक सौराठ गाम
- (C) मधुबनी जिलाक झंझारपुर गाम
- (D) कोनो नहि

२४. अंकुशी महादेब केकर आराध्यदेव छथि, आलेख अनुसार?

- (A) करमहे झंझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय मैथिलश्रोत्रिय सभक
- (B) केवल पुरोहित परिवारक
- (C) सम्पूर्ण मिथिलाक एकमात्र देवता
- (D) कोनो नहि

२५. लोक-कथा अनुसार योगीश्वर बाबा लक्ष्मीनाथ गोसाईं अंकुशी महादेबकें कतय स्थापित करय चाहैत छलाह?

- (A) लखनौरक राधाकृष्ण मन्दिर प्रांगणमे
- (B) दरभंगाक राजमहलमे
- (C) काठमाण्डूमे
- (D) कोनो नहि

२६. लोक-मान्यता अनुसार अंकुशी महादेब कोन वचन देने छथि?

- (A) ओ निर्जनमे रहैत गामक रक्षा करता
- (B) ओ गाम छोड़ि अन्यत्र चल जेता
- (C) ओ केवल पुरोहितकें रक्षा करता
- (D) कोनो नहि

२७. करमहे झांझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय परिवारक पुरुष बच्चाक मूड़न कतय होइत अछि, आलेख अनुसार?

- (A) अंकुशी महादेबक सामने (चाहे ओ विदेशमे होथि)
- (B) केवल गाम छोड़ने आधुनिक स्थानपर
- (C) केवल पुरोहितक घरमे
- (D) कोनो नहि

खण्ड १३ : विदेह-सदेह ३६ — अण्टार्कटिका आ भारतीय अण्टार्कटिक अभियान

२८. 'अण्टार्कटिका' शब्द कोन भाषाक रोमण संस्करण थिक, आ ओकर अर्थ की होइत अछि?

- (A) ग्रीक शब्द, अर्थ 'आर्कटिक केर विपरीत' (दक्षिण)
- (B) लैटिन शब्द, अर्थ 'बर्फीला महादेश'
- (C) रूसी शब्द, अर्थ 'ठंडा क्षेत्र'
- (D) कोनो नहि

२९. अण्टार्कटिकाक न्यूनतम तापमान कतेक नापल गेल अछि, आ कोन केन्द्र द्वारा?

- (A) -89.2°C, रूसी अण्टार्कटिक केन्द्र "वोस्तोक" द्वारा
- (B) -50°C, भारतीय केन्द्र "मैत्री" द्वारा
- (C) -10°C
- (D) कोनो नहि

३०. अण्टार्कटिकाक धरतीपर पहिल बेर पएर रखनिहार व्यक्ति के मानल जाइत छथि, उपलब्ध साक्ष्य अनुसार?

- (A) जॉन डेविस (John Davis)
- (B) कैप्टन जेम्स कुक
- (C) रॉएल्ड अमुण्डसेन
- (D) कोनो नहि

३१. भौगोलिक दक्षिणी ध्रुवपर पहिल बेर पहुँचनिहार व्यक्ति के छथि, आलेख अनुसार?

- (A) नॉर्वेवासी रॉएल्ड अमुण्डसेन (१४ दिसम्बर १९११)
- (B) कैप्टन रॉबर्ट फॉल्कन स्कॉट
- (C) जॉन डेविस
- (D) कोनो नहि

३२. अमुण्डसेनक दक्षिणी ध्रुव विजयक १०० वर्ष पूरा होएबापर २०११ ई.केँ यूनेस्को द्वारा कोन रूपमे मनाओल गेल?

- (A) "दक्षिण ध्रुवपर पहिल मनुक्खक शताब्दी वर्ष"
- (B) "अण्टार्कटिक संरक्षण वर्ष"
- (C) "ध्रुवीय विज्ञान वर्ष"
- (D) कोनो नहि

३३. डॉ. सय्यद जहूर कासिमक नेतृत्वमे पहिल भारतीय अण्टार्कटिक अभियान दल कहिया अण्टार्कटिकाक धरतीपर पएर रखलक?

- (A) ९ जनवरी १९८२ ई.
- (B) १९७१ ई.
- (C) १९९० ई.
- (D) कोनो नहि

३४. भारतक पहिल स्थायी अण्टार्कटिक अनुसंधान केन्द्रक नाम की राखल गेल?

- (A) “दक्षिण गंगोत्री”
- (B) “मैत्री”
- (C) “भारती”
- (D) कोनो नहि

३५. भारतक दोसर स्थायी अण्टार्कटिक अनुसंधान केन्द्रक नाम की राखल गेल, जे बर्फ-रहित स्थानपर अवस्थित अछि?

- (A) “मैत्री”
- (B) “भारती”
- (C) “दक्षिण गंगोत्री”
- (D) कोनो नहि

खण्ड १४ : विदेह-सदेह ३६ — डॉ. अजीत मिश्रक जीवन-परिचय

३६. डॉ. अजीत मिश्रक जन्म-स्थान कतय अछि?

- (A) नबटोल (मात्रिक)
- (B) सरिसब-पाही
- (C) दरभंगा शहर
- (D) कोनो नहि

३७. डॉ. अजीत मिश्र १९९४ सँ २००६ धरि कोन संस्थामे आकस्मिक मैथिली अन्तरवार्ताकार ओ समाचार-वाचकक रूपमे कार्य केलनि?

- (A) आकाशवाणी, दरभंगा
- (B) दूरदर्शन, पटना
- (C) ऑल इण्डिया रेडियो, दिल्ली
- (D) कोनो नहि

३८. डॉ. अजीत मिश्र मैथिलीक पहिल प्रतिनिधिक रूपमे कतय पाहुन प्राध्यापक भऽ कार्य प्रारम्भ केलनि?

- (A) पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र, भुवनेश्वर (भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरक अन्तर्गत)
- (B) दिल्ली विश्वविद्यालय
- (C) पटना विश्वविद्यालय
- (D) कोनो नहि

३९. डॉ. अजीत मिश्र मई २००९ सँ कोन संस्थामे मैथिलीक मुख्य शैक्षिक सलाहकारक रूपमे कार्यरत भेलाह?

- (A) भारतीय भाषा केन्द्र, मैसूर (राष्ट्रीय अनुवाद मिशनक अन्तर्गत)
- (B) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
- (C) साहित्य अकादेमी
- (D) कोनो नहि

खण्ड २१५ : विदेह-सदेह ३६ — विद्यापति: कुप्रचारक निराकरण आ पाग-विमर्श

४०. “विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण” मे लेखक अपन चर्चा मुख्यतः कोन विद्यापति पर केन्द्रित करैत छथि?

- (A) मैथिली पदावली बला विद्यापति पर
- (B) केवल संस्कृत ग्रन्थकार विद्यापति पर
- (C) केवल आधुनिक नाटककार पर
- (D) केवल पञ्जीकार पर

४१. लेखक अनुसार विद्यापतिके “हम्मर विद्यापति” बना लेबाक प्रक्रिया कखन तेज भेल?

- (A) जखन बंगाल विद्यापति आ गोविन्ददासकेँ अपन मानय लगल
- (B) जखन छपाई बन्द भऽ गेल
- (C) जखन नाटक मंच नहि रहल
- (D) जखन लोकगीत समाप्त भऽ गेल

४२. बिदापत नाचक उल्लेख लेखक कोन बात सिद्ध करबाक लेल करैत छथि?

- (A) गएर-ब्राह्मण समुदाय विद्यापतिक स्मृति आठ सए वर्ष धरि जीवित रखने रहल
- (B) विद्यापति केवल राजदरबारमे रहलाह
- (C) विद्यापतिक कोनो लोक-प्रसार नहि छल
- (D) बिदापत नाच विदेशी नृत्य छल

४३. रमानाथ झाक पञ्जी-ज्ञान पर लेखक आपत्ति की अछि?

- (A) ओ सीमित आ सतही दृष्टि सँ नोकसान पहुँचेने कहल गेल छथि
- (B) ओ विद्यापतिक एकमात्र प्रत्यक्ष साक्षी छलाह
- (C) ओ नाटककार छलाह
- (D) ओ बंगाली कवि छलाह

४४. लेखमे ज्योतिरीश्वरक संदर्भ किएक आएल अछि?

- (A) विद्यापतिक पहचानक तर्कमे नाम-भेद आ पञ्जी-तर्कक असंगति देखाबय लेल
- (B) कृषि-व्यापार बताबय लेल
- (C) गजल नियम बताबय लेल
- (D) वर्डनेट बनाबय लेल

४५. लेखक महादेवक सामाजिक प्रसंगक उल्लेख कोना करैत छथि?

- (A) महादेव मूलतः गएर-ब्राह्मणक देवता रहि क्रमशः ब्राह्मण समाज द्वारा अपनाओल गेलाह
- (B) महादेवक कोनो लोकसंबंध नहि
- (C) महादेव केवल आधुनिक प्रतीक
- (D) महादेव गजलकार छथि

४६. लेखमे “पाग” विद्यापति-विमर्शमे कोन प्रतीक बनैत अछि?

- (A) जातीय स्वामित्व आ प्रतिष्ठा-अपहरणक प्रतीक
- (B) केवल वस्त्र-विक्रयक विषय
- (C) केवल नृत्य-साज
- (D) केवल नदी-यात्रा

४७. लेखक विद्यापति पदावली आ संस्कृत/अवहट्ट रचना बीच कोन भेद राखैत छथि?

- (A) ओ पदावलीक विद्यापति पर चर्चा करैत छथि, संस्कृत-अवहट्ट ग्रन्थक विद्यापति पर नहि
- (B) दुनूकेँ पूर्णतः एके बिना प्रश्न मानैत छथि
- (C) दुनूकेँ असाहित्यिक कहैत छथि
- (D) दुनू पर मौन छथि

४८. पूर्णियाँक ग्रामदेवता “राम ठाकुर” प्रसंगक प्रयोजन की अछि?

- (A) लोक-देवता आ जातीय नामक जटिलता देखाबय लेल
- (B) केवल पर्यटन-वर्णन
- (C) केवल भोजन-सूची
- (D) केवल बाहरी संकेत

४९. एहि विद्यापति-विमर्शक मूल आग्रह की अछि?

- (A) लोक-परम्परा, जाति-दावा आ पाठ-साक्ष्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ
- (B) केवल पञ्जीकें अंतिम सत्य मानब
- (C) केवल बंगालक दावा मानब
- (D) कोनो प्रश्न नहि उठायब

खण्ड २१६ : विदेह-सदेह ३६ — मैथिली, प्रकाशन उद्योग आ भाषा-बाजार

५०. लेखमे आधुनिक मानकीकृत अरबीक उदाहरण किएक देल गेल अछि?

- (A) मातृभाषा नहि होइतो माध्यम-भाषा आ सूत्र-भाषा बनबाक उदाहरण रूपमे
- (B) मैथिली छोड़बाक समर्थनमे
- (C) केवल धर्म-इतिहास लेल
- (D) केवल व्याकरण-तालिका लेल

५१. मैथिलीमे कार्टून आ धारावाहिक डबिंग लेल लेखक सरकारसँ की अपेक्षा करैत छथि?

- (A) विदेशी निवेशककें सहायता देल जाए
- (B) मैथिली प्रसारण रोकल जाए
- (C) केवल अंग्रेजी डबिंग हो
- (D) निजी रेडियो बन्द हो

५२. लेखकक अनुसार मैथिली “जीबि उठत” कखन?

- (A) जखन समाजक प्रमुख वर्ग ऋणात्मक ऊर्जा छोड़ि सहयोग करत
- (B) जखन सभ कार्यक्रम केवल अंग्रेजीमे हो
- (C) जखन पाठ्यपुस्तक नहि छपय
- (D) जखन लोकगीत बन्द हो

५३. मुख्य विदेशी प्रकाशकक सूची देबाक उद्देश्य की अछि?

- (A) भारतीय भाषामे विदेशी निवेशक कमी आ अंग्रेजी-केंद्रितता देखाबय लेल
- (B) केवल विज्ञापन करबाक लेल
- (C) पुरस्कार सूची बनाबय लेल
- (D) नाटक पात्र परिचय लेल

५४. लेखकक अनुसार भारतीय भाषाक प्रकाशक अक्सर कोन आधारपर निर्भर छथि?

- (A) सरकारी खरीद आ पाठ्यपुस्तक छपाई पर
- (B) समुद्री व्यापार पर
- (C) नृत्य-प्रतियोगिता पर
- (D) केवल विदेशी पुरस्कार पर

५५. मैथिली लेल विदेशी निवेश “वरदान” किएक मानल गेल?

- (A) भविष्यक साक्षरता आ मनोरंजन-बाजार सँ भाषा विस्तारक सम्भावना अछि
- (B) कारण मैथिली समाप्त भऽ जाएत
- (C) कारण केवल पञ्जी छपत
- (D) कारण डबिंग असम्भव अछि

५६. लेखक “राक्षसी प्रतिभायुक्त सर्वहारा वर्ग” सँ की आशा करैत छथि?

- (A) मैथिलीक रक्षा लेल समर्पित हसेरी बनबाक
- (B) मैथिली विरोध करबाक
- (C) प्रकाशन बन्द करबाक
- (D) विदेशी भाषा मात्र अपनाबबाक

५७. मनोरंजन-कार्यक्रमक मैथिली डबिंग सँ लेखमे कोन प्रभाव अपेक्षित अछि?

- (A) दृश्य-श्रव्य माध्यममे मैथिलीक व्यवहारिक उपस्थिति बढ़त
- (B) भाषाक उच्चारण समाप्त होएत
- (C) कथा-पद्य नष्ट होएत
- (D) कोनो दर्शक नहि भेटत

५८. लेखकक आर्थिक भाषा-दृष्टि कोना अछि?

- (A) भाषा-सुरक्षा केँ बाजार, निवेश, प्रसारण आ समाज-सहयोगसँ जोड़ैत अछि
- (B) भाषा केँ केवल पूजा-वस्तु मानैत अछि
- (C) भाषाक अर्थव्यवस्था नकारैत अछि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनैत अछि

५९. एहि खण्डक मुख्य चेतावनी की अछि?

- (A) मैथिलीकेँ जीवित रखबाक लेल सामाजिक बाधा हटि माध्यम-बाजारमे प्रवेश जरूरी अछि
- (B) मैथिलीकेँ घरमे बंद राखू
- (C) बाजारसँ भाषा मरैत अछि, सदा दूर राखू
- (D) केवल सरकारी सूची पर्याप्त अछि

खण्ड २१७ : विदेह-सदेह ३६ — रुबाइ, किता/कतआ आ गजल-शास्त्र

६०. रुबाइक चतुष्पदीमे सामान्यतः कोन पाँती काफिया-युक्त होइत अछि?

- (A) पहिल, दोसर आ चारिम पाँती
- (B) केवल तेसर पाँती
- (C) सभ पाँती अनिवार्यतः बिना काफिया
- (D) केवल पहिल पाँती

६१. रुबाइक पाँतीमे मात्रा सम्बन्धी नियम की कहल गेल?

- (A) २० वा २१ मात्रा होयबाक चाही
- (B) १० मात्रा अनिवार्य
- (C) मात्रा अप्रासंगिक
- (D) १०० मात्रा चाही

६२. रुबाइक आरम्भक दू स्वीकार्य ढाँचा कोन कहल गेल?

- (A) दीर्घ-दीर्घ-दीर्घ वा दीर्घ-दीर्घ-ह्रस्व
- (B) ह्रस्व-ह्रस्व-ह्रस्व मात्र
- (C) दीर्घ-ह्रस्व-दीर्घ मात्र
- (D) कोनो ध्वनि-क्रम नहि

६३. जे चतुष्पदीमे पहिल-दोसर-चारिम काफिया अछि मुदा २०-२१ मात्रा वा निर्दिष्ट आरम्भ नहि अछि, ओकरा की कहल गेल?

- (A) किता/कतआ
- (B) पूर्ण रुबाइ
- (C) शेनर्यू
- (D) सोरठा

६४. रुबाइक चारिम पाँतीक भूमिका कोना बताओल गेल?

- (A) भावक चरम हेबाक चाही
- (B) सदैव कमजोर होयबाक चाही
- (C) केवल शीर्षक होयबाक चाही
- (D) निषिद्ध होयबाक चाही

६५. “दूटा काफियाबला शेर” लेल स्रोत कोन नाम दैत अछि?

- (A) जू काफिया
- (B) मुक्तक
- (C) दोहा
- (D) नाटक

६६. रदीफक बारेमे स्रोत की कहैत अछि?

- (A) ओ अनुपस्थितसँ लऽ कऽ मात्रा, शब्द, शब्दसमूह वा वाक्य धरि भऽ सकैत अछि
- (B) ओ सदैव निषिद्ध अछि
- (C) ओ केवल लेखकक नाम अछि
- (D) ओ केवल पृष्ठ-सूचक अछि

६७. गजल कोन संरचनात्मक शर्त अवश्य रखैत अछि?

- (A) कोनो ने कोनो बहर/छन्दमे होयबाक चाही
- (B) छन्दहीन होयबाक चाही
- (C) केवल गद्य होयबाक चाही
- (D) केवल चित्र होयबाक चाही

६८. एक दीर्घक बदला की देल जा सकैत अछि?

- (A) दूटा ह्रस्व
- (B) तीन विरामचिह्न
- (C) एक चित्र
- (D) एक शीर्षक

६९. गजल-शास्त्रक एहि विवेचनक उद्देश्य की बुझाईत अछि?

- (A) मैथिलीमे फारसी-मूलक विधा अपनबैत ओकर छन्द-नियम स्पष्ट करब
- (B) गजलकें मैथिलीसँ हटायब
- (C) केवल नाम-सूची बनायब
- (D) पद्यक विरुद्ध गद्य लिखब

खण्ड २१८ : विदेह-सदेह ३६ — मैथिली वर्डनेट: उद्देश्य, स्रोत आ उपयोगिता

७०. मैथिली वर्डनेट बनेबाक मूल उद्देश्य की कहल गेल?

- (A) शब्दक अर्थ, हैराकी, भारतीय भाषाक अर्थ-सम्बन्ध आ पर्याय सहज उपलब्ध करब
- (B) केवल कविता संग्रह बनायब
- (C) नाटकक मंच सजायब
- (D) पाग व्यापार करब

७१. वर्डनेट सँ जनसामान्य मैथिलीप्रेमी कें कोन लाभ अपेक्षित अछि?

- (A) शब्दक अर्थ, अन्य भाषाक अर्थ, आण्टोलोजी आ पर्याय देखबा मे सुविधा
- (B) केवल टिकट बुकिंग
- (C) केवल संगीत सुनब
- (D) केवल छवि रंगब

७२. संगणकीय भाषाविज्ञान लेल वर्डनेट किएक उपादेय मानल गेल?

- (A) मैथिली आ अन्य भारतीय भाषाक यान्त्रिक अनुवादमे सहयोग करत
- (B) कृषि-मापनमे सहयोग करत
- (C) नदी-नक्शा बनाओत
- (D) नाटकक पोशाक देत

७३. स्रोतमे उपलब्ध सामग्रीक समीक्षा लेल कोन कोशक उल्लेख अछि?

- (A) कल्याणी कोश
- (B) केवल अंग्रेजी उपन्यास
- (C) केवल गीत-पोथी
- (D) केवल रेल-सूची

७४. विदेह ऑनलाइन शब्दकोशक बारेमे लेख की कहैत अछि?

- (A) ओ नीक कार्य अछि, मुदा ओकर अपन उद्देश्य आ सीमा अछि
- (B) ओ अनुपस्थित अछि
- (C) ओ निरर्थक अछि
- (D) ओ केवल चित्रकथा अछि

७५. विविध अन्तर्जाल, विशेषतः संस्कृत वर्डनेट, सँ की लाभ भेल कहल गेल?

- (A) कार्यक गति आ प्रस्तुतीकरणक दिशा भेटल
- (B) कार्य रोकायल
- (C) भाषा त्यागल गेल
- (D) कविता बन्द भेल

७६. अखनि धरि काजक स्थिति कोना बताओल गेल?

- (A) डाटा संकलन चलि रहल अछि
- (B) पूर्णतः समाप्त
- (C) कखनो शुरू नहि भेल
- (D) केवल अभिनय चलि रहल

७७. वर्डनेटमे “आण्टोलोजी/हैराकी” शब्दक भाव की अछि?

- (A) शब्दक अर्थ-सम्बन्ध आ श्रेणीबद्ध संरचना
- (B) केवल वर्णमाला क्रम
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल लेखकक जन्मतिथि

७८. वर्डनेट-लेखमे शोधपत्र/लेखक स्रोत किएक महत्वपूर्ण कहल गेल?

- (A) चिन्तनकें नवीन दिशा देबाक लेल
- (B) केवल सजावट लेल
- (C) फोटो जोड़बाक लेल
- (D) नृत्य अभ्यास लेल

७९. मैथिली वर्डनेटक व्यापक महत्व की अछि?

- (A) भाषा-संसाधन, अर्थ-संगठन आ डिजिटल मैथिली विकासक आधार बनब
- (B) केवल छापाखानाक दाम घटायब
- (C) केवल गीत गाबय
- (D) केवल पाग रंगायब

खण्ड २१९ : विदेह-सदेह ३६ — अंकुशी महादेब: आस्था, लोककथा आ ग्राम-सुरक्षा

८०. अंकुशी महादेबक स्थान आजुक स्थितिमे कोना वर्णित अछि?

- (A) सड़क मार्गसँ जुड़ल, मुदा साँझक समय लगभग निर्जन
- (B) महानगरक भीड़भाड़ बीच
- (C) समुद्रक टापू पर
- (D) रेलवे स्टेशन भीतर

८१. योगीश्वर बाबा लक्ष्मीनाथ गोसाईं शिवलिंग कतय स्थापित करय चाहैत छलाह?

- (A) लखनौरक राधाकृष्ण मन्दिर प्रांगणमे
- (B) दिल्लीक बाजारमे
- (C) समुद्र-तटपर
- (D) कविता-मंचपर

८२. शिवलिंग उखारबाक प्रयासमे की चमत्कारिक घटना घटैत रहल?

- (A) जतेक कोरथि, महादेब पीड़ी भरि मात्र रहैत छलाह
- (B) शिवलिंग तुरन्त उड़ि गेल
- (C) शिवलिंग गायब भऽ गेल
- (D) कोनो शिवलिंग नहि भेटल

८३. अन्ततः महादेब बाबा लक्ष्मीनाथ केँ की कहैत छथि?

- (A) जुनि कोर; हम निर्जनमे रहनहार छी आ एतहि सँ गामक रक्षा करब
- (B) हम नगर चलब
- (C) हम पाग बेचब
- (D) हम कविता लिखब

८४. लखनौर गामक रक्षा किनका-किनका दिशा-संरचनासँ बताओल गेल?

- (A) पूर्वसँ राधाकृष्ण, पश्चिमसँ बाबा डिहबार, दक्षिणसँ अंकुशी महादेब
- (B) केवल उत्तरसँ नदी
- (C) केवल बाजारसँ सड़क
- (D) केवल विद्यालयसँ पुस्तकालय

८५. करमहे झांझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय परिवारक कोन संस्कार आइयो अंकुशी महादेब समक्ष होइत अछि?

- (A) पुरुष बच्चाक मूडन
- (B) विवाह-रद्दीकरण
- (C) पुस्तक विमोचन
- (D) गजल प्रतियोगिता

८६. लेखक आस्था आ तर्कक सम्बन्ध कोना साधैत छथि?

- (A) दुनू केँ देखैत देवताक प्रासंगिकता मानैत छथि
- (B) आस्था पूर्णतः नकारैत छथि
- (C) तर्क पूर्णतः निषिद्ध करैत छथि
- (D) दुनू पर मौन छथि

८७. बाढ़ि आदि आपात स्थिति प्रसंगक प्रयोजन की अछि?

- (A) ग्राम-सुरक्षाक लोकविश्वासकेँ बल देबाक
- (B) केवल मौसम-रिपोर्ट
- (C) केवल नदी-मापन
- (D) केवल पृष्ठ-सूचना

८८. पुष्पदन्तक श्लोक-स्मरण किएक देल गेल?

- (A) देवताक गुणक अनन्तता आ वर्णन-असमर्थता व्यक्त करबाक लेल
- (B) लेखा-जोखा देबाक लेल
- (C) भाषा-बाजार बताबय लेल
- (D) पाठ्यक्रम सूची लेल

८९. अंकुशी महादेब खण्डक मूल स्वर की अछि?

- (A) लोककथा, ग्राम-आस्था, तर्क आ श्रद्धाक संयोजन
- (B) केवल आधुनिक विज्ञापन
- (C) केवल व्याकरण
- (D) केवल गजल नियम

खण्ड २२० : विदेह-सदेह ३६ — नेशनल ट्रांसलेशन मिशन आ अनुवाद-कार्यशाला

९०. डॉ. अजीत मिश्रक अनुसार राष्ट्रीय स्तरपर कतेक पोथीक अनुवादक निर्णय भेल छल?

- (A) ६३ पोथीक
- (B) केवल ३ पोथीक
- (C) १००० पोथीक
- (D) कोनो नहि

९१. ओहि ६३ मे कतेक अंग्रेजीसँ मैथिलीमे अनुवादित होयबाक छल?

- (A) नओ गोट
- (B) एक गोट
- (C) पचास गोट
- (D) सभ ६३ गोट

९२. डॉ. भीमनाथ झा अनुवादक लेल कोन बात आवश्यक मानैत छथि?

- (A) टीमवर्क आ विषय-विशेषज्ञक सहभागिता
- (B) एकल मनमानी
- (C) केवल शब्दशः अनुवाद
- (D) विषयक ज्ञानक निषेध

९३. डॉ. प्रभात नारायण झाक मतमे अनुवाद कोना होयबाक चाही?

- (A) सहज, जाहिसँ मूल गप्प पाठक धरि पहुँचय
- (B) जटिल आ अस्पष्ट
- (C) मूल गप्प छिपाओनिहार
- (D) केवल अलंकारिक

९४. नेशनल ट्रांसलेशन मिशनक कार्यशाला कतय आयोजित भेल?

- (A) ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगाक मैथिली विभागमे
- (B) दिल्ली हवाई अड्डा पर
- (C) समुद्र तट पर
- (D) सौराठ सभा मे

९५. कार्यशालाक अवधि की छल?

- (A) ०१-०७-२०११ सँ ०८-०७-२०११ धरि
- (B) केवल एक घंटा
- (C) पूरा वर्ष
- (D) १९०० सँ १९०१ धरि

९६. जी. ऑस्टीनक पोथीसँ कतेक तकनीकी शब्द चयनित भेल?

- (A) ११०० तकनीकी शब्द
- (B) ७०० शब्द
- (C) १० शब्द
- (D) कोनो शब्द नहि

९७. एम. हरियम्माक दर्शन-शास्त्र पोथीसँ कतेक तकनीकी शब्द लेल गेल?

- (A) ७०० तकनीकी शब्द
- (B) ११०० शब्द
- (C) ६३ शब्द
- (D) नओ शब्द

९८. कार्यशालामे विशेषज्ञक अलावा प्रतिभागी संख्या कोना बताओल गेल?

- (A) बीस गोट प्रतिभागी उपस्थित छलाह
- (B) केवल दू गोट
- (C) कोनो प्रतिभागी नहि
- (D) हजार गोट

९९. एहि अनुवाद-कार्यशालाक मूल महत्व की अछि?

- (A) मैथिलीमे विषय-शब्दावली आ उच्च-शिक्षा सामग्री विकसित करबाक पहल
- (B) केवल सांस्कृतिक नाच
- (C) केवल भोज
- (D) केवल पाग-विक्रय

खण्ड २२१ : विदेह-सदेह ३६ — अण्टार्कटिका खिस्सा: पेंगुइनक विज्ञान

१००. स्रोत अनुसार पेंगुइनक करीब कतेक जाति पाओल जाइत अछि?

- (A) १७ सँ २० जाति
- (B) केवल एक जाति
- (C) १००० जाति
- (D) दू जाति

१०१. पेंगुइन अण्टार्कटिका छोड़ि कतय-कतय भेटैत अछि?

- (A) दक्षिणी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, दक्षिण अफ्रिका, गैलेपैगोस आदि दक्षिणी गोलार्धमे
- (B) केवल हिमालयमे
- (C) केवल गंगा तटपर
- (D) केवल रेगिस्तानमे

१०२. सम्राट/एम्पेरर पेंगुइनक विशेषता की कहल गेल?

- (A) सभसँ पैघ आ भारी पेंगुइन, अण्टार्कटिकामे रहैत अछि
- (B) सभसँ छोट पेंगुइन
- (C) केवल उड़ैत अछि
- (D) समुद्र नहि देखैत

१०३. सम्राट पेंगुइनक ऊँचाई आ ओजन लगभग कतेक कहल गेल?

- (A) १.१ मीटर आ ३५ कि.ग्रा. धरि
- (B) १० सेंटीमीटर आ १ कि.ग्रा.
- (C) ५ मीटर आ ५०० कि.ग्रा.
- (D) कोनो माप नहि

१०४. सम्राट पेंगुइनक जैव वैज्ञानिक नाम की देल गेल?

- (A) ऑप्टेनोडाइटिस फोस्टेराइ
- (B) होमो सेपियन्स
- (C) फाइकस रेलिजियोसा
- (D) कैनिस लूपस

१०५. पेंगुइन मनुक्ख जकाँ कोना चलि सकैत अछि?

- (A) दू पएर सँ धर उठा कऽ नाकक सीधमे
- (B) चारि पएर पर दौड़ि
- (C) आकाशमे उड़ि
- (D) साँप जकाँ रेंगि

१०६. चलबाक समय ओकर छोट पछिला भाग/नाँगरि की काज करैत अछि?

- (A) शरीरक सन्तुलन राखबामे मदति करैत अछि
- (B) गीत गाबैत अछि
- (C) शिकार पकड़ैत अछि
- (D) बर्फ पिघलाबैत अछि

१०७. पेंगुइनक पेट आ पीठक रंग कोना वर्णित अछि?

- (A) पेट उज्जर आ पीठ कारी
- (B) पूरा लाल
- (C) पूरा हरियर
- (D) पेट कारी पीठ उज्जर नहि

१०८. पेटक उज्जर रंगक उपयोगिता की कहल गेल?

- (A) समुद्री शिकारीक नजरिसँ बर्फक पृष्ठभूमिमे छिपबामे सहायता
- (B) आगि जलाबय
- (C) कविता लिखय
- (D) धरती खोदय

१०९. अण्टार्कटिका खिस्साक शैली की अछि?

- (A) संवाद मार्फत वैज्ञानिक जानकारी देबाक बाल/लोक-शिक्षात्मक शैली
- (B) केवल शुष्क तालिका
- (C) केवल कानूनी लेख
- (D) केवल प्रेम-कथा

खण्ड २२२ : विदेह-सदेह ३६ — मैथिली गजलक दू युग आ काव्य-विन्यास

११०. मैथिली गजलक “दू युग” शीर्षक मुख्यतः कोन बातक संकेत करैत अछि?

- (A) गजल-परम्पराक ऐतिहासिक विकास आ रूपान्तर
- (B) केवल दूटा दिनक समाचार
- (C) केवल नाटकक दू अंक
- (D) केवल पागक दू रंग

१११. गजल-विवेचनमे रदीफ-काफिया पर बल किएक अछि?

- (A) गजल-संरचनाक ध्वनि-साम्य आ आवृत्ति बुझाबय लेल
- (B) केवल चित्रकारी लेल
- (C) केवल पृष्ठ गिनबाक लेल
- (D) केवल जीवनी लेल

११२. मैथिलीमे गजल अपनबैत समय बहरक प्रश्न किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक ध्वनि-रचना अनुसार छन्द-संतुलन राखय पड़ैत अछि
- (B) भाषा छोड़ि देबाक लेल
- (C) कथा लिखबाक लेल
- (D) कोनो कारण नहि

११३. गजलमे काफिया-युक्त शब्दक प्रकृति कोना बताओल गेल?

- (A) ओ बदलैत रहैत अछि, जखन रदीफ अपरिवर्तित रहि सकैत अछि
- (B) ओ सदैव एके शब्द रहैत अछि
- (C) ओ अनुपस्थित अनिवार्य अछि
- (D) ओ केवल लेखकक नाम अछि

११४. वार्णिक छन्दमे ह्रस्व-दीर्घक विचारक चर्चा किएक आएल?

- (A) मैथिली गजलमे वर्ण-संख्या संग ध्वनि-लयक सूक्ष्मता राखय लेल
- (B) ह्रस्व-दीर्घ अप्रासंगिक सिद्ध करबय लेल
- (C) केवल नाटक संवाद लेल
- (D) केवल व्यंजन-सूची लेल

११५. “तकैत रहैत छी ऐ मेघ दिस” उदाहरणक प्रयोजन की अछि?

- (A) शब्दक ह्रस्व-दीर्घ विभाजन देखाबय लेल
- (B) मेघक मौसम-रिपोर्ट
- (C) कथा पात्र परिचय
- (D) पुरस्कार घोषणा

११६. गजल आ रुबाइ खण्ड एकसाथ राखलासँ कोन साहित्यिक दृष्टि देखाइत अछि?

- (A) मैथिलीमे बाहरी विधाक स्थानीय छन्दबोधसँ पुनर्रचना
- (B) मैथिलीमे पद्य निषिद्ध अछि
- (C) फारसी विधा अस्वीकार अछि
- (D) केवल गद्य मान्य अछि

११७. एहि काव्य-शास्त्रीय खण्डमे “नियम”क भूमिका की अछि?

- (A) रचनात्मक स्वतंत्रताकें लयात्मक अनुशासन देब
- (B) कविताकें समाप्त करब
- (C) लेखकक नाम छिपाब
- (D) पाठककें भ्रमित करब

११८. मैथिली गजलक विकासक लेल लेखकक अप्रत्यक्ष आग्रह की बुझाइत अछि?

- (A) अभ्यास शास्त्रीय समझदारी संग हो, केवल नाम धरि नहि
- (B) गजल शब्द हटाओल जाए
- (C) केवल अनुवाद छापल जाए
- (D) कोनो छन्द नहि राखल जाए

११९. “दू युग” विमर्शक व्यापक अर्थ की अछि?

- (A) पुरान अनुकरणसँ आगू बढ़ि मैथिली संवेदना अनुकूल गजल-रूप गढ़ब
- (B) केवल पुरान रूप दोहरायब
- (C) गजलकें अनुवाद मात्र राखब
- (D) काव्यक इतिहास नकारब

खण्ड २२३ : विदेह-सदेह ३६ — लिपि, डिजिटलता आ भाषा-संसाधनक सेतु

१२०. वर्डनेट, शब्दकोश आ डिजिटल स्रोतक चर्चा विदेह-सदेह ३६ मे कोन दिशा सूचित करैत अछि?

- (A) मैथिलीकें डिजिटल भाषा-संसाधनमे रूपान्तरित करबाक दिशा
- (B) मैथिलीकें केवल मौखिक राखबाक दिशा
- (C) डिजिटल माध्यमक निषेध
- (D) केवल पाण्डुलिपि-पूजा

१२१. कल्याणी कोशक सीमा स्वीकार करब किएक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत मानक होइतो वर्डनेट लेल पुनर्संरचना चाही
- (B) मानक ग्रन्थ त्यागबाक लेल
- (C) शब्दकोशक विरोध लेल
- (D) कविता रोकबाक लेल

१२२. ऑनलाइन शब्दकोश आ वर्डनेट बीच मुख्य भेद की अछि?

- (A) वर्डनेट अर्थ-सम्बन्ध, हैरार्की आ बहुभाषिक पर्याय जोड़ैत अछि
- (B) दुनू पूर्णतः एके
- (C) ऑनलाइन शब्दकोश नाटक अछि
- (D) वर्डनेट केवल छवि अछि

१२३. यान्त्रिक अनुवादक उल्लेख मैथिलीक भविष्य लेल की संकेत करैत अछि?

- (A) भाषा कम्प्यूटरीकृत अन्तरभाषिक संचारमे प्रवेश कऽ सकैत अछि
- (B) अनुवाद असम्भव अछि
- (C) मशीन भाषा नष्ट करैत अछि
- (D) केवल हाथसँ नकल मान्य अछि

१२४. तत्समकोश पर कामक उल्लेख किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मैथिली शब्दभंडारक संस्कृत-सम्बद्ध तहकें व्यवस्थित करबाक लेल
- (B) केवल पागक इतिहास लेल
- (C) केवल भोजन-सूची लेल
- (D) केवल नृत्य लेल

१२५. विविध भारतीय भाषामे शब्दक अर्थ उपलब्ध होयबासँ की लाभ होएत?

- (A) भाषा-तुलना, अनुवाद आ पर्याय-संबंध बुझय सुविधा
- (B) केवल स्थानीय बाजार बंद होएत
- (C) भाषा अलग-थलग रहत
- (D) कोनो उपयोग नहि

१२६. वर्डनेट निर्माणमे “डाटा संकलन” चरणक अर्थ की अछि?

- (A) शब्द, अर्थ, पर्याय आ स्रोत-सामग्री जुटाओल जा रहल अछि
- (B) वेबसाइट मिटाओल जा रहल अछि
- (C) नाटक अभ्यास मात्र
- (D) पुस्तकालय बन्द

१२७. एहि खण्डक डिजिटल दृष्टि पारम्परिक साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) कोश, लेख, शोध आ लोक-शब्दकें तकनीकी डेटाबेसमे बदलैत अछि
- (B) साहित्यकें नकारैत अछि
- (C) केवल मनोरंजन बनबैत अछि
- (D) केवल राजनीति करैत अछि

१२८. मैथिलीप्रेमी आ संगणकीय भाषाविज्ञान—दू लाभार्थी उल्लेखक अर्थ की अछि?

- (A) परियोजना सामाजिक उपयोग आ शोध/तकनीकी उपयोग दुनू साधैत अछि
- (B) केवल विशेषज्ञक खिलौना अछि
- (C) केवल आम लोकक गीतपुस्तिका अछि
- (D) कोनो उपयोगकर्ता नहि

१२९. भाषा-संसाधनक एहि विमर्शक मूल संदेश की अछि?

- (A) मैथिलीकें आधुनिक डिजिटल संरचनामे प्रतिष्ठित करब आवश्यक अछि
- (B) मैथिली डिजिटल न हो
- (C) शब्दकोश बेकार अछि
- (D) अनुवाद छोड़ि देब

खण्ड २२४ : विदेह-सदेह ३६ — परम्परा, विज्ञान आ आधुनिकता: समेकित पुनर्पाठ

१३०. विदेह-सदेह ३६ मे विद्यापति, वर्डनेट, अंकुशी महादेब आ अण्टार्कटिका एकसाथ किएक महत्वपूर्ण छथि?

- (A) ई खण्ड परम्परा, डिजिटल भाषा, लोक-आस्था आ विज्ञानकें एक ठाम पढ़बैत अछि
- (B) ई सभ केवल यांत्रिक सूची अछि
- (C) ई सभ असम्बद्ध विज्ञापन अछि
- (D) ई सभ केवल नाटक पात्र अछि

१३१. विद्यापति-विमर्श आ अंकुशी महादेब गाथा बीच साझा तंतु की अछि?

- (A) लोक-स्मृति आ सामाजिक दावाक आलोचनात्मक पढ़ाइ
- (B) दुनू केवल समुद्री जीव पर अछि
- (C) दुनू मशीन अनुवाद अछि
- (D) दुनू वैज्ञानिक नाम-सूची अछि

१३२. वर्डनेट आ अनुवाद-कार्यशाला बीच साझा उद्देश्य की अछि?

- (A) मैथिलीकें ज्ञान-भाषा आ तकनीकी भाषा बनायब
- (B) मैथिलीकें केवल गीत-भाषा राखब
- (C) मैथिलीकें बंद करब
- (D) केवल विवाह-रीति लिखब

१३३. अण्टार्कटिका पेंगुइन खिस्सा खण्डमे कोन नया आयाम जोड़ैत अछि?

- (A) बाल-सुलभ संवाद मार्फत विज्ञान-लोकशिक्षा
- (B) केवल प्रेम-कथा
- (C) केवल पाग-विमर्श
- (D) केवल गजल नियम

१३४. गजल-शास्त्र आ विद्यापति-विमर्श दुनूमे कोन साझा साहित्यिक चिन्ता अछि?

- (A) रचना-रूपक सही समझ आ भ्रम-निराकरण
- (B) केवल भोजनक चर्चा
- (C) केवल सरकारी योजना
- (D) केवल मौसम

१३५. भाषा-बाजार विमर्श आ वर्डनेट परियोजना कोना पूरक अछि?

- (A) एक भाषा-उद्योगक माँग रखैत अछि, दोसर डिजिटल भाषा-संरचना बनबैत अछि
- (B) दुनू एक-दोसराक विरोध अछि
- (C) दुनू केवल लोककथा अछि
- (D) दुनू असंबद्ध पृष्ठ-सूची अछि

१३६. विदेह-सदेह ३६ क सामग्री पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

- (A) जाति-दावा, भाषा-नीति, छन्द-नियम, विज्ञान आ आस्था सभ पर प्रश्नशील दृष्टि
- (B) केवल रटना
- (C) केवल पृष्ठ गिनना
- (D) केवल नाम याद करब

१३७. एहि खण्डमे “परम्परा” स्थिर वस्तु नहि किएक बुझाइत अछि?

- (A) विद्यापति, पाग, देवस्थान, छन्द आ शब्दकोश सभ पुनर्पाठमे बदलैत अछि
- (B) परम्परा पर कोनो चर्चा नहि
- (C) परम्परा केवल संग्रहालय अछि
- (D) परम्परा असम्भव अछि

१३८. एहि प्रश्नोत्तरीमे विदेह-सदेह ३६ सँ बनल प्रश्न सभ यांत्रिक सूचना सँ बचि किएक विषयपर केन्द्रित अछि?

- (A) क्योंकि स्रोतक असली महत्व विचार, तर्क, पात्र, परियोजना आ विधा-बोधमे अछि
- (B) क्योंकि बाहरी सूचना मात्र महत्व रखैत अछि
- (C) क्योंकि स्रोत उपलब्ध नहि
- (D) क्योंकि प्रश्न बनाओल नहि जा सकैत

१३९. विदेह-सदेह ३६ क समेकित सार की कहल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली संस्कृति केँ अतीत, लोकविश्वास, आधुनिक तकनीक, साहित्यिक विधा आ विज्ञानक संग जोड़निहार खण्ड
- (B) केवल एकरंगी कविता-संग्रह
- (C) केवल सरकारी विज्ञापन
- (D) केवल परीक्षा-तालिका

खण्ड 4826 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण

१४०. ‘विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४१. ‘विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४२. ‘विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण’केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४३. ‘विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४४. ‘विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४५. 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४६. 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४७. 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४८. 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४९. 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4827 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — रुबाइ: कता: गजल: हाइकू

१५०. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५१. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५२. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५३. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५४. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५५. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५६. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५७. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५८. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५९. 'रुबाइ: कता: गजल: हाइकू' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ फ़ारसी-जापानी शैली; मैथिली रूपान्तर धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4828 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — प्राकृत आ पालि

१६०. 'प्राकृत आ पालि'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६१. 'प्राकृत आ पालि'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६२. 'प्राकृत आ पालि'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६३. 'प्राकृत आ पालि'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६४. 'प्राकृत आ पालि'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६५. 'प्राकृत आ पालि'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६६. 'प्राकृत आ पालि'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६७. 'प्राकृत आ पालि' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्धक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६८. 'प्राकृत आ पालि'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६१. 'प्राकृत आ पालि' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भाषिक इतिहास; मैथिली-प्राकृत सम्बन्ध धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4829 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — मैथिली गजल- दू युग

१७०. 'मैथिली गजल- दू युग'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१७१. 'मैथिली गजल- दू युग'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१७२. 'मैथिली गजल- दू युग'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१७३. 'मैथिली गजल- दू युग'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक गजल आन्दोलनक विकासक्रम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१७४. 'मैथिली गजल- दू युग'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१७५. 'मैथिली गजल- दू युग'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१७६. 'मैथिली गजल- दू युग'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१७७. 'मैथिली गजल- दू युग' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) गजल आन्दोलनक विकासक्रमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१७८. 'मैथिली गजल- दू युग'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप गजल आन्दोलनक विकासक्रम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१७९. 'मैथिली गजल- दू युग' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ गजल आन्दोलनक विकासक्रम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4830 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव

१८०. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१८१. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१८२. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१८३. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भूमण्डलीकरण; भाषा संकट दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१८४. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१८५. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१८६. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकट
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१८७. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भूमण्डलीकरण; भाषा संकटक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१८८. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप भूमण्डलीकरण; भाषा संकट केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१८९. 'विदेशी पूँजी निवेशक भाषापर (मैथिली सहित) प्रभाव' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भूमण्डलीकरण; भाषा संकट धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4831 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — होलीपर व्यंग्य

१९०. 'होलीपर व्यंग्य'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१९१. 'होलीपर व्यंग्य'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१९२. 'होलीपर व्यंग्य'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१९३. 'होलीपर व्यंग्य'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१९४. 'होलीपर व्यंग्य'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१९५. 'होलीपर व्यंग्य'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१९६. 'होलीपर व्यंग्य'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१९७. 'होलीपर व्यंग्य' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१९८. 'होलीपर व्यंग्य'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१९९. 'होलीपर व्यंग्य' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक विसंगतिपर तीखी टिप्पणी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4832 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ

२००. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२०१. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२०२. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२०३. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२०४. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२०५. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२०६. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२०७. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२०८. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२०९. 'मैथिली नाटक आ फिल्मक एकटा समानान्तर दुनियाँ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ वैकल्पिक मीडिया; सिनेमा-नाट्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4833 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच

२१०. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२११. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२१२. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२१३. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२१४. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२१५. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२१६. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२१७. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभावक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२१८. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२१९. 'मैथिली नाटक आ आधुनिक रंगमंच' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4834 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह

२२०. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२२१. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२२२. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२२३. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२२४. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२२५. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२२६. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२२७. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२२८. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२२९. 'प्रदीप पुष्पजीक गजल संग्रह' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4835 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ

२३०. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२३१. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२३२. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
२३३. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
२३४. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
२३५. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
२३६. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
२३७. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
२३८. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) गद्यक रूप Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
२३९. 'चारिटा अंग्रेजी नाटक- डॉक्टर फॉस्टस, सैमसन एगोनिस्टेस, मर्डर इन द कैथेड्रल आ स्ट्राइफ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक धरि सीमित राखब
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4836 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — उल्कामुख

२४०. 'उल्कामुख'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२४१. 'उल्कामुख'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२४२. 'उल्कामुख'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२४३. 'उल्कामुख'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रतीकात्मक; समसामयिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२४४. 'उल्कामुख'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२४५. 'उल्कामुख'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२४६. 'उल्कामुख'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२४७. 'उल्कामुख' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रतीकात्मक; समसामयिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२४८. 'उल्कामुख'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप प्रतीकात्मक; समसामयिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२४९. 'उल्कामुख' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रतीकात्मक; समसामयिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4837 : विदेह-सदेह 36 — गजेन्द्र ठाकुर — सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेड सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)

२५०. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेड सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२५१. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?', साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२५२. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?', साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२५३. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?', साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२५४. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२५५. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२५६. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२५७. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२५८. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२५९. 'सम्पादकीय (मैथिली आ ब्रेल लिपि, की मैथिली साहित्य अपन मूल स्वरमे ब्राह्मणवादी अछि?, रामनरेश रायक सूचना, यूनीकोड पर साहित्य अकादेमीक कथागोष्ठीमे पर्चा वितरण, साहित्य अकादेमीक कथा गोष्ठीकेँ सगर राति दीप जरए कहल जाए?, साहित्य अकादेमीक टैगोर लिटरेचर अवार्ड, विदेह गोष्ठी: (परिचर्चा आ प्रैक्टिकल लैबोरेटरीक प्रदर्शन), की मैथिली मात्र मैथिल ब्राह्मणक भाषा छी?, विहनि कथा, फजलुर रहमान हासमीक आइ २०-०७-२०११ केँ मृत्यु भऽ गेलन्हि, साहित्य अकादेमीमे समन्वयक पद लेल कालाबाजारी (ब्लैक मार्केटिंग)- एकटा रिपोर्ट, समन्वय २-४ नवम्बर २०१२ इण्डिया हैबीटेट सेन्टर, विदेह सम्मान, विदेह साहित्य उत्सव २०१२, गजल कमला-कोसी-बगमती-महानंदा सम्मान, विदेह द्वारा आयोजित पहिल समानांतर साहित्य अकादेमी मैथिली कवि सम्मेलन २०११, २०म विश्व पुस्तक मेला २०१२, २१म विदेह मैथिली पोथी प्रदर्शनी, नीलम फिल्म्स आ गोपाल पाठकक करतूत, मारियो वर्गास लोसाकेँ... साहित्य अकादेमीक मैथिली अनुवाद पुरस्कार, भारतीय भाषा परिषदक... पुरस्कार, साहित्य अकादेमी दिल्लीक महत्तर सदस्यता, विनीत उत्पलक सूचना... खुलासा, लघु राज्यक सार्थकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी... सम्पादकीय लेखमाला)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4838 : विदेह-सदेह 36 — डॉ रमानन्द झा "रमण" — मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण

२६०. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२६१. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?
- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
(B) कागजक आकार
(C) सिरिफ तिथि
(D) प्रचारात्मक वाक्य
२६२. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
२६३. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
२६४. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
२६५. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
२६६. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
२६७. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञानक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
२६८. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?
- (A) गद्यक रूप भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान कें स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२६९. 'मिथिला भाषाक अध्ययन आ डॉ. ग्रिअर्सन कृत मैथिली व्याकरण' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4839 : विदेह-सदेह 36 — वीरेन्द्र यादव — लघुकथा- बाबा गाछी

२७०. 'लघुकथा- बाबा गाछी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२७१. 'लघुकथा- बाबा गाछी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२७२. 'लघुकथा- बाबा गाछी'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२७३. 'लघुकथा- बाबा गाछी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोकजीवन; OBC परिवेश दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२७४. 'लघुकथा- बाबा गाछी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२७५. 'लघुकथा- बाबा गाछी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२७६. 'लघुकथा- बाबा गाछी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोकजीवन; OBC परिवेश
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२७७. 'लघुकथा- बाबा गाछी' पर अरुथलधलरलत डुरशन बनबैत कलल कुन तरलकल उऑलत?

- (A) लुकऑलवन; OBC डरलवैशल कु भलतरक अरुथ-संरऑनल डर धुन देब
- (B) कुरडलंकक गलनती डूऑब
- (C) कलगऑक आकलर डूऑब
- (D) बलहरी रंग-सऑऑल डूऑब

२७७. 'लघुकथा- बाबा गाछी'डु गऑक रूड कथु कँ कुनल सहलरल दैत अऑल?

- (A) गऑक रूड लुकऑलवन; OBC डरलवैशल कँ स्पुऑ करैत अऑल
- (B) रूड कथुकँ डलतल दैत अऑल
- (C) रूड कुनलु सडुबनुध नलल
- (D) ई कुवल नलड-सूऑी बनैत अऑल

२७९. 'लघुकथा- बाबा गाछी' सँ बनल उत्तरडु कलुडनल-दुषसँ बऑबलक सही उडलड की?

- (A) उत्तरकँ लुकऑलवन; OBC डरलवैशल धरल सीडलत रलखब
- (B) लेखकक अऑलत नलऑी ऑलवन ऑुऑब
- (C) सुुतसँ बलहर ऑटना गऑब
- (D) अडुरडलणलत नलषुकुष देब

खणुऑ 4840 : वलदेह-सदेह 36 — बेऑन ठलकुर — नुडुडलनेशन

२७०. 'नुडुडलनेशन'क डुखुड अडुडडन-कुनुदुर की अऑल?

- (A) रलऑनैतलक वुंगुड; ऑुनलवी हलसुड
- (B) कुवल कुरडलंक-सूऑी
- (C) बलहरी सऑलवऑ
- (D) असडुबदुऑ सुऑनल

२७१. 'नुडुडलनेशन'डु कथुक अरुथ-गठन कुन आधलर डर स्पुऑ हुुऑत अऑल?

- (A) रलऑनैतलक वुंगुड; ऑुनलवी हलसुड
- (B) कलगऑक आकलर
- (C) सरलरलड तलथल
- (D) डुरऑलरलतुडक वलकुड

२७२. 'नुडुडलनेशन'कँ गऑ रूडडु डऑबलक सडड कुन बलत धुनलडु रलखब उऑलत?

- (A) रलऑनैतलक वुंगुड; ऑुनलवी हलसुड
- (B) लेखकक अऑलत नलऑी ऑलवन
- (C) सुुत-बलहुऑ ऑटना
- (D) डलदृऑुऑल अनुडलन

२७३. 'नुडुडलनेशन'क शीरुषक आ कथुक सडुबनुध कुनल बुऑलल ऑलडु?

- (A) शीरुषक रलऑनैतलक वुंगुड; ऑुनलवी हलसुड दलस संकुेत करैत अऑल
- (B) शीरुषक कथुसँ डूरुण असडुबदुऑ अऑल
- (C) शीरुषकडु कुनलु अरुथ-सूतुर नलल
- (D) शीरुषक डलतुर सऑलवऑ अऑल

२७७. 'नुडुडलनेशन'डु डलठकक संवेदनल कुन दलशलडु नुनु ऑलडुत अऑल?

- (A) रलऑनैतलक वुंगुड; ऑुनलवी हलसुड
- (B) सूऑीगणनल डलतुर
- (C) असडुबदुऑ हलसुड
- (D) बलहरी वलऑलडन

२८५. 'नोमीनेशन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राजनैतिक व्यंग्य; चुनावी हास्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२८६. 'नोमीनेशन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राजनैतिक व्यंग्य; चुनावी हास्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२८७. 'नोमीनेशन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राजनैतिक व्यंग्य; चुनावी हास्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२८८. 'नोमीनेशन'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप राजनैतिक व्यंग्य; चुनावी हास्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२८९. 'नोमीनेशन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राजनैतिक व्यंग्य; चुनावी हास्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4841 : विदेह-सदेह 36 — बेचन ठाकुर — छल-बल

२९०. 'छल-बल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्र
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

२९१. 'छल-बल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्र
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

२९२. 'छल-बल'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्र
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

२९३. 'छल-बल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक षड्यन्त्र दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

२९४. 'छल-बल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्र
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

२९५. 'छल-बल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक षड्यन्त्र
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

२९६. 'छल-बल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्र
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

२९७. 'छल-बल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक षड्यन्त्रक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

२९८. 'छल-बल'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सामाजिक षड्यन्त्र केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

२९९. 'छल-बल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक षड्यन्त्र धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4842 : विदेह-सदेह 36 — बेचन ठाकुर — चल आइये

३००. 'चल आइये'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३०१. 'चल आइये'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३०२. 'चल आइये'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३०३. 'चल आइये'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक आप्रवासन; पलायन पीड़ा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३०४. 'चल आइये'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३०५. 'चल आइये'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३०६. 'चल आइये'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३०७. 'चल आइये' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) आप्रवासन; पलायन पीड़ाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३०८. 'चल आइये'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप आप्रवासन; पलायन पीड़ा कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३०९. 'चल आइये' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ आप्रवासन; पलायन पीड़ा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4843 : विदेह-सदेह 36 — बेचन ठाकुर — डाक डकोबलि

३१०. 'डाक डकोबलि'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३११. 'डाक डकोबलि'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३१२. 'डाक डकोबलि'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३१३. 'डाक डकोबलि'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक डाक-व्यवस्था परिक्षेप दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३१४. 'डाक डकोबलि'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३१५. 'डाक डकोबलि'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३१६. 'डाक डकोबलि'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेप
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३१७. 'डाक डकोबलि' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) डाक-व्यवस्था परिक्षेपक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३१८. 'डाक डकोबलि'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप डाक-व्यवस्था परिक्षेप केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३१९. 'डाक डकोबलि' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ डाक-व्यवस्था परिक्षेप धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4844 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी

३२०. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३२१. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३२२. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३२३. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३२४. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३२५. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३२६. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३२७. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३२८. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३२९. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक छीनरदेवी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बेचन ठाकुरक ग्रामीण नारी चित्रण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4845 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान

३३०. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी शोषणक विमर्श
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३३१. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी शोषणक विमर्श
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३३२. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी शोषणक विमर्श
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३३३. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी शोषणक विमर्श दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३३४. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी शोषणक विमर्श
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३३५. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी शोषणक विमर्श
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३३६. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी शोषणक विमर्श
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३३७. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी शोषणक विमर्शक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३३८. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नारी शोषणक विमर्श केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३३९. 'बेचन ठाकुरजीक नाटक बेटीक अपमान' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी शोषणक विमर्श धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4846 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच

३४०. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३४१. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३४२. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३४३. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३४४. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३४५. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३४६. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३४७. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३४८. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३४९. 'विदेह मैथिली समानान्तर रंगमंच' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4847 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला

३५०. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३५१. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३५२. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३५३. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३५४. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३५५. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३५६. 'मैथिली गजलकार परिचय श्रृंखला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३५७. 'मैथिली गजलकार परिचय शृंखला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३५८. 'मैथिली गजलकार परिचय शृंखला'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३५९. 'मैथिली गजलकार परिचय शृंखला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4848 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — १९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार

३६०. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३६१. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३६२. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३६३. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३६४. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३६५. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३६६. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३६७. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३६८. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३६९. '१९ जुलाई २०१२ केँ श्री जगदीश प्रसाद मण्डलजीसँ लेल साक्षात्कार' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4849 : विदेह-सदेह 36 — मनोज झा मुक्ति — विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा

३७०. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३७१. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३७२. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३७३. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३७४. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३७५. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३७६. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३७७. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सवक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३७८. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३७९. 'विद्यापति स्मृति समारोह वास्ते हमर दरभंगा यात्रा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4850 : विदेह-सदेह 36 — मनोज झा मुक्ति — जनगणनामे मातृभाषा

३८०. 'जनगणनामे मातृभाषा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३८१. 'जनगणनामे मातृभाषा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३८२. 'जनगणनामे मातृभाषा'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३८३. 'जनगणनामे मातृभाषा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३८४. 'जनगणनामे मातृभाषा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३८५. 'जनगणनामे मातृभाषा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३८६. 'जनगणनामे मातृभाषा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३८७. 'जनगणनामे मातृभाषा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३८८. 'जनगणनामे मातृभाषा'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३८९. 'जनगणनामे मातृभाषा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भाषिक अस्मिता; जनगणना राजनीति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4851 : विदेह-सदेह 36 — नरेन्द्र मिश्र — दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल

३९०. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

३९१. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

३९२. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

३९३. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

३९४. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

३९५. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

३९६. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

३९७. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

३९८. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

३९९. 'दुर्गापूजा-2011 केर अवसरपर मैथिली-नाटक मंचन भेल- अप्पन कर्मक फल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ पर्वकालीन नाट्य; लोकधर्मी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4852 : विदेह-सदेह 36 — महाकवि भास/ बिपिन कुमार झा (अनुवादक) — कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)

४००. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४०१. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४०२. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४०३. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४०४. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४०५. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४०६. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४०७. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४०८. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४०९. 'कर्णभारम् (मैथिली अनुवाद)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ संस्कृत क्लासिक; भासक ट्रेजेडी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4853 : विदेह-सदेह 36 — बिपिन कुमार झा — बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ

४१०. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४११. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४१२. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४१३. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४१४. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४१५. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४१६. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४१७. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४१८. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४१९. 'बालानां सुखबोधाय, Maithili Word net, कलौ चण्डी महेश्वरौ, स्तरविहीन स्तर, जन्मदिनक बदलैत स्वरूप, यात्राक किछु प्रश्न, सहनशीलता, एकटा प्रश्न मीडिया सँ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भाषा-प्रविधि; शिक्षा; सामाजिक टिप्पणी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4854 : विदेह-सदेह 36 — जितेन्द्र झा — नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित

४२०. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४२१. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४२२. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४२३. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४२४. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४२५. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४२६. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४२७. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) Cross-border साहित्य; नेपाल-भारतक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४२८. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४२९. 'नेपाली आ मैथिली भाषाक दूटा साहित्यिक कृति विमोचित' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ Cross-border साहित्य; नेपाल-भारत धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4855 : विदेह-सदेह 36 — जितेन्द्र झा — मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता

४३०. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४३१. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४३२. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४३३. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्राचीन काव्य पुनर्पाठ दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४३४. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४३५. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४३६. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठ
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४३७. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्राचीन काव्य पुनर्पाठक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४३८. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप प्राचीन काव्य पुनर्पाठ केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४३९. 'मेघशतक (श्यामशेखर झा कमल) सँ तीनगोट कविता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्राचीन काव्य पुनर्पाठ धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4856 : विदेह-सदेह 36 — जितेन्द्र झा — अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला

४४०. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४४१. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४४२. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४४३. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४४४. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४४५. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४४६. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४४७. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४४८. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४४९. 'अपने घरमे उपेक्षित मिथिला चित्रकला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ Mithila painting; सांस्कृतिक संरक्षण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4857 : विदेह-सदेह 36 — जितेन्द्र झा — विमलक गजल आ सुजितक कथा

४५०. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४५१. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४५२. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४५३. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४५४. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४५५. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४५६. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४५७. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४५८. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४५९. 'विमलक गजल आ सुजितक कथा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ समकालीन रचनाकार मूल्याङ्कन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4858 : विदेह-सदेह 36 — जितेन्द्र झा — सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)

४६०. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४६१. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४६२. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४६३. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक डायरी-शैली; आत्मकथात्मक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४६४. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४६५. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४६६. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४६७. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) डायरी-शैली; आत्मकथात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४६८. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)' मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप डायरी-शैली; आत्मकथात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४६९. 'सुजितक अनुभव रिपोर्टर डायरीमे (प्रस्तुति)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ डायरी-शैली; आत्मकथात्मक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4859 : विदेह-सदेह 36 — एस.सी सुमन — सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार

४७०. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सरकारी नीति आलोचना
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४७१. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सरकारी नीति आलोचना
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४७२. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सरकारी नीति आलोचना
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४७३. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सरकारी नीति आलोचना दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४७४. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सरकारी नीति आलोचना
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४७५. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सरकारी नीति आलोचना
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४७६. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सरकारी नीति आलोचना
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४७७. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सरकारी नीति आलोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४७८. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सरकारी नीति आलोचना केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४७९. 'सरकार कएलक सौतिनिजा व्यवहार' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सरकारी नीति आलोचना धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4860 : विदेह-सदेह 36 — धीरेन्द्र प्रेमर्षि — प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला

४८०. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४८१. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४८२. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४८३. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक चित्रकलाक आधुनिक यात्रा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४८४. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४८५. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४८६. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्रा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४८७. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) चित्रकलाक आधुनिक यात्राक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४८८. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप चित्रकलाक आधुनिक यात्रा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४८९. 'प्रगतिक पथपर मिथिला चित्रकला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ चित्रकलाक आधुनिक यात्रा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4861 : विदेह-सदेह 36 — शम्मी वत्स/ रूपेश — हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह

४९०. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

४९१. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

४९२. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

४९३. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

४९४. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

४९५. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

४९६. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

४९७. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) Diaspora सांस्कृतिक गतिविधिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

४९८. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

४९९. 'हैदराबादमे विद्यापति पर्व समारोह' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ Diaspora सांस्कृतिक गतिविधि धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4862 : विदेह-सदेह 36 — प्रवीण नारायण चौधरी — बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011

५००. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५०१. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५०२. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५०३. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नेपाल मैथिली आन्दोलन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५०४. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५०५. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५०६. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५०७. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नेपाल मैथिली आन्दोलनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५०८. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नेपाल मैथिली आन्दोलन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५०९. 'बिराटनगरमे विद्यापति पर्व समारोह सम्पन्न 9-10 दिसम्बर 2011' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नेपाल मैथिली आन्दोलन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4863 : विदेह-सदेह 36 — रमेश रंजन — रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"

५१०. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५११. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५१२. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५१३. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५१४. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५१५. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५१६. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५१७. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नाट्य-प्रस्तुति समीक्षाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५१८. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५१९. 'रिपोर्ट- "बुधियार छौड़ा आ राक्षस"' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नाट्य-प्रस्तुति समीक्षा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4864 : विदेह-सदेह 36 — मुन्ना जी — विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुछ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!, आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)

५२०. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुछ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!, आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५२१. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौंज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५२२. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौंज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५२३. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौंज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५२४. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौंज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५२५. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौंज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५२६. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५२७. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५२८. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५२९. 'विहनि कथा संसार, अप्पन आंगनमे ठाढ़ आइ, तराजू, असरा, संगबे, छुच्छ..., सिनेहक धार, ऐब की बेरिया, परदा पर, पसार....!', आशीर्वाद, आँचर....!, उठल्लू, बाट-घाट, द्वन्द, देह मोन आ प्रेम, परमेश्वर, जिया जरए..., भूख, टेढ़र, गणतंत्र, अदौ सँ..., करोट, पछतावा, रक्षा, विचरण!, चुनरी, मुक्ति, दरेग, रिपोर्ताज, परस्पर, टकटकी, सुतिहार, वैधव्यता, कोखिन, विधान, मए बनबाक हर्ष!, भार उघैत, निमुधन नै छी, बेर पर, उपरौज, विहान, दायित्व (लगभग ४३ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रयोगधर्मी; अतिलघु कथात्मकता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4865 : विदेह-सदेह 36 — श्यामसुन्दर शशि — कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल

५३०. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५३१. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५३२. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५३३. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५३४. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५३५. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५३६. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५३७. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५३८. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५३९. 'कोजग्रा धूमधाम संग मनाओल जा रहल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें लोकपर्व; मिथिला कैलेण्डर धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4866 : विदेह-सदेह 36 — राम भरोस कापड़ि भ्रमर — बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व

५४०. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५४१. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५४२. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५४३. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नेपाल साहित्यिक उत्सव दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५४४. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५४५. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५४६. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सव
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५४७. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नेपाल साहित्यिक उत्सवक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५४८. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नेपाल साहित्यिक उत्सव केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५४९. 'बिराटनगरमे बिद्यापति स्मृति पर्व' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नेपाल साहित्यिक उत्सव धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4867 : विदेह-सदेह 36 — जगदानंद झा 'मनु' — मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति

५५०. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५५१. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५५२. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५५३. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५५४. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५५५. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५५६. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५५७. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्नक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५५८. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५५९. 'मसोमात, रहस्य, जगह, मिथिलामे जाति-पाति' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक यथार्थ; जाति प्रश्न धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4868 : विदेह-सदेह 36 — प्रियंका झा — सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...

५६०. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५६१. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५६२. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५६३. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५६४. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५६५. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५६६. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५६७. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) साहित्यिक राजनीति; नारी स्वरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५६८. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५६९. 'सगर राति दीप जरय पर साहित्य अकादेमीक कब्जा/ सरकारी पाइपर भेल...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ साहित्यिक राजनीति; नारी स्वर धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4869 : विदेह-सदेह 36 — आशीष चौधरी — विहनि कथा- ठक

५७०. 'विहनि कथा- ठक'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५७१. 'विहनि कथा- ठक'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५७२. 'विहनि कथा- ठक'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५७३. 'विहनि कथा- ठक'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक अतिलघु; व्यंग्यात्मक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५७४. 'विहनि कथा- ठक'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५७५. 'विहनि कथा- ठक'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५७६. 'विहनि कथा- ठक'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५७७. 'विहनि कथा- ठक' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) अतिलघु; व्यंग्यात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५७८. 'विहनि कथा- ठक'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप अतिलघु; व्यंग्यात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५७९. 'विहनि कथा- ठक' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ अतिलघु; व्यंग्यात्मक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4870 : विदेह-सदेह 36 — चंदन कुमार झा — आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र

५८०. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोकतंत्र आलोचना
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५८१. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोकतंत्र आलोचना
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५८२. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोकतंत्र आलोचना
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५८३. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोकतंत्र आलोचना दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५८४. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोकतंत्र आलोचना
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५८५. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोकतंत्र आलोचना
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५८६. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोकतंत्र आलोचना
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५८७. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोकतंत्र आलोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५८८. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लोकतंत्र आलोचना केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५८९. 'आलेख- भीड़तंत्र बनाम् भ्रष्टतंत्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लोकतंत्र आलोचना धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4871 : विदेह-सदेह 36 — चंदन कुमार झा — विहनि-कथा- सद्गति

५९०. 'विहनि-कथा- सद्गति'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मृत्यु-दर्शन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

५९१. 'विहनि-कथा- सद्गति'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मृत्यु-दर्शन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

५९२. 'विहनि-कथा- सद्गति'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मृत्यु-दर्शन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

५९३. 'विहनि-कथा- सद्गति'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मृत्यु-दर्शन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

५९४. 'विहनि-कथा- सद्गति'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मृत्यु-दर्शन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

५९५. 'विहनि-कथा- सद्गति'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मृत्यु-दर्शन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

५९६. 'विहनि-कथा- सद्गति'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मृत्यु-दर्शन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

५९७. 'विहनि-कथा- सद्गति' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मृत्यु-दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

५९८. 'विहनि-कथा- सद्गति'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मृत्यु-दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

५९९. 'विहनि-कथा- सद्गति' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मृत्यु-दर्शन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4872 : विदेह-सदेह 36 — अतुलेश्वर — सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रज्जु झा

६००. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रज्जु झा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६०१. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रज्जु झा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६०२. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रज्जु झा'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६०३. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रज्जु झा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६०४. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६०५. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६०६. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६०७. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६०८. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६०९. 'सोचब आवश्यक जे....., मिथिला राज्य आन्दोलन आ शहीद रञ्जु झा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला राज्य आन्दोलन; शहीद स्मृति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4873 : विदेह-सदेह 36 — सुभाष चन्द्र यादव — गजेन्द्र ठाकुर

६१०. 'गजेन्द्र ठाकुर'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्व
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६११. 'गजेन्द्र ठाकुर'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्व
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६१२. 'गजेन्द्र ठाकुर' केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्व
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६१३. 'गजेन्द्र ठाकुर'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सम्पादक व्यक्तित्व दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६१४. 'गजेन्द्र ठाकुर'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्व
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६१५. 'गजेन्द्र ठाकुर'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सम्पादक व्यक्तित्व
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६१६. 'गजेन्द्र ठाकुर'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्व
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६१७. 'गजेन्द्र ठाकुर' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सम्पादक व्यक्तित्वक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६१८. 'गजेन्द्र ठाकुर'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सम्पादक व्यक्तित्व केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६१९. 'गजेन्द्र ठाकुर' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सम्पादक व्यक्तित्व धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4874 : विदेह-सदेह 36 — मुन्नी कामत — नाटक- अंधविश्वास

६२०. 'नाटक- अंधविश्वास'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६२१. 'नाटक- अंधविश्वास'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६२२. 'नाटक- अंधविश्वास'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६२३. 'नाटक- अंधविश्वास'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६२४. 'नाटक- अंधविश्वास'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६२५. 'नाटक- अंधविश्वास'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६२६. 'नाटक- अंधविश्वास'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६२७. 'नाटक- अंधविश्वास' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्नक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६२८. 'नाटक-अंधविश्वास'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६२९. 'नाटक-अंधविश्वास' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक कुरीति; स्त्री-प्रश्न धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4875 : विदेह-सदेह 36 — सत्यनारायण झा — दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर

६३०. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६३१. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६३२. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६३३. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक वात्सल्य; पारिवारिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६३४. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६३५. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) वात्सल्य; पारिवारिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६३६. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६३७. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) वात्सल्य; पारिवारिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६३८. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप वात्सल्य; पारिवारिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६३९. 'दुटा बात पुत्रक जन्म दिन पर' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ वात्सल्य; पारिवारिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4876 : विदेह-सदेह 36 — सुजीत कुमार झा — लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)

६४०. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६४१. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६४२. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६४३. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रयोगशील; बहुआयामी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६४४. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६४५. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६४६. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६४७. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रयोगशील; बहुआयामीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६४८. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप प्रयोगशील; बहुआयामी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६४९. 'लघुकथा (निष्ठा कि देखाबा, लाल डायरी, मेनका, साधना, केहन सजाय?, फुल फुलाइए कऽ रहल, बंश)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रयोगशील; बहुआयामी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4877 : विदेह-सदेह 36 — सुजीत कुमार झा — झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी

६५०. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६५१. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६५२. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६५३. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६५४. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६५५. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६५६. ‘झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी’मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६५७. 'झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६५८. 'झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६५९. 'झूमि उठल जनकपुरवासी, नाटकप्रति रंजुमे..., नेपालमे राष्ट्रिय जनगणना..., मैथिलीमे क्रिकेटक कमेन्ट्री, जंगलमे होरी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नेपाल मैथिली; खेल-संस्कृति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4878 : विदेह-सदेह 36 — सन्तोष कुमार मिश्र — एकटा पत्र

६६०. 'एकटा पत्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६६१. 'एकटा पत्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६६२. 'एकटा पत्र'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६६३. 'एकटा पत्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६६४. 'एकटा पत्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६६५. 'एकटा पत्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६६६. 'एकटा पत्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६६७. 'एकटा पत्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) आत्मकथात्मक; सम्पादक नामक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६६८. 'एकटा पत्र'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६६९. 'एकटा पत्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ आत्मकथात्मक; सम्पादक नाम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4879 : विदेह-सदेह 36 — मनोज कुमार मण्डल — "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन

६७०. "'बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) ग्रामीण नाट्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६७१. "'बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ग्रामीण नाट्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६७२. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) ग्रामीण नाट्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६७३. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक ग्रामीण नाट्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६७४. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) ग्रामीण नाट्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६७५. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) ग्रामीण नाट्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६७६. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) ग्रामीण नाट्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६७७. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) ग्रामीण नाट्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६७८. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप ग्रामीण नाट्य कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६७९. "बाप भेल पित्ती" ओ "अधिकार" नाटकक सफल मंचन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें ग्रामीण नाट्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4880 : विदेह-सदेह 36 — शेफालिका वर्मा — डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार

६८०. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६८१. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६८२. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६८३. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शोध-संवाद; भाषाविज्ञान दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६८४. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६८५. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६८६. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञान
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६८७. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शोध-संवाद; भाषाविज्ञानक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६८८. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप शोध-संवाद; भाषाविज्ञान केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६८९. 'डॉ कलाधर झासँ डॉ. शेफालिका वर्माक साक्षात्कार' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शोध-संवाद; भाषाविज्ञान धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4881 : विदेह-सदेह 36 — शेफालिका वर्मा — रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)

६९०. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

६९१. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

६९२. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

६९३. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

६९४. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

६९५. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

६९६. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

६९७. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

६९८. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

६९९. 'रेत आ रेत, रेखाचित्र- ओ कत' हेतीह..., संस्मरण- मैथिली (उड़ीसा-१९८५)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ स्त्री अनुभव; प्रवासी पीड़ा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4882 : विदेह-सदेह 36 — दुर्गानन्द मण्डल — नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास

७००. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७०१. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७०२. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७०३. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७०४. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७०५. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७०६. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७०७. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बाल मनोविज्ञान; देशभक्तिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७०८. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७०९. 'नेना लेल सुन्दर चित्रकथा, स्वतंत्रता दिवसक अवसरपर किछु स्वतंत्र भरास' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बाल मनोविज्ञान; देशभक्ति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4883 : विदेह-सदेह 36 — नवीन ठाकुर — मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२

७१०. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला अस्मिता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७११. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला अस्मिता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७१२. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला अस्मिता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७१३. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला अस्मिता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७१४. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला अस्मिता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७१५. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला अस्मिता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७१६. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला अस्मिता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७१७. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला अस्मिताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७१८. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मिथिला अस्मिता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७१९. 'मिथिला उवाच-१, मिथिला उवाच-२' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला अस्मिता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4884 : विदेह-सदेह 36 — नर्वेदु कुमार झा — मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)

७२०. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७२१. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७२२. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७२३. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७२४. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७२५. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७२६. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७२७. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढ़ौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकासक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७२८. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढ़ौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७२९. 'मिथिला आ मैथिली बॅटबाक भऽ रहल साजिश... (सहित ४०+ समाचार/निबन्ध शीर्षक जेना: ई गवर्नेस दिस सरकार बढ़ौलक डेग, नीतीशक सोंझा मोदीक समर्पण... अदिक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राजनीतिक पत्रकारिता; मिथिला विकास धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4885 : विदेह-सदेह 36 — शांतिलक्ष्मी चौधरी — नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान

७३०. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७३१. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७३२. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७३३. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लैंगिक अध्ययन; शिक्षा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७३४. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७३५. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७३६. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७३७. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७३८. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लैंगिक अध्ययन; शिक्षा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७३९. 'नव-नियोजित शिक्षिका आओर शिक्षक... मैथिल नारि केर समस्याक समाधान' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लैंगिक अध्ययन; शिक्षा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4886 : विदेह-सदेह 36 — किशन कारीगर — हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी- होली पर हास्य कथा

७४०. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी- होली पर हास्य कथा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७४१. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७४२. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७४३. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७४४. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७४५. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७४६. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७४७. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रसक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७४८. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७४९. 'हास्य कथा- (आब हम जबान भ गेलहुँ, मुन्नी बदनाम भेलैए किएक?, टाई माने रस्सी, मैथिली सीखू), हमर फोटो कहिया, मोछ वाली माउगी-होली पर हास्य कथा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4887 : विदेह-सदेह 36 — राम प्रवेश मण्डल — विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!

७५०. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भाषा-प्रेम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७५१. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भाषा-प्रेम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७५२. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भाषा-प्रेम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७५३. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भाषा-प्रेम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७५४. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भाषा-प्रेम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७५५. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भाषा-प्रेम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७५६. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भाषा-प्रेम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७५७. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भाषा-प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७५८. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!' मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप भाषा-प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७५९. 'विहनि कथा- आह मिथिला! वाह मैथिली!' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भाषा-प्रेम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4888 : विदेह-सदेह 36 — शैल झा "सागर" — एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन

७६०. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७६१. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७६२. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक संवाद
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७६३. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक साहित्यिक संवाद दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७६४. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७६५. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) साहित्यिक संवाद
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७६६. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७६७. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) साहित्यिक संवादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७६८. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप साहित्यिक संवाद केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७६९. 'एकटा पत्र एकटा समीक्षा- किस्त किस्त जीवन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ साहित्यिक संवाद धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4889 : विदेह-सदेह 36 — रमाकान्त राय "रमा" (आचार्य दिव्यचक्षु) — आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...

७७०. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक सेमिनार
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७७१. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक सेमिनार
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७७२. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक सेमिनार
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७७३. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक साहित्यिक सेमिनार दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७७४. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) साहित्यिक सेमिनार
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७७५. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) साहित्यिक सेमिनार
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७७६. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) साहित्यिक सेमिनार
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७७७. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) साहित्यिक सेमिनारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७७८. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप साहित्यिक सेमिनार कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७७९. 'आरसी बाबूक व्यक्तित्व एवं कृतित्वपर...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें साहित्यिक सेमिनार धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4890 : विदेह-सदेह 36 — शिव कुमार झा 'टिल्लू' — मैथिलीपर जातिवादी कलंक

७८०. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७८१. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७८२. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७८३. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक जाति-विमर्श; भाषा राजनीति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७८४. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७८५. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७८६. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७८७. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) जाति-विमर्श; भाषा राजनीतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७८८. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप जाति-विमर्श; भाषा राजनीति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७८९. 'मैथिलीपर जातिवादी कलंक' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ जाति-विमर्श; भाषा राजनीति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4891 : विदेह-सदेह 36 — रवि भूषण पाठक — टिल्लू जी (शिव कुमार झा)

७९०. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लेखक परिचय
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

७९१. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लेखक परिचय
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

७९२. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लेखक परिचय
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

७९३. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लेखक परिचय दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

७९४. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लेखक परिचय
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

७९५. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लेखक परिचय
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

७९६. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लेखक परिचय
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

७९७. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लेखक परिचयक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

७९८. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)' मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप लेखक परिचय केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

७९९. 'टिल्लू जी (शिव कुमार झा)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लेखक परिचय धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4892 : विदेह-सदेह 36 — बृषेशचन्द्र लाल — बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...

८००. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८०१. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८०२. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८०३. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सांस्कृतिक स्मृति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८०४. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८०५. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८०६. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८०७. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सांस्कृतिक स्मृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८०८. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप सांस्कृतिक स्मृति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८०९. 'बिद्यापति--स्मृति पर्व मादैं --- बड़ सुख सार पाओल स्मरणे ...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सांस्कृतिक स्मृति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4893 : विदेह-सदेह 36 — नारायण झा — रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...

८१०. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शैक्षिक सक्रियता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८११. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शैक्षिक सक्रियता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८१२. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शैक्षिक सक्रियता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८१३. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शैक्षिक सक्रियता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८१४. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शैक्षिक सक्रियता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८१५. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शैक्षिक सक्रियता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८१६. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शैक्षिक सक्रियता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८१७. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शैक्षिक सक्रियताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८१८. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप शैक्षिक सक्रियता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८१९. 'रहुआ संग्राममे गृष्मकालीन शैक्षिक शिविर...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शैक्षिक सक्रियता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4894 : विदेह-सदेह 36 — सुमित आनन्द — शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)

८२०. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८२१. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८२२. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८२३. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक अकादमिक; काव्यशास्त्र दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८२४. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८२५. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८२६. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्र
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८२७. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) अकादमिक; काव्यशास्त्रक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८२८. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप अकादमिक; काव्यशास्त्र केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८२९. 'शोध-पत्रिका मैथिली एवं मैथिली काव्यमे अलंकारक लोकार्पण... (कुल ६ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ अकादमिक; काव्यशास्त्र धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4895 : विदेह-सदेह 36 — मिथिलेश मंडल — मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ

८३०. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८३१. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८३२. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८३३. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक ग्रामीण स्त्री जीवन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८३४. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८३५. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८३६. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८३७. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) ग्रामीण स्त्री जीवनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८३८. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप ग्रामीण स्त्री जीवन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८३९. 'मरनी बेटी, कथा- सुदिक रूपैआ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ ग्रामीण स्त्री जीवन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4896 : विदेह-सदेह 36 — नवीन कुमार आशा — फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म

८४०. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) पारिवारिक; सामाजिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८४१. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) पारिवारिक; सामाजिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८४२. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) पारिवारिक; सामाजिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८४३. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक पारिवारिक; सामाजिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८४४. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) पारिवारिक; सामाजिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८४५. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) पारिवारिक; सामाजिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८४६. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) पारिवारिक; सामाजिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८४७. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) पारिवारिक; सामाजिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८४८. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप पारिवारिक; सामाजिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८४९. 'फेर सँ वर रहलाह कुमार, बेटीक जन्म' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ पारिवारिक; सामाजिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4897 : विदेह-सदेह 36 — उमेश मण्डल — कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग...

(साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)

८५०. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८५१. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८५२. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८५३. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८५४. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८५५. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८५६. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८५७. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८५८. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८५९. 'कनफेड़सँ मुँहफेड़, कुसियारक मारि, सगर राति दीप जरए, हजारीबाग... (साक्षात्कार सहित कुल ८+ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ आन्दोलन इतिहास; विदेह सक्रियता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4898 : विदेह-सदेह 36 — परमेश झा आ अनिलचन्द्र झा — मिथिला राज्य आन्दोलन

८६०. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८६१. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८६२. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८६३. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला राज्यक मुद्दा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८६४. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८६५. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८६६. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८६७. 'मिथिला राज्य आन्दोलन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला राज्यक मुद्दाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८६८. 'मिथिला राज्य आन्दोलन'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मिथिला राज्यक मुद्दा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८६९. 'मिथिला राज्य आन्दोलन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला राज्यक मुद्दा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4899 : विदेह-सदेह 36 — प्रा.परमेश्वर कापड़ि — मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति..., जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न

८७०. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति..., जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८७१. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति..., जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८७२. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति..., जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८७३. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति..., जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नेपाल मैथिली; कथालोचना दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८७४. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८७५. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८७६. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचना
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८७७. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नेपाल मैथिली; कथालोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८७८. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नेपाल मैथिली; कथालोचना केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८७९. 'मिथिला राज्य संघर्ष, मैथिली कथाक परिवेश आ प्रवृत्ति...', जनकपुरमे कथा--गोष्ठी सम्पन्न' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नेपाल मैथिली; कथालोचना धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4900 : विदेह-सदेह 36 — कुमार पृथु — कथा--गोष्ठी

८८०. 'कथा--गोष्ठी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक आयोजन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८८१. 'कथा--गोष्ठी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक आयोजन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८८२. 'कथा--गोष्ठी'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक आयोजन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८८३. 'कथा--गोष्ठी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक साहित्यिक आयोजन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८८४. 'कथा--गोष्ठी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) साहित्यिक आयोजन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८८५. 'कथा--गोष्ठी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) साहित्यिक आयोजन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८८६. 'कथा--गोष्ठी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) साहित्यिक आयोजन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८८७. 'कथा--गोष्ठी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) साहित्यिक आयोजनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८८८. 'कथा--गोष्ठी'मे गद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप साहित्यिक आयोजन कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८८९. 'कथा-गोष्ठी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ साहित्यिक आयोजन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4901 : विदेह-सदेह 36 — पूनम मंडल — दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)

८९०. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

८९१. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

८९२. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

८९३. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

८९४. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

८९५. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

८९६. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

८९७. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्टक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

८९८. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

८९९. 'दाग (उपन्यास): गौरीनाथ- लोकार्पण, "सगर राति दीप जरय"क दोसर फेज... (बहु शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी सक्रियता; आन्दोलन रिपोर्ट धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4902 : विदेह-सदेह 36 — नबो नारायण मिश्र — मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार

९००. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद; विरासत
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९०१. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) साहित्यिक संवाद; विरासत
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९०२. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) साहित्यिक संवाद; विरासत
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०३. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक साहित्यिक संवाद; विरासत दिस संकेत करैत अछि
 (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
 (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
 (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
१०४. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) साहित्यिक संवाद; विरासत
 (B) सूचीगणना मात्र
 (C) असम्बद्ध हास्य
 (D) बाहरी विज्ञापन
१०५. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
 (B) साहित्यिक संवाद; विरासत
 (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
 (D) अर्थाधारित पठन करब
१०६. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) साहित्यिक संवाद; विरासत
 (B) निजी लाभक हिसाब
 (C) सैनिक आदेश
 (D) खेलक परिणाम
१०७. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) साहित्यिक संवाद; विरासतक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
 (B) क्रमांकक गिनती पूछब
 (C) कागजक आकार पूछब
 (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
१०८. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) गद्यक रूप साहित्यिक संवाद; विरासत केँ स्पष्ट करैत अछि
 (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
 (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
 (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
१०९. 'मैथिलीक अग्निकवि श्री रामलोचन ठाकुरसँ साक्षात्कार, किशोरीकान्त मिश्र जी सँ साक्षात्कार' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ साहित्यिक संवाद; विरासत धरि सीमित राखब
 (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
 (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
 (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4903 : विदेह-सदेह 36 — लक्ष्मी दास — अपन सन मुँह

९१०. 'अपन सन मुँह'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) आत्मालोचना
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९११. 'अपन सन मुँह'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) आत्मालोचना
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९१२. 'अपन सन मुँह'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) आत्मालोचना
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९१३. 'अपन सन मुँह'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक आत्मालोचना दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९१४. 'अपन सन मुँह'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) आत्मालोचना
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९१५. 'अपन सन मुँह'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) आत्मालोचना
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९१६. 'अपन सन मुँह'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) आत्मालोचना
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

९१७. 'अपन सन मुँह' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) आत्मालोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

९१८. 'अपन सन मुँह'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप आत्मालोचना केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

९१९. 'अपन सन मुँह' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ आत्मालोचना धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4904 : विदेह-सदेह 36 — संस्कृति वर्मा — मेहनत

९२०. 'मेहनत'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बाल/नव पीढ़ी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९२१. 'मेहनत'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बाल/नव पीढ़ी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९२२. 'मेहनत'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बाल/नव पीढ़ी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९२३. 'मेहनत'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बाल/नव पीढ़ी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९२४. 'मेहनत'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बाल/नव पीढ़ी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९२५. 'मेहनत'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बाल/नव पीढ़ी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९२६. 'मेहनत'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बाल/नव पीढ़ी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

९२७. 'मेहनत' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बाल/नव पीढ़ीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

९२८. 'मेहनत'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप बाल/नव पीढ़ी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

९२९. 'मेहनत' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बाल/नव पीढ़ी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4905 : विदेह-सदेह 36 — प्रभात राय भट्ट — मिथिला गर्भपुत्र

९३०. 'मिथिला गर्भपुत्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला गौरव
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९३१. 'मिथिला गर्भपुत्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला गौरव
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९३२. 'मिथिला गर्भपुत्र'केँ गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला गौरव
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९३३. 'मिथिला गर्भपुत्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला गौरव दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९३४. 'मिथिला गर्भपुत्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला गौरव
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९३५. 'मिथिला गर्भपुत्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला गौरव
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९३६. 'मिथिला गर्भपुत्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला गौरव
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

९३७. 'मिथिला गर्भपुत्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला गौरवक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

९३८. 'मिथिला गर्भपुत्र'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप मिथिला गौरव केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

९३९. 'मिथिला गर्भपुत्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला गौरव धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4906 : विदेह-सदेह 36 — डॉ॰ शशिधर कुमार — उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...

९४०. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९४१. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४२. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'कें गद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४३. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४४. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४५. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४६. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४७. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४८. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...'मे गद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) गद्यक रूप वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४९. 'उड़ि ने सकी पर चिड़ै छी हम (भाग-१-२), दक्षिणी ध्रुव पर मनुक्खक पएरक सए वर्ष...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4907 : विदेह-सदेह 36 — राजेश मोहन झा 'गुंजन' — ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन

९५०. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९५१. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९५२. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९५३. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९५४. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९५५. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९५६. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५७. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५८. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५९. 'ज्योतिषी जीक तांडव, परिवार नियोजन, वसंत गीत, होलीक तरंग, मुस्की रहल उदासे, माय मनाइन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4908 : विदेह-सदेह 36 — आनंद कुमार झा — गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)

१६०. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६१. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६२. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६३. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक देशभक्ति; मैथिली अस्मिता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६४. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६५. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६६. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६७. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) देशभक्ति; मैथिली अस्मिताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६८. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप देशभक्ति; मैथिली अस्मिता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६९. 'गै माए, मिथिला क बात सुनबै छी... (कुल १० शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ देशभक्ति; मैथिली अस्मिता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4909 : विदेह-सदेह 36 — रमाकान्त राय 'रमा' — बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास

१७०. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) चुनावी राजनीति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१७१. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९७२. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) चुनावी राजनीति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९७३. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक चुनावी राजनीति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९७४. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९७५. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) चुनावी राजनीति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९७६. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) चुनावी राजनीति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

९७७. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) चुनावी राजनीतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

९७८. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप चुनावी राजनीति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

९७९. 'बिहार विधानसभा चुनव-प्रचारपर कवि दृष्टि- सांझुक सांझे उपास' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ चुनावी राजनीति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4910 : विदेह-सदेह 36 — चन्दन झा — बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे

९८०. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९८१. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९८२. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९८३. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक; सांस्कृतिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९८४. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९८५. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

९८६. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

९८७. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक; सांस्कृतिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

९८८. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक; सांस्कृतिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनेत अछि

९८९. 'बीतल माघ फागुन आयल, संस्कृतिक विडंबना, की भऽ रहल अछि अपना गाममे' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक; सांस्कृतिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4911 : विदेह-सदेह 36 — संजय कुमार मंडल — डेंगू, माघक जाड़

९९०. 'डेंगू, माघक जाड़'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

९९१. 'डेंगू, माघक जाड़'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

९९२. 'डेंगू, माघक जाड़'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

९९३. 'डेंगू, माघक जाड़'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

९९४. 'डेंगू, माघक जाड़'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

९९५. 'डेंगू, माघक जाड़'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१९६. 'डेंगू, माघक जाड़'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१९७. 'डेंगू, माघक जाड़' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१९८. 'डेंगू, माघक जाड़'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१९९. 'डेंगू, माघक जाड़' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ स्वास्थ्य; प्रकृति-चित्रण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4912 : विदेह-सदेह 36 — संस्कृति वर्मा — हमर देश

१०००. 'हमर देश'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) देशभक्ति; बाल कविता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१००१. 'हमर देश'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) देशभक्ति; बाल कविता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१००२. 'हमर देश'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) देशभक्ति; बाल कविता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१००३. 'हमर देश'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक देशभक्ति; बाल कविता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१००४. 'हमर देश'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) देशभक्ति; बाल कविता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१००५. 'हमर देश'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) देशभक्ति; बाल कविता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१००६. 'हमर देश'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) देशभक्ति; बाल कविता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१००७. 'हमर देश' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) देशभक्ति; बाल कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१००८. 'हमर देश'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप देशभक्ति; बाल कविता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१००९. 'हमर देश' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ देशभक्ति; बाल कविता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4913 : विदेह-सदेह 36 — जगदीश प्रसाद मण्डल — कविता/ गीत- मधुमाछी

१०१०. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०११. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०१२. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०१३. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०१४. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०१५. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०१६. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०१७. 'कविता/ गीत- मधुमाछी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैलीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०१८. 'कविता/ गीत- मधुमाछी'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०१९. 'कविता/ गीत- मधुमाछी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें प्रकृति-प्रेम; लोकगीत शैली धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4914 : विदेह-सदेह 36 — नन्द विलास राय — किछु पद्य

१०२०. 'किछु पद्य'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०२१. 'किछु पद्य'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०२२. 'किछु पद्य'क पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भावात्मक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०२३. 'किछु पद्य'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भावात्मक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०२४. 'किछु पद्य'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०२५. 'किछु पद्य'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भावात्मक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०२६. 'किछु पद्य'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०२७. 'किछु पद्य' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भावात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०२८. 'किछु पद्य'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप भावात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०२९. 'किछु पद्य' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भावात्मक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4915 : विदेह-सदेह 36 — डॉ शेफालिका वर्मा — नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा

१०३०. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०३१. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०३२. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०३३. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी-विमर्श; इतिहास-बोध दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०३४. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०३५. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०३६. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोध
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०३७. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी-विमर्श; इतिहास-बोधक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०३८. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी-विमर्श; इतिहास-बोध केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनेत अछि

१०३९. 'नै रचू अहाँ इतिहास हमर, अहांक हास, प्रकृति- पुरुष, बीतल इतिहास, कोसी नदी, पाथर, हम आबि रहल छी.., ठप्पा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी-विमर्श; इतिहास-बोध धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4916 : विदेह-सदेह 36 — मनोज झा मुक्ति — ककरा करु विश्वास!, पसरल अत्याचार, गामक सावन

१०४०. 'ककरा करु विश्वास!, पसरल अत्याचार, गामक सावन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०४१. 'ककरा करु विश्वास!, पसरल अत्याचार, गामक सावन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०४२. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०४३. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०४४. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०४५. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०४६. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०४७. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०४८. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०४९. 'ककरा करु विश्वास!', पसरल अत्याचार, गामक सावन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक न्याय; प्रकृति-प्रेम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4917 : विदेह-सदेह 36 — प्रभात राय भट्ट — किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)

१०५०. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०५१. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०५२. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०५३. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक सरोकार; शृंगार दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०५४. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०५५. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०५६. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगार
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०५७. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक सरोकार; शृंगारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०५८. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)' मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक सरोकार; शृंगार केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०५९. 'किछु गजल, गीत:-विरह, दहेज मुक्त मिथिला बनाबू... (कुल २०+ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक सरोकार; शृंगार धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4918 : विदेह-सदेह 36 — डॉ जया वर्मा — सागर आ मोन

१०६०. 'सागर आ मोन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रकृति-दर्शन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०६१. 'सागर आ मोन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रकृति-दर्शन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०६२. 'सागर आ मोन'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति-दर्शन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०६३. 'सागर आ मोन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रकृति-दर्शन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०६४. 'सागर आ मोन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रकृति-दर्शन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०६५. 'सागर आ मोन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रकृति-दर्शन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०६६. 'सागर आ मोन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रकृति-दर्शन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०६७. 'सागर आ मोन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रकृति-दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०६८. 'सागर आ मोन'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रकृति-दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०६९. 'सागर आ मोन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रकृति-दर्शन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4919 : विदेह-सदेह 36 — संजय कुमार झा — बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम

१०७०. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मातृभाषा प्रेम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०७१. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मातृभाषा प्रेम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०७२. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मातृभाषा प्रेम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०७३. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मातृभाषा प्रेम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०७४. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मातृभाषा प्रेम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०७५. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मातृभाषा प्रेम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०७६. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मातृभाषा प्रेम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०७७. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मातृभाषा प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०७८. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मातृभाषा प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०७९. 'बौआ बिसरि गेलहक, जन्म सों मैथिल, कर्म सों मैथिल, चलू दोस यौ गाम' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मातृभाषा प्रेम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4920 : विदेह-सदेह 36 — जीवकान्त — एक दिन

१०८०. 'एक दिन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दार्शनिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०८१. 'एक दिन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दार्शनिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०८२. 'एक दिन'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दार्शनिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०८३. 'एक दिन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दार्शनिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०८४. 'एक दिन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दार्शनिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०८५. 'एक दिन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दार्शनिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०८६. 'एक दिन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दार्शनिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०८७. 'एक दिन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दार्शनिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०८८. 'एक दिन'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप दार्शनिक कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०८९. 'एक दिन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें दार्शनिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4921 : विदेह-सदेह 36 — सदरे आलम "गौहर" — किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ

१०९०. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१०९१. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१०९२. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१०९३. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१०९४. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१०९५. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१०९६. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१०९७. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभावक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१०९८. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१०९९. 'किछु आजाद गजल, एकटा रुबाइ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4922 : विदेह-सदेह 36 — जितमोहन झा (जितू) — मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत

११००. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वर
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११०१. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वर
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११०२. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वर
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११०३. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक होली परम्परा; लोक स्वर दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११०४. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वर
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११०५. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) होली परम्परा; लोक स्वर
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११०६. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वर
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११०७. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) होली परम्परा; लोक स्वरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११०८. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप होली परम्परा; लोक स्वर केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११०९. 'मैथिली होली गीत, दोसर फगुआ गीत....., गीत' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ होली परम्परा; लोक स्वर धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4923 : विदेह-सदेह 36 — अक्षय कुमार चौधरी — दियाद बलजोर

१११०. 'दियाद बलजोर'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११११. 'दियाद बलजोर'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१११२. 'दियाद बलजोर'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम कविता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१११३. 'दियाद बलजोर'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम कविता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१११४. 'दियाद बलजोर'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१११५. 'दियाद बलजोर'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम कविता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१११६. 'दियाद बलजोर'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१११७. 'दियाद बलजोर' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१११८. 'दियाद बलजोर'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम कविता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१११९. 'दियाद बलजोर' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम कविता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4924 : विदेह-सदेह 36 — जवाहर लाल कश्यप — हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)

११२०. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११२१. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११२२. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११२३. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रयोगधर्मी; सामाजिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११२४. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११२५. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११२६. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११२७. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११२८. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रयोगधर्मी; सामाजिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११२९. 'हम नहि लिखैत छी कविता, पानिक बुंद चढैत..., ई की भेल?, ... (कुल ८ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रयोगधर्मी; सामाजिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4925 : विदेह-सदेह 36 — मुन्ना जी — सबला

११३०. 'सबला'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी सशक्तिकरण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११३१. 'सबला'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी सशक्तिकरण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११३२. 'सबला'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी सशक्तिकरण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११३३. 'सबला'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी सशक्तिकरण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११३४. 'सबला'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी सशक्तिकरण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११३५. 'सबला'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी सशक्तिकरण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११३६. 'सबला'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी सशक्तिकरण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११३७. 'सबला' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी सशक्तिकरणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११३८. 'सबला'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी सशक्तिकरण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११३९. 'सबला' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी सशक्तिकरण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4926 : विदेह-सदेह 36 — गणेश कुमार झा "बावरा" — विरह, कैचा

११४०. 'विरह, कैचा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११४१. 'विरह, कैचा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११४२. 'विरह, कैचा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११४३. 'विरह, कैचा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शृंगार; वियोग दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११४४. 'विरह, कैचा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११४५. 'विरह, कैचा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शृंगार; वियोग
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११४६. 'विरह, कैचा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११४७. 'विरह, कैचा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शृंगार; वियोगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११४८. 'विरह, कैचा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप शृंगार; वियोग केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११४९. 'विरह, कैचा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शृंगार; वियोग धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4927 : विदेह-सदेह 36 — सुबोध कुमार ठाकुर — एहेन जीवन जिवितौं, हम नै खेलब होली

११५०. 'एहेन जीवन जिवितौं, हम नै खेलब होली'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक; वैराग्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११५१. 'एहेन जीवन जिवितौं, हम नै खेलब होली'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक; वैराग्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११५२. 'एहेन जीवन जिवितौं, हम नै खेलब होली'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक; वैराग्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११५३. 'एहेन जीवन जिवितौं, हम नै खेलब होली'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक; वैराग्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११५४. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक; वैराग्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११५५. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक; वैराग्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११५६. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक; वैराग्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११५७. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक; वैराग्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११५८. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक; वैराग्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११५९. 'एहेन जीवन जिबितौं, हम नै खेलब होली' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक; वैराग्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4928 : विदेह-सदेह 36 — किशन कारीगर — चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)

११६०. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) व्यंग्य; लोकजीवन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११६१. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) व्यंग्य; लोकजीवन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११६२. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)' केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) व्यंग्य; लोकजीवन
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
११६३. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक व्यंग्य; लोकजीवन दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
११६४. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) व्यंग्य; लोकजीवन
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
११६५. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) व्यंग्य; लोकजीवन
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
११६६. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) व्यंग्य; लोकजीवन
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
११६७. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) व्यंग्य; लोकजीवनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
११६८. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) पद्यक रूप व्यंग्य; लोकजीवन केँ स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
११६९. 'चाह पीबू- (हास्य कविता), पुरस्कार लऽ के नाचू, नोर झहरि... (कुल ८ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ व्यंग्य; लोकजीवन धरि सीमित राखब
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4929 : विदेह-सदेह 36 — पंकज कुमार झा — ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)

११७०. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११७१. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११७२. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११७३. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दार्शनिक; आध्यात्मिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११७४. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११७५. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११७६. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११७७. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दार्शनिक; आध्यात्मिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११७८. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप दार्शनिक; आध्यात्मिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११७९. 'ओझरैल हमर बौद्धिक मोन, आनंदक रहस्य... (कुल ८ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ दार्शनिक; आध्यात्मिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4930 : विदेह-सदेह 36 — उमेश मण्डल — संस्कार गीत (संकलन)

११८०. 'संस्कार गीत (संकलन)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११८१. 'संस्कार गीत (संकलन)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११८२. 'संस्कार गीत (संकलन)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११८३. 'संस्कार गीत (संकलन)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला संस्कार; लोक परम्परा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११८४. 'संस्कार गीत (संकलन)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११८५. 'संस्कार गीत (संकलन)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११८६. 'संस्कार गीत (संकलन)' में सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कौन रूप में भेटत अछि?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्परा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११८७. 'संस्कार गीत (संकलन)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कौन तरीका उचित?

- (A) मिथिला संस्कार; लोक परम्पराक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११८८. 'संस्कार गीत (संकलन)' में पद्यक रूप कथ्य केँ कौना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मिथिला संस्कार; लोक परम्परा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कौनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११८९. 'संस्कार गीत (संकलन)' सँ बनल उत्तर में कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला संस्कार; लोक परम्परा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4931 : विदेह-सदेह 36 — दुर्गानन्द मण्डल — हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी

११९०. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) देशभक्ति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

११९१. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी' में कथ्यक अर्थ-गठन कौन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) देशभक्ति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

११९२. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'केँ पद्य रूप में पढ़बाक समय कौन बात ध्यान में राखब उचित?

- (A) देशभक्ति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

११९३. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कौना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक देशभक्ति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षक में कौनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

११९४. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) देशभक्ति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

११९५. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) देशभक्ति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

११९६. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) देशभक्ति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

११९७. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) देशभक्तिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

११९८. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप देशभक्ति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

११९९. 'हम देखलौं, हम हिन्दुस्तानी छी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ देशभक्ति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4932 : विदेह-सदेह 36 — डॉ. अजीत मिश्र — दुर्गा चालीसा

१२००. 'दुर्गा चालीसा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) धार्मिक; स्तुति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२०१. 'दुर्गा चालीसा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) धार्मिक; स्तुति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२०२. 'दुर्गा चालीसा'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) धार्मिक; स्तुति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२०३. 'दुर्गा चालीसा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक धार्मिक; स्तुति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२०४. 'दुर्गा चालीसा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) धार्मिक; स्तुति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२०५. 'दुर्गा चालीसा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) धार्मिक; स्तुति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२०६. 'दुर्गा चालीसा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) धार्मिक; स्तुति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२०७. 'दुर्गा चालीसा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) धार्मिक; स्तुतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२०८. 'दुर्गा चालीसा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप धार्मिक; स्तुति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२०९. 'दुर्गा चालीसा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ धार्मिक; स्तुति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4933 : विदेह-सदेह 36 — सुनील कुमार झा — हाइकू / शेनयू

१२१०. 'हाइकू / शेनयू'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२११. 'हाइकू / शेनयू'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२१२. 'हाइकू / शेनयू'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२१३. 'हाइकू / शेनयू'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२१४. 'हाइकू / शेनयू'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२१५. 'हाइकू / शेनयू'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२१६. 'हाइकू / शेनयू'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२१७. 'हाइकू / शेनयू' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) जापानी शैली; प्रकृति-चित्रणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२१८. 'हाइकू / शेनर्यू'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनेत अछि

१२१९. 'हाइकू / शेनर्यू' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ जापानी शैली; प्रकृति-चित्रण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4934 : विदेह-सदेह 36 — आशीष अनचिन्हार — पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता

१२२०. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२२१. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२२२. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२२३. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२२४. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२२५. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२२६. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२२७. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२२८. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२२९. 'पंचसती-पंचउपसती, छत्तीस-चौबीस-छत्तीस, दू टा गद्य कविता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रयोगधर्मी; आधुनिकतावादी धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4935 : विदेह-सदेह 36 — धीरेन्द्र प्रेमर्षि — आजाद गजल

१२३०. 'आजाद गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२३१. 'आजाद गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२३२. 'आजाद गजल'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२३३. 'आजाद गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मुक्त छन्द; प्रेम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२३४. 'आजाद गजल'मे पाठक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२३५. 'आजाद गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मुक्त छन्द; प्रेम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२३६. 'आजाद गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२३७. 'आजाद गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मुक्त छन्द; प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२३८. 'आजाद गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप मुक्त छन्द; प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२३९. 'आजाद गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मुक्त छन्द; प्रेम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4936 : विदेह-सदेह 36 — रूबी झा — १४ टा कविता, किछु गजल

१२४०. '१४ टा कविता, किछु गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी स्वर; शृंगार
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२४१. '१४ टा कविता, किछु गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी स्वर; शृंगार
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२४२. '१४ टा कविता, किछु गजल'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी स्वर; शृंगार
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२४३. '१४ टा कविता, किछु गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी स्वर; शृंगार दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२४४. '१४ टा कविता, किछु गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी स्वर; शृंगार
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२४५. '१४ टा कविता, किछु गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी स्वर; शृंगार
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२४६. '१४ टा कविता, किछु गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी स्वर; शृंगार
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२४७. '१४ टा कविता, किछु गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी स्वर; शृंगारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२४८. '१४ टा कविता, किछु गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी स्वर; शृंगार केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२४९. '१४ टा कविता, किछु गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी स्वर; शृंगार धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4937 : विदेह-सदेह 36 — मुन्नी कामत — जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)

१२५०. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२५१. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२५२. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२५३. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२५४. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२५५. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२५६. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२५७. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी पीड़ा; अस्तित्ववादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२५८. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२५९. 'जड़ैत ज्योत, जिंदगीक मरीचिका, ताकैत जिनगी... विदाइ (कुल ८ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी पीड़ा; अस्तित्ववाद धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4938 : विदेह-सदेह 36 — चंदन कुमार झा — हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)

१२६०. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२६१. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२६२. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२६३. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२६४. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२६५. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२६६. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२६७. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक; व्यंग्य; प्रणयक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२६८. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२६९. 'हमहू पढबै आब, फेर हेतइ भोर, बेटी बन्हलीह परिणय डोर... (कुल २०+ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक; व्यंग्य; प्रणय धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4939 : विदेह-सदेह 36 — पवन कुमार साह — गीत

१२७०. 'गीत'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२७१. 'गीत'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२७२. 'गीत'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) भावात्मक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२७३. 'गीत'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक भावात्मक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२७४. 'गीत'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२७५. 'गीत'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) भावात्मक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२७६. 'गीत'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) भावात्मक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२७७. 'गीत' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) भावात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२७८. 'गीत'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप भावात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२७९. 'गीत' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ भावात्मक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4940 : विदेह-सदेह 36 — श्यामल सुमन — किछु गजल सन

१२८०. 'किछु गजल सन'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रयोगशील
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२८१. 'किछु गजल सन'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रयोगशील
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२८२. 'किछु गजल सन'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रयोगशील
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२८३. 'किछु गजल सन'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रयोगशील दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२८४. 'किछु गजल सन'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रयोगशील
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२८५. 'किछु गजल सन'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रयोगशील
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२८६. 'किछु गजल सन'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रयोगशील
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२८७. 'किछु गजल सन' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रयोगशीलक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२८८. 'किछु गजल सन'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रयोगशील कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२८९. 'किछु गजल सन' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें प्रयोगशील धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4941 : विदेह-सदेह 36 — नवीन कुमार "आशा" — बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण

१२९०. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१२९१. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१२९२. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१२९३. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१२९४. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१२९५. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१२९६. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१२९७. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी-गौरव; मिथिला अस्मिताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१२९८. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१२९९. 'बेटी हमर अभिमान, की फुराएल ने जानि, मिथिलामे बसए प्राण' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी-गौरव; मिथिला अस्मिता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4942 : विदेह-सदेह 36 — डॉ. शशिधर कुमार — मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)

१३००. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३०१. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३०२. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३०३. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३०४. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३०५. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३०६. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३०७. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३०८. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनेत अछि

१३०९. 'मधुश्रवणी गीत- १,२, सिनुरदानक गीत, परिछनि गीत... (कुल १००+ शीर्षक; लोकगीत, कविता, गजल, बाल कविता)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ लोकगीत पुनर्सृजन; बाल कविता; प्रकृति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4943 : विदेह-सदेह 36 — सत्यनारायण झा — ठुठ पीपर

१३१०. 'ठुठ पीपर'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३११. 'ठुठ पीपर'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३१२. 'ठुठ पीपर'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३१३. 'ठुठ पीपर'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रतीकात्मक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३१४. 'ठुठ पीपर'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३१५. 'ठुठ पीपर'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रतीकात्मक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३१६. 'ठुठ पीपर'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रतीकात्मक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३१७. 'ठुठ पीपर' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रतीकात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३१८. 'ठुठ पीपर'मे पद्यक रूप कथ्य कें कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रतीकात्मक कें स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकें मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३१९. 'ठुठ पीपर' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें प्रतीकात्मक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4944 : विदेह-सदेह 36 — जगदीश चन्द्र ठाकुर 'अनिल' — किछु गजल

१३२०. 'किछु गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३२१. 'किछु गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३२२. 'किछु गजल'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३२३. 'किछु गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शृंगार; वियोग दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३२४. 'किछु गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३२५. 'किछु गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शृंगार; वियोग
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३२६. 'किछु गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शृंगार; वियोग
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३२७. 'किछु गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शृंगार; वियोगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३२८. 'किछु गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप शृंगार; वियोग केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३२९. 'किछु गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शृंगार; वियोग धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4945 : विदेह-सदेह 36 — रमा कान्त झा — देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात

१३३०. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) राजनीतिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३३१. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) राजनीतिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३३२. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) राजनीतिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३३३. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक राजनीतिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३३४. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) राजनीतिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३३५. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) राजनीतिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३३६. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) राजनीतिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३३७. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) राजनीतिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३३८. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप राजनीतिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३३९. 'देखू भ्रष्टाचारक बहल बसात' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ राजनीतिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4946 : विदेह-सदेह 36 — सन्तोष कुमार मिश्र — इतिहासहिन इतिहास

१३४०. 'इतिहासहिन इतिहास'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) सामाजिक इतिहास
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३४१. 'इतिहासहिन इतिहास'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) सामाजिक इतिहास
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३४२. 'इतिहासहिन इतिहास'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) सामाजिक इतिहास
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३४३. 'इतिहासहिन इतिहास'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक सामाजिक इतिहास दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३४४. 'इतिहासहिन इतिहास'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) सामाजिक इतिहास
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३४५. 'इतिहासहिन इतिहास'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) सामाजिक इतिहास
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३४६. 'इतिहासहिन इतिहास'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) सामाजिक इतिहास
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३४७. 'इतिहासहिन इतिहास' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) सामाजिक इतिहासक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३४८. 'इतिहासहिन इतिहास'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप सामाजिक इतिहास केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३४९. 'इतिहासहिन इतिहास' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ सामाजिक इतिहास धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4947 : विदेह-सदेह 36 — जगदानंद झा 'मनु' — किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)

१३५०. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३५१. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३५२. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)' केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
१३५३. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक बहुरंगी; सामाजिक; हास्य दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
१३५४. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
१३५५. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
१३५६. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्य
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
१३५७. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) बहुरंगी; सामाजिक; हास्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
१३५८. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) पद्यक रूप बहुरंगी; सामाजिक; हास्य केँ स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
१३५९. 'किछु रुबाइ, किछु बाल गजल, हजल... मिथिला राज, गुमान (कुल १५+ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ बहुरंगी; सामाजिक; हास्य धरि सीमित राखब
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4948 : विदेह-सदेह 36 — नवीन ठाकुर — आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)

१३६०. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३६१. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३६२. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'कै पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३६३. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम; सामाजिक व्यंग्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३६४. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३६५. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३६६. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३६७. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम; सामाजिक व्यंग्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३६८. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)' में पद्यक रूप कथ्य के कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम; सामाजिक व्यंग्य के स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३६९. 'आजाद गज़ल (प्रेम रस), काल-दिशा, गंगा, गुटखा माने मावा... (कुल १० शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम; सामाजिक व्यंग्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4949 : विदेह-सदेह 36 — अमित मिश्र — १५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल

१३७०. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३७१. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३७२. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३७३. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३७४. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३७५. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३७६. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३७७. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३७८. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३७९. '१५ अगस्तपर एकटा गजल आ एकटा कविता, मखानक पात, हरियर गाछ, किछु बाल गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ देशभक्ति; प्रकृति; बाल साहित्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4950 : विदेह-सदेह 36 — शिव कुमार यादव — बाल गजल

१३८०. 'बाल गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३८१. 'बाल गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३८२. 'बाल गजल'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बाल मनोविज्ञान
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३८३. 'बाल गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बाल मनोविज्ञान दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३८४. 'बाल गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३८५. 'बाल गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बाल मनोविज्ञान
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३८६. 'बाल गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बाल मनोविज्ञान
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३८७. 'बाल गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बाल मनोविज्ञानक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३८८. 'बाल गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप बाल मनोविज्ञान केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३८९. 'बाल गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बाल मनोविज्ञान धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4951 : विदेह-सदेह 36 — विकास झा रंजन — किछु रुबाइ, किछु गजल

१३९०. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शृंगार
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१३९१. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शृंगार
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१३९२. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शृंगार
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१३९३. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शृंगार दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१३९४. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शृंगार
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१३९५. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शृंगार
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१३९६. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शृंगार
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१३९७. 'किछु रुबाइ, किछु गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शृंगारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१३९८. 'किछु रुबाइ, किछु गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप शृंगार केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१३९९. 'किछु रुबाइ, किछु गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शृंगार धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4952 : विदेह-सदेह 36 — झा हेमन्त बापी — अभिलाषा

१४००. 'अभिलाषा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४०१. 'अभिलाषा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४०२. 'अभिलाषा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम कविता
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४०३. 'अभिलाषा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम कविता दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४०४. 'अभिलाषा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४०५. 'अभिलाषा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम कविता
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४०६. 'अभिलाषा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम कविता
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४०७. 'अभिलाषा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४०८. 'अभिलाषा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम कविता केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४०९. 'अभिलाषा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम कविता धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4953 : विदेह-सदेह 36 — सत्येन्द्र कुमार झा — पाँच गोट लघु कविता

१४१०. 'पाँच गोट लघु कविता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) हाइकू-सम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४११. 'पाँच गोट लघु कविता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) हाइकू-सम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४१२. 'पाँच गोट लघु कविता'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) हाइकू-सम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४१३. 'पाँच गोट लघु कविता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक हाइकू-सम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४१४. 'पाँच गोट लघु कविता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) हाइकू-सम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४१५. 'पाँच गोट लघु कविता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) हाइकू-सम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४१६. 'पाँच गोट लघु कविता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) हाइकू-सम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४१७. 'पाँच गोट लघु कविता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) हाइकू-समक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४१८. 'पाँच गोट लघु कविता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप हाइकू-सम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४१९. 'पाँच गोट लघु कविता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ हाइकू-सम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4954 : विदेह-सदेह 36 — विवेकानन्द झा — हाइकू

१४२०. 'हाइकू'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) जापानी शैली
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४२१. 'हाइकू'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) जापानी शैली
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४२२. 'हाइकू'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) जापानी शैली
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४२३. 'हाइकू'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक जापानी शैली दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४२४. 'हाइकू'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) जापानी शैली
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४२५. 'हाइकू'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) जापानी शैली
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४२६. 'हाइकू'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) जापानी शैली
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४२७. 'हाइकू' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) जापानी शैलीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४२८. 'हाइकू'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप जापानी शैली केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४२९. 'हाइकू' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ जापानी शैली धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4955 : विदेह-सदेह 36 — विद्यानन्द झा "विदू" — शिक्षाक मौलिकता

१४३०. 'शिक्षाक मौलिकता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शिक्षा दर्शन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४३१. 'शिक्षाक मौलिकता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शिक्षा दर्शन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४३२. 'शिक्षाक मौलिकता'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शिक्षा दर्शन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४३३. 'शिक्षाक मौलिकता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शिक्षा दर्शन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४३४. 'शिक्षाक मौलिकता'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शिक्षा दर्शन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४३५. 'शिक्षाक मौलिकता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शिक्षा दर्शन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४३६. 'शिक्षाक मौलिकता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शिक्षा दर्शन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४३७. 'शिक्षाक मौलिकता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शिक्षा दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४३८. 'शिक्षाक मौलिकता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप शिक्षा दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४३९. 'शिक्षाक मौलिकता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शिक्षा दर्शन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4956 : विदेह-सदेह 36 — बिनोद मिश्र — गामक सनेस

१४४०. 'गामक सनेस'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४४१. 'गामक सनेस'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४४२. 'गामक सनेस'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) ग्रामीण जीवन
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४४३. 'गामक सनेस'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक ग्रामीण जीवन दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४४४. 'गामक सनेस'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४४५. 'गामक सनेस'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) ग्रामीण जीवन
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४४६. 'गामक सनेस'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) ग्रामीण जीवन
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४४७. 'गामक सनेस' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) ग्रामीण जीवनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४४८. 'गामक सनेस'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप ग्रामीण जीवन केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४४९. 'गामक सनेस' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ ग्रामीण जीवन धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4957 : विदेह-सदेह 36 — प्रकाश प्रेमी — बौवा करबा की?

१४५०. 'बौवा करबा की?'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) वात्सल्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४५१. 'बौवा करबा की?'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) वात्सल्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४५२. 'बौवा करबा की?'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) वात्सल्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४५३. 'बौवा करबा की?'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक वात्सल्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४५४. 'बौवा करबा की?' मे पाठक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) वात्सल्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४५५. 'बौवा करबा की?' क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) वात्सल्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४५६. 'बौवा करबा की?' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) वात्सल्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४५७. 'बौवा करबा की?' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) वात्सल्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४५८. 'बौवा करबा की?' मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप वात्सल्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४५९. 'बौवा करबा की?' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ वात्सल्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4958 : विदेह-सदेह 36 — विनीत उत्पल — किछु गजल, गुटु रानी

१४६०. 'किछु गजल, गुटु रानी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) समसामयिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४६१. 'किछु गजल, गुटु रानी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) समसामयिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४६२. 'किछु गजल, गुटु रानी'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) समसामयिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४६३. 'किछु गजल, गुटु रानी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक समसामयिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४६४. 'किछु गजल, गुटु रानी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) समसामयिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४६५. 'किछु गजल, गुटु रानी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) समसामयिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४६६. 'किछु गजल, गुटु रानी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) समसामयिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४६७. 'किछु गजल, गुटु रानी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) समसामयिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४६८. 'किछु गजल, गुटु रानी'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप समसामयिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४६९. 'किछु गजल, गुटु रानी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ समसामयिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4959 : विदेह-सदेह 36 — रामकृष्ण मण्डल 'छोटू' — कविता- माइ, रेल, रुसनी

१४७०. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्य
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४७१. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्य
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४७२. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्य
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४७३. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक ग्रामीण; वात्सल्य दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४७४. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्य
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४७५. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) ग्रामीण; वात्सल्य
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४७६. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्य
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४७७. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) ग्रामीण; वात्सल्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४७८. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप ग्रामीण; वात्सल्य केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४७९. 'कविता- माइ, रेल, रुसनी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ ग्रामीण; वात्सल्य धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4960 : विदेह-सदेह 36 — मुन्नाजी — हाइकू

१४८०. 'हाइकू'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रकृति-चित्रण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४८१. 'हाइकू'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रकृति-चित्रण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४८२. 'हाइकू'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रकृति-चित्रण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४८३. 'हाइकू'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रकृति-चित्रण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४८४. 'हाइकू'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रकृति-चित्रण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४८५. 'हाइकू'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रकृति-चित्रण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४८६. 'हाइकू'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रकृति-चित्रण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४८७. 'हाइकू' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रकृति-चित्रणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४८८. 'हाइकू'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रकृति-चित्रण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४८९. 'हाइकू' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रकृति-चित्रण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4961 : विदेह-सदेह 36 — अन्जनी कुमार वर्मा — बहैत बसात, परिभाषा

१४९०. 'बहैत बसात, परिभाषा'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम; दार्शनिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१४९१. 'बहैत बसात, परिभाषा'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम; दार्शनिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१४९२. 'बहैत बसात, परिभाषा'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम; दार्शनिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१४९३. 'बहैत बसात, परिभाषा'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम; दार्शनिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१४९४. 'बहैत बसात, परिभाषा'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम; दार्शनिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१४९५. 'बहैत बसात, परिभाषा'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम; दार्शनिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१४९६. 'बहैत बसात, परिभाषा'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम; दार्शनिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१४९७. 'बहैत बसात, परिभाषा' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम; दार्शनिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१४९८. 'बहैत बसात, परिभाषा'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम; दार्शनिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१४९९. 'बहैत बसात, परिभाषा' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम; दार्शनिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4962 : विदेह-सदेह 36 — रवि मिश्रा भारद्वाज — आजाद गजल

१५००. 'आजाद गजल'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम; वियोग
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५०१. 'आजाद गजल'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम; वियोग
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५०२. 'आजाद गजल'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम; वियोग
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५०३. 'आजाद गजल'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम; वियोग दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५०४. 'आजाद गजल'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम; वियोग
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५०५. 'आजाद गजल'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम; वियोग
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५०६. 'आजाद गजल'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम; वियोग
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५०७. 'आजाद गजल' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम; वियोगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५०८. 'आजाद गजल'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम; वियोग केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५०९. 'आजाद गजल' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम; वियोग धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4963 : विदेह-सदेह 36 — अमित मोहन झा — काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ

१५१०. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रेम; स्मृति
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५११. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रेम; स्मृति
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५१२. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रेम; स्मृति
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५१३. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रेम; स्मृति दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५१४. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रेम; स्मृति
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५१५. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रेम; स्मृति
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५१६. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रेम; स्मृति
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५१७. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रेम; स्मृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५१८. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप प्रेम; स्मृति केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५१९. 'काश, पहिलुक दिन हम यादि करई छी, हमर प्रेयसी, आब जमाना बदलि गेलै यौ' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रेम; स्मृति धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4964 : विदेह-सदेह 36 — शिवशंकर सिंह ठाकुर — कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...

१५२०. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५२१. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५२२. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५२३. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक शृंगार; कोहबर परम्परा दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५२४. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५२५. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५२६. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्परा
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५२७. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) शृंगार; कोहबर परम्पराक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५२८. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप शृंगार; कोहबर परम्परा केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५२९. 'कोहबरक हाल कहलो ने जाय, आँजन सँ आँजित..., लुटा गेलौह..., किए दूरेसँ..., हे स्वर्णमयी...' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ शृंगार; कोहबर परम्परा धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4965 : विदेह-सदेह 36 — मिहिर झा — सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)

१५३०. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) लोक परम्परा; सामाजिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५३१. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) लोक परम्परा; सामाजिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५३२. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?
- (A) लोक परम्परा; सामाजिक
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
(C) स्रोत-बाह्य घटना
(D) यादृच्छिक अनुमान
१५३३. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?
- (A) शीर्षक लोक परम्परा; सामाजिक दिस संकेत करैत अछि
(B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
(C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
(D) शीर्षक मात्र सजावट अछि
१५३४. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?
- (A) लोक परम्परा; सामाजिक
(B) सूचीगणना मात्र
(C) असम्बद्ध हास्य
(D) बाहरी विज्ञापन
१५३५. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'क गलत पठन कोन होएत?
- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
(B) लोक परम्परा; सामाजिक
(C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
(D) अर्थाधारित पठन करब
१५३६. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?
- (A) लोक परम्परा; सामाजिक
(B) निजी लाभक हिसाब
(C) सैनिक आदेश
(D) खेलक परिणाम
१५३७. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?
- (A) लोक परम्परा; सामाजिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
(B) क्रमांकक गिनती पूछब
(C) कागजक आकार पूछब
(D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब
१५३८. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?
- (A) पद्यक रूप लोक परम्परा; सामाजिक केँ स्पष्ट करैत अछि
(B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
(C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
(D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि
१५३९. 'सामा गीत (संकलन), हे भगीरथ, पुनः आउ, असमंजस... भोज (कुल ८ शीर्षक)' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?
- (A) उत्तरकेँ लोक परम्परा; सामाजिक धरि सीमित राखब
(B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
(C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
(D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4966 : विदेह-सदेह 36 — मनीष झा बौआभाई — नव बरखक, हम ऋणी छी

१५४०. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचना
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५४१. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचना
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५४२. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचना
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५४३. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नववर्ष; आत्मालोचना दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५४४. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचना
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५४५. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नववर्ष; आत्मालोचना
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५४६. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचना
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५४७. 'नव बरखक, हम ऋणी छी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नववर्ष; आत्मालोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५४८. 'नव बरखक, हम ऋणी छी'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नववर्ष; आत्मालोचना केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५४९. 'नव बरखक, हम ऋणी छी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नववर्ष; आत्मालोचना धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4967 : विदेह-सदेह 36 — इरा मल्लिक — जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!

१५५०. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी जीवन; सामाजिक
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५५१. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी जीवन; सामाजिक
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५५२. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी जीवन; सामाजिक
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५५३. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी जीवन; सामाजिक दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५५४. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी जीवन; सामाजिक
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५५५. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी जीवन; सामाजिक
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५५६. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!' मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी जीवन; सामाजिक
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५५७. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी जीवन; सामाजिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५५८. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!' मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी जीवन; सामाजिक केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५५९. 'जीवन, भौजी, बड़ अजीब मँहगाइ छै!' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी जीवन; सामाजिक धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4968 : विदेह-सदेह 36 — प्रवीण नारायण चौधरी — ३० टा कविता

१५६०. '३० टा कविता'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५६१. '३० टा कविता'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५६२. '३० टा कविता'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५६३. '३० टा कविता'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५६४. '३० टा कविता'मे पाठक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५६५. '३० टा कविता'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५६६. '३० टा कविता'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५६७. '३० टा कविता' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) बहुआयामी; प्रकृति-प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५६८. '३० टा कविता'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५६९. '३० टा कविता' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ बहुआयामी; प्रकृति-प्रेम धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4969 : विदेह-सदेह 36 — शांतिलक्ष्मी चौधरी — किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी

१५७०. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५७१. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५७२. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'कें पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५७३. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५७४. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५७५. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५७६. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५७७. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५७८. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५७९. 'किछु गजल, वियाह, बेरोजगारी, तिलकोर, दरीदरी, बथुआ, चुट्टीकट्टा, भाड़ाक घर, ओन-लाइन बदतमिजी' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी स्वर; सामाजिक यथार्थ; ग्रामीण धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4970 : विदेह-सदेह 36 — पल्लवी मण्डल — १० टा पद्य

१५८०. '१० टा पद्य'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) नारी स्वर
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५८१. '१० टा पद्य'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) नारी स्वर
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५८२. '१० टा पद्य'केँ पद्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) नारी स्वर
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५८३. '१० टा पद्य'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक नारी स्वर दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५८४. '१० टा पद्य'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) नारी स्वर
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५८५. '१० टा पद्य'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) नारी स्वर
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५८६. '१० टा पद्य'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) नारी स्वर
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५८७. '१० टा पद्य' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) नारी स्वरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५८८. '१० टा पद्य'मे पद्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) पद्यक रूप नारी स्वर केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५८९. '१० टा पद्य' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ नारी स्वर धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4971 : विदेह-सदेह 36 — श्वेता झा (सिंगापुर) — किछु चित्र

१५९०. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) प्रवासी मैथिल कला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१५९१. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) प्रवासी मैथिल कला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१५९२. 'किछु चित्र'केँ दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) प्रवासी मैथिल कला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१५९३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक प्रवासी मैथिल कला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१५९४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) प्रवासी मैथिल कला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१५९५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) प्रवासी मैथिल कला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१५९६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) प्रवासी मैथिल कला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१५९७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) प्रवासी मैथिल कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१५९८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप प्रवासी मैथिल कला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१५९९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ प्रवासी मैथिल कला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4972 : विदेह-सदेह 36 — गुंजन कर्ण — किछु चित्र

१६००. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६०१. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६०२. 'किछु चित्र'केँ दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) मिथिला चित्रकला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६०३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक मिथिला चित्रकला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६०४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६०५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) मिथिला चित्रकला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६०६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) मिथिला चित्रकला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६०७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) मिथिला चित्रकलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६०८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप मिथिला चित्रकला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६०९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ मिथिला चित्रकला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4973 : विदेह-सदेह 36 — इरा मल्लिक — किछु चित्र

१६१०. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) कविता+चित्रकला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६११. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) कविता+चित्रकला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६१२. 'किछु चित्र'केँ दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) कविता+चित्रकला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६१३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक कविता+चित्रकला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६१४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) कविता+चित्रकला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६१५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) कविता+चित्रकला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६१६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) कविता+चित्रकला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६१७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) कविता+चित्रकलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६१८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप कविता+चित्रकला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६१९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकें कविता+चित्रकला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4974 : विदेह-सदेह 36 — प्रवीण कुमार ठाकुर — किछु चित्र

१६२०. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६२१. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६२२. 'किछु चित्र'कें दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दृश्य कला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६२३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६२४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६२५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दृश्य कला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६२६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६२७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६२८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६२९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4975 : विदेह-सदेह 36 — गणेश ठाकुर — किछु चित्र

१६३०. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६३१. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६३२. 'किछु चित्र'केँ दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दृश्य कला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६३३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६३४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६३५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दृश्य कला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६३६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६३७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६३८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६३९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4976 : विदेह-सदेह 36 — कैलाश कुमार कामत — किछु चित्र

१६४०. 'किछु चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६४१. 'किछु चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६४२. 'किछु चित्र'केँ दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दृश्य कला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६४३. 'किछु चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६४४. 'किछु चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६४५. 'किछु चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दृश्य कला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६४६. 'किछु चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६४७. 'किछु चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६४८. 'किछु चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६४९. 'किछु चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

खण्ड 4977 : विदेह-सदेह 36 — मोना पाण्डेय — चित्र

१६५०. 'चित्र'क मुख्य अध्ययन-केन्द्र की अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) केवल क्रमांक-सूची
- (C) बाहरी सजावट
- (D) असम्बद्ध सूचना

१६५१. 'चित्र'मे कथ्यक अर्थ-गठन कोन आधार पर स्पष्ट होइत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) कागजक आकार
- (C) सिरिफ तिथि
- (D) प्रचारात्मक वाक्य

१६५२. 'चित्र'कें दृश्य रूपमे पढ़बाक समय कोन बात ध्यानमे राखब उचित?

- (A) दृश्य कला
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन
- (C) स्रोत-बाह्य घटना
- (D) यादृच्छिक अनुमान

१६५३. 'चित्र'क शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध कोना बुझल जाए?

- (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि
- (B) शीर्षक कथ्यसँ पूर्ण असम्बद्ध अछि
- (C) शीर्षकमे कोनो अर्थ-सूत्र नहि
- (D) शीर्षक मात्र सजावट अछि

१६५४. 'चित्र'मे पाठकक संवेदना कोन दिशामे नेने जाएत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) सूचीगणना मात्र
- (C) असम्बद्ध हास्य
- (D) बाहरी विज्ञापन

१६५५. 'चित्र'क गलत पठन कोन होएत?

- (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब
- (B) दृश्य कला
- (C) स्रोत-सूत्र धरि सीमित रहब
- (D) अर्थाधारित पठन करब

१६५६. 'चित्र'मे सामाजिक वा सांस्कृतिक संकेत कोन रूपमे भेटैत अछि?

- (A) दृश्य कला
- (B) निजी लाभक हिसाब
- (C) सैनिक आदेश
- (D) खेलक परिणाम

१६५७. 'चित्र' पर अर्थाधारित प्रश्न बनबैत काल कोन तरीका उचित?

- (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब
- (B) क्रमांकक गिनती पूछब
- (C) कागजक आकार पूछब
- (D) बाहरी रंग-सज्जा पूछब

१६५८. 'चित्र'मे दृश्यक रूप कथ्य केँ कोना सहारा दैत अछि?

- (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि
- (B) रूप कथ्यकेँ मिटा दैत अछि
- (C) रूपक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ई केवल नाम-सूची बनैत अछि

१६५९. 'चित्र' सँ बनल उत्तरमे कल्पना-दोषसँ बचबाक सही उपाय की?

- (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब
- (B) लेखकक अज्ञात निजी जीवन जोड़ब
- (C) स्रोतसँ बाहर घटना गढ़ब
- (D) अप्रमाणित निष्कर्ष देब

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण — गजेन्द्र ठाकुरक आलेखक शीर्षक 'विद्यापति: किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण' थिक।
२. (A) १३५०-१४३५ — गजेन्द्र ठाकुर अनुसार विद्यापति ठक्कुर: (संस्कृत-अवहट्ट लेखक, राजा शिवसिंहक दरबारी) क जीवन-काल १३५० सँ १४३५ धरि छल।
३. (A) कवीश्वर ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक, सम्भवत: बिस्फी गामक एक भिन्न विद्यापति — गजेन्द्र ठाकुरक थीसिस अनुसार समानान्तर परम्पराक विद्यापति (मैथिली आदि कवि) कवीश्वर ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक छथि, आ संस्कृत-अवहट्टक विद्यापति ठक्कुर:सँ भिन्न मानल गेलाह।
४. (A) मैथिली आदि कवि (समानान्तर परम्पराक विद्यापति)क — गजेन्द्र ठाकुर अनुसार ज्योतिरीश्वरक ग्रन्थमे मैथिली आदि कवि (समानान्तर परम्पराक विद्यापति)क चर्चा अछि, जे ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक मानल जाइत छथि।
५. (A) श्री पनकलाल मण्डल (विदेह सम्मानसँ सम्मानित) — समानान्तर परम्पराक विद्यापतिक चित्र श्री पनकलाल मण्डल (गाम छजना, पिता स्व. सुन्दर मण्डल) बनेलनि, जे चित्रकला लेल विदेह सम्मानसँ सम्मानित छथि।
६. (A) समानान्तर परम्पराक विद्यापति (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वक) — एहि थीसिस अनुसार विद्यापति-नाचमे समानान्तर परम्पराक विद्यापति (ज्योतिरीश्वरसँ पूर्वसँ) क पदावलीक नृत्य-अभिनय होइत अछि।
७. (A) विद्यापति ठक्कुर: — गजेन्द्र ठाकुरक थीसिस अनुसार पुरुष परीक्षा (संगहि कीर्तिलता, कीर्तिपताका, गोरक्षविजय, लिखनावली) विद्यापति ठक्कुर:क रचना थिक।
८. (A) विद्यापति-सम्बन्धी भ्रामक धारणाक खण्डन करबाक प्रयास — आलेखक शीर्षक 'किछु प्रचलित कुप्रचारक निराकरण' स्पष्ट करैत अछि जे ई आलेख विद्यापति-सम्बन्धी भ्रामक/प्रचलित धारणाक खण्डन आ स्पष्टीकरणक प्रयास थिक।
९. (A) गजेन्द्र ठाकुर द्वारा प्रस्तुत एक विद्वत्तापूर्ण मुदा विवादित/वैकल्पिक ऐतिहासिक तर्क — एहि थीसिसकेँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा प्रस्तुत एक विद्वत्तापूर्ण, मुदा विद्वत्-समाजमे वैकल्पिक आ चर्चा-योग्य ऐतिहासिक तर्कक रूपमे देखब उचित अछि, ने कि सर्वसम्मत अंतिम सत्यक रूपमे।
१०. (A) गजलकेँ मुस्लिम धर्मसँ जोड़ि कऽ अछोप मानल जाएब — आलेख अनुसार मैथिली गजलक प्रारम्भिक दुर्भाग्य ई छल जे एकरा मुस्लिम धर्मसँ जोड़ि कऽ देखल गेल आ अछोप मानि लेल गेल।
११. (A) जीवन युग — मैथिली गजलक प्रथम युगक नाम 'जीवन युग' थिक।
१२. (A) जीवन झा (आधुनिक मैथिली गजलक पिता) — 'जीवन युग' क प्रारम्भ जीवन झासँ मानल गेल, जिनका आधुनिक मैथिली गजलक पिता मानल जाइत छथि।
१३. (A) अनचिन्हार युग — मैथिली गजलक दोसर युगक नाम 'अनचिन्हार युग' थिक।
१४. (A) अनचिन्हार आखर — 'अनचिन्हार युग' क प्रारम्भ इंटरनेटपर मैथिलीक पहिल गजल आ शोरो-शाइरीकेँ समर्पित ब्लॉग 'अनचिन्हार आखर' सँ भेल मानल गेल।
१५. (A) १३ खण्ड (एखन धरि) — 'अनचिन्हार आखर' १३ खण्ड (एखन धरि) मे 'मैथिली गजल शास्त्र' लिखेलक, जे गजलक परिभाषिक शब्द आ बहरक निर्धारण करैत अछि।
१६. (A) गजल लेल अलगसँ पुरस्कार (गजल कमला-कोसी) — 'अनचिन्हार आखर' मैथिली साहित्यक इतिहासमे पहिल बेर गजल लेल अलगसँ पुरस्कार योजनाक घोषणा केलक, जकर नाम 'गजल कमला-कोसी' छल।
१७. (A) उर्दू-हिन्दी शब्दक भरमार — 'अनचिन्हार युग' सँ पहिने गजलमे उर्दू-हिन्दी शब्दक भरमार छल आ मान्यता छल जे बिना ओहि शब्दक गजल नहि कहल जा सकैत अछि — ई परम्परा बादमे बदलल।
१८. (A) सुनील कुमार झा, दीप नारायण विद्यार्थी, रोशन झा, प्रवीन चौधरी प्रतीक आदि — 'अनचिन्हार आखर' क 'स्कूलिंग' प्रभावसँ सुनील कुमार झा, दीप नारायण 'विद्यार्थी', रोशन झा, प्रवीन चौधरी 'प्रतीक' आदि नव गजलकार ऐ परम्परामे आएलाह।

- १९. (A) मैथिलीमे बहरयुक्त गजल नहि लिखल जा सकैत अछि** — ‘अनचिन्हार युग’ क एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि मायानंद मिश्रक एहि कथनक खंडन छल जे मैथिलीमे बहरयुक्त (छन्दशास्त्र-सम्मत) गजल नहि लिखल जा सकैत अछि।
- २०. (A) एहेन Lexical Database तैयार करब जे मैथिली शब्दक अर्थ, आण्टोलोजी आ पर्यायपद उपलब्ध करा सकय** — आलेख अनुसार मैथिली वर्डनेट बनेबाक उद्देश्य एहेन Lexical Database तैयार करब अछि जे चयनित मैथिली शब्दक अर्थ, आण्टोलोजी (हेरार्की), आ अन्य भारतीय भाषामे ओकर अर्थ-पर्यायपद सहजतासँ उपलब्ध करा सकय।
- २१. (A) कल्याणी कोश** — आलेख अनुसार कल्याणी कोशक उपलब्धता स्क्राइब पर नागेशजीक सहयोगसँ भेटल, जे एकटा मानक ग्रन्थ अछि आ शब्दतन्त्र बनेबाक मार्गमे उपादेय अछि।
- २२. (A) मैथिली बजनाइ पिछड़ापनक प्रतीक मानब, आ भाषा-अन्तर्सम्बन्धक महत्त्व बिसरब** — आलेख अनुसार दू प्रकारक पूर्वाग्रह विद्यमान अछि — पहिल मैथिली बजनाइ पिछड़ापनक प्रतीक मानब, दोसर मैथिलीक उत्थानमे योगदान करैत भाषाक अन्तर्सम्बन्धक महत्त्व बिसरब।
- २३. (A) मधुबनी जिलाक लखनौर गाम** — आलेख अनुसार अंकुशी महादेबक स्थान मधुबनी जिलाक लखनौर गाममे बस्तीसँ लगभग डेढ़ कि.मी. दूर निर्जनमे लगभग चौदह सीढ़ी नीचाँ अछि।
- २४. (A) करमहे झांझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय मैथिलश्रोत्रिय सभक** — आलेख अनुसार अंकुशी महादेब करमहे झांझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय मैथिलश्रोत्रिय सभक आराध्यदेव छथि।
- २५. (A) लखनौरक राधाकृष्ण मन्दिर प्रांगणमे** — लोक-कथा अनुसार योगीश्वर बाबा लक्ष्मीनाथ गोसाईं लखनौरमे राधाकृष्ण मन्दिर प्रांगणमे अंकुशी महादेबकें स्थापित करय चाहैत छलाह, मुदा शिवलिंग बेसी गहीर निकलल आ देवता निर्जनमे रहबाक इच्छा कहलनि।
- २६. (A) ओ निर्जनमे रहैत गामक रक्षा करता** — लोक-मान्यता अनुसार अंकुशी महादेब कहलखिन्ह जे ‘हम एतहि सँ गामक रक्षा करबह’, आ तहिये दिनसँ लखनौर गाम एहि देवताक द्वारा सतत सुरक्षित मानल जाइत अछि।
- २७. (A) अंकुशी महादेबक सामने (चाहे ओ विदेशमे होथि)** — आलेख अनुसार करमहे झांझारपुर मूलक वत्सगोत्रीय मैथिलश्रोत्रियक समस्त परिवारक पुरुष बच्चाक मूडन आइयो अही महादेबक सामने होइत अछि, चाहे ओ विदेशमे किएक नहि होथि।
- २८. (A) ग्रीक शब्द, अर्थ ‘आर्कटिक केर विपरीत’ (दक्षिण)** — आलेख अनुसार अण्टार्कटिका ग्रीक शब्दक रोमण संस्करण थिक, जकर अर्थ होइत अछि “आर्कटिक केर विपरीत” (Anti-Arctic), अर्थात् “उत्तर केर उनटा”, माने “दक्षिण”।
- २९. (A) -89.2°C, रूसी अण्टार्कटिक केन्द्र “वोस्तोक” द्वारा** — आलेख अनुसार अण्टार्कटिकाक न्यूनतम तापमान -89.2°C (-128.6°F) नापल गेल अछि, रूसी अण्टार्कटिक केन्द्र “वोस्तोक” द्वारा।
- ३०. (A) जॉन डेविस (John Davis)** — आलेख अनुसार उपलब्ध साक्ष्यक अनुसार अण्टार्कटिकाक हिमाच्छादित धरतीपर पहिल बेर पएर रखनिहार व्यक्ति जॉन डेविस छलाह, जे ७ फरवरी १८२१ ई.केँ पच्छिमी अण्टार्कटिकामे सील-शिकारक उद्देश्यसँ उतरलाह।
- ३१. (A) नॉर्वेवासी रॉएल्ड अमुण्डसेन (१४ दिसम्बर १९११)** — आलेख अनुसार नॉर्वेवासी रॉएल्ड अमुण्डसेन १४ दिसम्बर १९११ ई.केँ भौगोलिक दक्षिणी ध्रुवपर पहुँचबामे सफल रहलाह, अपन प्रतियोगी कैप्टन स्कॉटसँ ३३ दिन पहिने।
- ३२. (A) “दक्षिण ध्रुवपर पहिल मनुक्खक शताब्दी वर्ष”** — आलेख अनुसार २०११ ई.केँ नार्वे “अमुण्डसेन वर्ष” आ यूनेस्को “दक्षिण ध्रुवपर पहिल मनुक्खक शताब्दी वर्ष” क रूपमे मनेलक।
- ३३. (A) ९ जनवरी १९८२ ई.** — आलेख अनुसार डॉ. सय्यद जहूर कासिमक नेतृत्वमे २१ सदस्यीय पहिल भारतीय अण्टार्कटिक अभियान दल ९ जनवरी १९८२ ई.केँ अण्टार्कटिकाक हिमाच्छादित धरतीपर पएर रखलक आ भारतक लेल इतिहास लिखलक।
- ३४. (A) “दक्षिण गंगोत्री”** — आलेख अनुसार डॉ. हर्ष गुप्ताक नेतृत्वमे तेसर भारतीय अण्टार्कटिक अभियान दल द्वारा १९८३-८४ ई.मे एकटा स्थायी अनुसंधान केन्द्रक स्थापना कएल गेल, जकर नाँव राखल गेल “दक्षिण गंगोत्री”।
- ३५. (A) “मैत्री”** — आलेख अनुसार भारत १९८९ ई.मे अण्टार्कटिकामे अपन दोसर स्थायी अनुसंधान केन्द्र स्थापित कएलक, जकर नाम राखल गेल “मैत्री”, जे बर्फ-रहित स्थानपर अवस्थित अछि।
- ३६. (A) नबटोल (मात्रिक)** — डॉ. अजीत मिश्रक जन्म-स्थान नबटोल (मात्रिक) अछि, पैत्रिक स्थान ‘आदित्य वास’, पाहीटोल, सरिसब-पाही, मधुबनी अछि।
- ३७. (A) आकाशवाणी, दरभंगा** — डॉ. अजीत मिश्र १९९४ सँ २००६ धरि आकाशवाणी, दरभंगामे आकस्मिक मैथिली अन्तरवार्ताकार ओ समाचार-वाचकक रूपमे कार्य केलनि।
- ३८. (A) पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र, भुवनेश्वर (भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरक अन्तर्गत)** — भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरमे मैथिलीक प्रवेशक उपरान्त डॉ. अजीत मिश्र मैथिलीक पहिल प्रतिनिधिक रूपमे पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र, भुवनेश्वरमे पाहुन प्राध्यापक भऽ १० जुलाई २००६ सँ कार्य प्रारम्भ केलनि।

३९. (A) भारतीय भाषा केन्द्र, मैसूर (राष्ट्रीय अनुवाद मिशनक अन्तर्गत) — भारत सरकारक राष्ट्रीय ज्ञान आयोगक अनुशंसापर राष्ट्रीय अनुवाद मिशनक गठनक उपरान्त डॉ. अजीत मिश्र मैथिलीक मुख्य शैक्षिक सलाहकारक रूपमे मई २००९ सँ भारतीय भाषा केन्द्र, मैसूरमे कार्यरत भेलाह।
४०. (A) मैथिली पदावली बला विद्यापति पर — लेखक स्पष्ट करैत छथि जे हुनकर उद्देश्य मैथिली बला विद्यापतिसँ अछि, संस्कृत ग्रन्थक ब्राह्मण विद्यापतिसँ नहि।
४१. (A) जखन बंगाल विद्यापति आ गोविन्ददासकेँ अपन मानय लगल — लेखक कहैत छथि जे बंगालक दाबीक बाद मिथिलाक विद्वान समाज विद्यापतिक जातीय/पञ्जीय स्वामित्व सिद्ध करबाक ओर मुड़ल।
४२. (A) गएर-ब्राह्मण समुदाय विद्यापतिक स्मृति आठ सए वर्ष धरि जीवित रखने रहल — लेखकक तर्क अछि जे विद्यापतिक लोकजीवन बिदापत नाच मार्फत टिकले रहल, बादमे मात्र जातीय दावा तीव्र भेल।
४३. (A) ओ सीमित आ सतही दृष्टि सँ नोकसान पहुँचेने कहल गेल छथि — लेखक पञ्जीक आधारपर विद्यापति ठाकुर आ गोविन्ददास झा निकालबाक पद्धतिक आलोचना करैत छथि।
४४. (A) विद्यापतिक पहचानक तर्कमे नाम-भेद आ पञ्जी-तर्कक असंगति देखाबय लेल — लेखक पूछैत छथि जे जेँ विद्यापतिक नाम-भेदसँ निष्कर्ष बनैत अछि तेँ ज्योतिरीश्वर पर वैह तर्क किएक नहि लागैत।
४५. (A) महादेव मूलतः गएर-ब्राह्मणक देवता रहि क्रमशः ब्राह्मण समाज द्वारा अपनाओल गेलाह — ई तर्क लोक-परम्परा आ ब्राह्मणीकरणक क्रम बुझाबय लेल देल गेल अछि।
४६. (A) जातीय स्वामित्व आ प्रतिष्ठा-अपहरणक प्रतीक — विद्यापतिकेँ पाग पहिरा अपन मानबाक प्रसंग जातीय दावा आ सांस्कृतिक स्वामित्वक आलोचना बनैत अछि।
४७. (A) ओ पदावलीक विद्यापति पर चर्चा करैत छथि, संस्कृत-अवहट्ट ग्रन्थक विद्यापति पर नहि — लेखक बारम्बार कहैत छथि जे बहस पदावलीक रचनाकारक पहिचान पर अछि।
४८. (A) लोक-देवता आ जातीय नामक जटिलता देखाबय लेल — लेखक बतबैत छथि जे ठाकुर नाम वा देवता-परम्परा सँ सरल जातीय निष्कर्ष निकालब खतरनाक अछि।
४९. (A) लोक-परम्परा, जाति-दावा आ पाठ-साक्ष्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ — लेख कुप्रचार-निराकरणक नामे स्थापित दावासभकेँ प्रमाण, लोक-स्मृति आ राजनीति सँ जाँचैत अछि।
५०. (A) मातृभाषा नहि होइतो माध्यम-भाषा आ सूत्र-भाषा बनबाक उदाहरण रूपमे — लेखक भाषाक सामाजिक उपयोग, माध्यम आ सम्पर्क-रूपक भेद समझाबय अरबीक उदाहरण देलनि।
५१. (A) विदेशी निवेशककेँ सहायता देल जाए — लेखक मानैत छथि जे मनोरंजक कार्यक्रम मैथिलीमे आबि गेल तेँ भाषा-प्रयोगक पहिया घूमि सकैत अछि।
५२. (A) जखन समाजक प्रमुख वर्ग ऋणात्मक ऊर्जा छोड़ि सहयोग करत — लेख सामाजिक अवरोधक बदला सहयोगकेँ भाषिक पुनर्जीवनक शर्त मानैत अछि।
५३. (A) भारतीय भाषामे विदेशी निवेशक कमी आ अंग्रेजी-केंद्रितता देखाबय लेल — हार्पर कॉलिन्स, पेंगुइन, ऑक्सफोर्ड आदि नामसँ लेखक बतबैत छथि जे निवेश प्रायः अंग्रेजी धरि सीमित रहल।
५४. (A) सरकारी खरीद आ पाठ्यपुस्तक छपाई पर — एहि निर्भरता कारण बाजार-संचालित विदेशी प्रकाशक भारतीय भाषामे उत्साहित नहि भेलाह।
५५. (A) भविष्यक साक्षरता आ मनोरंजन-बाजार सँ भाषा विस्तारक सम्भावना अछि — लेखकक दृष्टिमे नव पाठक-वर्ग आ माध्यम-उद्योग मैथिलीकेँ विस्तार दऽ सकैत अछि।
५६. (A) मैथिलीक रक्षा लेल समर्पित हसेरी बनबाक — वाक्य तीख व्यंग्यात्मक भाषा मे समाजक श्रमशील वर्गकेँ भाषा-रक्षा लेल सक्रिय देखबाक कामना करैत अछि।
५७. (A) दृश्य-श्रव्य माध्यममे मैथिलीक व्यवहारिक उपस्थिति बढ़त — डिबिंग दैनिक उपभोगक माध्यममे भाषा प्रवेश करबैत अछि, जे भाषा-संरक्षणसँ आगू जीवित प्रयोग थिक।
५८. (A) भाषा-सुरक्षा केँ बाजार, निवेश, प्रसारण आ समाज-सहयोगसँ जोड़ैत अछि — लेख मैथिलीकेँ भावुकता मात्र नहि, उद्योग आ प्रसारणक संरचनासँ जोड़ैत अछि।
५९. (A) मैथिलीकेँ जीवित रखबाक लेल सामाजिक बाधा हटि माध्यम-बाजारमे प्रवेश जरूरी अछि — लेखक भाषा-पुनर्जीवन लेल व्यवहारिक सांस्कृतिक उद्योगक आवश्यकता पर बल दैत छथि।

६०. (A) पहिल, दोसर आ चारिम पाँती — स्रोतमे रुबाइक काफिया-क्रम पहिल-दोसर-चारिम पाँती कहल गेल अछि।
६१. (A) २० वा २१ मात्रा होयबाक चाही — लेख मैथिली रुबाइ लेल २०-२१ मात्रा रखबाक निर्देश दैत अछि।
६२. (A) दीर्घ-दीर्घ-दीर्घ वा दीर्घ-दीर्घ-ह्रस्व — लेख “मफ-ऊ-लु” आ “मफ-ऊ-लुन”क रूपमे आरम्भक लय-संकेत दैत अछि।
६३. (A) किता/कतआ — स्रोत स्पष्ट करैत अछि जे एहन रचना रुबाइ नहि, किता/कतआक परिभाषामे आएत।
६४. (A) भावक चरम हेबाक चाही — रुबाइमे अन्तिम पाँती भावक निचोड़ वा उत्कर्ष बनबाक अपेक्षा अछि।
६५. (A) जू काफिया — लेख गजल-शास्त्रक तकनीकी शब्दावलीमे “जू काफिया”क चर्चा करैत अछि।
६६. (A) ओ अनुपस्थितसँ लऽ कऽ मात्रा, शब्द, शब्दसमूह वा वाक्य धरि भऽ सकैत अछि — रदीफ अपरिवर्तित अंश थिक; ओकर विस्तार अलग-अलग रूपमे सम्भव कहल गेल अछि।
६७. (A) कोनो ने कोनो बहर/छन्दमे होयबाक चाही — लेखक गजलकें बहरसँ जोड़ैत छथि, चाहे मैथिली छन्दानुकूल लचीलापन हो।
६८. (A) दूटा ह्रस्व — स्रोत लय-व्यवस्थामे दीर्घ-ह्रस्वक विनिमयक संकेत करैत अछि।
६९. (A) मैथिलीमे फारसी-मूलक विधा अपनबैत ओकर छन्द-नियम स्पष्ट करब — खण्ड गजल/रुबाइकें मैथिली काव्याभ्यास लेल नियमपूर्वक समझबैत अछि।
७०. (A) शब्दक अर्थ, हैराकी, भारतीय भाषाक अर्थ-सम्बन्ध आ पर्याय सहज उपलब्ध करब — स्रोत वर्डनेटकें चयनित मैथिली शब्दक लेक्सिकल डेटाबेस रूपमे परिभाषित करैत अछि।
७१. (A) शब्दक अर्थ, अन्य भाषाक अर्थ, आण्टोलोजी आ पर्याय देखबा मे सुविधा — लेख आम भाषा-प्रेमी लेल मुक्त सॉफ्टवेयर/टूलक उपयोगिता बतबैत अछि।
७२. (A) मैथिली आ अन्य भारतीय भाषाक यान्त्रिक अनुवादमे सहयोग करत — वर्डनेटक संरचित शब्द-अर्थ डाटा मशीन अनुवादमे सहायक होएबाक बात कहल गेल अछि।
७३. (A) कल्याणी कोश — कल्याणी कोशकें मानक ग्रन्थ मानि, तकर सीमा सहित वर्डनेट लेल उपयोगी कहल गेल।
७४. (A) ओ नीक कार्य अछि, मुदा ओकर अपन उद्देश्य आ सीमा अछि — लेख विदेह शब्दकोशकें उपयोगी स्रोत मानैत अछि, यद्यपि वर्डनेटक लक्ष्य भिन्न अछि।
७५. (A) कार्यकें गति आ प्रस्तुतीकरणक दिशा भेटल — ऑनलाइन स्रोतसभ वर्डनेट-निर्माणक ढाँचा आ प्रस्तुति पर प्रभाव डालैत अछि।
७६. (A) डाटा संकलन चलि रहल अछि — स्रोत कहैत अछि जे डाटा संकलन संग तत्समकोश आदि पर कार्य चलि रहल अछि।
७७. (A) शब्दक अर्थ-सम्बन्ध आ श्रेणीबद्ध संरचना — लेक्सिकल डेटाबेस शब्दसभकें अर्थ-सम्बन्धक जालमे व्यवस्थित करैत अछि।
७८. (A) चिन्तनकें नवीन दिशा देबाक लेल — गूगल आ शोध-सामग्री सँ अवधारणा आ शब्द-संग्रहक नया दिशा भेटल।
७९. (A) भाषा-संसाधन, अर्थ-संगठन आ डिजिटल मैथिली विकासक आधार बनब — ई परियोजना मैथिलीकें डिजिटल भाषिक संरचना मे प्रवेश करबैत अछि।
८०. (A) सड़क मार्गसँ जुड़ल, मुदा साँझक समय लगभग निर्जन — लेख कहैत अछि जे सड़क जुड़ि गेल अछि, तथापि साँझमे पंडा छोड़ि कम लोक भेटैत अछि।
८१. (A) लखनौरक राधाकृष्ण मन्दिर प्रांगणमे — कथानक अनुसार बाबा निर्जन स्थानसँ शिवलिंग उखारि लखनौरमे स्थापित करय चाहैत छलाह।
८२. (A) जतेक कोरथि, महादेब पीड़ी भरि मात्र रहैत छलाह — भरि हाथ कोरला परो शिवलिंग ओतबे रहबाक लोककथा ओकर अस्थान-निश्चय बतबैत अछि।
८३. (A) जुनि कोर; हम निर्जनमे रहनहार छी आ एतहि सँ गामक रक्षा करब — कथामे महादेब स्वयं अपन स्थान आ ग्राम-रक्षाक भूमिका घोषित करैत छथि।
८४. (A) पूर्वसँ राधाकृष्ण, पश्चिमसँ बाबा डिहबार, दक्षिणसँ अंकुशी महादेब — लेख लोकविश्वासक त्रिकोणीय सुरक्षा-विन्यास प्रस्तुत करैत अछि।
८५. (A) पुरुष बच्चाक मूडन — स्रोत कहैत अछि जे परिवार विदेशमे रहितो मुण्डन एहि महादेबक सामने करबैत अछि।
८६. (A) दुनू कें देखैत देवताक प्रासंगिकता मानैत छथि — लेखमे आस्था-तर्कक अन्तर्द्वन्द्व अछि, मुदा देवताक प्रति श्रद्धा-अभाव नहि।
८७. (A) ग्राम-सुरक्षाक लोकविश्वासकें बल देबाक — लेख कहैत अछि जे आपात स्थिति अयलापर गामक बस्ती सुरक्षित रहल।
८८. (A) देवताक गुणक अनन्तता आ वर्णन-असमर्थता व्यक्त करबाक लेल — असितगिरि काजर, समुद्र पात्र आदि रूपक देव-गुणक अपारता सूचित करैत अछि।

८९. (A) लोककथा, ग्राम-आस्था, तर्क आ श्रद्धाक संयोजन — लेख स्थान-गाथा मार्फत मिथिलाक लोकविश्वास आ सामुदायिक सुरक्षा-भाव बुझबैत अछि।
९०. (A) ६३ पोथीक — स्रोतमे राष्ट्रीय स्तरपर ६३ पोथीक अनुवाद निर्णयक उल्लेख अछि।
९१. (A) नओ गोठ — स्रोत स्पष्ट कहैत अछि जे नौ गोठ पोथी अंग्रेजीसँ मैथिलीमे अनुवाद कयल जाएत।
९२. (A) टीमवर्क आ विषय-विशेषज्ञक सहभागिता — ओ पाठ्यक्रमक पोथीक अनुवाद लेल मैथिली, अंग्रेजी आ विषयक विशेषज्ञक टीम चाहैत छथि।
९३. (A) सहज, जाहिसँ मूल गण्य पाठक धरि पहुँचय — ओ कहैत छथि जे अनुवाद नव खिड़की खोलैत अछि, मुदा सहजता अनिवार्य अछि।
९४. (A) ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगाक मैथिली विभागमे — स्रोत सप्त-दिवसीय कार्यशालाक आयोजन विश्वविद्यालय मैथिली विभागमे बतबैत अछि।
९५. (A) ०१-०७-२०११ सँ ०८-०७-२०११ धरि — दिनांक सहित सात-दिवसीय अनुवाद कार्यशाला स्रोतमे वर्णित अछि।
९६. (A) ११०० तकनीकी शब्द — कन्स्टीच्यूशन ऑफ इण्डिया: कॉर्नर स्टोन ऑफ ए नेशनसँ ११०० तकनीकी शब्दक उल्लेख अछि।
९७. (A) ७०० तकनीकी शब्द — आउट लाइन्स ऑफ इण्डियन फिलॉसोफीसँ ७०० तकनीकी शब्दक मैथिली अनुवादक बात अछि।
९८. (A) बीस गोठ प्रतिभागी उपस्थित छलाह — स्रोत बीस गोठ प्रतिभागीक नाम सहित उपस्थिति बतबैत अछि।
९९. (A) मैथिलीमे विषय-शब्दावली आ उच्च-शिक्षा सामग्री विकसित करबाक पहल — तकनीकी शब्द, पाठ्यक्रम पोथी आ टीमवर्क मैथिलीक शैक्षिक विस्तार लेल महत्वपूर्ण अछि।
१००. (A) १७ सँ २० जाति — खिस्सामे कहल गेल अछि जे पेंगुइनक लगभग १७ सँ २० जाति अछि।
१०१. (A) दक्षिणी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, दक्षिण अफ्रिका, गैलेपैगोस आदि दक्षिणी गोलार्धमे — स्रोत पेंगुइनक व्यापक दक्षिणी गोलार्धीय वितरण बतबैत अछि।
१०२. (A) सभसँ पैघ आ भारी पेंगुइन, अण्टार्कटिकामे रहैत अछि — खिस्सा सम्राट पेंगुइनकेँ आकार-ओजनमे सबसँ पैघ बतबैत अछि।
१०३. (A) १.१ मीटर आ ३५ कि.ग्रा. धरि — स्रोत लगभग साढ़े तीन फीट ऊँचाई आ ३५ किलो ओजन बतबैत अछि।
१०४. (A) ऑप्टेनोडाइटिस फोर्स्टेराइ — खिस्सामे Aptenodytes forsteri नाम देल गेल अछि।
१०५. (A) दू पएर सँ धर उठा कऽ नाकक सीधमे — स्रोत बतबैत अछि जे पेंगुइन दू पएर सँ सीधा चलैत अछि।
१०६. (A) शरीरक सन्तुलन राखबामे मदति करैत अछि — पेंगुइनक छोट टेल चलबामे संतुलन दैत अछि।
१०७. (A) पेट उज्जर आ पीठ कारी — खिस्सामे कञ्चनक उत्तर आ वक्ताक पुष्टि पेंगुइनक विपरीत रंग-संरचना बतबैत अछि।
१०८. (A) समुद्री शिकारीक नजरिसँ बर्फक पृष्ठभूमिमे छिपबामे सहायता — समुद्रक भीतर सँ ताकैत शिकारी लेल उज्जर पेट बर्फसँ मिलि जाइत अछि।
१०९. (A) संवाद मार्फत वैज्ञानिक जानकारी देबाक बाल/लोक-शिक्षात्मक शैली — सोनी, बब्बन, कञ्चन आदिक प्रश्नोत्तर सँ विज्ञान सरल कथात्मक रूपमे देल गेल अछि।
११०. (A) गजल-परम्पराक ऐतिहासिक विकास आ रूपान्तर — शीर्षक गजलकेँ स्थिर रूप नहि, बदलैत साहित्यिक परम्परा रूपमे देखबैत अछि।
१११. (A) गजल-संरचनाक ध्वनि-साम्य आ आवृत्ति बुझाबय लेल — रदीफ-काफिया गजलकेँ पहचान देबयवला मूल संगीतात्मक संरचना छथि।
११२. (A) भाषाक ध्वनि-रचना अनुसार छन्द-संतुलन राखय पड़ैत अछि — लेख बहर/छन्दक अनिवार्यता पर बल दैत अछि, मुदा मैथिली लयक अनुसार प्रयोगक गुंजाइश रखैत अछि।
११३. (A) ओ बदलैत रहैत अछि, जखन रदीफ अपरिवर्तित रहि सकैत अछि — स्रोत रदीफक स्थिरता आ काफियाक परिवर्तनीयता स्पष्ट करैत अछि।
११४. (A) मैथिली गजलमे वर्ण-संख्या संग ध्वनि-लयक सूक्ष्मता राखय लेल — लेख वैदिक/वार्णिक परम्पराक संदर्भसँ छन्द-शुद्धता पर बल दैत अछि।
११५. (A) शब्दक ह्रस्व-दीर्घ विभाजन देखाबय लेल — उदाहरण ध्वन्यात्मक गणना कतेक सूक्ष्म होइत अछि, से देखबैत अछि।
११६. (A) मैथिलीमे बाहरी विधाक स्थानीय छन्दबोधसँ पुनर्रचना — लेख विदेशी-मूलक विधाकेँ मैथिली अनुकूल नियमसँ साधबाक प्रयास करैत अछि।
११७. (A) रचनात्मक स्वतंत्रताकेँ लयात्मक अनुशासन देब — नियम कविताक ध्वनि, संतुलन आ पहचानक ढाँचा बनबैत अछि।
११८. (A) अभ्यास शास्त्रीय समझदारी संग हो, केवल नाम धरि नहि — बहर, काफिया, रदीफ, मात्रा—सभक चर्चा गजल लेखनक गंभीरता चाहैत अछि।
११९. (A) पुरान अनुकरणसँ आगू बढ़ि मैथिली संवेदना अनुकूल गजल-रूप गढ़ब — शीर्षक आ नियम-विमर्श मिलि मैथिली गजलकेँ विकासशील विधा बनबैत अछि।

१२०. (A) मैथिलीकें डिजिटल भाषा-संसाधनमे रूपान्तरित करबाक दिशा — खण्ड भाषा-संसाधन, ऑनलाइन शब्दकोश, वर्डनेट आ यान्त्रिक अनुवादक सम्भावना जोड़ैत अछि।
१२१. (A) स्रोत मानक होइतो वर्डनेट लेल पुनर्संरचना चाही — लेख स्रोतक सम्मान संग ओकर परियोजना-विशेष सीमा सेहो देखैत अछि।
१२२. (A) वर्डनेट अर्थ-सम्बन्ध, हैराकी आ बहुभाषिक पर्याय जोड़ैत अछि — लेख विदेह शब्दकोश उपयोगी मानैत अछि, मुदा वर्डनेटक संरचना अधिक संबंधात्मक अछि।
१२३. (A) भाषा कम्प्यूटरीकृत अन्तरभाषिक संचारमे प्रवेश कऽ सकैत अछि — वर्डनेट मशीन अनुवादक आधारभूत डाटा बनि सकैत अछि।
१२४. (A) मैथिली शब्दभंडारक संस्कृत-सम्बद्ध तहकें व्यवस्थित करबाक लेल — तत्सम शब्द मैथिली अर्थ-व्यवस्था आ भारतीय भाषिक सम्बन्धमे महत्वपूर्ण स्रोत छथि।
१२५. (A) भाषा-तुलना, अनुवाद आ पर्याय-संबंध बुझय सुविधा — बहुभाषिक अर्थ-संबंध भारतीय भाषाक पारस्परिक सेतु बनबैत अछि।
१२६. (A) शब्द, अर्थ, पर्याय आ स्रोत-सामग्री जुटाओल जा रहल अछि — डिजिटल परियोजनाक पहिल आधार व्यवस्थित डाटा-संग्रह थिक।
१२७. (A) कोश, लेख, शोध आ लोक-शब्दकें तकनीकी डेटाबेसमे बदलैत अछि — भाषाक पुरान स्रोतसभ डिजिटल संरचना लेल सामग्री बनैत अछि।
१२८. (A) परियोजना सामाजिक उपयोग आ शोध/तकनीकी उपयोग दुनू साधैत अछि — वर्डनेट आम पाठक आ भाषा-प्रौद्योगिकी दुनू लेल बनाओल जा रहल अछि।
१२९. (A) मैथिलीकें आधुनिक डिजिटल संरचनामे प्रतिष्ठित करब आवश्यक अछि — वर्डनेट, शब्दकोश, अन्तर्जाल आ मशीन अनुवाद मिलि मैथिली भविष्यक आधार बनैत अछि।
१३०. (A) ई खण्ड परम्परा, डिजिटल भाषा, लोक-आस्था आ विज्ञानकें एक ठाम पढ़बैत अछि — विविध सामग्री खण्डकें बहुविषयी बनबैत अछि।
१३१. (A) लोक-स्मृति आ सामाजिक दावाक आलोचनात्मक पढ़ाइ — एकमे कवि-स्मृति, दोसरमे ग्राम-देवता; दुनू लोकविश्वास आ समाजक संरचना खोलैत अछि।
१३२. (A) मैथिलीकें ज्ञान-भाषा आ तकनीकी भाषा बनायब — दुनू परियोजना शब्दावली, अर्थ-संगठन आ ज्ञान-सम्प्रेषण सँ जुड़ल अछि।
१३३. (A) बाल-सुलभ संवाद मार्फत विज्ञान-लोकशिक्षा — विज्ञानक जानकारी संवादक सहारे सरल बनाओल गेल अछि।
१३४. (A) रचना-रूपक सही समझ आ भ्रम-निराकरण — एक खण्ड ऐतिहासिक दावा जाँचैत अछि, दोसर विधागत नियम स्पष्ट करैत अछि।
१३५. (A) एक भाषा-उद्योगक माँग रखैत अछि, दोसर डिजिटल भाषा-संरचना बनबैत अछि — मैथिलीक जीवित भविष्य लेल माध्यम-बाजार आ डिजिटल संसाधन दुनू जरूरी देखाओल गेल।
१३६. (A) जाति-दावा, भाषा-नीति, छन्द-नियम, विज्ञान आ आस्था सभ पर प्रश्नशील दृष्टि — खण्ड विविध विषयक आलोचनात्मक अध्ययन चाहैत अछि, सतही सूचना नहि।
१३७. (A) विद्यापति, पाग, देवस्थान, छन्द आ शब्दकोश सभ पुनर्पाठमे बदलैत अछि — लेखसभ परम्पराकें गतिशील सामाजिक बहस रूपमे रखैत अछि।
१३८. (A) क्योंकि स्रोतक असली महत्व विचार, तर्क, पात्र, परियोजना आ विधा-बोधमे अछि — गहिर अध्ययन लेल अवधारणा, संदर्भ आ अर्थ-संबंधपर प्रश्न जरूरी अछि।
१३९. (A) मैथिली संस्कृति कें अतीत, लोकविश्वास, आधुनिक तकनीक, साहित्यिक विधा आ विज्ञानक संग जोड़निहार खण्ड — खण्डक व्यापकता मैथिली अध्ययनकें बहुविषयी आ जीवित बनबैत अछि।
१४०. (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य सँ जोड़ैत अछि।
१४१. (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४२. (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य धरि सीमित रहैत अछि।
१४३. (A) शीर्षक सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४४. (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य सँ बनैत अछि।
१४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४६. (A) सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्य — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सम्पादक; विद्यापति पुनर्पाठ; ऐतिहासिक सत्यक आधार पर ग्रहणीय अछि।

२१८. (A) गद्यक रूप रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२१९. (A) उत्तरकेँ रंगमंचीय अभिनव प्रयोग; Brecht-प्रभाव धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२२०. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन सँ जोड़ैत अछि।
२२१. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२२२. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन — सुरक्षित पठन स्रोत-सार समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन धरि सीमित रहैत अछि।
२२३. (A) शीर्षक समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२२४. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन सँ बनैत अछि।
२२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२२६. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कनक आधार पर ग्रहणीय अछि।
२२७. (A) समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
२२८. (A) गद्यक रूप समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२२९. (A) उत्तरकेँ समकालीन गजलकारक मूल्याङ्कन धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२३०. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक सँ जोड़ैत अछि।
२३१. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२३२. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक धरि सीमित रहैत अछि।
२३३. (A) शीर्षक Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२३४. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक सँ बनैत अछि।
२३५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२३६. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक आधार पर ग्रहणीय अछि।
२३७. (A) Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
२३८. (A) गद्यक रूप Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२३९. (A) उत्तरकेँ Marlowe-Milton-Eliot; विश्व नाट्य; तुलनात्मक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२४०. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रतीकात्मक; समसामयिक सँ जोड़ैत अछि।
२४१. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२४२. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रतीकात्मक; समसामयिक धरि सीमित रहैत अछि।
२४३. (A) शीर्षक प्रतीकात्मक; समसामयिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२४४. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रतीकात्मक; समसामयिक सँ बनैत अछि।
२४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२४६. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रतीकात्मक; समसामयिक आधार पर ग्रहणीय अछि।
२४७. (A) प्रतीकात्मक; समसामयिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
२४८. (A) गद्यक रूप प्रतीकात्मक; समसामयिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

२४९. (A) उत्तरकें प्रतीकात्मक; समसामयिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२५०. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद सँ जोड़ैत अछि।
२५१. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२५२. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद — सुरक्षित पठन स्रोत-सार साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद धरि सीमित रहैत अछि।
२५३. (A) शीर्षक साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२५४. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद सँ बनैत अछि।
२५५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२५६. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावादक आधार पर ग्रहणीय अछि।
२५७. (A) साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
२५८. (A) गद्यक रूप साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद कें स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२५९. (A) उत्तरकें साहित्यिक राजनीति; अकादेमी विरोध; संस्थागत आलोचना; सक्रियतावाद धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२६०. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान सँ जोड़ैत अछि।
२६१. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२६२. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान — सुरक्षित पठन स्रोत-सार भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान धरि सीमित रहैत अछि।
२६३. (A) शीर्षक भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
२६४. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान सँ बनैत अछि।
२६५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
२६६. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञानक आधार पर ग्रहणीय अछि।
२६७. (A) भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञानक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
२६८. (A) गद्यक रूप भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान कें स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
२६९. (A) उत्तरकें भाषाविज्ञान; Grierson पुनर्मूल्याङ्कन; औपनिवेशिक ज्ञान धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
२७०. (A) लोकजीवन; OBC परिवेश — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड कें लोकजीवन; OBC परिवेश सँ जोड़ैत अछि।
२७१. (A) लोकजीवन; OBC परिवेश — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
२७२. (A) लोकजीवन; OBC परिवेश — सुरक्षित पठन स्रोत-सार लोकजीवन; OBC परिवेश धरि सीमित रहैत अछि।

- [illegible]

- [illegible]

३४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३४६. (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावादक आधार पर ग्रहणीय अछि।

३४७. (A) वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

३४८. (A) गद्यक रूप वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद के स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

३४९. (A) उत्तरकँ वैकल्पिक रंगमंच; सक्रियतावाद धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३५०. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता सँ जोड़ैत अछि।

३५१. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

३५२. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता — सुरक्षित पठन स्रोत-सार गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता धरि सीमित रहैत अछि।

૩૫૩. (A) શીર્ષક ગજલ આન્દોલન; સાહિત્યિક પત્રકારિતા દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સँ પુષ્ટ હોઇત અછિ।

३५४. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता सँ बनैत अछि।

३५५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३५६. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिताक आधार पर ग्रहणीय अछि।

३५७. (A) गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

३५८. (A) गद्यक रूप गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

३५९. (A) उत्तरकें गजल आन्दोलन; साहित्यिक पत्रकारिता धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३६०. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग सँ जोड़ैत अछि।

३६१. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

३६२. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग — सुरक्षित पठन स्रोत-सार Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग धरि सीमित रहैत अछि।

૩૬૩. (A) શીર્ષક Bakhtin dialogism; સમકાલીન કવિક અન્તરંગ દિસ સંકેત કરૈત અછિ — શીર્ષક આ કથ્યક સમ્બન્ધ સ્રોત-સૂત્ર સँ પુષ્ટ હોઇત અછિ।

३६४. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग सँ बनैत अछि।

३६५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

३६६. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंगक आधार पर ग्रहणीय अस्ति।

३६७. (A) Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

३६८. (A) गद्यक रूप Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग के स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।

३६९. (A) उत्तरकें Bakhtin dialogism; समकालीन कविक अन्तरंग धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

३७०. (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव सँ जोड़ैत अछि।

३७९. (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग: विद्यापति उत्सव — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सत्र पर आधारित अछि।

३७२. (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव धरि सीमित रहैत अछि।

३७३. (A) शीर्षक सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पृष्ट होइत अछि।

३७४. (A) सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सांस्कृतिक रिपोर्टिंग; विद्यापति उत्सव सँ बनैत अछि।

394. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

- [illegible]

- 324

- 325

- [illegible]

- 327

- 328

- 329

- 331

७३६. (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षा — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ लैंगिक अध्ययन; शिक्षाक आधार पर ग्रहणीय अछि।
७३७. (A) लैंगिक अध्ययन; शिक्षाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
७३८. (A) गद्यक रूप लैंगिक अध्ययन; शिक्षा केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
७३९. (A) उत्तरकेँ लैंगिक अध्ययन; शिक्षा धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
७४०. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस सँ जोड़ैत अछि।
७४१. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
७४२. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस — सुरक्षित पठन स्रोत-सार लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस धरि सीमित रहैत अछि।
७४३. (A) शीर्षक लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
७४४. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस सँ बनैत अछि।
७४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
७४६. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रसक आधार पर ग्रहणीय अछि।
७४७. (A) लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रसक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
७४८. (A) गद्यक रूप लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
७४९. (A) उत्तरकेँ लोक ठसक; व्यंग्य; हास्य रस धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
७५०. (A) भाषा-प्रेम — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ भाषा-प्रेम सँ जोड़ैत अछि।
७५१. (A) भाषा-प्रेम — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
७५२. (A) भाषा-प्रेम — सुरक्षित पठन स्रोत-सार भाषा-प्रेम धरि सीमित रहैत अछि।
७५३. (A) शीर्षक भाषा-प्रेम दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
७५४. (A) भाषा-प्रेम — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल भाषा-प्रेम सँ बनैत अछि।
७५५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
७५६. (A) भाषा-प्रेम — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ भाषा-प्रेमक आधार पर ग्रहणीय अछि।
७५७. (A) भाषा-प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
७५८. (A) गद्यक रूप भाषा-प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
७५९. (A) उत्तरकेँ भाषा-प्रेम धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
७६०. (A) साहित्यिक संवाद — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ साहित्यिक संवाद सँ जोड़ैत अछि।
७६१. (A) साहित्यिक संवाद — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
७६२. (A) साहित्यिक संवाद — सुरक्षित पठन स्रोत-सार साहित्यिक संवाद धरि सीमित रहैत अछि।
७६३. (A) शीर्षक साहित्यिक संवाद दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
७६४. (A) साहित्यिक संवाद — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल साहित्यिक संवाद सँ बनैत अछि।
७६५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
७६६. (A) साहित्यिक संवाद — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ साहित्यिक संवादक आधार पर ग्रहणीय अछि।
७६७. (A) साहित्यिक संवादक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
७६८. (A) गद्यक रूप साहित्यिक संवाद केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
७६९. (A) उत्तरकेँ साहित्यिक संवाद धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
७७०. (A) साहित्यिक सेमिनार — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ साहित्यिक सेमिनार सँ जोड़ैत अछि।
७७१. (A) साहित्यिक सेमिनार — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

- 333

- [illegible]

११६. (A) आत्मालोचना — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ आत्मालोचनाक आधार पर ग्रहणीय अछि।
११७. (A) आत्मालोचनाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
११८. (A) गद्यक रूप आत्मालोचना केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
११९. (A) उत्तरकेँ आत्मालोचना धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१२०. (A) बाल/नव पीढ़ी — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ बाल/नव पीढ़ी सँ जोड़ैत अछि।
१२१. (A) बाल/नव पीढ़ी — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१२२. (A) बाल/नव पीढ़ी — सुरक्षित पठन स्रोत-सार बाल/नव पीढ़ी धरि सीमित रहैत अछि।
१२३. (A) शीर्षक बाल/नव पीढ़ी दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१२४. (A) बाल/नव पीढ़ी — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बाल/नव पीढ़ी सँ बनैत अछि।
१२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१२६. (A) बाल/नव पीढ़ी — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बाल/नव पीढ़ीक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१२७. (A) बाल/नव पीढ़ीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१२८. (A) गद्यक रूप बाल/नव पीढ़ी केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१२९. (A) उत्तरकेँ बाल/नव पीढ़ी धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१३०. (A) मिथिला गौरव — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ मिथिला गौरव सँ जोड़ैत अछि।
१३१. (A) मिथिला गौरव — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१३२. (A) मिथिला गौरव — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मिथिला गौरव धरि सीमित रहैत अछि।
१३३. (A) शीर्षक मिथिला गौरव दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३४. (A) मिथिला गौरव — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मिथिला गौरव सँ बनैत अछि।
१३५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३६. (A) मिथिला गौरव — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मिथिला गौरवक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३७. (A) मिथिला गौरवक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१३८. (A) गद्यक रूप मिथिला गौरव केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३९. (A) उत्तरकेँ मिथिला गौरव धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४०. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन सँ जोड़ैत अछि।
१४१. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४२. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन — सुरक्षित पठन स्रोत-सार वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन धरि सीमित रहैत अछि।
१४३. (A) शीर्षक वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४४. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन सँ बनैत अछि।
१४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४६. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शनक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४७. (A) वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१४८. (A) गद्यक रूप वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४९. (A) उत्तरकेँ वैज्ञानिक चेतना; विश्व-दर्शन धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१५०. (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार सँ जोड़ैत अछि।
१५१. (A) व्यंग्य; पारिवारिक; शृंगार — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

- 338

१०६०. (A) प्रकृति-दर्शन — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रकृति-दर्शन सँ जोड़ैत अछि।
१०६१. (A) प्रकृति-दर्शन — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१०६२. (A) प्रकृति-दर्शन — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रकृति-दर्शन धरि सीमित रहैत अछि।
१०६३. (A) शीर्षक प्रकृति-दर्शन दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१०६४. (A) प्रकृति-दर्शन — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रकृति-दर्शन सँ बनैत अछि।
१०६५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१०६६. (A) प्रकृति-दर्शन — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रकृति-दर्शनक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१०६७. (A) प्रकृति-दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१०६८. (A) पद्यक रूप प्रकृति-दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१०६९. (A) उत्तरकेँ प्रकृति-दर्शन धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१०७०. (A) मातृभाषा प्रेम — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ मातृभाषा प्रेम सँ जोड़ैत अछि।
१०७१. (A) मातृभाषा प्रेम — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१०७२. (A) मातृभाषा प्रेम — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मातृभाषा प्रेम धरि सीमित रहैत अछि।
१०७३. (A) शीर्षक मातृभाषा प्रेम दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१०७४. (A) मातृभाषा प्रेम — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मातृभाषा प्रेम सँ बनैत अछि।
१०७५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१०७६. (A) मातृभाषा प्रेम — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मातृभाषा प्रेमक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१०७७. (A) मातृभाषा प्रेमक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१०७८. (A) पद्यक रूप मातृभाषा प्रेम केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१०७९. (A) उत्तरकेँ मातृभाषा प्रेम धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१०८०. (A) दार्शनिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ दार्शनिक सँ जोड़ैत अछि।
१०८१. (A) दार्शनिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१०८२. (A) दार्शनिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दार्शनिक धरि सीमित रहैत अछि।
१०८३. (A) शीर्षक दार्शनिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१०८४. (A) दार्शनिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दार्शनिक सँ बनैत अछि।
१०८५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१०८६. (A) दार्शनिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दार्शनिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१०८७. (A) दार्शनिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१०८८. (A) पद्यक रूप दार्शनिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१०८९. (A) उत्तरकेँ दार्शनिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१०९०. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव सँ जोड़ैत अछि।
१०९१. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१०९२. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव — सुरक्षित पठन स्रोत-सार मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव धरि सीमित रहैत अछि।
१०९३. (A) शीर्षक मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१०९४. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव सँ बनैत अछि।
१०९५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१०९६. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभावक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१०९७. (A) मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभावक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१०९८. (A) पद्यक रूप मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१०९९. (A) उत्तरकेँ मुस्लिम मैथिल स्वर; उर्दू प्रभाव धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
११००. (A) होली परम्परा; लोक स्वर — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ होली परम्परा; लोक स्वर सँ जोड़ैत अछि।
११०१. (A) होली परम्परा; लोक स्वर — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
११०२. (A) होली परम्परा; लोक स्वर — सुरक्षित पठन स्रोत-सार होली परम्परा; लोक स्वर धरि सीमित रहैत अछि।
११०३. (A) शीर्षक होली परम्परा; लोक स्वर दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
११०४. (A) होली परम्परा; लोक स्वर — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल होली परम्परा; लोक स्वर सँ बनैत अछि।
११०५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
११०६. (A) होली परम्परा; लोक स्वर — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ होली परम्परा; लोक स्वरक आधार पर ग्रहणीय अछि।
११०७. (A) होली परम्परा; लोक स्वरक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
११०८. (A) पद्यक रूप होली परम्परा; लोक स्वर केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
११०९. (A) उत्तरकेँ होली परम्परा; लोक स्वर धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१११०. (A) प्रेम कविता — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रेम कविता सँ जोड़ैत अछि।
११११. (A) प्रेम कविता — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१११२. (A) प्रेम कविता — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम कविता धरि सीमित रहैत अछि।
१११३. (A) शीर्षक प्रेम कविता दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१११४. (A) प्रेम कविता — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम कविता सँ बनैत अछि।
१११५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१११६. (A) प्रेम कविता — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम कविताक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१११७. (A) प्रेम कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१११८. (A) पद्यक रूप प्रेम कविता केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१११९. (A) उत्तरकेँ प्रेम कविता धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
११२०. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रयोगधर्मी; सामाजिक सँ जोड़ैत अछि।
११२१. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
११२२. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रयोगधर्मी; सामाजिक धरि सीमित रहैत अछि।
११२३. (A) शीर्षक प्रयोगधर्मी; सामाजिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
११२४. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रयोगधर्मी; सामाजिक सँ बनैत अछि।
११२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
११२६. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रयोगधर्मी; सामाजिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।
११२७. (A) प्रयोगधर्मी; सामाजिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
११२८. (A) पद्यक रूप प्रयोगधर्मी; सामाजिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
११२९. (A) उत्तरकेँ प्रयोगधर्मी; सामाजिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
११३०. (A) नारी सशक्तिकरण — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ नारी सशक्तिकरण सँ जोड़ैत अछि।
११३१. (A) नारी सशक्तिकरण — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

- 343

- 344

१३१२. (A) प्रतीकात्मक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रतीकात्मक धरि सीमित रहैत अछि।
१३१३. (A) शीर्षक प्रतीकात्मक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३१४. (A) प्रतीकात्मक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रतीकात्मक सँ बनैत अछि।
१३१५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३१६. (A) प्रतीकात्मक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रतीकात्मकक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३१७. (A) प्रतीकात्मकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१३१८. (A) पद्यक रूप प्रतीकात्मक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३१९. (A) उत्तरकेँ प्रतीकात्मक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१३२०. (A) शृंगार; वियोग — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ शृंगार; वियोग सँ जोड़ैत अछि।
१३२१. (A) शृंगार; वियोग — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१३२२. (A) शृंगार; वियोग — सुरक्षित पठन स्रोत-सार शृंगार; वियोग धरि सीमित रहैत अछि।
१३२३. (A) शीर्षक शृंगार; वियोग दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३२४. (A) शृंगार; वियोग — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल शृंगार; वियोग सँ बनैत अछि।
१३२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३२६. (A) शृंगार; वियोग — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ शृंगार; वियोगक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३२७. (A) शृंगार; वियोगक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१३२८. (A) पद्यक रूप शृंगार; वियोग केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३२९. (A) उत्तरकेँ शृंगार; वियोग धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१३३०. (A) राजनीतिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ राजनीतिक सँ जोड़ैत अछि।
१३३१. (A) राजनीतिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१३३२. (A) राजनीतिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार राजनीतिक धरि सीमित रहैत अछि।
१३३३. (A) शीर्षक राजनीतिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३३४. (A) राजनीतिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल राजनीतिक सँ बनैत अछि।
१३३५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३३६. (A) राजनीतिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ राजनीतिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३३७. (A) राजनीतिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।
१३३८. (A) पद्यक रूप राजनीतिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३३९. (A) उत्तरकेँ राजनीतिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१३४०. (A) सामाजिक इतिहास — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ सामाजिक इतिहास सँ जोड़ैत अछि।
१३४१. (A) सामाजिक इतिहास — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१३४२. (A) सामाजिक इतिहास — सुरक्षित पठन स्रोत-सार सामाजिक इतिहास धरि सीमित रहैत अछि।
१३४३. (A) शीर्षक सामाजिक इतिहास दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३४४. (A) सामाजिक इतिहास — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल सामाजिक इतिहास सँ बनैत अछि।
१३४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३४६. (A) सामाजिक इतिहास — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ सामाजिक इतिहासक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३४७. (A) सामाजिक इतिहासक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्त्वपूर्ण अछि।

१३८४. (A) बाल मनोविज्ञान — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल बाल मनोविज्ञान सँ बनैत अछि।
१३८५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३८६. (A) बाल मनोविज्ञान — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ बाल मनोविज्ञानक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३८७. (A) बाल मनोविज्ञानक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१३८८. (A) पद्यक रूप बाल मनोविज्ञान केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३८९. (A) उत्तरकेँ बाल मनोविज्ञान धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१३९०. (A) शृंगार — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ शृंगार सँ जोड़ैत अछि।
१३९१. (A) शृंगार — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१३९२. (A) शृंगार — सुरक्षित पठन स्रोत-सार शृंगार धरि सीमित रहैत अछि।
१३९३. (A) शीर्षक शृंगार दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१३९४. (A) शृंगार — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल शृंगार सँ बनैत अछि।
१३९५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१३९६. (A) शृंगार — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ शृंगारक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१३९७. (A) शृंगारक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१३९८. (A) पद्यक रूप शृंगार केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१३९९. (A) उत्तरकेँ शृंगार धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४००. (A) प्रेम कविता — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रेम कविता सँ जोड़ैत अछि।
१४०१. (A) प्रेम कविता — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४०२. (A) प्रेम कविता — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम कविता धरि सीमित रहैत अछि।
१४०३. (A) शीर्षक प्रेम कविता दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४०४. (A) प्रेम कविता — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम कविता सँ बनैत अछि।
१४०५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४०६. (A) प्रेम कविता — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम कविताक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४०७. (A) प्रेम कविताक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४०८. (A) पद्यक रूप प्रेम कविता केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४०९. (A) उत्तरकेँ प्रेम कविता धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४१०. (A) हाइकू-सम — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ हाइकू-सम सँ जोड़ैत अछि।
१४११. (A) हाइकू-सम — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४१२. (A) हाइकू-सम — सुरक्षित पठन स्रोत-सार हाइकू-सम धरि सीमित रहैत अछि।
१४१३. (A) शीर्षक हाइकू-सम दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४१४. (A) हाइकू-सम — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल हाइकू-सम सँ बनैत अछि।
१४१५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४१६. (A) हाइकू-सम — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ हाइकू-समक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४१७. (A) हाइकू-समक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४१८. (A) पद्यक रूप हाइकू-सम केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४१९. (A) उत्तरकेँ हाइकू-सम धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

१४२०. (A) जापानी शैली — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ जापानी शैली सँ जोड़ैत अछि।
१४२१. (A) जापानी शैली — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४२२. (A) जापानी शैली — सुरक्षित पठन स्रोत-सार जापानी शैली धरि सीमित रहैत अछि।
१४२३. (A) शीर्षक जापानी शैली दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४२४. (A) जापानी शैली — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल जापानी शैली सँ बनैत अछि।
१४२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४२६. (A) जापानी शैली — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ जापानी शैलीक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४२७. (A) जापानी शैलीक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४२८. (A) पद्यक रूप जापानी शैली केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४२९. (A) उत्तरकेँ जापानी शैली धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४३०. (A) शिक्षा दर्शन — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ शिक्षा दर्शन सँ जोड़ैत अछि।
१४३१. (A) शिक्षा दर्शन — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४३२. (A) शिक्षा दर्शन — सुरक्षित पठन स्रोत-सार शिक्षा दर्शन धरि सीमित रहैत अछि।
१४३३. (A) शीर्षक शिक्षा दर्शन दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४३४. (A) शिक्षा दर्शन — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल शिक्षा दर्शन सँ बनैत अछि।
१४३५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४३६. (A) शिक्षा दर्शन — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ शिक्षा दर्शनक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४३७. (A) शिक्षा दर्शनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४३८. (A) पद्यक रूप शिक्षा दर्शन केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४३९. (A) उत्तरकेँ शिक्षा दर्शन धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४४०. (A) ग्रामीण जीवन — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ ग्रामीण जीवन सँ जोड़ैत अछि।
१४४१. (A) ग्रामीण जीवन — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४४२. (A) ग्रामीण जीवन — सुरक्षित पठन स्रोत-सार ग्रामीण जीवन धरि सीमित रहैत अछि।
१४४३. (A) शीर्षक ग्रामीण जीवन दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४४४. (A) ग्रामीण जीवन — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल ग्रामीण जीवन सँ बनैत अछि।
१४४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४४६. (A) ग्रामीण जीवन — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ ग्रामीण जीवनक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४४७. (A) ग्रामीण जीवनक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४४८. (A) पद्यक रूप ग्रामीण जीवन केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४४९. (A) उत्तरकेँ ग्रामीण जीवन धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४५०. (A) वात्सल्य — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ वात्सल्य सँ जोड़ैत अछि।
१४५१. (A) वात्सल्य — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४५२. (A) वात्सल्य — सुरक्षित पठन स्रोत-सार वात्सल्य धरि सीमित रहैत अछि।
१४५३. (A) शीर्षक वात्सल्य दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४५४. (A) वात्सल्य — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल वात्सल्य सँ बनैत अछि।
१४५५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।

१४५६. (A) वात्सल्य — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ वात्सल्यक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४५७. (A) वात्सल्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४५८. (A) पद्यक रूप वात्सल्य केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४५९. (A) उत्तरकेँ वात्सल्य धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४६०. (A) समसामयिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ समसामयिक सँ जोड़ैत अछि।
१४६१. (A) समसामयिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४६२. (A) समसामयिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार समसामयिक धरि सीमित रहैत अछि।
१४६३. (A) शीर्षक समसामयिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४६४. (A) समसामयिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल समसामयिक सँ बनैत अछि।
१४६५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४६६. (A) समसामयिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ समसामयिकक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४६७. (A) समसामयिकक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४६८. (A) पद्यक रूप समसामयिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४६९. (A) उत्तरकेँ समसामयिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४७०. (A) ग्रामीण; वात्सल्य — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ ग्रामीण; वात्सल्य सँ जोड़ैत अछि।
१४७१. (A) ग्रामीण; वात्सल्य — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४७२. (A) ग्रामीण; वात्सल्य — सुरक्षित पठन स्रोत-सार ग्रामीण; वात्सल्य धरि सीमित रहैत अछि।
१४७३. (A) शीर्षक ग्रामीण; वात्सल्य दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४७४. (A) ग्रामीण; वात्सल्य — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल ग्रामीण; वात्सल्य सँ बनैत अछि।
१४७५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४७६. (A) ग्रामीण; वात्सल्य — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ ग्रामीण; वात्सल्यक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४७७. (A) ग्रामीण; वात्सल्यक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४७८. (A) पद्यक रूप ग्रामीण; वात्सल्य केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४७९. (A) उत्तरकेँ ग्रामीण; वात्सल्य धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४८०. (A) प्रकृति-चित्रण — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रकृति-चित्रण सँ जोड़ैत अछि।
१४८१. (A) प्रकृति-चित्रण — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१४८२. (A) प्रकृति-चित्रण — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रकृति-चित्रण धरि सीमित रहैत अछि।
१४८३. (A) शीर्षक प्रकृति-चित्रण दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४८४. (A) प्रकृति-चित्रण — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रकृति-चित्रण सँ बनैत अछि।
१४८५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४८६. (A) प्रकृति-चित्रण — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रकृति-चित्रणक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४८७. (A) प्रकृति-चित्रणक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४८८. (A) पद्यक रूप प्रकृति-चित्रण केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४८९. (A) उत्तरकेँ प्रकृति-चित्रण धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१४९०. (A) प्रेम; दार्शनिक — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रेम; दार्शनिक सँ जोड़ैत अछि।
१४९१. (A) प्रेम; दार्शनिक — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।

१४९२. (A) प्रेम; दार्शनिक — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम; दार्शनिक धरि सीमित रहैत अछि।
१४९३. (A) शीर्षक प्रेम; दार्शनिक दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१४९४. (A) प्रेम; दार्शनिक — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम; दार्शनिक सँ बनैत अछि।
१४९५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१४९६. (A) प्रेम; दार्शनिक — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम; दार्शनिक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१४९७. (A) प्रेम; दार्शनिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१४९८. (A) पद्यक रूप प्रेम; दार्शनिक केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१४९९. (A) उत्तरकेँ प्रेम; दार्शनिक धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१५००. (A) प्रेम; वियोग — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रेम; वियोग सँ जोड़ैत अछि।
१५०१. (A) प्रेम; वियोग — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१५०२. (A) प्रेम; वियोग — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम; वियोग धरि सीमित रहैत अछि।
१५०३. (A) शीर्षक प्रेम; वियोग दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१५०४. (A) प्रेम; वियोग — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम; वियोग सँ बनैत अछि।
१५०५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१५०६. (A) प्रेम; वियोग — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम; वियोगक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१५०७. (A) प्रेम; वियोग भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१५०८. (A) पद्यक रूप प्रेम; वियोग केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१५०९. (A) उत्तरकेँ प्रेम; वियोग धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१५१०. (A) प्रेम; स्मृति — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ प्रेम; स्मृति सँ जोड़ैत अछि।
१५११. (A) प्रेम; स्मृति — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१५१२. (A) प्रेम; स्मृति — सुरक्षित पठन स्रोत-सार प्रेम; स्मृति धरि सीमित रहैत अछि।
१५१३. (A) शीर्षक प्रेम; स्मृति दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१५१४. (A) प्रेम; स्मृति — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल प्रेम; स्मृति सँ बनैत अछि।
१५१५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१५१६. (A) प्रेम; स्मृति — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ प्रेम; स्मृतिक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१५१७. (A) प्रेम; स्मृतिक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१५१८. (A) पद्यक रूप प्रेम; स्मृति केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१५१९. (A) उत्तरकेँ प्रेम; स्मृति धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१५२०. (A) शृंगार; कोहबर परम्परा — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ शृंगार; कोहबर परम्परा सँ जोड़ैत अछि।
१५२१. (A) शृंगार; कोहबर परम्परा — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१५२२. (A) शृंगार; कोहबर परम्परा — सुरक्षित पठन स्रोत-सार शृंगार; कोहबर परम्परा धरि सीमित रहैत अछि।
१५२३. (A) शीर्षक शृंगार; कोहबर परम्परा दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१५२४. (A) शृंगार; कोहबर परम्परा — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल शृंगार; कोहबर परम्परा सँ बनैत अछि।
१५२५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१५२६. (A) शृंगार; कोहबर परम्परा — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ शृंगार; कोहबर परम्पराक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१५२७. (A) शृंगार; कोहबर परम्पराक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।

- [illegible]

- [illegible]

- 356

१६३६. (A) दृश्य कला — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दृश्य कलाक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१६३७. (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१६३८. (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१६३९. (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१६४०. (A) दृश्य कला — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ दृश्य कला सँ जोड़ैत अछि।
१६४१. (A) दृश्य कला — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१६४२. (A) दृश्य कला — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दृश्य कला धरि सीमित रहैत अछि।
१६४३. (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१६४४. (A) दृश्य कला — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दृश्य कला सँ बनैत अछि।
१६४५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१६४६. (A) दृश्य कला — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दृश्य कलाक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१६४७. (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१६४८. (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१६४९. (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।
१६५०. (A) दृश्य कला — स्रोत-सूत्र एहि खण्ड केँ दृश्य कला सँ जोड़ैत अछि।
१६५१. (A) दृश्य कला — एहि प्रश्नमे उत्तर स्रोतमे देल विषय-सूत्र पर आधारित अछि।
१६५२. (A) दृश्य कला — सुरक्षित पठन स्रोत-सार दृश्य कला धरि सीमित रहैत अछि।
१६५३. (A) शीर्षक दृश्य कला दिस संकेत करैत अछि — शीर्षक आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्र सँ पुष्ट होइत अछि।
१६५४. (A) दृश्य कला — एहि खण्डक भाव-दिशा स्रोतमे देल दृश्य कला सँ बनैत अछि।
१६५५. (A) स्रोत-सारसँ बाहर अप्रमाणित घटना जोड़ब — एहि quiz मे स्रोत-बाह्य दावा स्वीकार नहि कयल गेल।
१६५६. (A) दृश्य कला — सामाजिक-सांस्कृतिक अर्थ दृश्य कलाक आधार पर ग्रहणीय अछि।
१६५७. (A) दृश्य कलाक भीतरक अर्थ-संरचना पर ध्यान देब — दोसरा चरणक खननमे अर्थ-संरचना महत्वपूर्ण अछि।
१६५८. (A) दृश्यक रूप दृश्य कला केँ स्पष्ट करैत अछि — रूप आ कथ्यक सम्बन्ध स्रोत-सूत्रक आधार पर देखल गेल अछि।
१६५९. (A) उत्तरकेँ दृश्य कला धरि सीमित राखब — विश्वसनीय उत्तर स्रोत-सारक सीमा मे रहैत अछि।

अध्याय ३ : विदेह-सदेह ३७ — विस्तृत अध्ययन

खण्ड ३० : विदेह-सदेह ३७ — तेलुगु उपन्यास 'सदा लेल मित्र' (त्रि-भाषिक अनुवाद-शृंखला)

१. 'सदा लेल मित्र' क मूल तेलुगु उपन्यासक नाम की?
(A) जिगरी
(B) सदा लेल मित्र
(C) फ्रेण्ड्स फॉरिवर
(D) कोनो नहि
२. 'जिगरी' क तेलुगु लेखक के छथि?
(A) पेद्दिति अशोक कुमार
(B) गजेन्द्र ठाकुर
(C) पी. जयलक्ष्मी
(D) कोनो नहि
३. 'जिगरी' क तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवादक नाम की?
(A) फ्रेण्ड्स फॉरिवर
(B) सदा लेल मित्र
(C) कोनो नहि
(D) जिगरी-२
४. 'फ्रेण्ड्स फॉरिवर' क तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवाद के केलनि?
(A) पी. जयलक्ष्मी
(B) गजेन्द्र ठाकुर
(C) पेद्दिति अशोक कुमार
(D) कोनो नहि
५. 'फ्रेण्ड्स फॉरिवर' क अंग्रेजीसँ मैथिली अनुवाद के केलनि?
(A) गजेन्द्र ठाकुर
(B) पी. जयलक्ष्मी
(C) पेद्दिति अशोक कुमार
(D) कोनो नहि
६. पेद्दिति अशोक कुमारक जन्म कतय भेल?
(A) आंध्र प्रदेशक करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाम
(B) दिल्ली
(C) मिथिला
(D) कोनो नहि
७. 'एदरि मंटालु' उपन्यास कोन विषयपर आधारित पहिल तेलुगु उपन्यास मानल जाइत अछि?
(A) खाड़ी देशमे श्रमिक पलायन
(B) कृषि
(C) शिक्षा
(D) कोनो नहि
८. पेद्दिति अशोक कुमारकेँ कोन पुरस्कार भेटल, कहानी संग्रह 'मायी मुंठा' लेल?
(A) आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार (२०१०)
(B) साहित्य अकादमी (दिल्ली)
(C) भारत रत्न
(D) कोनो नहि

९. पी. जयलक्ष्मी कतयक प्राध्यापिका छलीह?

- (A) निजाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- (B) दिल्ली विश्वविद्यालय
- (C) JNU
- (D) कोनो नहि

१०. 'सदा लेल मित्र' उपन्यास के समर्पित अछि?

- (A) डॉ. नलिमेला भास्कर (बहुभाषी व्यक्तित्व)
- (B) गजेन्द्र ठाकुर
- (C) प्रीति ठाकुर
- (D) कोनो नहि

११. उपन्यासक विषय-वस्तु कोन समुदायक संघर्षपर आधारित अछि?

- (A) भालु-नचबा बला (कलन्दर) समुदाय
- (B) किसान समुदाय
- (C) मछुआरा समुदाय
- (D) कोनो नहि

१२. उपन्यासमे चित्रित समुदायक आजीविका कोन सरकारी कानूनसँ खतरामे पड़ल?

- (A) जीविका लेल पशु-प्रशिक्षण-प्रदर्शनक विरुद्ध कानून
- (B) कृषि-कानून
- (C) श्रम-कानून
- (D) कोनो नहि

१३. अनुवादकक निवेदन अनुसार 'जिगरी' उपन्यास कोना अनुवादककें हाथ लागल?

- (A) एकटा साझा मित्रक माध्यमसँ वेबजीनसँ डाउनलोड कएल प्रति
- (B) प्रत्यक्ष किताबसँ
- (C) विदेहक माँगपर
- (D) कोनो नहि

१४. अनुवादक अनुसार अनुवादक मुख्य चुनौती की छल?

- (A) आदिवासी अनुभवकें अन्य भाषामे अनूदित करब
- (B) भाषा सीखब
- (C) समय-अभाव
- (D) कोनो नहि

१५. विदेह-सदेह ३७ सन त्रि-भाषिक अनुवाद-शृंखला (तेलुगु → अंग्रेजी → मैथिली) की देखबैत अछि?

- (A) विदेहक अनुवाद-कार्यक गहराइ आ बहु-स्तरीय भाषिक सेतु-निर्माण
- (B) सीमित प्रयास
- (C) निरर्थकता
- (D) रोक

खण्ड १५ : विदेह-सदेह ३७ — सदा लेल मित्र: लेखक-परिचय आ अनुवादकक निवेदन (विस्तार)

१६. 'सदा लेल मित्र' कोन मूल तेलुगु उपन्यासक मैथिली रूप अछि?

- (A) जिगरी
- (B) एदरि मंटालु
- (C) संचारि
- (D) दादी

१७. 'जिगरी'क लेखक पेद्दिति अशोक कुमारक जन्म कतय भेल छल?

- (A) आंध्र प्रदेशक करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाममे
- (B) हैदराबादक निजाम कॉलेज परिसरमे
- (C) तेलंगानाक वारंगल नगरमे
- (D) दिल्लीक दरियागंजमे

१८. पेद्दिति अशोक कुमार पेशासँ कोन काज करैत छथि?

- (A) गणित पढ़बैत शिक्षक
- (B) केवल प्रकाशक
- (C) रेडियो समाचार-वाचक
- (D) मंच अभिनेता

१९. पेद्दिति अशोक कुमारक पहिल कहानीक नाम की छल?

- (A) आशा निराशा आशा
- (B) सदा लेल मित्र
- (C) फार्मलैंड फ्रेग्नेन्स
- (D) द लिटिल वन्स

२०. लेखकक पहिल उपन्यास 'एदरि मंडालु' कोन विषयसँ जुड़ल मानल गेल अछि?

- (A) खाड़ी देश सभमे श्रमिक पलायन
- (B) केवल राजदरबारक कथा
- (C) अण्टार्कटिक अभियान
- (D) मैथिली वर्तनी-नियम

२१. 'फ्रेण्ड्स फॉरवर' / 'जिगरी' २००६ मे कोन प्रतियोगितामे पुरस्कार जीतने छल?

- (A) अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशनक उपन्यास प्रतियोगिता
- (B) साहित्य अकादेमीक कविता प्रतियोगिता
- (C) मैथिली नाटक उत्सव
- (D) दक्षिण ध्रुव अभियान लेखन

२२. पेद्दिति अशोक कुमारक 'मायी मुंठा' लेल २०१० मे कोन सम्मानक उल्लेख अछि?

- (A) आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार
- (B) नोबेल पुरस्कार
- (C) विदेह भाषा सम्मान
- (D) नेपाल अकादमी पुरस्कार

२३. पी. जयलक्ष्मी कोन संस्थाक अंग्रेजी विभागसँ सेवानिवृत्त भेल छथि?

- (A) निजाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय
- (B) पटना विश्वविद्यालय
- (C) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
- (D) दरभंगा आकाशवाणी

२४. 'सदा लेल मित्र' केकरा समर्पित अछि?

- (A) बहुभाषी व्यक्तित्व डॉ. नलिमेला भास्करकै
- (B) रामजीपेटाक विद्यालयकै
- (C) एल्लव्वाकै
- (D) चन्द्रैयाकै

२५. अंग्रेजी अनुवादक निवेदनमे 'जिगरी'क केन्द्रीय कथा केकर रूपमे चिन्हित अछि?

- (A) इमाम आ शादुलक दुखद कथा
- (B) केवल चाँदक खेतीक कथा
- (C) राजदरबारक हास्य कथा
- (D) अण्टार्कटिक यात्राक संस्मरण

खण्ड १६ : विदेह-सदेह ३७ — अनुवाद-दृष्टि, कलन्दर समुदाय आ भाषा-संस्कृति

२६. अनुवादक निवेदनमे 'जिगरी'क व्यापक विषय की कहल गेल अछि?

- (A) मनुष्य आ पशु, जाति-समुदायक राजनीति आ सीमांत इतिहासक गाथा
- (B) केवल प्रेम-पत्रक संकलन
- (C) फसल उत्पादनक कृषि-रिपोर्ट
- (D) विद्यालयी गणितक पाठ

२७. उपन्यासमे कलन्दर समुदायक मुख्य संकट कोन रूपमे उभरैत अछि?

- (A) भालु-नचबै वाला समुदाय केर आजीविका आ मिझाइत जातीय अस्मिता
- (B) दरबारी पदक अभाव
- (C) अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकक कमी
- (D) संगीत-वाद्यक मूल्य-वृद्धि

२८. सरकारी कानून परिवारक संघर्षकेँ कोना तीव्र बनबैत अछि?

- (A) जीविका लेल पशु पकड़ब, प्रशिक्षित करब आ देखाएब निषिद्ध कऽ देल जाइत अछि
- (B) विद्यालय बन्द कऽ देल जाइत अछि
- (C) उपन्यास प्रकाशन रोकि देल जाइत अछि
- (D) खीर बनबापर रोक लगैत अछि

२९. 'फ्रेण्ड्स फॉरएवर' / 'सदा लेल मित्र'क अभिलेखीय महत्व की अछि?

- (A) सीमांत समुदाय केर सामाजिक इतिहास आ सांस्कृतिक स्मृतिकें बचाएब
- (B) केवल प्रकाशकक विज्ञापन देब
- (C) मात्र शब्दकोश बनएब
- (D) कौआपर वैज्ञानिक लेख लिखब

३०. अनुवादक कोन-कोन लोक-प्रदर्शन समुदाय सभक लुप्त होएबाक चर्चा करैत छथि?

- (A) बानर-नाच, साँप-खेल, कठपुतली-नाच आ गांगिरेड्डु
- (B) केवल वैदिक यज्ञ
- (C) केवल दरबारी नाटक
- (D) केवल रेडियो-गीत

३१. अनुवादमे 'स्थानीयता' कोन माध्यमसँ उभरैत अछि?

- (A) भावना, विश्वास, रीति-रिवाज, क्षेत्र-विशिष्ट उर्दू बोली आ दैनिक कहबी सँ
- (B) मात्र छपाईक कागज सँ
- (C) पृष्ठ-संख्या सँ
- (D) केवल ISBN सँ

३२. अनुवादक 'क्षेत्रीयता'क प्रसंगमे कोन बातक उल्लेख करैत छथि?

- (A) पाबनि-तिहार आ पारम्परिक आदिवासी चिकित्साक सन्दर्भ
- (B) केवल रेल-समय-सारिणी
- (C) शहरक होटल-सूची
- (D) पुस्तकालयक सदस्यता

३३. अनुवादक अनुसार सफल अनुवादक मूल लक्ष्य की होयबाक चाही?

- (A) स्रोत भाषाक अभिव्यक्ति आ लक्ष्य भाषाक अभिव्यक्तिक विवेकपूर्ण मिश्रण
- (B) स्रोत संस्कृतिक रंग हटाएब
- (C) केवल शब्दशः रूपान्तरण
- (D) सब नाम बदलि देब

३४. मूल तेलुगु उपन्यास कोन भाषिक रूपमे लिखल गेल छल?

- (A) तेलंगाना क्षेत्रक मण्डलिका आ क्षेत्र-विशिष्ट उर्दूक मिश्रित संसारमे
- (B) शुद्ध संस्कृत गद्य मात्र
- (C) मात्र अंग्रेजी संवादमे
- (D) केवल फारसी छन्दमे

३५. अनुवादमे शब्दावली/ग्लॉसरी किएक जोड़ल गेल?

- (A) संस्कृति-विशिष्ट शब्द, वृक्ष, जड़ी-बूटी, कहबी आ सामाजिक सन्दर्भ स्पष्ट करबाक लेल
- (B) लेखकक फोटो राखबाक लेल
- (C) मात्र मूल्य-सूची देबाक लेल
- (D) पृष्ठ-गणना बढ़ेबाक लेल

खण्ड १७ : विदेह-सदेह ३७ — सदा लेल मित्र: परिवार, शादुल आ आरम्भिक वातावरण

३६. उपन्यासक आरम्भमे इमाम आ शादुलक अनुपस्थिति के कोना व्यक्त कएल गेल अछि?

- (A) सूर्योदय-सूर्यास्त, दिन-रात बीतल, मुदा दुनूक कोनो संकेत नहि
- (B) मेला शुरू भेल आ समाप्त भेल
- (C) विद्यालयक घंटी बाजल
- (D) रेडियो प्रसारण रुकि गेल

३७. बीबम्मा आ चाँद चूल्हिक सोझाँ बैसि की बनबैत गप्प करैत छथि?

- (A) भोजन/खीर बनबैत इमाम आ शादुलक प्रतीक्षा
- (B) नाटकक मंच-सज्जा
- (C) उपन्यासक छपाई
- (D) विद्यापतिक पदावली

३८. शादुलक अनुपस्थितिमे चाँदक भाव-स्थिति कोना अछि?

- (A) ओ प्रसन्न सेहो अछि मुदा भीतर-भीतर डेरायल सेहो
- (B) ओ पूर्ण उदासीन अछि
- (C) ओ उत्सवमे गेल अछि
- (D) ओ शादुलकें बिसरि गेल अछि

३९. पहिने शादुलक पीड़ा पर परिवारक प्रतिक्रिया कोना छल?

- (A) काँट, भूख वा जड़ भेला पर सभक मन-देह व्याकुल भऽ उठैत छल
- (B) ओकरा तुरन्ते बाहर कऽ देल जाइत छल
- (C) परिवार हँसैत छल
- (D) कियो ध्यान नहि दैत छल

४०. शादुल वस्तुतः के छल?

- (A) एकटा सुस्त भालु/बोनहा जानवर जे परिवारमे पोसल गेल
- (B) एकटा गामक कुकुर
- (C) इमामक मानव पुत्र
- (D) एकटा घोड़ा

४१. गामक लोक इमामके सामान्यतः कोन नामसे चिन्हैत छल?

- (A) पक्कीर वा पक्कीर साहब
- (B) चन्द्रैया पटेल
- (C) मण्डल अधिकारी
- (D) नरसिंग राव

४२. इमाम आ शादुलक जंजीरक बिम्ब की देखबैत अछि?

- (A) इमाम आगू चलैत आ शादुल जंजीरक दोसर छोर मुँहमे दबौने पाछाँ चलैत
- (B) शादुल अकेले भागि जाइत
- (C) बीबम्मा जंजीर तोड़ैत
- (D) चाँद जंजीर बेचैत

४३. शादुल इमामक स्वर सेँ की बुझि लैत छल?

- (A) स्थितिक अंदाजा आ क्रोध/संकट
- (B) मौसमक पूर्वानुमान मात्र
- (C) फसलक मूल्य
- (D) रेल टिकट

४४. इमाम प्रेमसेँ शादुलकेँ की कहैत छलाह?

- (A) बेवकूफ
- (B) राजा साहब
- (C) अण्टार्कटिका
- (D) मण्डलिका

४५. चाँद मशाल देखबैत शादुलकेँ चिढ़बैत तखन इमाम की करैत छलाह?

- (A) चाँदकेँ डाँटि शादुलकेँ अपन पास खींचि अङ्कवार भरि लैत
- (B) शादुलकेँ बेचि दैत
- (C) मशाल बढ़ा दैत
- (D) घर छोड़ि दैत

खण्ड १८ : विदेह-सदेह ३७ — स्नेह, भोजन आ परिवारक बीस बखक साथ

४६. इमामक दृष्टिमे शादुल परिवारमे कोन स्थान रखैत छल?

- (A) बड़का पुत्र जकाँ
- (B) केवल बोझ
- (C) अजनबी पशु
- (D) दूरक पाहुन

४७. चाँद शादुलकेँ अपन जीवनमे कोना देखैत छल?

- (A) सहोदर भाई आ दोसर पिता जकाँ
- (B) केवल दुश्मन जकाँ
- (C) व्यापारी जकाँ
- (D) पुरोहित जकाँ

४८. बीबम्माक दृष्टिमे शादुल परिवारकेँ की देने छल?

- (A) मात्र घरमे इजोत नहि, जीवन सेहो
- (B) केवल गंदगी
- (C) केवल डर
- (D) मात्र कर्ज

४९. शादुलक प्रतिदिनक भोजनक मुख्य व्यवस्था कोना होइत छल?

- (A) भिजायल मकई सिङ्गि दूधमे मिलायल लपसी
- (B) केवल सूखल पात
- (C) मात्र माछ-भात
- (D) केवल चाय

५०. बीबम्मा सप्ताहमे एक दिन शादुलकेँ जाजीक रस किएक दैत छलीह?

- (A) पेट आ पाचन ठीक रहय, एहि विश्वाससँ
- (B) ओकरा नाच सिखेबाक लेल
- (C) चाँदकेँ डरबेबाक लेल
- (D) जंजीर चमकाएब लेल

५१. शादुल आ परिवारक साथ कतेक समयक बताओल गेल अछि?

- (A) लगभग बीस बर्ख
- (B) केवल दू दिन
- (C) छह मास मात्र
- (D) एक सप्ताह

५२. शादुलक बोलि नहि सकबाक बावजूद ओकर परिवारमे की स्थिति छल?

- (A) ओ परिवारक अभिन्न अङ्ग छल
- (B) ओ बाहरी पशु मात्र रहल
- (C) ओकरा सभ बिसरि गेल
- (D) ओ सदिखन जङ्गलमे रहल

५३. बीबम्मा शादुलक वृद्धावस्था पर की आशंका व्यक्त करैत छलीह?

- (A) दू-तीन सालमे बीमार पड़त आ सेवा-सुश्रूषा करय पड़त
- (B) ओ तुरन्ते राजा बनत
- (C) ओ खेत खरीदत
- (D) ओ पढ़य विदेश जाएत

५४. इमाम शादुलक भविष्यक विषयमे चाँदकेँ की कहैत छलाह?

- (A) ओ हमर मृत्युक बादो तोरा सहारा देत
- (B) ओ आजुक बाद नहि देखाइत
- (C) ओ केवल एक खेलौना अछि
- (D) ओ विद्यालयमे पढ़त

५५. परिवारक चारू सदस्य जाइक रातिमे कोना रहैत छलाह?

- (A) आगिक चारू कात संगे बैसैत, मुदा शादुल आगिसँ डरि दूर हटैत
- (B) सब अलग-अलग नगर चलि जाइत
- (C) शादुलकेँ बाहर छोड़ि दैत
- (D) चाँद जंगलमे भेजि दैत

खण्ड १९ : विदेह-सदेह ३७ — शादुलक अनुपस्थिति, दू एकड़ जमीन आ नव जीवनक स्वप्न

५६. कथा केर वर्तमान क्षणमे शादुलक अनुपस्थिति परिवारक वातावरणकेँ कोना बदलि दैत अछि?

- (A) चूल्हि पहिने शादुल लेल जरैत छल, आब परिवारक लेल जरैत अछि
- (B) घर तुरन्ते उजड़ि जाइत अछि
- (C) इमाम उत्सव करैत छथि
- (D) चाँद जंगल भागि जाइत अछि

५७. बीबम्मा चाँद लेल कोन मिठाई बना रहल छलीह?

- (A) दूध, चीनी आ सेवइक खीर
- (B) ताड़ीक पेय
- (C) भातक ढेपा
- (D) जाजीक रस

५८. बीबम्मा इमामक देरीकेँ कोना बुझैत छलीह?

- (A) जँ सौदा नहि भेल होइत तँ ओ वापस आबि गेल रहितथि; देरी सौदा पक्का होएबाक संकेत
- (B) इमाम उत्सवमे अटकि गेलाह
- (C) इमाम बीमार छथि
- (D) इमाम किताब खरीदय गेलाह

५९. मण्डल राजस्व अधिकारीक शर्त की छल?

- (A) भालु पुनः एतय नहि देखल जाय
- (B) खीर नहि बने
- (C) चाँद गाम छोड़ि दे
- (D) इमाम नाटक लिखय

६०. दू एकड़ जमीन पाबि चाँद कोन योजना बनबैत अछि?

- (A) खेती, खोपड़ी आ कुक्कुट पालन
- (B) केवल शहरमे नोकरी
- (C) अण्टार्कटिक यात्रा
- (D) साहित्य अकादेमी कार्यालय

६१. शादुलक बिदाइ मानि घर साफ करबाक दौरान की-की हटाओल गेल?

- (A) हुक, लकड़ीक ठूँठ, बिछौन, पानिक कुण्ड, बर्तन आ चमड़ाक चादरि
- (B) घरक छत आ देवाल
- (C) सभ पुस्तक
- (D) माएक साड़ी

६२. साफ-सफाईक बाद एकचारीकेँ कोना तैयार कएल गेल?

- (A) लाल माटिसँ नीपि देल गेल
- (B) काला रंगसँ पोति देल गेल
- (C) पूरी तरह तोड़ि देल गेल
- (D) केवल पानि छीटल गेल

६३. चाँद घरक साफ-सुथरापन देखिकऽ शादुलक समयक बारेमे की कहैत अछि?

- (A) शादुल रहैत घर कहियो एतेक साफ नहि देखाइत छल
- (B) शादुल रहैत घर महल छल
- (C) शादुल सफाई करैत छल
- (D) घर सदिखन खाली छल

६४. बीबम्माक पुरान इच्छा कोना बदलि जाइत अछि?

- (A) पहिने चाहैत छलीह पुत्र पिता जकाँ भालु लऽ चलय; आब ओहि जीवनक विचारसँ घृणा होइत छनि
- (B) पहिने खेती चाहैत छलीह, आब घुमन्तु जीवन
- (C) पहिने नगर चाहैत छलीह, आब जंगल
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

६५. इमामक सम्भावित वापसीक सम्बन्धमे बीबम्माक मनमे कोन डर नुकायल अछि?

- (A) की ओ भालुकें संग वापस त नहि अनताह?
- (B) की ओ खीर नहि खेबाह?
- (C) की ओ पुस्तक नहि आनताह?
- (D) की ओ पानि नहि पिबाह?

खण्ड १०० : विदेह-सदेह ३७ — वापसी, दुर्गन्ध, क्रोध आ निर्णायक टकराव

६६. इमामक वापसीक आहटि चाँदक इंद्रिय-विश्वमे कोना प्रवेश करैत अछि?

- (A) मिठासक गन्धक बीच मल-मूत्रक तीव्र दुर्गन्ध आ पदचापसँ
- (B) नगाड़ाक धुनसँ
- (C) रेडियोक घोषणासँ
- (D) कपोतक संदेशसँ

६७. चाँद इमामक वापसी देखि कोन निष्कर्ष पर पहुँचैत अछि?

- (A) पिता शादुलकें फेर वापस लऽ कऽ आबि रहल छथि
- (B) जमीनक कागज आयल
- (C) मण्डल अधिकारी संग छथि
- (D) इमाम अकेले लौटलाह

६८. घर लग पहुँचि इमामक व्यवहार कोना अछि?

- (A) ओ स्वागत नहि होएबाक बात जानैत हठपूर्वक सोझाँ ठाढ़ भऽ जाइत छथि
- (B) ओ लुका जाइत छथि
- (C) ओ शादुलकें तुरन्ते छोड़ि दैत छथि
- (D) ओ नाच शुरू करैत छथि

६९. शादुल एकचारीक भीतर पहुँचय चाहैत तखन इमाम की करैत छथि?

- (A) रस्सा सँ खींचि ओकरा रोकि दैत छथि
- (B) ओकरा स्वतन्त्र छोड़ि दैत छथि
- (C) ओकरा चाँद लग दऽ दैत छथि
- (D) ओकरा बेचि दैत छथि

७०. चाँदक क्रोधक मूल कारण की अछि?

- (A) शादुलक वापसीसँ दू एकड़ जमीन आ नव जीवनक स्वप्न टूटबाक डर
- (B) खीरमे चीनी कम पड़ब
- (C) मौसम बदलि जाएब
- (D) पुस्तक नहि भेटब

७१. चाँद शादुलसँ मुक्ति लेल कोन कठोर उपाय प्रस्तावित करैत अछि?

- (A) गहीर खाधि खुनि जियते वा मारि गाड़ि देब
- (B) शादुलकें विद्यालय पठाएब
- (C) ओकरा राजमहलमे राखब
- (D) केवल ओकरा नहबाएब

७२. चाँदक योजना सुनि इमामक पहिल प्रतिक्रिया की अछि?

- (A) 'की... जखन ओ जीवित अछि?'—आश्चर्य आ भय
- (B) 'बहुत नीक'—सहमति
- (C) मौन उत्सव
- (D) हास्य

७३. ओहि राति एकचारीमे अन्हार किएक पसरल छल?

- (A) चाँद साँझमे बिजलीक तार खाम्ह पर फेकब बिसरि गेल छल
- (B) सूर्यग्रहण छल
- (C) दीपावली समाप्त भेल
- (D) इमाम दीप बुता देने छलाह

७४. चाँद इमामकेँ कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) रस्तामे अएलहुँ तँ शादुल नहि, अहाँकेँ काटि गाड़ि देब
- (B) खीर नहि खाएब
- (C) गाम छोड़ि देब
- (D) कथा नहि सुनब

७५. बीबम्मा एस.आई.क सन्दर्भ किएक आनैत छथि?

- (A) झूठ पकड़ा गेल तँ पुलिसक कठोर दण्डक भय देखेबाक लेल
- (B) इमामकेँ सम्मान देबाक लेल
- (C) चाँदक विवाह तय करबाक लेल
- (D) शादुलकेँ पुरस्कार देबाक लेल

खण्ड १०१ : विदेह-सदेह ३७ — दया, स्मृति आ शादुलक भूख

७६. चाँद खाधि खुनैत रहैत अछि, तखन इमाम शादुल लेल की करैत छथि?

- (A) किछु सिझल भात प्लेटमे लय कऽ ओकरा सोझाँ राखैत छथि
- (B) ओकरा मारैत छथि
- (C) ओकरा पानि मे धकेलैत छथि
- (D) ओकरा बाजार पठबैत छथि

७७. बीस बर्खमे शादुल सामान्यतः कोन भोजन नहि खयने छल?

- (A) भात
- (B) मकड़
- (C) दूधक लपसी
- (D) जाजीक रस

७८. शादुलक नियमित भोजनक प्रबन्ध चाँद कोना करैत छल?

- (A) कामारेड्डीसँ मकड़ आ ज्वार किनि पिसबैत, दूध संग लपसी बनबैत
- (B) केवल पत्ते चुनैत
- (C) दूध नहि दैत
- (D) मात्र बाजारक मिठाई दैत

७९. चाँद इमामक भोजन-कटौतीक सुझावक उत्तर कोना दैत छल?

- (A) हम मनुष्य छी, आशा पर जी सकैत छी; ओकरा भोजनक अतिरिक्त की अछि?
- (B) शादुलकेँ अब भोजन नहि चाही
- (C) दू एकड़ जमीन काफी अछि
- (D) भोजन केवल अतिथि लेल अछि

८०. परिवारक कठिन दिनमे सेहो शादुलक भोजन सम्बन्धी की बात कहल गेल अछि?

- (A) कइएक दिन परिवार भूखल रहल, मुदा शादुलकेँ दूध खियाओल गेल
- (B) शादुल भूखल रहल, परिवार भोज करलक
- (C) सभ समान रूपसँ खीर खाएल
- (D) कियो ध्यान नहि देलक

८१. चाँदक गैतीक ध्वनि इमामकेँ कोना लगैत अछि?

- (A) हृदय पर गहीर प्रहार जकाँ
- (B) बाँसुरीक मधुर धुन जकाँ
- (C) बरखा-पानी जकाँ
- (D) विद्यालयक घंटी जकाँ

८२. इमाम बीबम्मासँ शादुलक पक्षमे कोन तर्क रखैत छथि?

- (A) ओ बीस बख धरि सेवा आ देखभाल कएने अछि; की ओकरा जियते गाड़ि देब?
- (B) ओ जमीन खरीदत
- (C) ओ पढ़ल-लिखल अछि
- (D) ओ पुलिसक अधिकारी अछि

८३. बीबम्मा इमामसँ मुख्य प्रश्न कोन पूछैत छथि?

- (A) तूँ जमीन चाहैत छह की नहि, हमरा सुख सँ रहय देबह की नहि?
- (B) तूँ खीर खेबे की नहि?
- (C) तूँ जंगल जयबे की नहि?
- (D) तूँ किताब लिखबे की नहि?

८४. बीबम्मा चाँदक पक्षमे की व्यावहारिक तर्क दैत छथि?

- (A) जँ एहि समय जमीन नहि लेल, बादमे शादुल रहने कियो नहि देत
- (B) भालु खेती करत
- (C) खीर सँ जमीन भेटत
- (D) एस.आई. खेत जोतत

८५. बीबम्माक बात सुनि इमाम की बुझि जाइत छथि?

- (A) हुनकर मन आ निर्णय स्पष्ट अछि
- (B) ओ शादुलकेँ बचेबाक लेल तैयार छथि
- (C) ओ गाम छोड़ि चुकलीह
- (D) ओ चाँदकेँ रोकि देलीह

खण्ड १०२ : विदेह-सदेह ३७ — चाँदनी राति, स्मृति आ शादुलक पकड़ाएब

८६. चाँदनी राति इमामक स्मृति किएक जगा दैत अछि?

- (A) ओ शादुलकेँ गाम लय जाएबाक लेल एहन चाँदनी राति चुनैत छलाह
- (B) ओ सदिखन अमावस चुनैत छलाह
- (C) ओ चाँदनीसँ डरैत छलाह
- (D) ओ रातिमे कखनो नहि निकलैत छलाह

८७. इमामकेँ शादुलक बच्चा रूप कोन समय भेटल छल?

- (A) बीस बख पहिने एहनहि चाँदनी रातिमे, जखन ओ छह मास सँ कनी बेसीक छल
- (B) इमामक बुढ़ापे मे
- (C) कामारेड्डी बाजारमे
- (D) मण्डल कार्यालयमे

८८. चन्द्रैया इमामकेँ किएक बजबैत अछि?

- (A) ओकर बादामक फसल पर भालु हमला कऽ रहल छल
- (B) ओ उपन्यास छपबाबय चाहैत छल
- (C) ओ विवाहक न्योता देबय आयल छल
- (D) ओ पुलिसक आदेश अनलक

८९. चन्द्रैयाक सूचना इमाम लेल आकर्षक किएक बनैत अछि?

- (A) ओ कहैत अछि जे भालुक संग बच्चा अछि, जकरा पकड़ि प्रशिक्षित कऽ जीविका बनि सकैत अछि
- (B) ओ जमीन मुफ्त देत
- (C) ओ खीर देत
- (D) ओ किताब लिखत

९०. इमाम पहिल राति जङ्गलमे की देखैत अछि?

- (A) एक मादा आ एक नर भालु, मुदा बच्चा नहि
- (B) चाँद अकेले
- (C) एस.आई.
- (D) कुक्कुट फार्म

९१. इमाम अपन शरीर पर इप्पाक फूल सँ बनल देशी शराब किएक लगौने छल?

- (A) मानवीय गन्ध झाँपि सुरक्षा लेल
- (B) सुगन्धि लेल
- (C) बीबम्माकेँ प्रभावित करबाक लेल
- (D) मधु पियाबय लेल

९२. भालु सभक सम्बन्ध देखि इमाम कोन विचार करैत अछि?

- (A) मनुष्य सभक बीच अनुपस्थित अनुशासन बोनहा भालु सभमे भेटैत अछि
- (B) भालु सभ खेती करैत अछि
- (C) भालु सभ किताब लिखैत अछि
- (D) भालु सभ पुलिस चलबैत अछि

९३. दोसर संकेतक बाद इमाम फेर जङ्गल जाएत अछि, तखन बच्चा कोना देखाइत अछि?

- (A) माता संग नवजात शिशु जकाँ खेलाइत आ इप्पाक फूल खाइत
- (B) पूर्ण वयस्क नर भालु जकाँ
- (C) मृत शावक जकाँ
- (D) मानव बालक जकाँ

९४. तेसर दिन इमाम शावक पकड़बाक लेल की-की लय कऽ गेलाह?

- (A) दू जाल, बाँसक पिंजरा, आ बीबम्माक संग आगिक तैयारी
- (B) केवल पुस्तक
- (C) एकटा रेडियो
- (D) मात्र दूधक गिलास

९५. शावक जालमे फँसलाक बाद माता भालु सँ बचबाक निर्णायक उपाय की भेल?

- (A) बीबम्मा ताड़क पातमे आगि जरौलनि
- (B) चाँद खीर बनौलनि
- (C) इमाम गीत गाबय लगलाह
- (D) माता भालु अपने भागि गेल

खण्ड १०३ : विदेह-सदेह ३७ — शावक सँ शादुल: बीबम्माक पालन आ उपचार

९६. पकड़ायल बच्चाकेँ बेहोश करबाक लेल इमाम-बीबम्मा की करैत छथि?

- (A) जालक भीतर देशी शराब ओकर मुँहमे उड़ेलि देल जाइत अछि
- (B) ओकरा खीर पियाओल जाइत अछि
- (C) ओकरा गीत सुनाओल जाइत अछि
- (D) ओकरा नदीमे छोड़ि देल जाइत अछि

९७. माता भालुक निगरानीक कारणेँ इमाम-बीबम्मा शावककेँ तुरते किएक नहि हटबैत?

- (A) माता गन्ध पकड़ि पीछा कऽ हमला कऽ सकैत छल
- (B) पिंजरा बहुत हलुक छल
- (C) बच्चा घर पहुँचि गेल छल
- (D) चाँद मना कएलक

९८. रसूलक भालुक घटना बीबम्माक स्मृतिमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) ओ भालुक मृत्यु देखि बीबम्मा आर कोनो भालुक मृत्यु आँखिसँ नहि देखबाक संकल्प लेने छलीह
- (B) ओ भालु खेत देलक
- (C) ओ भालु पुरस्कार जीतलक
- (D) ओ भालु डॉक्टर छल

९९. शादुल बीमार भेलाक बाद बीबम्मा ओकरा कोना देखैत छलीह?

- (A) अपन पुत्रक समान
- (B) केवल वन्य पशु
- (C) इमामक बोझ
- (D) गामक शत्रु

१००. बीबम्मा शादुलकेँ फकीर लग कोना लऽ गेलीह?

- (A) एक कान्ह पर चाँद, दोसर पर शादुल लऽ वर्षामे पएरे
- (B) बसमे आरामसँ
- (C) घोड़ागाड़ीमे
- (D) इमामक संग पालकीमे

१०१. फकीर शादुलकेँ देखि पहिने की कहैत अछि?

- (A) ई औखध मात्र मनुष्यक बच्चा लेल काज करत
- (B) ई भालु राजा बनत
- (C) ई खेत जोतत
- (D) ई मेला जीतत

१०२. एल्लव्वाक प्रसंगमे शादुल की करैत अछि?

- (A) मुँह खोललापर ओ एल्लव्वा पर कूदि पड़ैत अछि
- (B) ओ शान्ति सँ पूजा करैत अछि
- (C) ओ खीर खाइत अछि
- (D) ओ गीत गाबैत अछि

१०३. डॉक्टर लग गेलापर बीबम्मा कोन सीख पबैत छलीह?

- (A) शादुलक मुँहक पट्टा फेर लगाबय पड़त
- (B) शादुलकेँ भात मात्र देब
- (C) चाँदकेँ शहर पठेब
- (D) इमामकेँ छोड़ेब

१०४. पशु-चिकित्सकक औखध लेल बीबम्मा की कएलनि?

- (A) दस दिन लगातार खेत-मजदूरी कऽ टका जुटौलनि
- (B) इमामसँ जोर-जबरदस्ती कएलनि
- (C) गाम छोड़ि देलनि
- (D) शादुलकेँ बेचि देलनि

१०५. एक बर्खक उपचार-पोषणक बाद शादुलमे कोन परिवर्तन आएल?

- (A) रोइयाँ उगि आएल, बोनहा स्वभाव घटल, मानुसक भोजन आ भाषा बुझय लागल
- (B) ओ तुरते जंगल भागि गेल
- (C) ओ मादा भालु बनि गेल
- (D) ओ बीमारहि रहल

खण्ड १०४ : विदेह-सदेह ३७ — प्रशिक्षण, खेल-तरकीब आ जीविकाक नाट्य

१०६. शादुल कोमल बनलाक बाद इमामक अगिला लक्ष्य की भेल?

- (A) लोकक मनोरंजन लेल ओकरा खेल-तरकीब सिखाएब
- (B) ओकरा खेतमे हल जोताएब
- (C) ओकरा विद्यालय पठाएब
- (D) ओकरा अण्टार्कटिका पठाएब

१०७. 'ठाढ़ हो' आदेश पर शादुल की सीखि गेल?

- (A) पाछाँक पएर पर सोझ ठाढ़ होएब
- (B) उड़ि जाएब
- (C) कथा लिखब
- (D) खीर पकाएब

१०८. बीबम्मा इमामक प्रशिक्षण-विधि सँ किएक नाराज होइत छलीह?

- (A) शादुलकेँ लाठी सँ थुथुन पर मारि-मारि सिखाओल जाइत छल
- (B) इमाम ओकरा बेसी खीर दैत छलाह
- (C) इमाम ओकरा विद्यालय पठबैत छलाह
- (D) शादुल घर साफ करैत छल

१०९. इमाम मारिक बचावमे कोन कहबी-जेकाँ तर्क दैत छलाह?

- (A) पाथर सेहो मूर्ति बनबाक लेल चोट खाइत अछि
- (B) दूध सँ पत्थर पिघलैत अछि
- (C) खीर सँ खेत बनैत अछि
- (D) जंजीर सँ फूल फूटैत अछि

११०. घरपर प्रशिक्षण कठिन भेलाक कारण इमाम शादुलकेँ कतय लय गेलाह?

- (A) एकचारी सँ दूर गाछक नीचाँ आन ठाम
- (B) मण्डल कार्यालय
- (C) निजाम कॉलेज
- (D) अण्टार्कटिक केन्द्र

१११. 'चल' आ 'पकड़ू' आदेशसँ शादुल की-की करब सीखल?

- (A) दू पएर पर चलब आ फेंकल लाठी पकड़ब
- (B) माछ पकड़ब
- (C) अंग्रेजी पढ़ब
- (D) हल जोतब

११२. मन्त्रायल ताबीज थुकब सिखेबाक पहिले इमाम कोन तीत वस्तु सभ देलनि?

- (A) नीम आ धातरीम
- (B) दूध आ सेवइ
- (C) इलायची आ चीनी
- (D) मकड़ आ ज्वार

११३. अन्ततः मन्त्रायल ताबीज फेकब सिखेबामे कोन वस्तु कारगर भेल?

- (A) हरियर मेरचाइ
- (B) जाजीक रस
- (C) खीर
- (D) सुखायल ताड़क पात

११४. लोकक सोझाँ इमाम शादुलक खेल कोना शुरू करबैत छलाह?

- (A) 'सभ लोककेँ सलाम करह' कहि शादुलकेँ पाछाँक पएर पर ठाढ़ करबैत
- (B) पहिने चाँदकेँ गाबय कहैत
- (C) पहिने एस.आई.केँ बजबैत
- (D) पहिने खीर बाँटैत

११५. परिवारमे शादुलक दूर रूप कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) चाँद संग बच्चा, बीबम्मा लग शिशु, मुदा इमाम पाछाँ जीविकाक जिम्मेदार साथी
- (B) सदिखन दुश्मन
- (C) केवल जङ्गलक पशु
- (D) केवल खेतक मजदूर

खण्ड १०५ : विदेह-सदेह ३७ — पहिल सार्वजनिक खेल, कुकुरक भय आ शादुलक हेराएब

११६. शादुलक प्रशिक्षण समाप्त भेलाक बाद इमाम पहिल बेर ओकरा संग कोन उद्देश्यसँ बाहर निकललाह?

- (A) लोकक मनोरंजन करैत भीख/जीविका जुटेबाक लेल
- (B) ओकरा तुरते जङ्गल छोड़ि देबाक लेल
- (C) एमआरओ कार्यालयमे प्रमाणपत्र लेबाक लेल
- (D) चाँदक बियाहक निमन्त्रण बाँटबाक लेल

११७. प्रदर्शन शुरू करबा लेल इमाम सामान्यतः शादुलकेँ कोन आदेश दैत छलाह?

- (A) सभ लोककेँ सलाम करह
- (B) चुपचाप सुतल रह
- (C) धानक बोरा उठा
- (D) मकड़क बालि सिझा

११८. दर्शकक लिंग-संरचना अनुसार इमाम शादुल सँ खेल कोना बदलैत छलाह?

- (A) महिला बेसी रहला पर पुरुषक खेल, पुरुष बेसी रहला पर महिलाक खेल करबैत
- (B) सदिखन एक्के खेल दोहरबैत
- (C) केवल बच्चा लेल खेल रोकि दैत
- (D) दर्शककेँ बिना खेलै विदा करैत

११९. पहिल बाहरी प्रदर्शन लेल निकलैत इमाम शादुलकेँ कोना सज्ज कएलनि?

- (A) थुथुन पर पट्टा, कण्ठमे रस्सा, हाथमे मन्त्रायल ताबीज
- (B) केवल फूलक माला
- (C) मात्र माटिक बासन
- (D) विद्यालयी पोशाक

१२०. गलीमे डेग रखते शादुलक सोझाँ पहिल संकट की बनल?

- (A) गलीक कुकुर सभ ओकरा पर भुकेत पीछा करय लागल
- (B) अचानक वर्षा शुरू भऽ गेल
- (C) सरपञ्च खेल रोकि देलक
- (D) बाजार बन्द भऽ गेल

१२१. कुरुरक हललक सडड शलदुलक वुवहलर कुनल छल?

- (A) स्कूल जलडत डकुवल जकल वलरुध करैत आ रसुसल खलँकैत
- (B) डूरुण डुरशलकुषलत सैनुलक जकल सुथलर
- (C) दशुकक डीक नलरुडड नलकैत
- (D) इडलडकैँ छुडल डुरे कलल गेल

१२२. शलदुलक कणुठक रसुसल टूटलल डर की डेल?

- (A) ओ डलथरक डेर डर कुडल गलडसँ डलहर डलगल गेल
- (B) ओ तुरतुते खलधलडे खसल
- (C) ओ इडलडक कुओ डलडल देलक
- (D) ओ डुनकडर डैसल गेल

१२३. शलदुल डलगल गेललक डलद इडलड कुन-कुन ठलड खुओलनल?

- (A) झलँखुड, जङुगल, खेत, डरती जडलन आ सुखलडल नललल
- (B) केवल डकुओलडत करुडललड
- (C) केवल वलदुडललड
- (D) केवल नदीक घलट

१२ॡ. शलदुलक हेरलडलक रलतल डरलवलरक डलव-दशल कुनल रहल?

- (A) तीनु गओे जङुगलडे अललल लुग डैसल शलदुलक आललओ सुनलक आसडे रहल
- (B) सड डुओ कऱ आरलडसँ सुतल
- (C) कलँद उतुसलडे गेल
- (D) डीडडुडल खेल देखड लुगलीह

१२ॣ. शलदुल नलल डेतलल डर डीडडुडल इडलड डर कुन डुरकलरक आरुड लुगुलनल?

- (A) कुकुर सडसँ ओकर रकुषल नलल कऱ ओकर डुरलण संकटडे देलक
- (B) ओकरल डैसी डकड खलडलडलक
- (C) ओकरल डडलडड नलल देलक
- (D) ओकरल सलँड डकडड डठलडलक

खणुड १०ॡ : वलदेह-सदेह ३ॡ — खुओ, इनलरसँ उडुललर आ डरलवलरक ओवलकल-सुडुतल

१२ॡ. शलदुलक ठलड डतलडड लेल कलसन इडलडसँ की शरुत रखलक?

- (A) डसल कटनीडे ँक सडुतलह सलललतल
- (B) ँकटल सुनलक डलली
- (C) डललुक खेल डुडुतडे
- (D) डणुडल करुडललडडे सलडलरलश

१२ॢ. कलसनक शरुत सुनल इडलड कुन वकन देलनल?

- (A) ँक सडुतलह नलल, दस डलन धरल सलललतल करड
- (B) कललुओ नलल करड
- (C) डलतुर तलडीओ देड
- (D) शलदुल छुडल देड

१२ॣ. डुरलन इनलरडे शलदुल कुनल डेतल?

- (A) घन वनसुडतलक डीक डणुडल जकल सुतल, दुडुल आ डुखल
- (B) नलकैत आ सललल करैत
- (C) कलसनक घरडे डनुडलल
- (D) गलडक कलकडर डुरदशुन करैत

१२९. इमामक पुकार पर शादुलक प्रतिक्रिया की छल?

- (A) ओ भागल नहि, आस्ते-आस्ते कुहरैत इमाम दिस आएल
- (B) ओ फेर जङ्गल भागि गेल
- (C) ओ किसान पर हमला कएलक
- (D) ओ चुपचाप मरि गेल

१३०. शादुलकें घर अनला पर तुरत्ते की कएल गेल?

- (A) मुँहक जाबी हटाएल गेल आ मकड़क बालि खियाओल गेल
- (B) ओकरा बेचि देल गेल
- (C) ओकरा तुरत्ते खेल देखाबय लऽ गेल
- (D) ओकरा पुलिस स्टेशन पठाओल गेल

१३१. शादुलक पूर्ण स्वस्थता लेल परिवार कोन व्यवस्था कएलक?

- (A) कटनीक वचन निभेलक, मकड़ जमा कएलक आ दूधक आपूर्ति जुटौलक
- (B) केवल ताबीज बेचलक
- (C) ओकरा निर्जन छोड़ि देलक
- (D) एमआरओ सँ अनुदान लेलक

१३२. पाँच बर्खक शादुल बीमार पड़ला पर झोराछाप डॉक्टर कोन वस्तु माँगल?

- (A) नागिनक केंचुली
- (B) सोनाक बाली
- (C) धानक बोरा
- (D) कलेक्टरक पत्र

१३३. अकालक समय शादुलक खेल परिवार लेल कोना सहायक भेल?

- (A) खेल देखाकऽ चाउर-धान आ चवन्नी-अठन्नी जुटैत रहल
- (B) ओ परिवारकें गामसँ भगा देलक
- (C) ओ खेत जोतय लागल
- (D) ओ अधिकारी बनि गेल

१३४. बतुकम्मा नृत्यक सन्दर्भमे लोक शादुलसँ की आशा रखैत छल?

- (A) भालुक नृत्य वर्षा आनत
- (B) भालु कानून बदलत
- (C) भालु जमीनक पट्टा लिखत
- (D) भालु गामक मुखिया बनत

१३५. शादुलक अइला सँ पहिने आ बाद परिवारक जीवनमे मूल अन्तर की भेल?

- (A) पहिने भूखक कष्ट छल, बादमे खेल आ ताबीजसँ भोजन-जीविका जुटल
- (B) पहिने धनवान छल, बादमे निर्धन भेल
- (C) पहिने किसान छल, बादमे भिखारी बनल
- (D) कोनो परिवर्तन नहि भेल

खण्ड १०७ : विदेह-सदेह ३७ — खाधि, दफन-योजना आ चाँद-शादुल संघर्ष

१३६. वर्तमान दृश्यमे चाँद अंगनाक खाधिसँ बाहर निकलि पिताकें किएक अस्थिर करैत अछि?

- (A) ओ शादुलकें हटएबाक/दफन करबाक तैयारीमे छल
- (B) ओ खेतमे सिंचाई करि रहल छल
- (C) ओ नाटकक मंच बना रहल छल
- (D) ओ मकड़ रोपि रहल छल

१३७. चाँद शादुलकें खाधि दिस घिसियाबैत काल कोन महत्त्वपूर्ण बात सभक ध्यानसँ छूटि गेल?

- (A) इमाम भोजनक समय शादुलक मुँहक जाबी खोलि देने छलाह
- (B) शादुल भूखल नहि छल
- (C) खाधि बहुत कम गहीर छल
- (D) बीबम्मा ओतय नहि छलीह

१३८. चाँदक मनमे खाधि लग ठाढ़ शादुलक प्रति कोन परिवर्तन देखाइत अछि?

- (A) बाल्यकालक साथी नहि, मात्र बोनहा जानवर जकाँ देखय लागल
- (B) ओकरा गुरु मानय लागल
- (C) ओकरा पुनः भाई कहय लागल
- (D) ओकरा खेतक मालिक बनबय चाहल

१३९. शादुलकें खाधिमे धकेलबाक चाँदक पहिल प्रयास किएक असफल भेल?

- (A) शादुल एकहि छलाँगमे खाधिक दोसर कात उतरि गेल
- (B) खाधि तुरते भरि गेल
- (C) बीबम्मा ओकरा उठा लेलनि
- (D) इमाम खाधि बन्द कऽ देलनि

१४०. इमाम चाँदकें रोकबाक लेल कोन करुण पुकार करैत छथि?

- (A) नक्कोरे... नक्कोरे
- (B) सुरु करू... सुरु करू
- (C) सलाम करह
- (D) धान काटू

१४१. बीबम्माक व्यवहार एहि संघर्षमे कोना देखाइत अछि?

- (A) ओ चाँदकें सावधान कहैत शादुलकें कुशलता सँ धकेलबाक उकसाबैत छथि
- (B) ओ तुरते शादुलकें मुक्त करैत छथि
- (C) ओ घर छोड़ि चली जाइत छथि
- (D) ओ पुलिसकें बजबैत छथि

१४२. चाँद शादुलक पीठ पर रस्सासँ प्रहार किएक करय लागल?

- (A) धक्का असफल भेला पर ओकर धैर्य टूटि गेल आ क्रोध उग्र भेल
- (B) ओ खेलक अभ्यास करा रहल छल
- (C) ओ शादुलकें सलाम सिखा रहल छल
- (D) ओ ओकरा दूध पियाबय चाहैत छल

१४३. चाँद द्वारा इमामकें 'ओहि शैतानकें मारू' कहबाक अर्थ की अछि?

- (A) ओ पिता सँ शादुलक हत्या/समाप्ति लेल निर्णायक आदेश चाहैत अछि
- (B) ओ नाटकक संवाद बोलैत अछि
- (C) ओ शादुलकें इनाम देबय कहैत अछि
- (D) ओ ताबीज बेचबाक पुकार करैत अछि

१४४. बीबम्मा आ चाँदक दबावक बीच इमामक मूल मानसिक स्थिति की रहल?

- (A) डर, घृणा, असमर्थता आ शादुल लेल करुणा सँ टूटल
- (B) पूर्ण उत्साह आ कठोरता
- (C) सिर्फ लोभ
- (D) पूर्ण उदासीनता

१४५. खाधिक प्रसंग कथामे की प्रतीकात्मक बनैत अछि?

- (A) जीविका-संबंध तोड़ि स्मृति आ स्नेहकें माटि देबाक हिंसक योजना
- (B) खेतीक नव आरम्भ मात्र
- (C) जल-संरक्षणक योजना
- (D) विद्यालयक खेल मैदान

खण्ड १०८ : विदेह-सदेह ३७ — हमला, दू गुट आ नैतिक बहस

१४६. चाँद पर शादुलक पहिल झपट्टा कोन परिस्थिति मे भेल?

- (A) चाँद ओकरा खाधिमे धकेलबाक हिंसक प्रयास करैत छल
- (B) चाँद ओकरा दूध पियाबैत छल
- (C) चाँद ओकरा मेला लऽ जा रहल छल
- (D) चाँद ओकरा सलाम सिखा रहल छल

१४७. इमामक 'शादुल' पुकार सुनि भालुक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ आज्ञाकारी जकाँ चाँदकें छोड़ि देलक
- (B) ओ और क्रुद्ध भऽ गेल
- (C) ओ जंगल भागि गेल
- (D) ओ इमाम पर हमला कएलक

१४८. चाँद पुनः लाठी उठा कऽ शादुलकें मारय लगला पर शादुल कोना प्रतिक्रिया देलक?

- (A) पीड़ामे इमामक चारू कात दौड़ि बचाव ताकल
- (B) पूर्ण चुप्पी सँ मार सहलक
- (C) घरक भीतर छिपि गेल
- (D) बीबम्माकें काटि लेलक

१४९. इमामकें लाठी लागलाक बाद शादुलक विद्रोह कोना बदलि गेल?

- (A) ओ पितृ-स्नेहक रक्षाक क्रोधमे चाँद पर तेज हमला कएलक
- (B) ओ तुरन्ते सुतल
- (C) ओ भोजन खोजय गेल
- (D) ओ ताबीज थुकय लागल

१५०. इमाम समय पर 'नक्कोरे' नहि चिकरितथि तँ शादुल चाँदकें की कऽ सकैत छल?

- (A) गंभीर प्राणघातक क्षति पहुँचा सकैत छल
- (B) केवल सलाम करैत
- (C) धान ढेर पर नाचैत
- (D) खेल देखबैत

१५१. हमला-पछात दृश्यक 'दू गुट' कोना बनल?

- (A) एक दिस बीबम्मा-चाँद, दोसर दिस इमाम-शादुल
- (B) एक दिस गाम, दोसर दिस शहर
- (C) एक दिस एमआरओ, दोसर दिस एसआई
- (D) एक दिस किसान, दोसर दिस सरपञ्च

१५२. चाँद रस्सा लऽ गाछ दिस किएक बढ़ल?

- (A) आत्महत्या करबाक धमकी/प्रयाससँ दबाव बनबय लेल
- (B) शादुलकें खेल सिखाबय लेल
- (C) गाछमे झूला बाँधय लेल
- (D) धानक बोरा कसय लेल

१५३. बीबम्मा चाँदक रस्सा-प्रयास पर इमामकें कोना प्रतिक्रिया दैत छथि?

- (A) इमामकें कोसैत चाँदकें पकड़बाक लेल चिचियाबैत छथि
- (B) पूर्ण शान्त रहैत छथि
- (C) शादुलक पक्ष लैत छथि
- (D) मण्डल कार्यालय चलि जाइत छथि

१५४. इमाम बीबम्मापर कोन नैतिक आरोप लगबैत छथि?

- (A) दू एकड़ जमीन लेल दूध पिआ कऽ पोसल स्नेह बिसरि गेलीह
- (B) ओ भालुक खेल नीक नहि सिखौलनि
- (C) ओ ताबीज कम दाममे बेचलीह
- (D) ओ किसानक खेत नहि काटलीह

१५५. इमाम शादुलक नैतिकता कोना व्याख्यायित करैत छथि?

- (A) शादुल चाहैत तँ चाँदकें फाड़ि दैत, मुदा ओकर दाँत नहि गड़ल—कारण ओकर स्नेह स्थायी अछि
- (B) शादुल ककरो चिन्हैत नहि
- (C) शादुल केवल भूख सँ चलैत अछि
- (D) शादुल ताबीजक लोभमे अछि

खण्ड १०९ : विदेह-सदेह ३७ — जमीन-पट्टा, डर आ बताह करय वला मिश्रण

१५६. चाँदक शर्तक बाद इमामकें शादुलक बारेमे कोन तीन विकल्पक दबाव झेलय पड़ैत अछि?

- (A) जङ्गल छोड़ब, बेचब वा जियतहि गाड़ब/हटएब
- (B) ओकरा पढ़ेब, लिखेब वा विवाह कराएब
- (C) ओकरा नाव, रेल वा बसमे पठाएब
- (D) ओकरा राजा, पुरोहित वा शिक्षक बनएब

१५७. चाँद आ बीबम्माक डरक केन्द्र की अछि?

- (A) शादुलक अस्तित्व उजागर भेल तँ जमीनक पट्टा हाथसँ निकलि जायत
- (B) शादुल बहुत कम खेल सिखलक
- (C) इमाम बेसी अनाज कमा लेता
- (D) गाममे वर्षा होयत

१५८. बीबम्मा एमआरओ/पुलिसक सूचना-भयकें कोना प्रस्तुत करैत छथि?

- (A) लोक भालुक सूचना देत आ 'फकीरकें जमीन किएक' कहि ईर्ष्या करत
- (B) सब लोक चुप रहत
- (C) सरकार भालु लेल पुरस्कार देत
- (D) कलेक्टर भालु नचौताह

१५९. खाधि-योजना असफल भेलाक बाद इमाम कोन नव प्रस्ताव रखैत छथि?

- (A) भोर सँ पहिने शादुलकें जङ्गल लऽ जाएबाक
- (B) ओकरा सरपञ्च बनएबाक
- (C) ओकरा विद्यालयमे राखबाक
- (D) चाँदकें शहर पठेबाक

१६०. चाँद जङ्गल-छोड़बाक प्रस्ताव किएक अस्वीकार करैत अछि?

- (A) पहिने सेहो शादुल पेढम्मा जङ्गलसँ वापस आबि गेल छल
- (B) ओ जङ्गलमे खेती करैत
- (C) जङ्गल बहुत दूर नहि छल
- (D) सरपञ्च संग चलय तैयार नहि छल

१६१. चाँदक कथन अनुसार एसआई साहबक कानूनी चेतावनी की छल?

- (A) बोनहा जानवर राखब अपराध थिक
- (B) भालुकेँ प्रतिदिन दूध देब अनिवार्य अछि
- (C) जमीन लेल भालु चाही
- (D) ताबीज बेचन अपराध नहि

१६२. इमाम शादुलकेँ घर-वापसी बिसरएबाक लेल कोन मिश्रणक योजना बनबैत छथि?

- (A) उप्पीक छालक पाउडरमे तमाखू मिला कऽ खियाएब
- (B) दूधमे चीनी मिला कऽ
- (C) धानमे नून मिला कऽ
- (D) ताबीजमे फूल बाँधि कऽ

१६३. मिश्रणक अपेक्षित प्रभाव इमाम कोना बुझबैत छथि?

- (A) आधा घण्टामे बताह बनत, मनुष्य चिन्हब आ घरक रस्ता बिसरि जायत
- (B) तुरते सोना उगेलत
- (C) ओकरे सँ खेत हरियाएत
- (D) ओ और खेल सिखत

१६४. चाँद आ बीबम्मा इमामक मिश्रण-योजना पर कोना प्रतिक्रिया दैत छथि?

- (A) चुप भऽ जाइत छथि, जेना अस्थायी सहमति भेटल
- (B) उत्सव मनबैत छथि
- (C) तुरते पुलिस बजबैत छथि
- (D) शादुलकेँ मुक्त करैत छथि

१६५. इमामक हाथमे तमाखू आ उप्पीक स्मरण कथामे कोन कार्य करैत अछि?

- (A) ओकरा दस बर्ख पुरान शादुल-संबंधी अपराध-बोधक स्मृतिदिस लय जाइत अछि
- (B) ओकरा बाजारक मूल्य याद करबैत अछि
- (C) ओकरा कविता लिखबय प्रेरित करैत अछि
- (D) ओकरा पट्टा पढ़बाक साहस दैत अछि

खण्ड ११० : विदेह-सदेह ३७ — मद-काल, बधियाकरण आ इमामक अपराध-बोध

१६६. दस बर्खक शादुलक मद-कालमे व्यवहार कोना बदलैत छल?

- (A) साथी लेल बेचैन, रातिमे चिकरैत, गाछ अड्कवार भरैत आ विद्रोही बनैत
- (B) पूर्ण शान्त आ निश्चेष्ट
- (C) केवल ताबीज बेचैत
- (D) कथा सुनबैत

१६७. मद-कालमे शादुल परिवारपर कोन खतरा उत्पन्न कएने छल?

- (A) चाँद आ इमामकेँ काटबाक प्रयास, बीबम्मा पर गुराइत झपट्टा
- (B) धानक बोरा चोराएब
- (C) पट्टा फाड़ि देब
- (D) खीर नहि खाएब

१६८. शादुलकेँ सामान्य करबाक प्रारम्भिक उपाय इमाम कोना कएलनि?

- (A) सालाक मादा भालु लग लऽ जा कऽ मिलन करौलनि
- (B) ओकरा पुलिस स्टेशन पठौलनि
- (C) ओकरा खेतमे छोड़लनि
- (D) ओकरा ताबीज पहिरौलनि

१६९. सालाक भालु सभ सदखन उपलब्ध नहि रहबाक कारण इमाम कोन कठोर उपाय सोचलनि?

- (A) पारम्परिक बधियाकरण-जेकाँ औषधीय काढ़ा
- (B) शादुलक विवाह
- (C) शादुलक पढ़ाई
- (D) शादुलक सोना बेचब

१७०. बधियाकरणक काढ़ामे कोन जड़ी-बूटी सभक उल्लेख अछि?

- (A) ब्रह्मदण्डी, उप्पी, विषमुष्टि आ इष्टिकाँत
- (B) नीम, तुलसी, गुलाब आ इलायची
- (C) धान, मकड़, जौ आ तिल
- (D) सोनामुखी, कमल, केतकी आ चम्पा

१७१. काढ़ाक प्रभाव शादुल पर कोना पड़ल?

- (A) ओ एक मास धरि सोझ ठाढ़ नहि भऽ सकल आ वशमे आबि गेल
- (B) ओ तुरन्ते अधिक हिंसक बनल
- (C) ओ नदीमे कूदि गेल
- (D) ओ मनुष्य-जेकाँ बोलय लागल

१७२. वर्तमान जङ्गल-दृश्यमे इमाम शादुलपर अपन पूर्व व्यवहारकेँ कोना याद करैत छथि?

- (A) इप्पाक ताड़ी, नशा, पुरुषत्व-दमन आ आब बताह करबाक अपराधक श्रृंखला रूपमे
- (B) केवल दया रूपमे
- (C) केवल व्यापारिक सफलता रूपमे
- (D) कोनो दोष नहि मानैत

१७३. सोनाक बाली निपत्ता देखिकऽ इमाम की बुझैत छथि?

- (A) शादुलक कमाईक चिन्ह सेहो निकालि लेल गेल
- (B) शादुल जंगलमे बाली बेचि देलक
- (C) बीबम्मा ओकरा पूजा लेल राखलनि
- (D) मल्ला रेड्डी बाली लौटौलनि

१७४. इमामक 'हम तोरा सभ चीजसँ बञ्चित कऽ देलियौ' कथन की सूचित करैत अछि?

- (A) शादुल पर मानवीय स्वामित्वक नैतिक अपराध-बोध
- (B) शादुलक व्यापारिक मूल्य
- (C) गामक उत्सव
- (D) चाँदक बहादुरी

१७५. अपराध-बोधक एहि खण्डमे शादुलक मौन उपस्थितिक प्रभाव की अछि?

- (A) ओ इमामक विवेककेँ आर तीखा बनबैत अछि
- (B) ओ कथा सँ गायब भऽ जाइत अछि
- (C) ओ मात्र हास्य पैदा करैत अछि
- (D) ओ पट्टा लेल बहस करैत अछि

खण्ड १११ : विदेह-सदेह ३७ — गम्भीरावपेटक मल्ला रेड्डी प्रसंग

१७६. मल्ला रेड्डीक प्रसंग कोन ठाम आरम्भ होइत अछि?

- (A) गम्भीरावपेटमे गाँधी प्रतिमाक पास शादुलक खेलक समय
- (B) मण्डल कार्यालयक भीतर
- (C) चाँदक घरक खाधि लग
- (D) पुरान इनारक भीतर

१७७. इमामक साधारण टिप्पणी किएक विवादमे बदलि गेल?

- (A) ओ शादुलकें पहलवान मल्ला रेड्डीकें चुनौती देबाक अभिनय करौलनि
- (B) ओ पट्टा फाड़ि देलनि
- (C) ओ एसआईकें अपमानित कएलनि
- (D) ओ चाँदकें घर पठा देलनि

१७८. मल्ला रेड्डी पहिने भालुसँ तुलना पर कोना प्रतिक्रिया देलनि?

- (A) क्रोधित भऽ पुछलनि जे मानुसक तुलना जानवरसँ कोना
- (B) हँसि कऽ पुरस्कार देलनि
- (C) निःशब्द चलि गेलाह
- (D) तुरते ताबीज खरीदलनि

१७९. दाँवक प्रसंगमे चाँद कोन उग्र बात जोड़ि देलक?

- (A) हारला पर दस हजार देबाक
- (B) शादुलकें तुरते बेचबाक
- (C) मल्ला रेड्डीकें पट्टा देबाक
- (D) खेल रोकबाक

१८०. मल्ला रेड्डी पहिल चरणमे शादुल पर कोन अनुचित दाँव लगौलनि?

- (A) पीठ पर चढ़ि गरदनि मचोड़ि साँस रोकय लगलाह
- (B) ओकरा फूल पहिरौलनि
- (C) ओकरा पानी पियौलनि
- (D) ओकरा सलाम करौलनि

१८१. इमाम मल्ला रेड्डीक दाँवकें कोना चुनौती देलनि?

- (A) अनुचित हमला मर्दानगी नहि, साहस अछि तँ कुशती करू
- (B) भालुकेँ तुरते मारू
- (C) धन लऽ चलू
- (D) खेल समाप्त करू

१८२. मल्ला रेड्डी इमामक गरदनि पकड़ला पर शादुलक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ दुगुन वेगसँ झपटि मल्ला रेड्डीकें गिरा देलक
- (B) ओ भागि गेल
- (C) ओ सोझे बीबम्मा लग गेल
- (D) ओ ताबीज थुकय लगल

१८३. असली कुशतीमे शादुल मल्ला रेड्डीकें कोना परास्त कएलक?

- (A) घेरि उठा कऽ जोर सँ जमीन पर पटकलक आ दबा देलक
- (B) केवल सलाम कएलक
- (C) दौड़मे हरा देलक
- (D) कागज लिखि देलक

१८४. मल्ला रेड्डीक हार अन्ततः कोना प्रकट भेल?

- (A) ओ इमामसँ वजन हटेबाक विनती कएलनि आ एक हजार टका देलनि
- (B) ओ विजयी घोषणा कएलनि
- (C) ओ शादुलकें खरीदलनि
- (D) ओ पट्टा बाँटलनि

१८५. चाँद एक हजार टकाक उपयोग कोना करबय चाहैत छल?

- (A) शादुल लेल सोनाक बाली बनबाबय
- (B) घरक छप्पर बदलय
- (C) मण्डल कार्यालयमे घूस देबय
- (D) बीबम्माक साड़ी किनय

खण्ड ११२ : विदेह-सदेह ३७ — जङ्गलमे दुविधा, मिश्रण फेकब आ घर-वापसी

१८६. मल्ला रेड्डी प्रसंग याद आबि इमामक वर्तमान निर्णय पर की प्रभाव पड़ल?

- (A) शादुलक निष्ठा याद आबि बताह-मिश्रण देब आर कठिन भऽ गेल
- (B) ओ तुरते मिश्रण खिया देलनि
- (C) ओ शादुलकेँ बेचि देलनि
- (D) ओ चाँदकेँ भुला देलनि

१८७. मिश्रण तैयार भेला पर इमाम पहिने कोन बहाना बना कऽ देरी करैत छथि?

- (A) शादुल भूखल अछि, कनी खा लेत तखन देब
- (B) चाँद अनुमति देत तखन देब
- (C) मिश्रण बिकि गेल
- (D) गामक लोक देखत

१८८. दुपहरमे उठला पर इमाम फेर किएक देरी करैत छथि?

- (A) सोचैत छथि साँझ धरि देब, एतय हड़बड़ी कोन
- (B) मिश्रण हराएल छल
- (C) शादुल गायब छल
- (D) बीबम्मा ओतय अयलीह

१८९. सूखल मिश्रणक चारू कात की दृश्य इमामकेँ ओकर विषाक्तता बुझबैत अछि?

- (A) माछी, कीड़ा आ चुट्टीक झुण्ड
- (B) फूलक सुगन्ध
- (C) धानक हरियाली
- (D) बच्चा सभक खेल

१९०. जङ्गलमे शादुल इमामक प्रति कोन स्नेहिल व्यवहार देखबैत अछि?

- (A) माछी-मच्छड़ पकड़ि इमामक मुँह-कपार लगसँ हटबैत
- (B) ओकरा छोड़ि भागैत
- (C) ओकरा काटय लगैत
- (D) ओकर बटुआ लऽ जाइत

१९१. घरमे बीबम्मा चाँदकेँ मिश्रणक प्रभावबारे कोन उदाहरण देलनि?

- (A) मामा द्वारा एकटा कुकुरकेँ देल मिश्रणसँ ओ बताह भऽ घर छोड़ि भागल
- (B) भालु राजा बनि गेल
- (C) गाय अधिक दूध देलक
- (D) धान सोना भेल

१९२. चाँदक वास्तविक भय की छल?

- (A) इमाम फेर शादुलकेँ घर वापस अनताह
- (B) मिश्रण बहुत महँग भेल
- (C) पानी नहि बरसत
- (D) गाममे मेला नहि लागत

१९३. साँझ ढलैत इमाम अन्ततः मिश्रणक संग की कएलनि?

- (A) दूर फेकि देलनि
- (B) शादुलकें खिया देलनि
- (C) बीबम्माकें देलनि
- (D) बाजारमे बेचि देलनि

१९४. मिश्रण फेकलाक बादो इमामक समस्या किएक समाप्त नहि भेल?

- (A) घर लौटब, चाँदक धमकी आ बीबम्माक दबावक भय शेष रहल
- (B) पट्टा तुरते सुरक्षित भऽ गेल
- (C) शादुल स्वतः जंगलमे बसि गेल
- (D) गामक लोक सब भूलि गेल

१९५. घरक रस्ता पकड़ैत इमामक मनमे कोन प्रश्न उठैत अछि?

- (A) के हुनकर दूध-जकाँ शुद्ध जीवनमे विष घोरलक?
- (B) कतेक पृष्ठ पढ़ल गेल?
- (C) सोना के खरीदत?
- (D) कुन दिन मेला लागत?

खण्ड ११३ : विदेह-सदेह ३७ — पल्लेबाटा, पट्टा आ गामक आपत्ति

१९६. चाँद 'पल्लेबाटा' बैठकक विषयमे किएक चिन्तित अछि?

- (A) ओहि बैठकमे अधिकारी रहताह आ जमीन-पट्टाक निर्णय आगू बढ़ि सकैत अछि
- (B) ओतय भालुक नाच होयत
- (C) ओतय विवाह ठहरत
- (D) ओतय सोनाक बाली बिकत

१९७. सुंकारीक आगमन कथामे कोन मोड़ आनैत अछि?

- (A) ओ चाँदकें एमआरओ द्वारा खोजल जा रहल अछि कहि पञ्चायत दिस लऽ जाइत अछि
- (B) ओ शादुलकें दूध दैत अछि
- (C) ओ इमामकें पुरस्कार दैत अछि
- (D) ओ जङ्गलमे हराइ जाइत अछि

१९८. सुंकारी भालुबारे पुछला पर चाँद कोन झूठ दोहरबैत अछि?

- (A) भालु बहुत पहिने मरि गेल
- (B) भालु खेतमे अछि
- (C) भालु एमआरओ लग अछि
- (D) भालु बेचि देल गेल मुदा काल्हि लौटल

१९९. बोनहा जानवरक कानूनबारे सुंकारी कोन बात कहैत अछि?

- (A) जालमे फँसाएब वा मारब जेल जाए वला अपराध थिक
- (B) भालु राखलासँ जमीन भेटैत अछि
- (C) भालु नचब राज्य पुरस्कार अछि
- (D) कानून लागू नहि

२००. पञ्चायत कार्यालयमे गामक लोक चाँद-इमामक पात्रतापर कोन आपत्ति उठबैत अछि?

- (A) ओ सभ भालुसँ कमाइत छथि, पूर्ण असहाय/भूमिहीन नहि
- (B) ओ सभ बहुत गरीब छथि
- (C) ओ सभक भालु मरि गेल तँ जमीन चाही
- (D) ओ सभ अधिकारी छथि

२०१. चाँद अपन बचावमे भालुसँ आजीविका पर कोन तर्क दैत अछि?

- (A) भालु मासिक दरमाहा नहि दैत; दोसर साधन नहि अछि
- (B) भालु बहुत धन दैत अछि
- (C) भालु सरकारी कर्मचारी अछि
- (D) भालु भूमि-मालिक अछि

२०२. गामक एक व्यक्ति चाँद पर कोन अतिरिक्त आरोप लगबैत अछि?

- (A) भालुक खेलक बहाने लोककेँ अजगुत-परेशान करैत आ बटुआ काटैत
- (B) ओ विद्वान शिक्षक अछि
- (C) ओ खेत जोतैत नहि
- (D) ओ केवल दूध बेचैत

२०३. सरपञ्च बहस रोकैत कोन भूमिका निभबैत छथि?

- (A) आपत्ति थमाबैत निर्णायक प्रक्रिया आगू बढ़बैत
- (B) चाँदकेँ तुरते निकालैत
- (C) भालु खोजय जाइत
- (D) पट्टा जरा दैत

२०४. पट्टा कोन शर्तक संग देल गेल?

- (A) जमीन ने बेचब, न हस्तान्तरित करब, न बन्धक राखब; बैंकक सहायतासँ खेती सम्भव
- (B) जमीन तुरते बेचब
- (C) भालु राखब अनिवार्य
- (D) फसल न उगाएब

२०५. पट्टा पाबि चाँदक खुशी किएक टिकि नहि पबैत?

- (A) शादुलक अस्तित्व झूठ खोलि पट्टा छीनि सकैत अछि
- (B) बीबम्मा पढ़ि नहि सकैत
- (C) पट्टा कागजमे अछि
- (D) सरपञ्च हँसल

खण्ड ११४ : विदेह-सदेह ३७ — मद्दीमल्ला स्मृति, पुलिसक दबाव आ शादुलकेँ जंगल छोड़बाक प्रस्ताव

२०६. मद्दीमल्ला गामक स्मृति इमामक मनमे किएक उठैत अछि?

- (A) परिवारक टूटनक जड़ खोजैत ओ पन्द्रह दिन पहिनेक घटनादिस लौटैत छथि
- (B) ओतय शादुल जन्मल छल
- (C) ओतय पट्टा मिलल छल
- (D) ओतय सोनाक बाली हराएल

२०७. कोनो गाममे प्रवेश करबा पहिने इमाम-चाँदकेँ सामान्यतः की करय पड़ैत छल?

- (A) सरपञ्च/मुखियाकेँ वस्तुसूची, ठहरबाक जानकारी आ अनुमति देब
- (B) चुपचाप प्रवेश
- (C) मात्र भालुकेँ छोड़ब
- (D) जमीन खरीदब

२०८. धानक कुटनी-फटनीक दिन इमाम चाँदकेँ किएक जगबैत छथि?

- (A) जमा धान साइकिल पर घर छोड़ि आबय लेल
- (B) एसआई लग नाच देखय लेल
- (C) शादुलकेँ बाली किनय लेल
- (D) सरपञ्चक भोज लेल

२०९. चाँद धान लऽ जएबाक समय इमामकेँ कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) शादुलकेँ रौदमे नहि घुमाबथि
- (B) शादुलकेँ बेचि देथि
- (C) सरपञ्चसँ लड़थि
- (D) धान नहि माँगथि

२१०. महीमल्लामे चाँद अपेक्षित समय पर किएक नहि लौटल?

- (A) एसआई ओकरा बजौने छल आ ओ मण्डल कार्यालय गेल छल
- (B) ओ जंगलमे हराइ गेल
- (C) ओ धान बेचि भागि गेल
- (D) ओ बीमार पड़ि गेल

२११. पूर्व पुलिस अनुभवक कारण इमाम एसआईक नाम सुनि किएक घबरा जाइत छथि?

- (A) पहिने पुलिस मारि, घूस ऐँठि, भूखल राखि आ अपमानित कऽ चुकल छल
- (B) एसआई सदिखन पुरस्कार दैत छल
- (C) पुलिस जमीन दैत छल
- (D) एसआई शादुलकेँ दूध दैत छल

२१२. चाँद तेसर दिन लौटला पर शादुलक स्वागतक उत्तर कोना देलक?

- (A) ओ ओकरा अनदेखा कऽ भीतर चलि गेल
- (B) ओ गरा लगा लेल
- (C) ओ सोनाक बाली पहिरौल
- (D) ओ ताबीज किनलक

२१३. चाँद एसआई/अधिकारीक प्रसंगमे इमामकेँ कोन शर्त बतबैत अछि?

- (A) खेल बन्द करब आ भालुकेँ छोड़ब/दूर करब पड़त
- (B) अधिक खेल देखाबय पड़त
- (C) भालुकेँ सोनाक बाली पहिराबय पड़त
- (D) धान दान करब पड़त

२१४. चाँद अधिकारी सभ लग शादुलबारे कोन झूठ बाजि चुकल अछि?

- (A) भालु साँसक तकलीफसँ एक सप्ताह पहिने मरि गेल
- (B) भालु कलेक्टर लग अछि
- (C) भालु जंगलसँ आबि रहल अछि
- (D) भालु जमीन जोतैत अछि

२१५. राति चाँद इमामकेँ शादुलक बारेमे कोन कठोर प्रस्ताव देलक?

- (A) शादुलकेँ गामसँ बाहर जंगलमे छोड़ि देब
- (B) शादुलकेँ घरमे नचाएब
- (C) शादुलकेँ दूध पियाएब
- (D) शादुलकेँ गामक चौकपर घुमाएब

खण्ड ११५ : विदेह-सदेह ३७ — मण्डल कार्यालय, जमीन-गप्प आ जीविकाक शून्य

२१६. मण्डल कार्यालय जाय लेल चाँदक मुख्य कारण की छल?

- (A) एमआरओ सूचीसँ नाम कटयसँ पहिने जमीनक मामला पर दबाव देब
- (B) शादुलक खेल देखाबय
- (C) मकड़क बोरा बेचब
- (D) जङ्गलसँ औखध आनब

२१७. चाँदकें विदा करैत इमाम ओकरा दुपहर धरि वापस आबय किएक कहलनि?

- (A) हुनका खरिहान सभमे जाय आ जीविकाक काज करबाक छल
- (B) मेला शुरू होयबाक छल
- (C) पुलिस स्टेशन बन्द होयबाक छल
- (D) जंगलमे वर्षा होयबाक छल

२१८. चाँदक चुपचाप चलि जाएब कथामे कोन परिवर्तन देखबैत अछि?

- (A) जमीनक लालसा ओकरा पिताक काम आ शादुलक जिम्मेदारीसँ दूर कऽ रहल अछि
- (B) ओ शादुलक उपचार लेल उत्साहित अछि
- (C) ओ मात्र विश्राम लेल जा रहल अछि
- (D) ओ पितासँ पूर्ण सहमत अछि

२१९. ओहि दिन गामक गली-गलीमे कोन विषय सभक चर्चा प्रमुख छल?

- (A) एमआरओ, कलेक्टर, जमीन बाँटब आ इन्दिराम्मा योजना
- (B) केवल शादुलक नाच
- (C) केवल विवाह गीत
- (D) केवल माछ पकड़बाक उपाय

२२०. लाभार्थी सूचीबारे लोक कोन तरहक शिकायत करैत छल?

- (A) सरपञ्च सूची बदलि देलक अथवा भूमिहीन नहि रहल लोककें पट्टा भेटल
- (B) शादुलक नाम सूचीमे नहि छल
- (C) बच्चा सभकें मेला नहि भेटल
- (D) धानक माप गलत छल

२२१. जमीनक हो-हल्ला इमामक दिनक कमाइ पर कोना असर कएलक?

- (A) कियो खेल नहि देखलक, कियो ताबीज नहि बान्हलक, ओ खाली हाथ लौटलाह
- (B) खेलसँ बहुत धन भेटल
- (C) सरपञ्च हुनका धान देलक
- (D) कलेक्टर तुरन्ते पगार देलक

२२२. खाली अनाजक बर्तन इमाम लेल की संकेत बनैत अछि?

- (A) दैनिक श्रमक असफलता आ परिवार-शादुलक भोजन-संकट
- (B) नव उत्सवक तैयारी
- (C) धानक भरपूर उपज
- (D) सरकारी इनाम

२२३. राति चूल्हि लग बैसल इमामकें अपन भूखसँ बेसी कोन पीड़ा छल?

- (A) शादुलक खाली पेटक चिन्ता
- (B) मण्डल कार्यालयक दूरी
- (C) नव कपड़ा नहि होयब
- (D) साइकिलक पंचर

२२४. चाँद घुरि कऽ इमामकें एसआईबारे की सूचना देलक?

- (A) एसआई साहब हुनकासँ मिलय चाहैत छथि आ काल्हि बजौने छथि
- (B) एसआई शादुलकें पुरस्कार देताह
- (C) एसआई गाम छोड़ि चुकल छथि
- (D) एसआई मकड़ किनय आएताह

२२५. दुनू पिता-पुत्रकें एसआई लग जाय पड़ला पर इमामक तुरन्त प्रश्न की छल?

- (A) तखन शादुलक की होयत?
- (B) धानक दाम कतेक होयत?
- (C) साइकिल कोना रंगाएब?
- (D) कुन गीत गाएब?

खण्ड ११६ : विदेह-सदेह ३७ — जंगलमे छोड़बाक हठ, आत्मघातक धमकी आ अन्तिम भोजन

२२६. चाँद 'आइ राति शादुलकें छोड़ि देब' कहैत कोन समाधान पेश कएलक?

- (A) भालुक अस्तित्व हटाकऽ जमीन-पट्टा आ कानूनक संकट टारब
- (B) शादुलक आरम्भिक प्रशिक्षण
- (C) नव खेलक अभ्यास
- (D) मकड़क खेती

२२७. इमाम जंगलमे छोड़बाक विचार सुनि भीतरसँ किएक टूटि गेलाह?

- (A) बीस बरख धरि अपन आदत बदलल भालु जंगलमे जियब नहि सकत
- (B) शादुल बहुत तेज दौड़त
- (C) चाँद गीत गाओत
- (D) जमीन तुरन्ते भेटत

२२८. चाँद कानून आ एसआईक डरक हवाला दैत की कहैत अछि?

- (A) भालु रहत तँ जमीन छोड़ू, जान सेहो बचत नहि आ जेल पड़त
- (B) भालु रहत तँ पुरस्कार भेटत
- (C) एसआई खेल देखय चाहैत छथि
- (D) कानून भालु पालब अनिवार्य करैत अछि

२२९. चाँद बोरा बान्हि साइकिल पर राखबाक बात किएक कहैत अछि?

- (A) शादुलकें बाहर छोड़ि सोझे मण्डल कार्यालय जाएबाक योजना छल
- (B) धानक भोज करबाक योजना छल
- (C) शादुल लेल नाच-मंच बनएबाक योजना छल
- (D) नदी पार करबाक खेल छल

२३०. इमाम 'हम नहि आएब' कहि कोन नैतिक स्थिति व्यक्त करैत छथि?

- (A) ओ शादुलकें छोड़बाक अन्यायमे सहभागी नहि बनय चाहैत छथि
- (B) ओ जमीन अवश्य चाहैत छथि
- (C) ओ एसआईसँ मिलय आतुर छथि
- (D) ओ चाँदक बात तुरन्ते मानि लेलनि

२३१. चाँदक अनुसार अधिकारी सभ पिताकें किएक बजबैत छलाह?

- (A) पट्टा इमामक नाम पर तैयार होयबाक बात छल
- (B) चाँद नाच नहि सकैत छल
- (C) बीबम्मा पढ़ि सकैत छलीह
- (D) शादुल हस्ताक्षर करैत छल

२३२. बहस चरम पर पहुँचला पर चाँद कोन कठोर दबाव बनबैत अछि?

- (A) ओ अपन जान लेबाक धमकी दैत अछि
- (B) ओ घर छोड़ि तीर्थ जाय कहैत अछि
- (C) ओ शादुलकें दूध देबाक कहैत अछि
- (D) ओ पट्टा फाड़ि देबाक कहैत अछि

२३३. बीबम्माक फोन/संदेश सुनि चाँदक अधीरता किएक बढ़ि गेल?

- (A) घर पर सुंकारी आबि गेल छल आ जमीन बाँटबाक खबर सुनायल गेल
- (B) शादुल बीमार पड़ल छल
- (C) मेला समाप्त भऽ गेल छल
- (D) बारिश रुकि गेल छल

२३४. अन्ततः इमाम निर्णय बदलैत चाँदकेँ बजारसँ की आनय कहैत छथि?

- (A) मकड़क भुट्टा ताकि छोड़यसँ पहिने शादुल पेट भरि खा सकय
- (B) नव रस्सा बेचबाक लेल
- (C) कलेक्टरक फोटो
- (D) धान काटबाक हँसिया

२३५. जंगल यात्रासँ पहिने चाँद शादुलक सामान सभक संग की करैत अछि?

- (A) थारी, पानिक टब, अंकुश, औखध बर्तन, रस्सा आदि फेकि दैत अछि
- (B) सभ वस्तु पूजा लेल राखैत अछि
- (C) सभ वस्तु बेचि पट्टा किनैत अछि
- (D) सभ वस्तु सरकारी कार्यालयमे जमा करैत अछि

खण्ड ११७ : विदेह-सदेह ३७ — पेद्दम्मा जंगल, विफल त्याग आ शादुलक वापसी

२३६. गामक बाहरी इलाकामे चाँद शादुलकेँ छोड़बाक कहला पर इमाम कोन आपत्ति उठौलनि?

- (A) एतय कुकुर आ मानुसक खतरा अछि, कनी आर भीतर चलू
- (B) एतय बहुत मकड़ अछि
- (C) एतय अधिकारी सभ बैसल छथि
- (D) एतय पानीक टब अछि

२३७. जंगलक केन्द्रमे सेहो इमाम छोड़बाकेँ किएक टारलनि?

- (A) ओ पानिक स्रोत लग छोड़बाक तर्क देलनि
- (B) ओ कहलनि जे एतय पट्टा नहि भेटत
- (C) ओ कहलनि जे एतय ताबीज बिकत
- (D) ओ कहलनि जे एतय विवाह अछि

२३८. पेद्दम्मा जंगलमे प्रवेशक बाद इमाम कोन तेसर भय व्यक्त करैत छथि?

- (A) एतय मानुसक चहल-पहल अछि, कियो चाम लेल मारि सकैत अछि
- (B) एतय जमीनक कागज छिपल अछि
- (C) एतय विवाह मंडप अछि
- (D) एतय पुलिस चौकी नहि अछि

२३९. आब अपनाकेँ रोकबामे असमर्थ चाँद की करैत अछि?

- (A) साइकिल फेकि पिताक हाथसँ रस्सा छीनि शादुलकेँ मुक्त करैत अछि
- (B) पिताक पैर पकड़ि माफी माँगैत अछि
- (C) शादुलकेँ दूध पियबैत अछि
- (D) मण्डल कार्यालयसँ लौटि जाइत अछि

२४०. इमाम 'मुँहक पट्टा हटाउ' किएक चिचियौलनि?

- (A) पट्टा रहला पर शादुल भूखे मरि जायत
- (B) पट्टा सोनाक छल
- (C) पट्टा सरकारी कागज छल
- (D) पट्टा खेलक इनाम छल

२४१. चाँद द्वारा पाथर फेकलापर शादुलक व्यवहार कोना छल?

- (A) ओ परिवर्तन नहि बुझि जड़ि ठाढ़ भेल आ चतुराईसँ पाथरसँ बचैत पाछाँ हटल
- (B) ओ तुरते हमला कएलक
- (C) ओ इमामकेँ छोड़ि चाँद संग चलल
- (D) ओ मण्डल कार्यालय भागल

२४२. शादुलकेँ खदेड़ल देख इमामक भाव-प्रतिक्रिया की रहल?

- (A) ओ धरती पर ठेहुन टेकि विलाप कएलनि आ कपार पिटलनि
- (B) ओ प्रसन्न भऽ नाचलाह
- (C) ओ पट्टा पढ़य लगलाह
- (D) ओ सरपञ्चकेँ धन्यवाद देलनि

२४३. शादुलकेँ जंगलमे खदेड़ि देला बाद चाँद पिताकेँ कोना घर लऽ गेल?

- (A) जबरदस्ती साइकिल पर बैसाकऽ
- (B) काँवर पर उठा कऽ
- (C) बैलगाड़ीसँ
- (D) पुलिस जीपसँ

२४४. घर पहुँचला पर बीबम्मा आ चाँदक प्राथमिक बातचीत कोन विषय पर रहल?

- (A) जमीन
- (B) शादुलक घाव
- (C) इमामक नोर
- (D) मकड़क दाम

२४५. अगिला भोर शादुलक वापसी कथाक अर्थ की बनैत अछि?

- (A) घायल होइतहुँ ओ अपन घर-परिवारक गन्ध आ स्नेह दिस लौटि आयल
- (B) ओ पूर्णतः जंगलक स्वामी बनि गेल
- (C) ओ गामक सरपञ्च बनल
- (D) ओ पट्टा आनय गेल

खण्ड ११८ : विदेह-सदेह ३७ — बुच्चैया, सरपञ्च आ सूची-बदलावक षड्यन्त्र

२४६. बुच्चैया सरपञ्च लग कोन शिकायत लऽ कऽ अयल?

- (A) सेवा आ भरोसाक बादो जमीन सूचीसँ ओकर नाम गायब भेल
- (B) शादुल ओकर मकड़ खा गेल
- (C) इमाम ओकरा गीत नहि सिखौलक
- (D) एमआरओ ओकरा नाच देखय कहलक

२४७. बुच्चैया मेज पर आधा सेर इप्पाक ताड़ी राखब कथामे की वातावरण बनबैत अछि?

- (A) लोभ, समझौता आ गामक अनौपचारिक सत्ता-संस्कृति
- (B) विद्यालयी परीक्षा
- (C) धार्मिक उपवास
- (D) बाल-खेल

२४८. सरपञ्चक अनुसार प्रारम्भिक सूचीमे बुच्चैयाक स्थान कतय छल?

- (A) बारहम स्थान पर
- (B) पहिल स्थान पर
- (C) सूचीमे कतहुँ नहि
- (D) अन्तिम पृष्ठ पर

२४९. सूची आरडीओ कार्यालय पहुँचला बाद सरपञ्चक अनुसार की भेल?

- (A) इमामक नाम जुड़ि गेल आ बुच्चैयाक नाम निपत्ता भेल
- (B) शादुलक नाम जोड़ल गेल
- (C) सभ नाम हटि गेल
- (D) केवल सरपञ्चक नाम रहि गेल

२५०. बुच्चैया जमीनक आशामे की आर्थिक जोखिम लेलक?

- (A) पाँच-छह हजार टका उधार लऽ खर्च कऽ देलक
- (B) सोना खरीदलक
- (C) भालु किनलक
- (D) नदी पार करबाक नाव बनौलक

२५१. सरपञ्च सूची-बदलावमे एसआईक भूमिका कोना बतबैत अछि?

- (A) एसआई अन्तिम क्षणमे इमामक नामक सिफारिश कएलथि
- (B) एसआई सूची जरा देलथि
- (C) एसआई बुच्चैयाकेँ पट्टा देलथि
- (D) एसआई शादुलकेँ जंगल पठौलथि

२५२. एसआईक प्रभावबारे सरपञ्च कोन बात कहैत अछि?

- (A) ओ राजनीतिक प्रभाव वला आ नियमक कठोर पालन करय वला ईमानदार अधिकारी मानल जाइत छथि
- (B) ओ भालु-नाचक कलाकार छथि
- (C) ओ गामक बालक छथि
- (D) ओ जमीनक दलाल नहि छथि

२५३. सरपञ्चक 'अपन आंगुरसँ अपनहि आँखि फोड़ब' वाला उपाय की छल?

- (A) एसआईकेँ एतेक क्रोधित करब जे ओ अपन सिफारिशक विरुद्ध काज करथि
- (B) बुच्चैयाकेँ जंगल पठायब
- (C) इमामकेँ पुरस्कार देब
- (D) चाँदकेँ पट्टा पढ़ायब

२५४. भालु-संबंधी नव कानून षड्यन्त्रमे कोना प्रयोग होयबाक छल?

- (A) इमाम लग भालु भेटत तँ जानवरक खेल अपराध ठहरि सकैत छल
- (B) भालु रहला पर पट्टा स्वतः भेटत
- (C) भालु नचब सरकारी अनिवार्यता छल
- (D) कानून केवल खेत-बँटवारा पर छल

२५५. बुच्चैयाकेँ अन्तमे कोन काम सौंपल गेल?

- (A) इमाम आ भालुकेँ संग देखला पर सरपञ्चकेँ खबर देब
- (B) शादुलकेँ दूध पियाब
- (C) बीबम्माकेँ पट्टा पढ़ाब
- (D) मण्डल कार्यालय रंगाब

खण्ड ११९ : विदेह-सदेह ३७ — चाँदनीक डर, झूठी कथा आ घरक बदली हवा

२५६. सरपञ्च-बुच्चैया प्रसंगक बाद कथामे मध्यरात्रिक चाँदनी कोना काम करैत अछि?

- (A) इमामक गोपनीय भयकेँ उजागर करैत, घर-वापसीकेँ असुरक्षित बनबैत
- (B) केवल उत्सवक सजावट बनैत
- (C) जमीनक नाप देखबैत
- (D) शादुलक नाचक मंच बनैत

२५७. घर नजदीक अएलापर इमामक मनमे शादुल प्रति आक्रोश किएक जागल?

- (A) ओ बुझैत छलाह जे शादुलक वापसी घरमे नव हिंसा आनत
- (B) शादुल पट्टा पढ़ि लेलक
- (C) शादुल मकड़ बेचि देलक
- (D) शादुल सरपञ्चसँ मिलल

२५८. इमाम मनहि मन कोन पछतावा करैत छथि?

- (A) शायद जहरबला मिश्रण पहिने खियाय देब ठीक रहित
- (B) शादुलकें बेसी दूध देब गलती छल
- (C) चाँदकें कार्यालय भेजब गलती छल
- (D) पट्टा पढ़ब गलती छल

२५९. चाँदनीमे शादुल इमामकें ककर जकाँ लागैत अछि?

- (A) सता रहल प्रेत जकाँ
- (B) राजाक दूत जकाँ
- (C) बालक जकाँ
- (D) सरकारी अफसर जकाँ

२६०. घर पहुँचला पर बीबम्मा आ चाँदक मौन इमामकें किएक डेराबैत अछि?

- (A) ओ सभ न गारि देलक, न प्रश्न; एहि अनपेक्षित शान्तिसँ खतरा अनबूझ रहल
- (B) ओ सभ गीत गाबय लागल
- (C) ओ सभ तुरन्ते पट्टा फाड़लक
- (D) ओ सभ शादुलकें अड़कवार देलक

२६१. चाँद पुछयसँ पहिने इमाम कोन सफाई देबाक कोशिश करैत छथि?

- (A) मिश्रण देलहुँ, किछु बेर व्याकुल भेल, फेर बूढ़ भालु पर असर नहि कएलक
- (B) मकड़ खेतमे राखल अछि
- (C) पट्टा हराइ गेल
- (D) एसआई हमरा रोकलक

२६२. इमाम भयमे परिवारकें शान्त करबाक लेल शादुलबारे कोन चरम वचन देलनि?

- (A) चाहब तँ खाधिमे गाड़ि देब अथवा काटि देब
- (B) ओकरा पुरस्कार देब
- (C) ओकरा विद्यालय पठाएब
- (D) ओकरा पट्टा देब

२६३. चाँदक अनपेक्षित उत्तर की छल?

- (A) अम्मी, शादुल लेल किछु बालि सिझाउ; सोला नहि, थव्वा चाही
- (B) अब्बा, शादुलकें तुरन्ते मारू
- (C) शादुलकें बाहर बाँधू
- (D) मकड़ सभ बेचि दियौ

२६४. इमाम किएक सोचय लगलाह जे 'काल्हि धरि घरमे दाना नहि छल, आइ ई कतयसँ अयल'?

- (A) मकड़क उपलब्धता आ परिवारक शान्ति दुनू हुनका अस्वाभाविक लगल
- (B) ओ घरक रस्ता बिसरि गेल छलाह
- (C) शादुल बोलि उठल छल
- (D) पट्टा स्वतः पढ़ाईत छल

२६५. शादुल खाटक नीचाँ बैसि जाइब कथामे कोन भाव जोड़ैत अछि?

- (A) ओ पुनः घरक सदस्य जकाँ अपन पुरान स्थान खोजैत अछि
- (B) ओ हमला करबाक तैयारी करैत अछि
- (C) ओ पट्टा छिपबैत अछि
- (D) ओ गाम छोड़ि रहल अछि

खण्ड १२० : विदेह-सदेह ३७ — अस्थायी मेल, सोनाक बाली आ लोभक कहबी

२६६. चाँद 'पहिने अहाँ खा लिअ' कहि इमाममे कोन भ्रम पैदा करैत अछि?

- (A) ओ पुरान स्नेह लौटल जकाँ अनुभव करैत छथि
- (B) ओ तुरते मारपीट करब चाहैत अछि
- (C) ओ पट्टा फाड़ि रहल अछि
- (D) ओ शादुलकेँ बेचि चुकल अछि

२६७. इमाम जमीनक निर्णयबारे पुछला पर चाँद की करैत अछि?

- (A) जवाब टालि दैत अछि
- (B) सभ विस्तार तुरते बतबैत अछि
- (C) घर छोड़ि दैत अछि
- (D) मकड़ फेकैत अछि

२६८. चाँद किएक कहैत अछि जे 'नीक भेल अहाँ ओकरा पाछाँ छोड़ि आएलहुँ'?

- (A) ओ डेरायल छल जे इमाम कतौ शादुलकेँ विष नहि खिया देने होथि
- (B) ओ जंगलक सौन्दर्य देखल
- (C) ओ पट्टा हराइ देलक
- (D) ओ शादुलसँ खेल चाहैत छल

२६९. बीबम्मा इमामक प्रशंसा कोन कारणसँ करैत छथि?

- (A) शादुलकेँ मिश्रण नहि खियौने रहबाक कारण
- (B) पट्टा पढ़ि देबाक कारण
- (C) ताड़ी आनबाक कारण
- (D) बुच्चैयाकेँ हराबय कारण

२७०. इमाम किएक अनुमान लगौलनि जे अधिकारी सभ धोखेबाज साबित भेलाह?

- (A) परिवारक अचानक नरमी देखिकऽ हुनका लगल जे जमीनक आशा टूटि गेल
- (B) कलेक्टर घर आबि गेलाह
- (C) शादुल बोलि देलक
- (D) सरपञ्च माफी माँगलक

२७१. इमाम 'जे आगाँ-पाछाँक गप्प पर विचार करैत अछि, वएह वास्तविक मानुस' कहि चाँदकेँ की बुझबैत छथि?

- (A) लोभमे हड़बड़ी करब विनाशक अछि
- (B) जमीन लेल हिंसा जरूरी अछि
- (C) शादुलकेँ भूखल राखू
- (D) पट्टा नहि पढ़ू

२७२. 'सियार ऊँटक ठोरक लालसा' वाली तुलना कथामे कोन भाव व्यक्त करैत अछि?

- (A) दूरक लोभमे अपन हाथक चीज गमाएब
- (B) भालुक प्रशिक्षण
- (C) खेतीक सफलता
- (D) साइकिलक गति

२७३. इमाम शादुलकें अपन जीवनमे कोना परिभाषित करैत छथि?

- (A) प्राण, गर्व, सम्मान आ चिन्ह
- (B) केवल बोझ
- (C) सरकारी कागज
- (D) मात्र जंगलक पशु

२७४. इमाम सोनाक बालीक बात किएक उठबैत छथि?

- (A) शादुलक कानक गहना गायब देखि चाँदक गुप्त काज पर प्रश्न करैत छथि
- (B) ओ बाली बेचय चाहैत छथि
- (C) ओ शादुलकें सजाबय लगैत छथि
- (D) ओ बीबम्माक बाली खोजैत छथि

२७५. चाँद सोनाक बाली बेचबाक कारण की बतबैत अछि?

- (A) जमीनक सिफारिश आ एमआरओ कार्यालयमे खर्च लेल टका चाही छल
- (B) शादुल लेल दूध किनबाक लेल
- (C) बुच्चैयाकें उपहार देबाक लेल
- (D) नव थारी किनबाक लेल

खण्ड १२१ : विदेह-सदेह ३७ — पट्टा, निशान मिटेबाक सलाह आ विषक थारी

२७६. चाँदक अनुसार एसआई साहब पट्टा दिलेबाक बदला कोन चेतावनी देने छलाह?

- (A) भालु कहियो नहि देखाय पड़य
- (B) शादुलक नाच रोज होय
- (C) इमाम घर नहि आबथि
- (D) बीबम्मा पट्टा नहि देखथि

२७७. सरपञ्च चाँदकें भालुक निशान मिटेबाबारे की सलाह देलक?

- (A) घरमे भालुक उपस्थितिक कोनो चिन्ह नहि रहय, सामान फेकू आ बाली हटाउ
- (B) भालुकें रंगि दियौ
- (C) शादुलकें नचाउ
- (D) पट्टा शादुलक कानमे बाँधू

२७८. चाँद कहैत अछि जे बाली दूरसँ देखाइत अछि; एकर कथात्मक अर्थ की अछि?

- (A) शादुलक पहिचानक छोट चिन्ह सेहो जमीन-योजनाक झूठ खोलि सकैत अछि
- (B) बाली बहुत महँग छल
- (C) बाली गीतक ताल छल
- (D) बाली खेत नापबाक औजार छल

२७९. चाँद पट्टा भेटबाक बात कहि भीतर किएक दौड़ल?

- (A) कागज लय कऽ पिताकें देखेबाक लेल
- (B) शादुलकें भगेबाक लेल
- (C) ताड़ी आनबाक लेल
- (D) बुच्चैयाकें बजाबय लेल

२८०. इमाम पट्टा पढ़ि नहि सकैत होइतो ओकरा देखि किएक भावुक भेलाह?

- (A) ओ बुझि गेलाह जे कागज हुनकरे नाम पर अछि
- (B) ओ बुझलाह जे ई शादुलक जन्मपत्र अछि
- (C) ओकरा लगल ई अदालतक समन अछि
- (D) ओ समझलाह ई गीतक पन्ना अछि

२८१. बीबम्मा पट्टा आ बालिक सुगन्धक बीच कोना देखाइत छथि?

- (A) भावुक होइत नोर पोंछैत, फेर बालि तैयार होयब देखि चेतैत
- (B) पूर्ण क्रोधमे घर छोड़ैत
- (C) सरपञ्चकें गारि दैत
- (D) शादुलसँ डरि भागैत

२८२. शादुल पहिल मुट्ठी बालि कोना खायल?

- (A) दू घोंटमे चट कऽ गेल
- (B) छूओ नहि कएलक
- (C) खाधिमे दबा देलक
- (D) चाँदकें देलक

२८३. चाँद 'जँ अहाँ नहि मारि सकैत छी, तँ हम मारब' कहि की स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ओ शादुलक जीवन समाप्त करबाक निर्णयमे कठोर अछि
- (B) ओ शादुलकें बचाबय चाहैत अछि
- (C) ओ पट्टा लौटाय चाहैत अछि
- (D) ओ घर छोड़य तैयार अछि

२८४. इमाम पहिने आधासँ बेसी बालि अलग दऽ देबामे कोन मनोवृत्ति देखबैत छथि?

- (A) विष देबासँ पहिने शादुलकें किछु सुख/भोजन देबाक करुणा
- (B) ओ विष बचाबय चाहैत छथि
- (C) ओ शादुलकें भूखल राखय चाहैत छथि
- (D) ओ चाँदकें धोखा देबय चाहैत छथि मात्र

२८५. साइनाइड मिलबैत काल बीबम्मा आ चाँदक प्रतिक्रियामे कोन अन्तर देखाइत अछि?

- (A) बीबम्मा दोसर दिस देखैत छथि, चाँद ध्यानसँ जाँचैत अछि
- (B) दुनू नाचय लगैत अछि
- (C) दुनू सोइ जाइत अछि
- (D) दुनू पट्टा पढ़ैत अछि

खण्ड १२२ : विदेह-सदेह ३७ — अन्तिम बहस, जंगलक अन्तिम यात्रा आ अनलौटल इमाम

२८६. चाँद विषक मात्रा पर जोर दैत किएक कहैत अछि जे पूरा मात्रा मिला दियो?

- (A) ओ डरैत अछि जे कम मात्रासँ शादुल नहि मरत
- (B) ओ स्वाद बढ़बय चाहैत अछि
- (C) ओ मकड़ बचाबय चाहैत अछि
- (D) ओ बीबम्माकें खिआबय चाहैत अछि

२८७. इमाम 'हम अहाँ जकाँ सहजहि ओकरा नहि बिसरि सकैत छी' कहि की व्यक्त करैत छथि?

- (A) शादुलसँ बीस बर्खक स्नेह आ ऋणक बन्धन
- (B) चाँदसँ घृणा
- (C) पट्टासँ खुशी
- (D) सरपञ्चसँ मित्रता

२८८. इमाम शादुलक प्राकृतिक मृत्यु आ स्वयं हत्या करबाक बीच कोन अन्तर रखैत छथि?

- (A) रोगसँ मरित तँ दुख सहि लितहुँ, मुदा स्वयं मारब असह्य अछि
- (B) दुनू एकदम समान अछि
- (C) रोगसँ मृत्यु अधिक अपराध अछि
- (D) स्वयं हत्या उत्सव थिक

२८९. चाँद इमामक भावुक तर्क बीचमे काटि किएक टोकैत अछि?

- (A) ओ केवल स्पष्ट उत्तर चाहैत अछि—विष इमाम देताह कि ओ स्वयं देत
- (B) ओ कविता सुनय चाहैत अछि
- (C) ओ पट्टा पढ़ि रहल अछि
- (D) ओ शादुलकें बचाबय चाहैत अछि

२९०. चाँदक ऊँच आवाज सुनि शादुलक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ आँखि लाल कऽ गुरइल
- (B) ओ सूतल रहल
- (C) ओ पट्टा खा गेल
- (D) ओ गाम छोड़ि गेल

२९१. इमाम विष घरमे नहि देबाक पक्षमे कोन व्यावहारिक तर्क देलनि?

- (A) पीड़ामे शादुल चिकड़त तँ गामक लोक भालुक बात जानि जायत
- (B) घरमे पानि नहि अछि
- (C) चाँदनी कम अछि
- (D) मकड़ ठण्डा अछि

२९२. बीबम्मा अन्तिम बहसमे कोन पक्ष लेतीह?

- (A) इमामकें भालु जंगल लय जाय देबाक
- (B) चाँदकें तुरत्ते मारबाक
- (C) पट्टा फाड़बाक
- (D) बुच्चैयाकें घर बजाबक

२९३. चाँद जंगल जायबाक अनुमति कोन शर्त पर दैत अछि?

- (A) शादुल मरि जाय तखने इमाम वापस आबथि
- (B) इमाम तुरत्ते पट्टा लौटा देथि
- (C) बीबम्मा साथ जाथि
- (D) बुच्चैया पहरा देथि

२९४. अन्तिम यात्रामे इमामक हाथमे की-की अछि?

- (A) एक हाथमे मकड़क बालि, दोसर हाथमे शादुलक रस्सा
- (B) पट्टा आ कलम
- (C) ताड़ी आ गिलास
- (D) थारी आ पानिक टब मात्र

२९५. 'आधा घण्टा'क वचनक बाद कथाक अन्तिम संकेत की अछि?

- (A) एक घण्टा, दिन, राति बीति गेल, तखनो इमाम वापस नहि अएलाह
- (B) इमाम तुरत्ते लौटि अएलाह
- (C) शादुल अकेले पट्टा लय अयल
- (D) चाँद मण्डल कार्यालय नहि गेल

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) जिगरी — 'सदा लेल मित्र' क मूल तेलुगु उपन्यासक नाम 'जिगरी' थिक।
२. (A) पेद्दिति अशोक कुमार — 'जिगरी' क तेलुगु लेखक पेद्दिति अशोक कुमार छथि।
३. (A) फ्रेण्ड्स फॉरएवर — 'जिगरी' क तेलुगुसँ अंग्रेजी अनुवाद 'फ्रेण्ड्स फॉरएवर' नामसँ भेल।
४. (A) पी. जयलक्ष्मी — पी. जयलक्ष्मी तेलुगु उपन्यासक अंग्रेजी अनुवाद 'फ्रेण्ड्स फॉरएवर' केलनि।

५. (A) गजेन्द्र ठाकुर — गजेन्द्र ठाकुर अंग्रेजीसँ मैथिलीमे 'सदा लेल मित्र' अनुवाद केलनि।
६. (A) आंध्र प्रदेशक करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाम — पेड़िति अशोक कुमारक जन्म आंध्र प्रदेशक करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाममे मल्लवा आ अंजय्या दम्पतिक घर भेल।
७. (A) खाड़ी देशमे श्रमिक पलायन — 'एदरि मंटालु' खाड़ी देश सभमे श्रमिक पलायनपर लिखल गेल पहिल तेलुगु उपन्यास मानल जाइत अछि।
८. (A) आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार (२०१०) — 'मायी मुंठा' कहानी संग्रह लेल पेड़िति अशोक कुमारकें सन् २०१० मे आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल।
९. (A) निजाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद — पी. जयलक्ष्मी हैदराबादक उस्मानिया विश्वविद्यालयक निजाम कॉलेजसँ अंग्रेजी विभागक प्रमुख आ सहयोगी प्रोफेसरक रूपमे सेवानिवृत्त भेलीह।
१०. (A) डॉ. नलिमेला भास्कर (बहुभाषी व्यक्तित्व) — 'सदा लेल मित्र' बहुभाषी व्यक्तित्व डॉ. नलिमेला भास्करकें समर्पित अछि।
११. (A) भालु-नचबा बला (कलन्दर) समुदाय — उपन्यासक विषय-वस्तु भालु-नचबा बला समुदाय (कलन्दर) क आजीविका-संघर्ष आ ओकर मिझाइत जातीय अस्मितापर आधारित अछि।
१२. (A) जीविका लेल पशु-प्रशिक्षण-प्रदर्शनक विरुद्ध कानून — सरकार जीविका लेल पशु सभकें प्रशिक्षित आ प्रदर्शित करबाक विरुद्ध कानून पारित कऽ देलक, जे एहि समुदायक परिवारकें विखंडित करबाक धमकी देलक।
१३. (A) एकटा साझा मित्रक माध्यमसँ वेबजीनसँ डाउनलोड कएल प्रति — अनुवादकक निवेदन अनुसार जून २०११क लगपास ई उपन्यास एकटा साझा मित्रक माध्यमसँ एक वेबजीनसँ डाउनलोड कएल प्रतिक रूपमे हाथ लागल।
१४. (A) आदिवासी अनुभवकें अन्य भाषामे अनूदित करब — अनुवादकक मुख्य चुनौती छल एकटा आदिवासी अनुभवकें, जे ग्रामीण कृषि-प्रधान परिवेशसँ बहराएल, सही ढंगेँ अनुवादित करब।
१५. (A) विदेहक अनुवाद-कार्यक गहराइ आ बहु-स्तरीय भाषिक सेतु-निर्माण — ई त्रि-भाषिक अनुवाद-शृंखला विदेहक अनुवाद-कार्यक गहराइ आ अनेक भाषाक बीच बहु-स्तरीय सेतु-निर्माणक प्रतिबद्धता देखबैत अछि।
१६. (A) जिगरी — 'सदा लेल मित्र' मूल तेलुगु उपन्यास 'जिगरी'क अंग्रेजी रूप 'फ्रेण्ड्स फॉरवर' सँ मैथिली अनुवाद अछि।
१७. (A) आंध्र प्रदेशक करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाममे — लेखकक जन्म करीमनगर जिलाक भीमुनि मल्लारेड्डीपेटा गाममे मल्लवा आ अंजय्या दम्पतिक घर भेल छल।
१८. (A) गणित पढ़बैत शिक्षक — स्रोतमे हुनका करीमनगर जिलाक रामजीपेटाक एकटा स्कूलमे गणित पढ़ेनिहार शिक्षक कहल गेल अछि।
१९. (A) आशा निराशा आशा — लेखक-परिचयमे हुनकर पहिल कहानी 'आशा निराशा आशा' १९९९ मे प्रकाशित भेल कहल गेल अछि।
२०. (A) खाड़ी देश सभमे श्रमिक पलायन — 'एदरि मंटालु' खाड़ी देश सभमे श्रमिक पलायनपर लिखल गेल पहिल तेलुगु उपन्यास मानल गेल अछि।
२१. (A) अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशनक उपन्यास प्रतियोगिता — स्रोत अनुसार मूल तेलुगु उपन्यास 'जिगरी' अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन द्वारा आयोजित २००६ केर उपन्यास प्रतियोगितामे पुरस्कृत भेल।
२२. (A) आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार — लेखक-परिचयमे कहानी संग्रह 'मायी मुंठा' लेल २०१० मे आंध्र प्रदेश राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कारक उल्लेख अछि।
२३. (A) निजाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय — अनुवादक-परिचयमे पी. जयलक्ष्मीकें हैदराबादक उस्मानिया विश्वविद्यालयक निजाम कॉलेजक अंग्रेजी विभागक पूर्व प्रमुख आ सहयोगी प्राध्यापक कहल गेल अछि।
२४. (A) बहुभाषी व्यक्तित्व डॉ. नलिमेला भास्करकें — उपन्यासक समर्पणमे बहुभाषाविद् डॉ. नलिमेला भास्करक नाम देल गेल अछि।
२५. (A) इमाम आ शादुलक दुखद कथा — पी. जयलक्ष्मी लिखैत छथि जे ओ इमाम आ शादुलक दुखद कथा एकहि बैसकीमे पढ़ि लेलनि।
२६. (A) मनुष्य आ पशु, जाति-समुदायक राजनीति आ सीमांत इतिहासक गाथा — निवेदन 'जिगरी'कें मनुष्य-पशु सम्बन्ध, जाति-समुदायक राजनीति आ सीमांत इतिहासक गाथा रूपेँ देखैत अछि।
२७. (A) भालु-नचबै वाला समुदाय केर आजीविका आ मिझाइत जातीय अस्मिता — अनुवादकक अनुसार भालु-नचबै वाला कलन्दर समुदायक आजीविका आ लुप्त होइत जातीय अस्मिता एहि उपन्यासक प्रेरक केन्द्र अछि।
२८. (A) जीविका लेल पशु पकड़ब, प्रशिक्षित करब आ देखाएब निषिद्ध कऽ देल जाइत अछि — स्रोतमे कहल गेल अछि जे सरकार जीविका लेल पशु प्रशिक्षित आ प्रदर्शित करबाक विरुद्ध कानून बना देलक, जाहि सँ परिवारक जीवन-संकट उत्पन्न भेल।

३९. (A) सीमांत समुदाय केर सामाजिक इतिहास आ सांस्कृतिक स्मृतिकें बचाएब — अनुवादक उपन्यासकें कलन्दर समुदायक जीवन, संस्कृति आ मूल्यक सांस्कृतिक स्मृति-मंजूषा मानैत छथि।
४०. (A) बानर-नाच, साँप-खेल, कठपुतली-नाच आ गांगिरेड्डु — निवेदनमे कहल अछि जे बानर-नाच, साँप-खेल, कठपुतली-नाच, गांगिरेड्डु सन जातीय समूह तेजी सँ बिला रहल अछि।
४१. (A) भावना, विश्वास, रीति-रिवाज, क्षेत्र-विशिष्ट उर्दू बोली आ दैनिक कहबी सँ — अनुवादक स्थानीयता लेल भावना, विश्वास, रीति-रिवाज, उर्दूक विशिष्ट बोली आ बोलचालक कहबीक महत्त्व बतबैत छथि।
४२. (A) पाबनि-तिहार आ पारम्परिक आदिवासी चिकित्साक सन्दर्भ — निवेदनमे क्षेत्रीयता पाबनि-तिहार आ पारम्परिक आदिवासी चिकित्सा-सन्दर्भ सँ जुड़ल अछि।
४३. (A) स्रोत भाषाक अभिव्यक्ति आ लक्ष्य भाषाक अभिव्यक्तिक विवेकपूर्ण मिश्रण — स्रोतमे कहल गेल अछि जे सफल अनुवाद स्रोत भाषाक अभिव्यक्तिकें लक्ष्य भाषाक अभिव्यक्तिसँ एना मिलाबय जे मूल रङ्ग बनल रहय।
४४. (A) तेलंगाना क्षेत्रक मण्डलिका आ क्षेत्र-विशिष्ट उर्दूक मिश्रित संसारमे — निवेदन बतबैत अछि जे मूल पाठ तेलंगाना क्षेत्रक बोलीमे अछि आ पात्र सभ क्षेत्र-विशिष्ट उर्दू सेहो बाजैत छथि।
४५. (A) संस्कृति-विशिष्ट शब्द, वृक्ष, जड़ी-बूटी, कहबी आ सामाजिक सन्दर्भ स्पष्ट करबाक लेल — विस्तृत शब्दावली संस्कृति-विशिष्ट शब्द, जड़ी-बूटी, वृक्ष आ कहबीक अर्थ बुझाबय लेल देल गेल अछि।
४६. (A) सूर्योदय-सूर्यास्त, दिन-रात बीतल, मुदा दुनूक कोनो संकेत नहि — कथा ‘सूर्योदय भेल... सूर्यास्त सेहो भेल’ सँ आरम्भ भऽ इमाम आ शादुलक नहि अपबाक बेचैनी रचैत अछि।
४७. (A) भोजन/खीर बनबैत इमाम आ शादुलक प्रतीक्षा — आरम्भिक दृश्य मे बीबम्मा आ चाँद चूल्हिक सोझाँ बैसि रान्हैत आ इमाम-शादुलक प्रतीक्षा करैत छथि।
४८. (A) ओ प्रसन्न सेहो अछि मुदा भीतर-भीतर डेरायल सेहो — स्रोतमे चाँदकें प्रसन्न मुदा भीतर-भीतर डेरायल देखाओल गेल अछि।
४९. (A) काँट, भूख वा जड़ भेला पर सभक मन-देह व्याकुल भऽ उठैत छल — शादुलक पएरमे काँट, ओकर भूख वा जड़ सभ परिवारक अपन पीड़ा जकाँ अनुभव होइत छल।
४०. (A) एकटा सुस्त भालु/बोनहा जानवर जे परिवारमे पोसल गेल — कथामे शादुलकें मनुष्य नहि, कारी नाक-रोइयाँ, तेज दाँत आ हाँसुआ-जेकाँ नह वला सुस्त भालु कहल गेल अछि।
४१. (A) पक्कीर वा पक्कीर साहब — कथामे कहल गेल अछि जे गाममे कियो इमामक असली नाम नहि जानैत छल; ओ पक्कीर वा पक्कीर साहब कहला जाइत छलाह।
४२. (A) इमाम आगू चलैत आ शादुल जंजीरक दोसर छोर मुँहमे दबौने पाछाँ चलैत — इमाम सदखन जंजीर लेने चलैत छलाह आ शादुल ओकर दोसर छोर मुँहमे दबौने पाछाँ-पाछाँ चलैत छल।
४३. (A) स्थितिक अंदाजा आ क्रोध/संकट — कथा अनुसार शादुल इमामक स्वर सुनि स्थिति बुझि जाइत छल आ इमाम पर आक्रमणक संकेत देखलासँ क्रोधित भऽ सकैत छल।
४४. (A) बेवकूफ — इमाम शादुलकें दुलारसँ ‘अरे, बेवकूफ!’ कहैत छलाह।
४५. (A) चाँदकें डाँटि शादुलकें अपन पास खींचि अङ्कवार भरि लैत — जखन चाँद मशालसँ शादुलकें डरबैत, इमाम चाँदकें डाँटि शादुलकें अङ्कवारमे लैत छलाह।
४६. (A) बड़का पुत्र जकाँ — कथामे स्पष्ट कहल गेल अछि जे इमाम लेल शादुल बड़का पुत्र जकाँ छल।
४७. (A) सहोदर भाई आ दोसर पिता जकाँ — चाँद शादुलक संग खेलाइत बच्चा बनैत छल आ कहैत छल जे ओकर दू पिता छथि—अब्बा आ शादुल।
४८. (A) मात्र घरमे इजोत नहि, जीवन सेहो — बीबम्मा कहैत छथि जे शादुल घरमे इजोतहि नहि, जीवन सेहो देलक; हुनका ओ पछिला जनमक बच्चा जकाँ लगैत अछि।
४९. (A) भिजायल मकड़ सिझि दूधमे मिलायल लपसी — इमाम मकड़ भिजबैत, बीबम्मा सिझबैत आ चाँद दूध अनैत; शादुल मकड़-दूधक लपसी खाइत छल।
५०. (A) पेट आ पाचन ठीक रहय, एहि विश्वाससँ — बीबम्माक विश्वास छल जे जाजीक रस शादुलक पेट ठीक राखैत अछि आ पाचन नीक करैत अछि।
५१. (A) लगभग बीस बर्ख — कथामे ई सम्बन्ध दू-तीन साल नहि, बल्कि बीस बर्खक प्रगाढ़ साथ कहल गेल अछि।

५२. (A) ओ परिवारक अभिन्न अङ्ग छल — लेखक कहैत छथि जे बस एतेक छल जे शादुल बाजि नहि सकैत छल, मुदा ओ परिवारक अभिन्न अङ्ग छल।
५३. (A) दू-तीन सालमे बीमार पड़त आ सेवा-सुश्रूषा करय पड़त — बीबम्मा कहैत छथि जे आर दू-तीन सालमे शादुल बीमार पड़ि सकैत अछि आ ओकर सेवा-सुश्रूषा करय पड़त।
५४. (A) ओ हमर मृत्युक बादो तोरा सहारा देत — इमाम विश्वास व्यक्त करैत छथि जे शादुल हुनकर मृत्युक बादो चाँदकेँ सहारा देत।
५५. (A) आगिक चारू कात संगे बैसैत, मुदा शादुल आगिसँ डरि दूर हटैत — जाड़क रातिमे चारू आगि लग बैसैत, मुदा आगिसँ डरला कारणेँ शादुल दूर कोनमे सुटकि जाइत छल।
५६. (A) चूल्हि पहिने शादुल लेल जरैत छल, आब परिवारक लेल जरैत अछि — कथामे कहल गेल अछि जे पहिने चूल्हि केवल शादुल लेल धधकैत छल, मुदा शादुल नहि रहने आब परिवारक लेल जरि रहल छल।
५७. (A) दूध, चीनी आ सेवइक खीर — बीबम्मा बेटाक आग्रहपर दूध, चीनी आ सेवइक खीर बना रहल छलीह।
५८. (A) जँ सौदा नहि भेल होइत तँ ओ वापस आबि गेल रहितथि; देरी सौदा पक्का होएबाक संकेत — बीबम्मा चाँदकेँ बुझबैत छथि जे चारि दिन बादो इमामक नहि आएब सौदा पक्का भेला समान अछि।
५९. (A) भालु पुनः एतय नहि देखल जाय — दू एकड़ जमीनक आशामे मण्डल राजस्व अधिकारीक शर्त छल जे ई भालु फेर एतय नहि देखल जाय।
६०. (A) खेती, खोपड़ी आ कुक्कुट पालन — चाँद कल्पना करैत अछि जे जमीन पर खेती करत, ओतहि खोपड़ी बनाओत आ कुक्कुट पालन शुरू करत।
६१. (A) हुक, लकड़ीक ठूँठ, बिछौन, पानिक कुण्ड, बर्तन आ चमड़ाक चादरि — माता-पुत्र शादुलक हुक, ठूँठ, बिछौन, पानिक कुण्ड, अल्युमिनिअम बर्तन आ चमड़ाक चादरि हटबैत छथि।
६२. (A) लाल माटिसँ नीपि देल गेल — बीस बर्खक सुस्त भालुक निशान हटाकऽ एकचारीकेँ लाल माटिसँ नीपि साफ कएल गेल।
६३. (A) शादुल रहैत घर कहियो एतेक साफ नहि देखाइत छल — चाँदक टिप्पणी अछि जे जखन शादुल लगपास रहैत छल तखन घर एतेक साफ नहि देखाइत छल।
६४. (A) पहिने चाहैत छलीह पुत्र पिता जकाँ भालु लऽ चलय; आब ओहि जीवनक विचारसँ घृणा होइत छनि — जमीनक स्वप्नक बाद बीबम्मा ओहि घुमन्तु भालु-जीवनक विचारसँ घृणा अनुभव करैत छलीह।
६५. (A) की ओ भालुकेँ संग वापस त नहि अनताह? — बीबम्मा स्वयम् मोन बुझबैत छलीह, मुदा कोनमे डर छल जे इमाम शादुलक संग वापस आबि सकैत छथि।
६६. (A) मिठासक गन्धक बीच मल-मूत्रक तीव्र दुर्गन्ध आ पदचापसँ — खीरक मधुर सुगन्धक बीच चाँदकेँ दुर्गन्ध आ डेगक आहटि सँ भालुक वापसीक संकेत भेटैत अछि।
६७. (A) पिता शादुलकेँ फेर वापस लऽ कऽ आबि रहल छथि — चाँद क्रोधमे बुझैत अछि जे इमाम 'ई शैतान' अर्थात् शादुलकेँ फेर संग लऽ कऽ आबि रहल छथि।
६८. (A) ओ स्वागत नहि होएबाक बात जानैत हठपूर्वक सोझाँ ठाढ़ भऽ जाइत छथि — इमाम जानैत छलाह जे भालुक संग स्वागत नहि होयत, तखनो ओ हठपूर्वक आँगनमे ठाढ़ भऽ गेलाह।
६९. (A) रस्सा सँ खींचि ओकरा रोकि दैत छथि — शादुल अपन पुरान ठाम दिस बढैत अछि, मुदा इमाम रस्सा खींचि ओकरा रोकि दैत छथि।
७०. (A) शादुलक वापसीसँ दू एकड़ जमीन आ नव जीवनक स्वप्न टूटबाक डर — चाँद बुझैत अछि जे भालुक वापसी जमीन, खेती आ कुक्कुट पालनक सपना नष्ट कऽ देत।
७१. (A) गहीर खाधि खुनि जियते वा मारि गाड़ि देब — चाँद साफ कहैत अछि जे एकटा गहीर खाधि तैयार कऽ रातिमे शादुलकेँ गाड़ि देबाक चाही।
७२. (A) 'की... जखन ओ जीवित अछि?'—आश्चर्य आ भय — चाँदक 'गाड़ि देब' प्रस्ताव पर इमाम चौंकि पूछैत छथि—'की... जखन ओ जीवित अछि?'
७३. (A) चाँद साँझमे बिजलीक तार खाम्ह पर फेकब बिसरि गेल छल — चाँद सामान्यतः बिजलीक खाम्ह पर तार फेकैत छल, मुदा ओहि साँझ बिसरि गेलाकारण अन्हार छल।
७४. (A) रस्तामे अएलहुँ तँ शादुल नहि, अहाँकेँ काटि गाड़ि देब — क्रोधमे चाँद इमामकेँ धमकी दैत अछि जे जँ ओ रोकताह तँ ओ शादुलक बदला हुनकाही गाड़ि देत।
७५. (A) झूठ पकड़ा गेल तँ पुलिसक कठोर दण्डक भय देखेबाक लेल — बीबम्मा कहैत छथि जे एस.आई. तमसाह लोक छथि; जँ झूठ पकड़ा गेल तँ कठोर दण्ड देताह।

७६. (A) किछु सिझल भात प्लेटमे लय कऽ ओकरा सोझाँ राखैत छथि — इमाम बर्तनमे भोजन खोजि शादुलक सोझाँ अपन घिसल प्लेटमे भात राखि दैत छथि।
७७. (A) भात — स्रोतमे कहल अछि जे बीस बर्खमे शादुल कहियो भात नहि खयने छल; बीबम्मा भातसँ वात बढ़बाक डर मानैत छलीह।
७८. (A) कामारेड्डीसँ मकड़ आ ज्वार किनि पिसबैत, दूध संग लपसी बनबैत — चाँद स्वयं मकड़-ज्वार किनैत, पिसबैत आ दूधक संग शादुलकेँ भोजन दैत; ओ एहि काजमे ककरो पर भरोसा नहि करैत छल।
७९. (A) हम मनुष्य छी, आशा पर जी सकैत छी; ओकरा भोजनक अतिरिक्त की अछि? — चाँद कहैत छल जे मनुष्य आशा पर जी सकैत अछि, मुदा शादुलक लेल भोजनहि सभ किछु अछि।
८०. (A) कइएक दिन परिवार भूखल रहल, मुदा शादुलकेँ दूध खियाओल गेल — कथामे कहल गेल अछि जे कई दिन ओ सभ भूखल रहल आ पानि पीकऽ काटलक, मुदा शादुलकेँ दूध देल गेल।
८१. (A) हृदय पर गहीर प्रहार जकाँ — सन्नाटामे गैतीक घर्षण इमामकेँ अपन हृदय पर गहीर प्रहार सन लगैत अछि।
८२. (A) ओ बीस बर्ख धरि सेवा आ देखभाल कएने अछि; की ओकरा जियते गाड़ि देब? — इमाम पुकारि कहैत छथि जे शादुल बीस बर्ख सेवा कएने अछि, ताहि लेल ओकरा जियते गाड़ब असह्य अछि।
८३. (A) तू जमीन चाहैत छह की नहि, हमरा सुख सँ रहय देबह की नहि? — बीबम्मा उत्तरमे जमीन आ सुखी जीवनक इच्छा केँ केन्द्रीय प्रश्न बनबैत छथि।
८४. (A) जँ एहि समय जमीन नहि लेल, बादमे शादुल रहने कियो नहि देत — बीबम्मा कहैत छथि जे शादुल रहला पर ओ जीविका मानल जायत, बादमे जमीन मांगलासँ भेटब कठिन होएत।
८५. (A) हुनकर मन आ निर्णय स्पष्ट अछि — बीबम्माक कठोर-व्यावहारिक बातसँ इमाम बुझि जाइत छथि जे हुनकर पत्नी शादुलक पक्षमे नहि ठाढ़ छथि।
८६. (A) ओ शादुलकेँ गाम लय जाएबाक लेल एहन चाँदनी राति चुनैत छलाह — इमाम याद करैत छथि जे जखन शादुलकेँ कोनो गाम लय जाएब होइत, ओ चाँदनी रातिये चुनैत छलाह।
८७. (A) बीस बर्ख पहिने एहनहि चाँदनी रातिमे, जखन ओ छह मास सँ कनी बेसीक छल — स्मृतिमे इमाम कहैत छथि जे बीस बर्ख पहिने एहन चाँदनी रातिमे लगभग छह मासक शावक हुनका हाथ लागल छल।
८८. (A) ओकर बादामक फसल पर भालु हमला कऽ रहल छल — चन्द्रैया शिकायत करैत अछि जे एकटा भालु ओकर फली/बादामक फसल कोड़ि कहर मचा रहल अछि।
८९. (A) ओ कहैत अछि जे भालुक संग बच्चा अछि, जकरा पकड़ि प्रशिक्षित कऽ जीविका बनि सकैत अछि — चन्द्रैया बतबैत अछि जे भालु मादा अछि आ बच्चा संगे अछि; बच्चा पकड़ि खेल सिखाएल जा सकैत अछि।
९०. (A) एक मादा आ एक नर भालु, मुदा बच्चा नहि — पहिल राति इमाम दुनू वयस्क भालु देखैत अछि, मुदा बच्चाक कोनो चिन्ह नहि पबैत अछि।
९१. (A) मानवीय गन्ध झाँपि सुरक्षा लेल — भालुक तीव्र सूँघबाक शक्ति सँ बचबाक लेल इमाम शरीर पर देशी शराब लगौने छल।
९२. (A) मनुष्य सभक बीच अनुपस्थित अनुशासन बोनहा भालु सभमे भेटैत अछि — नर-मादा भालुक व्यवहार देखि इमाम सोचैत अछि जे बोनहा भालु सभमे एक प्रकारक अनुशासन अछि।
९३. (A) माता संग नवजात शिशु जकाँ खेलाइत आ इप्पाक फूल खाइत — अगिला बार माता भालु आ बच्चा दुनू दृश्य होइत अछि; बच्चा पंखुड़ी चुनि खाइत आ झाँखुड़क चारू कात खेलाइत अछि।
९४. (A) दू जाल, बाँसक पिंजरा, आ बीबम्माक संग आगिक तैयारी — तेसर दिन इमाम दू टा जाल आ बाँसक पिंजरा लय गेलाह; बीबम्मा सुखायल ताड़क पात आ माचिससँ तैयार छलीह।
९५. (A) बीबम्मा ताड़क पातमे आगि जरौलनि — माता भालु आक्रमण करय वला छल, ठीक तखने बीबम्मा माचिस जराकऽ ताड़क पातमे आगि लगौलनि, जाहिसँ भालु पाछाँ हटल।
९६. (A) जालक भीतर देशी शराब ओकर मुँहमे उड़ेलि देल जाइत अछि — इमाम बच्चाक पएर पकड़ैत छथि आ बीबम्मा बोतलक देशी शराब जालक फाँक सँ ओकर मुँहमे उड़ेलि दैत छथि।
९७. (A) माता गन्ध पकड़ि पीछा कऽ हमला कऽ सकैत छल — कथामे स्पष्ट अछि जे ओहि राति बच्चाकेँ हटाएब असम्भव छल, किएकि माता गन्ध पकड़ि पीछा कऽ सकैत छल।
९८. (A) ओ भालुक मृत्यु देखि बीबम्मा आर कोनो भालुक मृत्यु आँखिसँ नहि देखबाक संकल्प लेने छलीह — रसूलक पागल भालु पर भिजल सीरक फेकबाक घटनाक बाद बीबम्मा संकल्प करैत छथि जे आर भालुक मृत्यु नहि देखतीह।

१९. (A) अपन पुत्रक समान — बीबम्मा शादुलमे पुत्रक छवि देखैत छलीह आ ओकर बीमारीक चिन्ता अपन बालक जकाँ करैत छलीह।
१००. (A) एक कान्ह पर चाँद, दोसर पर शादुल लऽ वर्षामे पएरे — बसमे अनुमति नहि भेटला पर बीबम्मा चाँद आ शादुलकेँ कान्हपर लेने वर्षामे पएरे नैहर आ फकीर दिस गेलीह।
१०१. (A) ई औखध मात्र मनुष्यक बच्चा लेल काज करत — फकीर हँसि कहैत अछि जे ई उपचार मात्र मानव शिशु सभ लेल अछि; बीबम्मा उत्तर दैत छथि जे शादुल सेहो बच्चा अछि।
१०२. (A) मुँह खोललापर ओ एल्लव्वा पर कूदि पड़ैत अछि — बीबम्मा शादुलक मुँहक कपड़ा हटलाक बाद ओ एल्लव्वाक कोरा सँ उछलि हुनका पर कूदि पड़ैत अछि।
१०३. (A) शादुलक मुँहक पट्टा फेर लगाबय पड़त — डॉक्टर पर झपटला आ गारि भेटलाक बाद बीबम्मा पुनः शादुलक मुँह पर पट्टा लगाबय लगलीह।
१०४. (A) दस दिन लगातार खेत-मजदूरी कऽ टका जुटौलनि — औखधक लेल दू सय टका लागत; इमाम टालि देलनि, तखन बीबम्मा दस दिन खेत-मजदूरी कऽ औखध किनलीह।
१०५. (A) रोइयाँ उगि आएल, बोनहा स्वभाव घटल, मानुसक भोजन आ भाषा बुझय लागल — बीबम्माक प्रयाससँ शादुल ठीक भेल, कोमल बनल, मानुसक भोजनक अभ्यस्त आ मानुसक भाषा बुझएबला भेल।
१०६. (A) लोकक मनोरंजन लेल ओकरा खेल-तरकीब सिखाएब — शादुल कोमल भेला पर इमाम ओकरा लोकक मनोरंजनक खेल-तरकीब सिखबय चाहैत छथि।
१०७. (A) पाछाँक पएर पर सोझ ठाढ़ होएब — प्रशिक्षणमे शादुल ‘ठाढ़ हो’ सुनलापर पाछाँक पएर पर ठाढ़ होएब सीखैत अछि।
१०८. (A) शादुलकेँ लाठी सँ थुथन पर मारि-मारि सिखाओल जाइत छल — शादुलकेँ एक-एक तरकीब सिखाएबाक लेल मारि पड़ैत, जे देखिकऽ बीबम्मा दुखी आ रुष्ट होइत छलीह।
१०९. (A) पाथर सेहो मूर्ति बनबाक लेल चोट खाइत अछि — इमाम कहैत छलाह—जँ मारब नहि तँ खेल कोना सीखत; पाथरकेँ सेहो मूर्ति बनय लेल चोट खाय पड़ैत छैक।
११०. (A) एकचारी सँ दूर गाछक नीचाँ आन ठाम — घरपर प्रशिक्षण सम्भव नहि छल, तँ इमाम शादुलकेँ एकचारी सँ दूर एक गाछक नीचाँ सिखेबा लेल लय गेलाह।
१११. (A) दू पएर पर चलब आ फेंकल लाठी पकड़ब — प्रशिक्षणक बाद ‘चल’ पर दू पएर पर चलब आ ‘पकड़ू’ पर लाठी पकड़ब ओकर खेल बनि गेल।
११२. (A) नीम आ धातरीम — इमाम सोचलनि जे नीम आ धातरीमक तीत स्वाद शादुलकेँ ताबीज थुकय बाध्य करत, मुदा ओ निगलि जाइत छल।
११३. (A) हरियर मेरचाइ — हरियर मेरचाइक जलन सहयमे असमर्थ भऽ शादुल ताबीज थुकय लागल; दू मास बाद तरकीब सीखि गेल।
११४. (A) ‘सभ लोककेँ सलाम करह’ कहि शादुलकेँ पाछाँक पएर पर ठाढ़ करबैत — प्रदर्शन शुरू करैत इमाम कहैत छलाह ‘सभ लोककेँ सलाम करह’, आ शादुल ठाढ़ भऽ सभकेँ सलाम करैत छल।
११५. (A) चाँद संग बच्चा, बीबम्मा लग शिशु, मुदा इमाम पाछाँ जीविकाक जिम्मेदार साथी — कथा शादुलकेँ घरमे प्रेमिल बच्चा/शिशु आ इमामक संग जीविकाक भार ढोबैत जिम्मेदार सदस्य दुनू रूपमे देखबैत अछि।
११६. (A) लोकक मनोरंजन करैत भीख/जीविका जुटेबाक लेल — प्रशिक्षणक बाद इमाम शादुलकेँ लोकक सोझाँ खेल देखबैत जीविका कमेबाक साधन बनबय चाहैत छलाह।
११७. (A) सभ लोककेँ सलाम करह — इमामक आरम्भिक पुकार पर शादुल पाछाँक पएर पर ठाढ़ भऽ लोककेँ सलाम करैत छल।
११८. (A) महिला बेसी रहला पर पुरुषक खेल, पुरुष बेसी रहला पर महिलाक खेल करबैत — इमाम प्रदर्शनमे तत्काल कथा रचैत छलाह; भीड़क प्रकृति अनुसार शादुलक अभिनय बदलैत छल।
११९. (A) थुथन पर पट्टा, कण्ठमे रस्सा, हाथमे मन्त्रायल ताबीज — इमाम शादुलक थुथनक चारू कात पट्टा, कण्ठमे रस्सा आ हाथमे ताबीज लऽ गलीमे बढलाह।
१२०. (A) गलीक कुकुर सभ ओकरा पर भुकैत पीछा करय लागल — गलीक कुकुर सभ शादुलकेँ देखिते लगातार भुकैत ओकर पीछा कएलक, जाहि सँ ओ आतंकित भेल।
१२१. (A) स्कूल जाइत बच्चा जकाँ विरोध करैत आ रस्सा खींचैत — पहिल बेर गलीक भीड़ आ कुकुर देखिकऽ शादुल डरि गेल आ आगू बढबासँ मना करय लागल।

१२२. (A) ओ पाथरक ढेर पर कूदि गामसँ बाहर भागि गेल — रस्सा अचानक टूटल, इमाम सन्तुलन सम्हारलनि, मुदा शादुल कुकुरसँ बचबाक लेल पाथरक ढेर पार कऽ भागि गेल।
१२३. (A) झाँखुड़, जङ्गल, खेत, परती जमीन आ सुखायल नाला — इमाम पूरा दिन खेत, परती, नाला, झाँखुड़ आ जङ्गल छानि मारलनि, मुदा शादुल नहि भेटल।
१२४. (A) तीनू गोटे जङ्गलमे अलाव लग बैसि शादुलक आवाज सुनबाक आसमे रहल — इमाम, बीबम्मा आ चाँद राति जङ्गलमे अलाव लग सतर्क बैसल रहलाह, मुदा शादुलक कोनो जवाब नहि आएल।
१२५. (A) कुकुर सभसँ ओकर रक्षा नहि कऽ ओकर प्राण संकटमे देबाक — बीबम्मा दुख आ क्रोधमे इमामकेँ कोसलनि जे ओ कुकुर सभसँ शादुलकेँ बचा नहि सकलाह।
१२६. (A) फसल कटनीमे एक सप्ताह सहायता — किसान पुरान इनारमे शादुल देखलक, मुदा ठाम बताबय लेल फसल कटनीमे सहायता चाहलक।
१२७. (A) एक सप्ताह नहि, दस दिन धरि सहायता करब — शादुलक खबर सुनि इमामक प्राणमे प्राण आएल; ओ किसानकेँ दस दिन धरि सहायता करबाक वचन देलनि।
१२८. (A) घन वनस्पतिक बीच बण्डल जकाँ सुतल, दुर्बल आ भूखल — इनारमे उगल वनस्पति बीच शादुल मूड़ी कऽ सुतल भेटल; भूखसँ ओ अत्यन्त दुर्बल छल।
१२९. (A) ओ भागल नहि, आस्ते-आस्ते कुहरैत इमाम दिस आएल — परिवार डरैत छल जे ओ भागत, मुदा ‘शादुल’ सुनि ओ शान्ति सँ इमाम दिस आएल।
१३०. (A) मुँहक जाबी हटाएल गेल आ मकड़क बालि खियाओल गेल — उद्धारक बाद इमाम-बीबम्मा शादुलकेँ घर अनलनि, जाबी हटौलनि आ भोजन देलनि।
१३१. (A) कटनीक वचन निभेलक, मकड़ जमा कएलक आ दूधक आपूर्ति जुटौलक — परिवार किसानक खेतमे काम कएलक, शादुल लेल मकड़ जमा कएलक आ प्रतिदिन दूधक व्यवस्था कएलक।
१३२. (A) नागिनक केंचुली — बीमारीक कारण नहि बुझल गेल; झोराछाप डॉक्टर नागिनक केंचुलीक औखध चाहलक।
१३३. (A) खेल देखाकऽ चाउर-धान आ चवन्नी-अठन्नी जुटैत रहल — अकालमे शादुलक प्रदर्शनक कारण इमाम खाली हाथ नहि लौटैत, झोरा अनाजसँ भरल रहैत।
१३४. (A) भालुक नृत्य वर्षा आनत — किछु गाममे लोक विश्वास करैत छल जे भालुसँ बतुकम्मा नचबेलासँ वर्षा होयत।
१३५. (A) पहिने भूखक कष्ट छल, बादमे खेल आ ताबीजसँ भोजन-जीविका जुटल — कथा स्पष्ट करैत अछि जे शादुल अएलाक बाद इमाम-बीबम्माकेँ भूखक ओहि पुरान कष्टसँ मुक्ति भेटल।
१३६. (A) ओ शादुलकेँ हटएबाक/दफन करबाक तैयारीमे छल — चाँद द्वारा खनल खाधि शादुलक भविष्यक भयावह संकेत बनैत अछि आ इमाम भीतरसँ टूटय लगैत छथि।
१३७. (A) इमाम भोजनक समय शादुलक मुँहक जाबी खोलि देने छलाह — संकटक क्षणमे ककरो ध्यान नहि रहल जे शादुलक मुँहक जाबी खुलल अछि, जाहि सँ खतरा बढ़ल।
१३८. (A) बाल्यकालक साथी नहि, मात्र बोनहा जानवर जकाँ देखय लागल — चाँदक स्मृतिसँ बाल्य-स्नेह हटि गेल; ओकरा शादुल अपन नहि, बाधा बनल बोनहा जानवर लागल।
१३९. (A) शादुल एकहि छलाँगमे खाधिक दोसर कात उतरि गेल — प्रशिक्षित खिलाड़ी जकाँ शादुल धक्का केँ खेल-तरकीब बुझि छलाँग मारि बचि गेल।
१४०. (A) नक्कोरे... नक्कोरे — इमाम ‘नक्कोरे’ कहि चाँदकेँ रोकबाक गोहार करैत छथि, मुदा चाँदक क्रोध बढ़ैत जाइत अछि।
१४१. (A) ओ चाँदकेँ सावधान कहैत शादुलकेँ कुशलता सँ धकेलबाक उकसाबैत छथि — बीबम्मा अपन पुत्रक पक्षमे ठाढ़ देखाइत छथि; हुनकर चिन्ता चाँदक सुरक्षा आ योजना पूरा करबाक अछि।
१४२. (A) धक्का असफल भेला पर ओकर धैर्य टूटि गेल आ क्रोध उग्र भेल — बारम्बार असफलता चाँदक क्रोधकेँ हिंसामे बदलि देलक, आ ओ रस्सासँ प्रहार करय लागल।
१४३. (A) ओ पिता सँ शादुलक हत्या/समाप्ति लेल निर्णायक आदेश चाहैत अछि — चाँदक भाषा बतबैत अछि जे ओकर दृष्टिमे शादुल आब साथी नहि, हटएबाक बाधा बनि गेल अछि।
१४४. (A) डर, घृणा, असमर्थता आ शादुल लेल करुणा सँ टूटल — इमाम अपन बेटा आ पत्नी सँ डेरायल छथि, मुदा शादुलक मृत्यु देखब हुनका लेल असह्य अछि।

१४५. (A) जीविका-संबंध तोड़ि स्मृति आ स्नेहकें माटि देबाक हिंसक योजना — खाधि केवल गड्ढा नहि, परिवारक पुरान स्नेह, ऋण आ साथकें दबा देबाक क्रूर सामाजिक-आर्थिक दबावक प्रतीक बनैत अछि।
१४६. (A) चाँद ओकरा खाधिम धकेलबाक हिंसक प्रयास करैत छल — शादुल आरम्भमे मात्र बचबाक प्रयास करैत छल, मुदा चाँदक हिंसक दबाव बढ़ला पर ओ झपटल।
१४७. (A) ओ आज्ञाकारी जकाँ चाँदकें छोड़ि देलक — इमामक स्वरक प्रभाव शादुल पर एतेक गहीर छल जे ओ चाँदकें छोड़ि एक दिस ठाढ़ भऽ गेल।
१४८. (A) पीड़ामे इमामक चारू कात दौड़ि बचाव ताकल — लाठीक प्रहारसँ बचबाक लेल शादुल इमामक पास-पास घूमैत रहल, जे ओकर निर्भरता देखबैत अछि।
१४९. (A) ओ पितृ-स्नेहक रक्षाक क्रोधमे चाँद पर तेज हमला कएलक — इमामक पीड़ा सुनि शादुल जेना अपन पिता चोट खाइत देखलक; ओकर प्रतिकार तीव्र भऽ गेल।
१५०. (A) गंभीर प्राणघातक क्षति पहुँचा सकैत छल — शादुल चाँदक गरदन पकड़ि लेने छल; एक क्षणक देरी प्राणघातक भऽ सकैत छल।
१५१. (A) एक दिस बीबम्मा-चाँद, दोसर दिस इमाम-शादुल — कथा स्पष्ट करैत अछि जे संघर्षक बाद परिवार भावनात्मक रूपेँ दू पक्षमे बाँटि गेल।
१५२. (A) आत्महत्या करबाक धमकी/प्रयाससँ दबाव बनबय लेल — चाँद ‘ओ रहत वा हम’क दबाव बनाबैत रस्सा लऽ आत्महत्या दिश बढ़ैत अछि।
१५३. (A) इमामकें कोसैत चाँदकें पकड़बाक लेल चिचियाबैत छथि — बीबम्मा अपना पुत्रक भयमे इमामकें दोष दैत ओकरा रोकबाक आग्रह करैत छथि।
१५४. (A) दू एकड़ जमीन लेल दूध पिआ कऽ पोसल स्नेह बिसरि गेलीह — इमामक कठोर वाक्य बीबम्माक स्नेहसँ जमीनक लोभ/सुरक्षा दिस पलटल मनोविज्ञान पर चोट करैत अछि।
१५५. (A) शादुल चाहैत तँ चाँदकें फाड़ि दैत, मुदा ओकर दाँत नहि गड़ल—कारण ओकर स्नेह स्थायी अछि — इमामक मान्यता अछि जे शादुलक भीतर मनुष्यसँ बेसी आभार आ मर्यादा अछि, तँ ओ चाँदकें सचमुच नहि मारलक।
१५६. (A) जङ्गल छोड़ब, बेचब वा जियतहि गाड़ब/हटएब — चाँद बार-बार शादुलकें हटएबाक दबाव दैत अछि; इमाम पहिने जङ्गल, बेचब आ खाधि सभ पर विवश भऽ सोचैत छथि।
१५७. (A) शादुलक अस्तित्व उजागर भेल तँ जमीनक पट्टा हाथसँ निकलि जायत — दू एकड़ जमीनक आशा शादुलक उपस्थिति सँ संकटमे पड़ि रहल अछि; यही कारणेँ दुनू ओकरा निपत्ता देखय चाहैत छथि।
१५८. (A) लोक भालुक सूचना देत आ ‘फकीरकें जमीन किएक’ कहि ईर्ष्या करत — बीबम्मा मानैत छथि जे ईर्ष्यालु गामक लोक अधिकारीकें खबर देताह आ पट्टा रुकि सकैत अछि।
१५९. (A) भोर सँ पहिने शादुलकें जङ्गल लऽ जएबाक — इमाम हत्या-दफन सँ बचबाक लेल शादुलकें भोर सँ पहिने जङ्गल छोड़ि एबाक प्रस्ताव दैत छथि।
१६०. (A) पहिने सेहो शादुल पेड़मा जङ्गलसँ वापस आबि गेल छल — चाँदक तर्क अछि जे शादुलक घर-पथ स्मृति प्रबल अछि; ओ फेर वापस आबि गामक रहस्य खोलि देत।
१६१. (A) बोनहा जानवर राखब अपराध थिक — चाँद कहैत अछि जे एसआई बोनहा जानवर राखब अपराध कहने छथि, जे जमीनक आवेदन पर संकट अछि।
१६२. (A) उष्पीक छालक पाउडरमे तमाखू मिला कऽ खियाएब — इमामक कठोर प्रस्ताव अछि जे उष्पीक छाल आ तमाखूक मिश्रण शादुलकें बताह कऽ ओकर स्मृति हरि लेत।
१६३. (A) आधा घण्टामे बताह बनत, मनुष्य चिन्हब आ घरक रस्ता बिसरि जायत — इमाम चाँद-बीबम्माकें आश्वस्त करैत छथि जे मिश्रण शादुलक स्मृति आ दिशा-बोध नष्ट करि देत।
१६४. (A) चुप भऽ जाइत छथि, जेना अस्थायी सहमति भेटल — इमामक प्रस्ताव सुनि चाँद चुपचाप चलि जाइत अछि आ बीबम्मा सेहो चुप भऽ गेलीह, दबाव क्षणिक रूपेँ शान्त भेल।
१६५. (A) ओकरा दस बर्ष पुरान शादुल-संबंधी अपराध-बोधक स्मृतिदिस लय जाइत अछि — तमाखू-उष्पी मात्र औखध नहि, शादुल पर पहिने कएल दमनक स्मृतिक द्वार खोलैत अछि।
१६६. (A) साथी लेल बेचैन, रातिमे चिकरैत, गाछ अङ्कवार भरैत आ विद्रोही बनैत — मद-कालमे शादुलक स्वभाव उग्र, बेचैन आ असंयमित भऽ जाइत छल।
१६७. (A) चाँद आ इमामकें काटबाक प्रयास, बीबम्मा पर गुराइत झपट्टा — साथी लेल उन्मादक समयमे ओ चाँद, इमाम आ बीबम्मा लेल सेहो खतरनाक भऽ उठल।

- १६८. (A) सालाक मादा भालु लग लऽ जा कऽ मिलन करौलनि** — इमाम शादुलकें अपन सालाक मादा भालु सभ लग लय गेलाह, जाहिसँ ओ केही समय सामान्य भेल।
- १६९. (A) पारम्परिक बधियाकरण-जेकाँ औषधीय काढ़ा** — दूर गाममे मादा भालु तक पहुँच कठिन छल, तँ इमाम औषधीय बधियाकरणक उपाय अपनौलनि।
- १७०. (A) ब्रह्मदण्डी, उप्पी, विषमुष्टि आ इष्टिकाँत** — इमाम सुखायल बोनहा जड़ी-बूटी ब्रह्मदण्डी, उप्पी, विषमुष्टि आ इष्टिकाँत उबालि काढ़ा बनौलनि।
- १७१. (A) ओ एक मास धरि सोझ ठाढ़ नहि भऽ सकल आ वशमे आबि गेल** — काढ़ा ओकरा अत्यन्त दुर्बल कऽ देलक; एक मास बाद ओ पुनः प्रदर्शन-जीवनमे लौटल मुदा अपन स्वाभाविकता हेरायल।
- १७२. (A) इप्पाक ताड़ी, नशा, पुरुषत्व-दमन आ आब बताह करबाक अपराधक श्रृंखला रूपमे** — इमामकें बुझाईत अछि जे जीविका लेल ओ शादुलक जीवन, शरीर आ स्वभाव पर बेर-बेर अधिकार जमौलनि।
- १७३. (A) शादुलक कमाईक चिन्ह सेहो निकालि लेल गेल** — चाँदीक छल्ला रहि गेल मुदा सोनाक बाली गायब; इमाम दुखसँ कहैत छथि जे शादुलक कमाईक बाली सेहो ले लेल गेल।
- १७४. (A) शादुल पर मानवीय स्वामित्वक नैतिक अपराध-बोध** — इमाम अपन जीविका आ परिवार लेल शादुलक स्वाभाविक जीवन छीनबाक अपराध स्वीकार करैत छथि।
- १७५. (A) ओ इमामक विवेककें आर तीखा बनबैत अछि** — शादुल बोलैत नहि, मुदा ओकर सटि रहब, उदासी आ निर्भरता इमामक आत्मग्लानि कें गहीर करैत अछि।
- १७६. (A) गम्भीरावपेटमे गाँधी प्रतिमाक पास शादुलक खेलक समय** — इमाम गम्भीरावपेटमे गाँधी प्रतिमा लग खेल देखबैत मल्ला रेड्डीक संदर्भ उठबैत छथि।
- १७७. (A) ओ शादुलकें पहलवान मल्ला रेड्डीकें चुनौती देबाक अभिनय करौलनि** — मनोरंजन लेल कहल चुनौती मल्ला रेड्डीक अहंकार पर चोट कएलक आ प्रसंग वास्तविक कुश्तीमे बदलल।
- १७८. (A) क्रोधित भऽ पुछलनि जे मानुसक तुलना जानवरसँ कोना** — मल्ला रेड्डी अपन सामाजिक-शारीरिक प्रतिष्ठा पर चोट बुझि क्रोधमे इमामकें ललकारलनि।
- १७९. (A) हारला पर दस हजार देबाक** — इमाम संकोचमे छलाह, मुदा चाँद निडरता सँ दस हजारक बात कहि विवादकें और गम्भीर बना देलक।
- १८०. (A) पीठ पर चढ़ि गरदन मचोड़ि साँस रोकय लगलाह** — कुश्तीक नाम पर मल्ला रेड्डी शादुलक पीठ पर चढ़ि ओकर गरदन किसि देलनि, जे प्राणघातक बनि सकैत छल।
- १८१. (A) अनुचित हमला मर्दानगी नहि, साहस अछि तँ कुश्ती करू** — इमाम साहस करि मल्ला रेड्डीक अनुचित पकड़कें ललकारलनि आ असली कुश्ती पर जोर देलनि।
- १८२. (A) ओ दुगुन वेगसँ झपटि मल्ला रेड्डीकें गिरा देलक** — इमामक अपमान/कष्ट देखिते शादुल सुरक्षात्मक क्रोधमे मल्ला रेड्डी पर प्रहार करैत अछि।
- १८३. (A) घेरि उठा कऽ जोर सँ जमीन पर पटकलक आ दबा देलक** — शादुल कुश्तीक बनावटी-प्रशिक्षित चाल सभ सँ मल्ला रेड्डीकें उठाकऽ पटललक आ उठय नहि देलक।
- १८४. (A) ओ इमामसँ वजन हटेबाक विनती कएलनि आ एक हजार टका देलनि** — मल्ला रेड्डी साँस लेल संघर्ष करैत इमामकें शादुल हटेबाक विनती कएलनि; बादमे हार स्वीकारि टका देलनि।
- १८५. (A) शादुल लेल सोनाक बाली बनबाबय** — इमाम टका घरखर्चमे लगाबय चाहैत छलाह, मुदा चाँद जिद कऽ शादुल लेल सोनाक बाली बनबौलक।
- १८६. (A) शादुलक निष्ठा याद आबि बताह-मिश्रण देब आर कठिन भऽ गेल** — जे शादुल कखनो इमामक रक्षा लेल प्राण दाँव पर लगौने छल, ओकरा क्षति पहुँचएब इमाम लेल असह्य भेल।
- १८७. (A) शादुल भूखल अछि, कनी खा लेत तखन देब** — इमाम शादुलक अन्तिम दिन पेट भरि खएबाक इच्छा कहि मिश्रण देब टारैत छथि।
- १८८. (A) सोचैत छथि साँझ धरि देब, एतय हड़बड़ी कोन** — दुपहरो इमाम स्वयंकेँ मनबैत छथि जे अभी जल्दबाजी नहि; शादुलकें आर खाइ दियौ।
- १८९. (A) माछी, कीड़ा आ चुट्टीक झुण्ड** — मिश्रण सूखि कड़ा भेल आ कीड़ा-माछी ओकरा चारू कात भनभनायल; इमाम ओकर खतरनाक प्रभाव सोचि काँपि उठलाह।
- १९०. (A) माछी-मच्छड़ पकड़ि इमामक मुँह-कपार लगसँ हटबैत** — शादुल इमामसँ सटल रहैत अछि आ माछी पकड़ि जैसे ओकर रक्षा करैत अछि, जे करुणा बढबैत अछि।

- १९१. (A) मामा द्वारा एकटा कुकुरकें देल मिश्रणसँ ओ बताह भऽ घर छोड़ि भागल** — बीबम्मा कहैत छथि जे एहन मिश्रण पहिने कुकुरकें बताह कऽ घर छोड़ि जाए बाध्य कएने छल।
- १९२. (A) इमाम फेर शादुलकें घर वापस अनताह** — चाँदकें डर अछि जे पिताक करुणा जीतल आ शादुल फेर घरमे देखाइ पड़त।
- १९३. (A) दूर फेकि देलनि** — बहुत दुविधाक बाद इमाम मिश्रण फेकि कहैत छथि जे बीस बर्ख भोजन देनिहारकें मारि नहि सकैत।
- १९४. (A) घर लौटब, चाँदक धमकी आ बीबम्माक दबावक भय शेष रहल** — करुणा जीतल, मुदा सामाजिक-परिवारिक संकट ओहिना रहल; घर लौटबाक डर इमामकें घेरेने रहल।
- १९५. (A) के हुनकर दूध-जकाँ शुद्ध जीवनमे विष घोरलक?** — इमाम परिवारक बदलल मूल्य, जमीनक लोभ आ टूटल स्नेहक कारण खोजैत छथि।
- १९६. (A) ओहि बैठकमे अधिकारी रहताह आ जमीन-पट्टाक निर्णय आगू बढ़ि सकैत अछि** — चाँद सुनैत अछि जे अधिकारीसभ गाम विकासक बैठकमे छथि आ कलेक्टर पट्टा बाँटय आबि सकैत छथि।
- १९७. (A) ओ चाँदकें एमआरओ द्वारा खोजल जा रहल अछि कहि पञ्चायत दिस लऽ जाइत अछि** — गामक सहायक सुंकारी चाँदकें सूचना दैत अछि जे एमआरओ ओकरा खोजि रहल छथि; जमीन प्रसंग तेज होइत अछि।
- १९८. (A) भालु बहुत पहिने मरि गेल** — चाँद अधिकारिक संकट टारबाक लेल कहैत अछि जे भालु जीवित नहि, बहुत पहिने मरि गेल।
- १९९. (A) जालमे फँसाएब वा मारब जेल जाए वला अपराध थिक** — सुंकारी नव/सख्त कानूनी चेतावनी दैत अछि जे वन्य पशु पकड़ब वा मारब दण्डनीय अछि।
- २००. (A) ओ सभ भालुसँ कमाइत छथि, पूर्ण असहाय/भूमिहीन नहि** — लाभक पात्र लोक कहैत छथि जे चाँद-इमाम भालु नचा कऽ कमाइत छथि, तँ जमीनक पात्रता सन्देहास्पद अछि।
- २०१. (A) भालु मासिक दरमाहा नहि दैत; दोसर साधन नहि अछि** — चाँद उलटा प्रश्न करैत अछि—भालु की दरमाहा दैत अछि; गाय रहित तँ भीख किएक माँगतहुँ?
- २०२. (A) भालुक खेलक बहाने लोककें अजगुत-परेशान करैत आ बटुआ काटैत** — गामक विरोधी लोक चाँदक चरित्र आ पेशागत आचरण पर सेहो चोट करैत छथि।
- २०३. (A) आपत्ति थमाबैत निर्णयक प्रक्रिया आगू बढ़बैत** — सरपञ्च कहैत छथि जे ई मानुस जवाब दऽ रहल अछि; अतिवाद करब तँ निर्णय असम्भव भऽ जायत।
- २०४. (A) जमीन ने बेचब, न हस्तान्तरित करब, न बन्धक राखब; बैंकक सहायतासँ खेती सम्भव** — पट्टा देबाक शर्त सामाजिक-कल्याण जमीनक संरक्षण लेल छल; बेचब/हस्तांतरण/बन्धक वर्जित छल।
- २०५. (A) शादुलक अस्तित्व झूठ खोलि पट्टा छीनि सकैत अछि** — पट्टा हाथमे अएलाक बादो चाँदक मन शादुलक संकटमे फँसल रहल; ओकरा अपन उपलब्धि असुरक्षित बुझाइत अछि।
- २०६. (A) परिवारक टूटनक जड़ खोजैत ओ पन्द्रह दिन पहिनेक घटनादिस लौटैत छथि** — घर लौटैत इमाम सोचैत छथि जे जीवनमे विष के घोरलक; एहि प्रश्नसँ मद्दीमल्लाक हालक घटना स्मृतिमे आबैत अछि।
- २०७. (A) सरपञ्च/मुखियाकें वस्तुसूची, ठहरबाक जानकारी आ अनुमति देब** — भालु, रस्सा आदि वस्तुसूची लिखि देब, गाममे रहबाक अवधि आ स्थान बतएब आवश्यक छल।
- २०८. (A) जमा धान साइकिल पर घर छोड़ि आबय लेल** — धान जमा भऽ रहल छल; चोरीसँ बचाएबाक लेल इमाम चाँदकें बोरा घर पहुँचेबाक आग्रह करैत छथि।
- २०९. (A) शादुलकें रौदमे नहि घुमाबथि** — चाँद शादुलक देखभालबारे सचेत रहैत छल, जे ओकर पुरान स्नेहक संकेत अछि।
- २१०. (A) एसआई ओकरा बजौने छल आ ओ मण्डल कार्यालय गेल छल** — फोन पर बीबम्मा कहैत छथि जे एसआई चाँदकें बजौने छथि; एहि सँ इमाम पुलिस-दबाव सँ डरि उठैत छथि।
- २११. (A) पहिने पुलिस मारि, घूस ऐंठि, भूखल राखि आ अपमानित कऽ चुकल छल** — सारमपल्ली-जेकाँ अनुभवमे पुलिस स्टेशनमे प्रताड़ना, घूस आ भूखक स्मृति इमामकें सिहरा दैत अछि।
- २१२. (A) ओ ओकरा अनदेखा कऽ भीतर चलि गेल** — पहिने चाँद शादुलकें स्नेहसँ छूबैत छल; एही दिनक उपेक्षा ओकर बदलल मनक स्पष्ट संकेत अछि।
- २१३. (A) खेल बन्द करब आ भालुकें छोड़ब/दूर करब पड़त** — जमीनक प्रक्रिया आगू बढ़बाक शर्त बनल जे भालु घरपर नहि देखाइ पड़य आ खेल बन्द हो।

- २१४. (A) भालु साँसक तकलीफसँ एक सप्ताह पहिने मरि गेल —** चाँद कहि चुकल जे भालु मरि गेल, आ एहि झूठक खुलासा पट्टा आ कानूनी संकट बनि सकैत अछि।
- २१५. (A) शादुलकें गामसँ बाहर जंगलमे छोड़ि देब —** चाँद स्पष्ट कहैत अछि जे जंगलमे—ओतहि जतयसँ आएल—शादुलकें छोड़ि देब, ताकि अधिकारीक सामने झूठ न खुल्य।
- २१६. (A) एमआरओ सूचीसँ नाम कटयसँ पहिने जमीनक मामला पर दबाव देब —** चाँदकें डर छल जे देरी भेला पर अधिकारी लाभार्थी सूचीसँ नाम काटि सकैत छथि, तँ ओ तुरन्ते मण्डल कार्यालय जाय चाहैत छल।
- २१७. (A) हुनका खरिहान सभमे जाय आ जीविकाक काज करबाक छल —** इमामक दैनिक कमाइ खरिहान आ गाम-गाम घूमबाक काम सँ जुड़ल छल; चाँदक अनुपस्थिति ओहि काममे बाधा बनैत छल।
- २१८. (A) जमीनक लालसा ओकरा पिताक काम आ शादुलक जिम्मेदारीसँ दूर कऽ रहल अछि —** चाँदक मौन स्पष्ट करैत अछि जे मण्डल कार्यालय आब ओकरा लेल पारिवारिक जीविका सँ बेसी जरूरी भऽ गेल अछि।
- २१९. (A) एमआरओ, कलेक्टर, जमीन बाँटब आ इन्दिराम्मा योजना —** गाममे प्रशासन, योजना आ जमीन-पट्टाक चर्चा सभकें अपन घेघरीमे लेने छल; लोकक ध्यान मनोरंजन वा ताबीजसँ हटि गेल छल।
- २२०. (A) सरपञ्च सूची बदलि देलक अथवा भूमिहीन नहि रहल लोककें पट्टा भेटल —** गामक अफवाह आ शिकायत प्रशासनिक अन्याय दिस इशारा करैत अछि—ककरो नाम हटल, ककरो अनुचित लाभ भेटल।
- २२१. (A) कियो खेल नहि देखलक, कियो ताबीज नहि बान्हलक, ओ खाली हाथ लौटलाह —** लोकक रुचि जमीनमे डूबल छल, तँ शादुलक खेल आ इमामक ताबीज-दुनू निष्फल रहल।
- २२२. (A) दैनिक श्रमक असफलता आ परिवार-शादुलक भोजन-संकट —** खाली बर्तन बतबैत अछि जे ओहि दिन इमाम अपन रोजमर्रा कमाइ सेहो नहि जुटा सकलाह।
- २२३. (A) शादुलक खाली पेटक चिन्ता —** इमामक स्नेहक केन्द्र शादुल अछि; अपना भूखल रहला परो ओ शादुल लेल मकड़क चिन्ता करैत छथि।
- २२४. (A) एसआई साहब हुनकासँ मिलय चाहैत छथि आ काल्हि बजौने छथि —** चाँदक बात प्रशासनिक दबावकें घरक भीतर आनैत अछि—एसआईक मुलाकात आब निर्णायक बनि रहल अछि।
- २२५. (A) तखन शादुलक की होयत? —** इमामक प्राथमिक चिन्ता जमीन नहि, शादुलक सुरक्षा छल। यही प्रश्नसँ कथा अगिला नैतिक संकटमे प्रवेश करैत अछि।
- २२६. (A) भालुक अस्तित्व हटाकऽ जमीन-पट्टा आ कानूनक संकट टारब —** चाँदक नजरिमे शादुलकें हटाएब जमीनक बाट खोलबाक राजनीतिक-कानूनी उपाय बनि गेल छल।
- २२७. (A) बीस बर्ख धरि अपन आदत बदलल भालु जंगलमे जियब नहि सकत —** इमाम बुझैत छथि जे मनुष्य-संगतिमे पलल शादुलकें अचानक जंगलमे छोड़ब लगभग मृत्युदण्ड जकाँ अछि।
- २२८. (A) भालु रहत तँ जमीन छोड़ू, जान सेहो बचत नहि आ जेल पड़त —** चाँदक भय ई अछि जे भालुक उपस्थिति झूठ खोलत आ अधिकारी कठोर दण्ड देताह।
- २२९. (A) शादुलकें बाहर छोड़ि सोझे मण्डल कार्यालय जाएबाक योजना छल —** ओ रातिक निर्णयकें प्रशासनिक दौड़सँ जोड़ैत अछि—पहिले शादुल हटत, फेर अधिकारीक सामने निवेदन होयत।
- २३०. (A) ओ शादुलकें छोड़बाक अन्यायमे सहभागी नहि बनय चाहैत छथि —** इमामक प्रतिरोध बतबैत अछि जे हुनका लेल शादुल मात्र जानवर नहि, अपन जीवनक सहचर अछि।
- २३१. (A) पट्टा इमामक नाम पर तैयार होयबाक बात छल —** चाँद कहैत अछि जे जमीनक कागज पिताक नाम पर बनत, तँ इमामक उपस्थितिक दबाव बढ़ि गेल।
- २३२. (A) ओ अपन जान लेबाक धमकी दैत अछि —** चाँदक आत्मघातक धमकी इमामकें पुत्र-प्रेम आ शादुल-स्नेहक बीच असह्य चुनावमे धकेलि दैत अछि।
- २३३. (A) घर पर सुंकारी आबि गेल छल आ जमीन बाँटबाक खबर सुनायल गेल —** माताक बात जमीन वितरणक तात्कालिकता बढ़बैत अछि, जे चाँदकें आरो जिद्दी बना दैत अछि।
- २३४. (A) मकड़क भुट्टा ताकि छोड़यसँ पहिने शादुल पेट भरि खा सकय —** इमामक समर्पणमे सेहो करुणा अछि—ओ चाहैत छथि जे वियोगसँ पहिने शादुल भूखल नहि रहय।

- २३५. (A) थारी, पानिक टब, अंकुश, औखध बर्तन, रस्सा आदि फेकि दैत अछि** — सामान फेकब शादुलक अस्तित्वक चिन्ह मिटेबाक, आ पुरान जीवनसँ कठोर विच्छेद करबाक संकेत अछि।
- २३६. (A) एतय कुकुर आ मानुसक खतरा अछि, कनी आर भीतर चलू** — इमाम प्रत्येक ठाम शादुलक सुरक्षा सोचैत छथि; बाहरी इलाका ओकरा लेल कुकुर आ पाथरक खतरा छल।
- २३७. (A) ओ पानिक स्रोत लग छोड़बाक तर्क देलनि** — शादुलक रोजक पानिक जरूरत इमाम लेल वास्तविक चिन्ता छल; ओ ओकर प्याससँ मरबाक कल्पना नहि सहि सकैत छलाह।
- २३८. (A) एतय मानुसक चहल-पहल अछि, कियो चाम लेल मारि सकैत अछि** — इमामक तर्क बतबैत अछि जे जंगलो सुरक्षित आश्रय नहि, कारण मानवीय हिंसा ओतय सेहो पहुँचि सकैत अछि।
- २३९. (A) साइकिल फेकि पिताक हाथसँ रस्सा छीनि शादुलकें मुक्त करैत अछि** — चाँद इमामक लगातार टारब देखिकऽ जबरन निर्णय लागू करय लगैत अछि।
- २४०. (A) पट्टा रहला पर शादुल भूखे मरि जायत** — इमामक करुणा अन्तिम क्षण धरि जाग्रत अछि; ओ कमसँ कम शादुलकें खाय-पिबय योग्य छोड़य चाहैत छथि।
- २४१. (A) ओ परिवर्तन नहि बुझि जड़ि ठाढ़ भेल आ चतुराईसँ पाथरसँ बचैत पाछाँ हटल** — शादुलक भ्रम आ बचबाक चेष्टा देखबैत अछि जे ओ दण्डक कारण नहि बुझि रहल छल।
- २४२. (A) ओ धरती पर ठेहुन टेकि विलाप कएलनि आ कपार पिटलनि** — इमामक विलाप मृत-शोक जकाँ अछि; शादुलसँ बिछोह हुनका लेल जीवनक जड़ि टूटबाक समान अछि।
- २४३. (A) जबरदस्ती साइकिल पर बैसाकऽ** — चाँदक व्यवहार पिता पर नियंत्रणक रूपमे देखाइत अछि; इमाम स्वयं चलबाक मनःस्थिति मे नहि छलाह।
- २४४. (A) जमीन** — बीबम्मा शादुलक बारेमे नहि पुछलनि; माता-पुत्र जमीनक गप्पमे लागल रहलाह।
- २४५. (A) घायल होइतहुँ ओ अपन घर-परिवारक गन्ध आ स्नेह दिस लौटि आयल** — शादुल झाँखुड़-जंगल पार करि घाव सहित लौटैत अछि; ई ओकर गहिर लगाव आ घर खोजबाक शक्ति देखबैत अछि।
- २४६. (A) सेवा आ भरोसाक बादो जमीन सूचीसँ ओकर नाम गायब भेल** — बुच्चैयाक आरोप छल जे बारम्बार आश्वासनक बादो सूचीमे ओकर अधिकार गायब कऽ देल गेल।
- २४७. (A) लोभ, समझौता आ गामक अनौपचारिक सत्ता-संस्कृति** — ताड़ी सरपञ्चक लोभकें जगबैत अछि आ बातचीतकें सत्ता, लाभ आ सौदाबाजीक माहौलमे रखैत अछि।
- २४८. (A) बारहम स्थान पर** — सरपञ्च कहैत अछि जे बुच्चैयाक नाम सूचीमे बारहम पर छल, मुदा बादमे सूची हाथ बदलल।
- २४९. (A) इमामक नाम जुड़ि गेल आ बुच्चैयाक नाम निपत्ता भेल** — सरपञ्च सूची-बदलावक दोष उच्च प्रशासनिक प्रक्रियापर डालैत अछि, मुदा भीतरमे षड्यन्त्रक गन्ध अछि।
- २५०. (A) पाँच-छह हजार टका उधार लऽ खर्च कऽ देलक** — जमीनक आश्वासन ओकरा कर्जामे धकेलि देलक; लाभ नहि भेटला पर ओ निराश भेल।
- २५१. (A) एसआई अन्तिम क्षणमे इमामक नामक सिफारिश कएलथि** — सरपञ्च बुच्चैयाक रोष एसआई आ इमाम दिस मोड़ैत अछि।
- २५२. (A) ओ राजनीतिक प्रभाव वला आ नियमक कठोर पालन करय वला ईमानदार अधिकारी मानल जाइत छथि** — एसआईक ई छवि सरपञ्चक योजना मुश्किल बनबैत अछि; ओकरा सीधे नहि, क्रोधमे उलझा कऽ मोड़बाक सोच अछि।
- २५३. (A) एसआईकें एतेक क्रोधित करब जे ओ अपन सिफारिशक विरुद्ध काज करथि** — सरपञ्च चाहैत अछि जे एसआई स्वयं इमामक नाम काटय, अर्थात् अपन सिफारिशकें खुद नुकसान पहुँचाओय।
- २५४. (A) इमाम लग भालु भेटत तँ जानवरक खेल अपराध ठहरि सकैत छल** — भालु रखबा/नचबाकें अपराध सिद्ध करि इमामकें झूठा वा अपराधी देखेबाक योजना बनाओल गेल।
- २५५. (A) इमाम आ भालुकें संग देखला पर सरपञ्चकें खबर देब** — षड्यन्त्रक अगिला कड़ी निगरानी छल—बुच्चैया इमामक पीछा करि प्रमाण जुटेबाक दायित्व लेलक।
- २५६. (A) इमामक गोपनीय भयकें उजागर करैत, घर-वापसीकें असुरक्षित बनबैत** — उज्जर चाँदनी इमामकें छिपबाक अवसर नहि दैत; हुनकर अपराध-बोध आ डर खुलल मैदानमे आ जाइत अछि।

- २५७. (A) ओ बुझैत छलाह जे शादुलक वापसी घरमे नव हिंसा आनत —** इमामक प्रेम डरमे बदलैत अछि; हुनका लगैत अछि जे शादुलक घर लौटब ओकर विनाशक कारण बनि सकैत अछि।
- २५८. (A) शायद जहरबला मिश्रण पहिने खियाय देब ठीक रहित —** ई पछतावा स्नेहक नहि, भयक अँधियारा क्षणक परिणाम अछि; इमाम सामने होयबाक हिंसा सँ आतंकित छथि।
- २५९. (A) सता रहल प्रेत जकाँ —** प्रेतक छवि इमामक अपराध-बोध, भय आ असहाय क्रोधक प्रतीक बनैत अछि।
- २६०. (A) ओ सभ न गारि देलक, न प्रश्न; एहि अनपेक्षित शान्तिसँ खतरा अनबूझ रहल —** प्रत्यक्ष क्रोध नहि रहब इमाम लेल अधिक भयावह अछि, कारण ओ बुझि नहि पबैत छथि जे भीतर की बदलल।
- २६१. (A) मिश्रण देलहुँ, किछु बेर व्याकुल भेल, फेर बूढ़ भालु पर असर नहि कएलक —** इमाम झूठ बाजि परिवारक क्रोध थामय चाहैत छथि, मानो विषक असफलता भालुक उमरक कारण भेल।
- २६२. (A) चाहब तँ खाधिमे गाड़ि देब अथवा काटि देब —** इमामक वचन हुनकर वास्तविक इच्छा नहि, बल्कि भय आ पराजयमे कहल असहाय बात अछि।
- २६३. (A) अम्मी, शादुल लेल किछु बालि सिझाउ; सोला नहि, थव्वा चाही —** चाँदक शान्त आवाज आ भोजनक आदेश इमामकें भ्रमित करैत अछि; घरक हवा एकदम बदलल बुझाईत अछि।
- २६४. (A) मकड़क उपलब्धता आ परिवारक शान्ति दुनू हुनका अस्वाभाविक लगल —** मकड़, शान्त पत्नी आ शान्त पुत्र—तीनू इमाम लेल एहन संकेत छल जे पाछाँ कोनो नव घटना अवश्य भेल अछि।
- २६५. (A) ओ पुनः घरक सदस्य जकाँ अपन पुरान स्थान खोजैत अछि —** शादुल घरमे अपन परिचित कोना खोजैत अछि; एहि सँ ओकर अपनत्व आ असुरक्षा दुनू उभरैत अछि।
- २६६. (A) ओ पुरान स्नेह लौटल जकाँ अनुभव करैत छथि —** चाँदक नम्र वाक्य इमामकें क्षणिक आश्चर्य करैत अछि जे घरक संकट शायद टलि गेल।
- २६७. (A) जवाब टालि दैत अछि —** चाँदक टालब देखबैत अछि जे असली बात अखन पूर्ण रूपेँ खुलल नहि अछि।
- २६८. (A) ओ डेरायल छल जे इमाम कतौ शादुलकें विष नहि खिया देने होथि —** चाँदक चिन्ता भालुक जीवन नहि, बल्कि योजना आ परिणामक नियंत्रणसँ जुड़ल छल।
- २६९. (A) शादुलकें मिश्रण नहि खियौने रहबाक कारण —** माता-पुत्र दुनू बुझैत छथि जे शादुल जिवित अछि; एही बात अस्थायी कोमलता आनैत अछि।
- २७०. (A) परिवारक अचानक नरमी देखिकऽ हुनका लगल जे जमीनक आशा टूटि गेल —** इमाम परिवारक बदली भाषा कें ई मानि व्याख्या करैत छथि जे जमीन नहि भेटल, तँ शादुल फेर प्रिय बनि गेल।
- २७१. (A) लोभमे हड़बड़ी करब विनाशक अछि —** इमाम चाँदकें विवेक, धैर्य आ अपन मौजूदा जीवनक मूल्य बुझएबाक कोशिश करैत छथि।
- २७२. (A) दूरक लोभमे अपन हाथक चीज गमाएब —** ई कहबी चाँदक जमीन-लोभक आलोचना करैत अछि—अनिश्चित लाभ लेल निश्चित सहारा गमाबय नहि चाही।
- २७३. (A) प्राण, गर्व, सम्मान आ चिन्ह —** इमामक भाषण शादुलकें आर्थिक साधनसँ ऊपर उठा कऽ अस्मिता आ आत्मसम्मानक केन्द्र बनबैत अछि।
- २७४. (A) शादुलक कानक गहना गायब देखि चाँदक गुप्त काज पर प्रश्न करैत छथि —** सोनाक छल्ला शादुलक पहचानक चिन्ह छल; ओकर गायब होयब असली सौदाक संकेत बनैत अछि।
- २७५. (A) जमीनक सिफारिश आ एमआरओ कार्यालयमे खर्च लेल टका चाही छल —** चाँद कहैत अछि जे भीखक कमाइ पर्याप्त नहि छल, तँ जमीनक दौड़मे शादुलक बाली बेचि देलक।
- २७६. (A) भालु कहियो नहि देखाय पड़्य —** पट्टा पाबय लेल भालुक अस्तित्व छिपायब मुख्य शर्त बनि गेल छल।
- २७७. (A) घरमे भालुक उपस्थितिक कोनो चिन्ह नहि रहय, सामान फेकू आ बाली हटाउ —** सरपञ्च अधिकारीक विश्वास लेल दृश्य प्रमाण हटेबाक सलाह दैत अछि—सामान आ बाली दुनू जोखिम मानल गेल।
- २७८. (A) शादुलक पहिचानक छोट चिन्ह सेहो जमीन-योजनाक झूठ खोलि सकैत अछि —** गहना मात्र सजावट नहि, शादुलक अस्तित्वक सार्वजनिक साक्ष्य बनि गेल छल।
- २७९. (A) कागज लय कऽ पिताकें देखेबाक लेल —** पट्टा हाथमे आनब चाँदक तर्क कें प्रमाणित करबाक क्षण छल।
- २८०. (A) ओ बुझि गेलाह जे कागज हुनकर नाम पर अछि —** निरक्षरता के बावजूद इमाम पट्टाक सामाजिक वजन बुझैत छथि; कागज हुनकर नामक अधिकार जकाँ लगैत अछि।

- २८१. (A) भावुक होइत नोर पौछैत, फेर बालि तैयार होयब देखि चेतैत** — बीबम्माक भावुकता आ घरेलू कामक सतर्कता एक संग देखाइत अछि; ओ पट्टा आ शादुल-दुनू संकटक बीच छथि।
- २८२. (A) दू घाँटमे चट कऽ गेल** — भूखल शादुलक लोभसँ खाएब दृश्य केँ करुण बनबैत अछि, कारण परिवार विषक निर्णय लग अछि।
- २८३. (A) ओ शादुलक जीवन समाप्त करबाक निर्णयमे कठोर अछि** — चाँदक कठोरता पिता पर दबाव बढ़बैत अछि; निर्णय करुणा नहि, जमीनक सुरक्षा सँ संचालित अछि।
- २८४. (A) विष देबासँ पहिने शादुलकेँ किछु सुख/भोजन देबाक करुणा** — इमामक हाथ काँपैत अछि; ओ हत्या-निर्णयक बीचो शादुलक भूख आ भरोसाक कदर करैत छथि।
- २८५. (A) बीबम्मा दोसर दिस देखैत छथि, चाँद ध्यानसँ जाँचैत अछि** — बीबम्माक नोर आ नजरि फेरब करुण अवशेष देखबैत अछि, जखन चाँद परिणाम सुनिश्चित करय चाहैत अछि।
- २८६. (A) ओ डरैत अछि जे कम मात्रासँ शादुल नहि मरत** — चाँद परिणामक अनिश्चितता नहि चाहैत; ओकर चिन्ता शादुलक पीड़ा नहि, मृत्यु सुनिश्चित करब अछि।
- २८७. (A) शादुलसँ बीस बर्खक स्नेह आ ऋणक बन्धन** — इमाम शादुलकेँ परिवार पालक बेजुबान साथी मानैत छथि; ओकरा मारब हुनका आत्मघातक नैतिक चोट जकाँ लागैत अछि।
- २८८. (A) रोगसँ मरित तँ दुख सहि लितहुँ, मुदा स्वयं मारब असह्य अछि** — हुनका लेल मृत्यु मात्र घटना नहि; हत्या कर्ता बनबाक अपराध-बोध अधिक असह्य अछि।
- २८९. (A) ओ केवल स्पष्ट उत्तर चाहैत अछि—विष इमाम देताह कि ओ स्वयं देत** — चाँद भावुकता स्वीकार नहि करैत; ओकर आग्रह तुरन्त क्रियान्वयन पर अछि।
- २९०. (A) ओ आँखि लाल कऽ गुरइल** — शादुल अपन परिचित इमाम पर चाँदक आक्रामक स्वर सहि नहि सकैत, तँ रक्षात्मक क्रोध देखबैत अछि।
- २९१. (A) पीड़ामे शादुल चिकड़त तँ गामक लोक भालुक बात जानि जायत** — इमाम करुणा आ भय दुनूकेँ जोड़ैत छथि—घरमे मृत्यु भालुक अस्तित्व सार्वजनिक कऽ सकैत अछि।
- २९२. (A) इमामकेँ भालु जंगल लय जाय देबाक** — बीबम्मा नोर रोकेत इमामक जंगल-प्रस्तावक समर्थन करैत छथि, मानो घरक हिंसा टरि सकय।
- २९३. (A) शादुल मरि जाय तखने इमाम वापस आबथि** — चाँद जंगल-प्रस्तावोकेँ नियंत्रणमे राखैत अछि; शादुल जिवित रहि गेल तँ योजना फेल।
- २९४. (A) एक हाथमे मकड़क बालि, दोसर हाथमे शादुलक रस्सा** — ई दृश्य जीवन आ मृत्यु, भोजन आ बन्धन—दुनू प्रतीक एक संग रखैत अछि।
- २९५. (A) एक घण्टा, दिन, राति बीति गेल, तखनो इमाम वापस नहि अएलाह** — इमामक न लौटब कथा केँ खुलल, करुण आ अस्थिर अन्त दैत अछि—ओ शादुलक संग कतय गेलाह, ई पाठक पर छोड़ल गेल।